



BioCoherence हस्तनरिदेशे

Version 2025-03-20

सामान्य सामग्री की तालिका

परिचय

1. BioCoherence का संक्षिप्त इतिहास	3
2. पुल बनाना	5

3. BIOCOHERENCE का उपयोग करना

3.1. मॉड्यूलों का समीक्षा	15
इस अध्याय की शुरुआत में एक वसित्त सामग्री सूची प्राप्त की जा सकती है।	
3.2. प्रत्येक मॉड्यूल के लिए वसित्त मैन्युअल	39
इस अध्याय की शुरुआत में एक वसित्त सामग्री सूची पाई जा सकती है।	

4. अनुप्रवृष्टियाँ

4.1. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न	92
4.2. चिकित्सा अध्ययन और साहित्य	97
4.3. सूची	109

BioCoherence का एक संक्षिप्त इतिहास

यह गर्मी 2024 है और BioCoherence का पहला सार्वजनिक संस्करण लॉन्च होने ही वाला है। हम यहां कैसे पहुंचे हैं, इस सॉफ्टवेयर के साथ जो मेरे सिर से बाहर निकला, जसिमो अब तक 1400 से अधिक अधिकारित बायोमार्कर, 40 स्क्रीन, एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम का स्कैन विश्लेषण और लाइव बायोफीडबैक के साथ परीक्षण शामिल है, जैसे कि एक पुनर्संतुलन मॉड्यूल?

आइए हम दो संवर्धन मार्गों की ओर देखते हैं।

हमारा ऊर्जा आकलन और उपचार उपकरणों के साथ पहला संपर्क 2011 का है। क्रिस्टिनि और मैं शादीशुदा थे और हमारे तीन बच्चे थे। उस साल, हमारी दूसरी बेटा आइससि, जो तब ग्लूटन संवेदनशील थी, द्वितीयक वदियालय शुरू करने वाली थी। जब हम सॉर्निया में रह रहे थे, जो पायरेनीज में एक छोटा गाँव है (फ्रांस के दक्षिण में), हम एक समाधान की तलाश में थे ताकि वह स्कूल में दोपहर का भोजन ले सके। मैं आपको बताना से बचाऊंगा, लेकिन जब हम विशिष्टज्ञ के पास पहुंचे, तो उसने हमें बताया कि एकमात्र समाधान एक कोलोनोस्कोपी था। और यह किसी भी तरह से उसे ठीक नहीं कर सकता। तो हम एक और समाधान की तलाश करने लग गए। एक मतिर ने हमें एक अजीब व्यक्ति की ओर इशारा किया जो एक छोटे गाँव में काम करता था, और इस अजीब व्यक्ति ने एक सत्र में पूरा चक्रे-अप और पुनर्संरचना की; उसने न केवल आधे घंटे में सभी समस्याओं की पहचान की, बल्कि वह एक महीने बाद ठीक हुई।

क्रिस्टिनि और मैं एक-दूसरे की ओर देखते रहे और समझ गए कि चिकित्सा के साथ कुछ गलत था। अस्पताल ने हमें यह समाधान क्यों नहीं दे सका? यह स्पष्ट तौर पर इतना गोपनीय क्यों था? लेकिन सबसे उपर, यह चीज क्या थी?

2011 के अंत में, हमने इस प्रकृतिज्ञ के साथ एक गैर-लाभकारी संस्थान स्थापित किया ताकि इन प्रथाओं का अध्ययन और मान्यकरण किया जा सके, फरि एक देखभाल केंद्र, फरि दूसरा एक। हम अंततः इस उपकरण के निर्माता से संपर्क में आए ताकि हम इसे फ्रांस में वितरित कर सकें, जो 2012 के अंत में हुआ। हमने दूसरों से मुलाकात की, और एक मजबूत वितरण, प्रकृतिज्ञों का नेटवर्क, और एक स्कूल स्थापित कर दिया।

लेकिन मेरे लिए, एक वैज्ञानिक, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, संगीतकार, लेखक और सबसे महत्वपूर्ण, एक कमजोर सर्पट, मैं व्यावसायिक या प्रशासनिक भूमिका तक सीमित नहीं रह सका। मैंने पहले ही कई कंपनियों स्थापित की हैं, जिनके लिए मैंने हमेशा पूरी कंप्यूटर सिस्टम का कार्यक्रम लिखा है। वास्तव में, मैंने लगभग 10 साल की उम्र में सॉफ्टवेयर बनाना शुरू किया, और लगभग 15 साल की उम्र में अपना पहला बच्चा। मैंने फरि वैज्ञान का अध्ययन किया और ध्वनि इंजीनियरिंग स्कूल गया, फरि क्रिस्टिनि के साथ 1996 में एक वेब एजेंसी स्थापित की, और फरि कई स्टार्ट-अप। हमारे वितरित देखभाल उपकरणों पर वापस जाते हुए, एक डेवेलपर के रूप में, मैं इन चक्रे-अप और देखभाल सिस्टमों के डेवेलपर में इस नवाचारात्मक उत्साह में योगदान करने के लिए उत्सुक था, जसिमो बहुत अनुभव करता हूँ और अच्छी तरह से समझता हूँ।

यह पहला मार्ग, फरि, वैज्ञान, आईटी और व्यापार है, और इनका स्वास्थ्य देखभाल में अनुप्रयोग।

लेकिन यह BioCoherence की ओर ले जाने वाला एकमात्र मार्ग नहीं है।

दूसरा मार्ग ध्यान है।

जब मैं 11 या 12 साल का था, तो मेरा जादू के प्रति एक जन्तु था - या यूँ कहें, जादूगर। मैं परिसि के जादू की दुकानों में सारा दिन बिताने का था, सभी ग्राहकों (शो बजिनसे के पेशेवरों) से मिलते हुए। -आपको याद दलाना चाहूँगा, मैंने भी एक जादूई कला बनाई, बनाई और एक दुकान को बेची, मेरा अनुमान है 13 साल का था... -और यही वह स्थान था जहाँ मैंने परिसि से मुलाकात की, एक जादू विशिष्टज्ञ जो दुनिया भर में काम करते थे। हम महान मतिर बन गए। और परिसि ने बचपन से "शरीर से बाहर" या "जातीय यात्रा" की प्रथा की है, जसिमो मुझे जजिजासा हुई। मैंने कभी इसका नाम नहीं सुना था। उसने मुझे इस विषय पर कुछ कतिबों दीं और इसका उल्लेख एक ऐसी चीज के रूप में किया जो उसके लिए बिल्कुल स्वाभाविक थी, लेकिन कुछ समय बाद हम संपर्क खो दिए।

तब से, यह मेरे लिए स्वाभाविक लगने लगा कि एक बहुत बड़ा दुनिया है जो दखिावट के परद के पीछे मौजूद है। लेकिन कैसे, परिसि में, एक अति-भौतिकवादी युग में, एक ऐसे परिवार में जो इसका कुछ भी ज्ञान नहीं रखता, मैं इस प्रश्न में गहराई से जाने के लिए कैसे जाऊँ?

जैसे-जैसे साल बीतते गए, यह एक वशिषाधिकारि और रोमांचक चर्चा का वषिय बना रहा, जजिआसा का एक स्रोत, लेकिन कुछ और नहीं। हमने कशिरो के रूप में ध्यान का प्रयास किया और फरि बड़ों के रूप में, लेकिन कोई वशिष सफलता नहीं मिली। फरि जीवन यहां और अब में आकार लेने लगा, इसके सभी आवश्यकताओं के साथ।

2011 पर वापस आते हैं, एक महत्वपूर्ण साल, मार्गों का एकत्रीकरण। जब आइसिस अपनी पुनर्प्राप्ति शुरू करती है, हमें परेपनियान में एक पारिवारिक डॉक्टर के पास भेजा गया। वह चीजों को अलग तरीके से देखता है। जरूर, चलो जाते हैं। मैं उससे किसी भी बात पर बात करता हूँ और ध्यान का वषिय फरि से उठता है, मैं उसे बताता हूँ कि मैंने किसी वशिष सफलता के बिना अपने शरीर से बाहर जाने की कोशिश की है। वह जवाब देता है कि वह कानों में वभिन्न आवृतियों के साथ ध्वनि पर आधारित एक तकनीक जानता है, जिसके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता। लेकिन ध्वनि ने मुझे आकर्षित किया... और मैंने बिनुरल बीट्स को खोजा। और तब से, प्रगत, जो तब तक काफी थकानवाली थी, बहुत तेजी से बढ़ने लगी। कुछ ही महीनों में, ब्रह्मांड भीतरी और बाहरी दोनों तरफ वसितारति हो रहा था। उस महत्वपूर्ण साल से, सब कुछ हमारे चारों तरफ पुनर्गठित होता रहा।

I ने एक फलिम परयोजना के लिये साक्षात्कारों की एक श्रृंखला शुरू की, *In Reality*¹। मैंने लगभग चालीस रोचक लोगों से मुलाकात की और उनका फलिमांकन किया। मैंने उनकी पुस्तकों का अनुवाद करने के लिये एक फ्रेंच प्रकाशन घर स्थापित कर दिया, और अब तक कुछ बीस काम प्रकाशित किये हैं।

क्रिस्टिन, अपनी तरफ और अपनी आश्चर्य के लिये, clairvoyant बन गईं। यह एक अच्छा है। ओह, और मेरी बेटे भी ऐसी ही हैं। एक अच्छे वैज्ञानिक की तरह, मैं वैसे भी कुछ प्रमाणीकरण प्रोटोकॉल कर रहा हूँ, यह सब बहुत वास्तविक लगता है, ठीक है, मान लेते हैं। उस साल, 7 सालों की क्वासी-ऑटार्किक परिवारिक जीवन के बाद पहाड़ी क्षुत्तों में (हम ने 2004 में परेसि छोड़ दिया था ताकि घर का निर्माण कर सकें जो क्रिस्टिन ने डिजाइन किया था), डिजिनीला ने शक्तिशाली आवाज से आगमन किया। और दुनिया बहुत व्यापक हो जाती है। घर जीवों से भर जाता है, हर एक पछिले से अधिक रोचक। पागलपन, लेकिन किसके बाद किस, यह नए वास्तविकता में विश्वास नहीं करना असंभव बन जाता है।

ये दो मार्ग हैं जो एकसाथ आते हैं, एक तरफ, ऊर्जा मूल्यांकन और हीलिंग उपकरण और सॉफ्टवेयर, उनकी शानदार संभावनाओं के साथ लेकिन वभिन्न सीमाओं और नरिशाओं के साथ; दूसरी तरफ, ध्यान, आंतरिक व्यक्तिगत विकास, दुनिया की सीमाओं का वसितार, और स्वयं पर शक्ति प्राप्त करने की विशाल शक्ति और अपनी स्वयं की जम्मेदारी के प्रति जागरूकता।

इसलिये, मैंने 2017 में दोनों का एक पहला संघ चलाया, और सर्जकों के लिये एक ध्यान ऐप परयोजना शुरू की; बहुत जटिल, कभी पूरा नहीं हुआ। मैंने 2018 में एक ऐप बनाया जो बिनुरल बीट्स और अन्य ध्वनियों को उत्पन्न करता है जो ध्यानियों के साथ होते हैं; बहुत जटिल, कभी पूरा नहीं हुआ। मैं एक दोहराने वाले पैटर्न को देखने लगा हूँ, यह मेरी पहली बहुत-जटिल, कभी-पूर्ण आवेदन नहीं है। ठीक है, आओ हम पूरी बात को फरि से लखें, और इसे सरल बनाएँ: आह, वजिय! हम 2021 में अपनी स्कूल को पहली, कम जटिल और - हुरो! - पूर्ण ऐप प्रस्तुत करेंगे: 33, मार्गदर्शित ध्यान, जो क्रिस्टिन की पहली 2 पुस्तकों पर आधारित है।

एक वविरण बाकी है: मैं और ज्यादा प्रस्ताव देना चाहता हूँ, मैं ध्यानियों को चुनने के लिये एक विश्वसनीय माप प्रणाली प्रस्तावित करना चाहता हूँ और क्यों नहीं, ध्यानियों को अनुकूलित करना चाहता हूँ एक वविरण, जैसा कि मैंने कहा, जो अंततः मुझे 3 साल ले गया। मैं 2022 में हमारा वार्षिक मास्टरक्लास प्रस्तुत कर सकता हूँ जिसमें एक पहला उपकरण होगा जो एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम के माप पर आधारित होगा। मैं 2023 में एक साल से ज्यादा काम के बाद प्रस्तुत करता हूँ इंटरफेस को कई दृश्यकरणों से सजाया गया और नई स्क्रीन बनाई गईं। एक और 6 महीनों की शोध के बाद हम अप्रैल 2024 में एक सॉफ्टवेयर के साथ पहुंचते हैं जो इंटरैक्शन के लिये प्रयास है...

इस पहले संस्करण तक पहुंचने के लिये, मैंने वचिारों को नषिकर्षित करने के लिये काफी गंभीरता से (और दुखद, जैसा आप सोच सकते हैं) चुना है। लेकिन, लगभग 40 सालों में जबसे मैं बनाता रहा हूँ, मैंने आखरिकार यह समझा है कि बिनाने के लिये बनाना कोई मतलब नहीं है; आपको शेर करने के लिये बनाना पड़ता है। और इसके लिये, मुझे इस सॉफ्टवेयर को समझने में आसान बनाने के लिये ज्यादा समय व्यतीत करना पड़ा। जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। मैंने इसे करने में सफलता पाई, हालांकि मैं अब भी उन सभी चीजों से नरिषा हूँ जो अभी तक मौजूद नहीं हैं। आप मुझे पर भरोसा कर सकते हैं कि मैं वचिारों और उपकरणों को जोड़ने और शेर करने जारी रखूँगा, और मैं सतुश्चिति करूँगा कि वे हमेशा सुंदर, आसान और आपके लिये स्वाभाविक हों।

Médéric Degoy, BioCoherence सॉफ्टवेयर के डिजाइनर.

1. <https://inreality.video>

पुलो का निर्माण

BioCoherence कई प्रमुख अवधारणाओं के चारों ओर डिज़ाइन किया गया है। इनकी सामान्य समझ होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये अंतरनिहित तर्क को मार्गदर्शक करती हैं।

हमारा कार्य उन क्षेत्रों के बीच पुलों का निर्माण करना है जो अक्सर असंबंधित होते हैं। इनमें शामिल हैं: साइबरनेटिक्स; प्रणाली सिद्धांत; ऊर्जा, एंट्रॉपी और नेगेट्रॉपी; उभरना; ह्यूमरिस्टिक्स; समकालिकता; एरगोडिसिटी; संसाधन सिद्धांत; कैस्केड सिद्धांत; भ्रूण विकास; प्रोलॉजी सिद्धांत; अनुवाद का सिद्धांत; सामंजस्य का सिद्धांत; पैमाने की लहरें; कालक्रम क्रिस्टल; शरीर-मन संबंध; पदार्थ-ऊर्जा-जानकारी संकेतार्थक संबंध; भौतिक एंट्रॉपी और सूचना एंट्रॉपी; अचेतन और आर्कटाइप।

जब तक अन्यथा उल्लेख न किया गया हो, उद्धरण विकिपीडिया से हैं।

साइबरनेटिक्स

"प्राकृतिक और कृत्रिम प्रणालियों में नियमन और संचार का सामान्य विज्ञान।"

"साइबरनेटिक्स जटिल प्रणालियों में जानकारी तंत्रों का अध्ययन है। इस शोध के क्षेत्र का आकार फीडबैक, या टेलीऑलॉजिकल तंत्र के मुख्य सिद्धांत के चारों ओर घूमता है। उनका लक्ष्य स्वचालित नियंत्रण, इलेक्ट्रॉनिक्स और गणितीय सूचना सिद्धांत के नवजात क्षेत्रों (1942 और 1953 के बीच) का एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करना था, जिसे "जानवर और मशीन दोनों में नियंत्रण और संचार का एक संपूर्ण सिद्धांत" कहा गया।

नॉर्बर्ट वीनर द्वारा औपचारिक रूप से स्थापित, साइबरनेटिक्स, अन्य चीजों के अलावा, पालो आल्टो स्कूल की प्रणालीगत चिकित्सा और आत्म-संरचना के वैकिक सिद्धांतों की उत्पत्ति है।"

दलिचस्प नोट्स:

- "1894 में, लडुवगि बोल्ज़मान ने एंट्रॉपी और जानकारी के बीच संबंध बनाया, यह नोट करते हुए कि एंट्रॉपी उस जानकारी से जुड़ी है जिसके लिए हमारे पास कोई पहलू नहीं है।"
- "फजियिलॉजी ने भी उन्हें कई तत्व प्रदान किए। उदाहरण के लिए, होमियोस्टेसिस का सिद्धांत, जिसे क्लॉड बर्नार्ड द्वारा प्रमुखता दी गई।"
- "साइबरनेटिक्स भी फेनोमिनोलॉजी का एक नरिंतरता है, क्योंकि यह घटनाओं का अध्ययन करती है ताकि उनकी स्वायत्तता और विशेषता को समझा जा सके, विशेष रूप से रूप के माध्यम से, और फिर एक अन्य प्रकार के विश्लेषण: मॉडलिंग, यांत्रिकी... पर जाती है।"
- "फीडबैक को इस दृष्टिकोण द्वारा उजागर किया गया है, क्योंकि यह आत्म-नियामक तर्क को डिज़ाइन करने के लिए आवश्यक है। इस प्रकार फीडबैक लूप प्रकट होते हैं, गोलाकार तंत्र जो प्रणालियों को उजागर करते हैं।"
- "शब्द "उभरना" जल्द ही नए रूपों के साथ-साथ नए गुणों और प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट करने के लिए उपयोग किया जाएगा जो एक प्रणाली के स्वैच्छिक पुनर्गठन के दौरान प्रकट होते हैं। इस प्रकार की घटना कभी-कभी प्रणाली के पुनर्गठन से अधिक, उच्च जटिलता के स्तर पर एक संगठन को शामिल करती है।"
- "दूसरी श्रेणी की साइबरनेटिक्स में, पर्यवेक्षक स्वयं को देखी गई प्रणाली में शामिल करता है।"

साइबरनेटिक्स पारस्थितिकी, मनोविश्लेषण, सूचना विज्ञान, प्रणाली विज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट... की जड़ में है।

BioCoherence में अनुप्रयोग

सॉफ्टवेयर के सभी स्तरों में, सबसे गहरे (कंप्यूटर की वास्तविकता; ऑपरेटिंग सिस्टम; और इंटरनेट) से लेकर सबसे समृद्ध (संघानिक तर्क, स्तर 1, 2 और 3 विश्लेषण और नए गुणों का उदय, सभी तत्वों का संबंध, कड़ी और अनुवादों की गणना)।

फीडबैक का सिद्धांत सॉफ्टवेयर के दिल में है, विशेष रूप से बायोफीडबैक माप में।

दलिचसूप बात यह है कि साइबरनेटकिस एक प्रणाली की सीमाओं और बाधाओं पर ध्यान केंद्रित करता है। यह संभावित विकल्पों का संकेत देता है। लेकिन समानता का सिद्धांत यह बताता है कि कई अलग-अलग रास्तों के माध्यम से एक लक्ष्य तक पहुँचना संभव है।

प्रणाली सिद्धांत

"प्रणाली सिद्धांत किसी भी प्रकार की घटना को परिभाषित करने, अध्ययन करने या समझने का एक तरीका है, जो सबसे ऊपर इस घटना को एक प्रणाली के रूप में मानने में निहित है: इंटरैक्शन का एक जटिल सेट, अक्सर उप-प्रणालियों के बीच, एक बड़े प्रणाली के भीतर। यह पारंपरिक दृष्टिकोणों से भिन्न है, जो एक प्रणाली को भागों में विभाजित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं बिना पूरे के कार्य और गतिविधि पर विचार किए, यानी समग्र प्रणाली पर।

प्रणाली सोच एक वैश्विक, मैक्रोस्कोपिक, समग्र या संयोजक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देती है; यह एक प्रणाली का अवलोकन और अध्ययन विभिन्न दृष्टिकोणों और संगठन के विभिन्न स्तरों से करती है, और, सबसे ऊपर, यह प्रणाली के भागों के बीच विभिन्न इंटरैक्शन को ध्यान में रखती है।

20वीं सदी के मध्य में धीरे-धीरे उभरे, प्रणाली विज्ञान ने डेसकार्टियन विश्लेषणात्मक परंपरा और अन्य रूपों के विरुद्ध नरिमाण किया, जो पूरे को स्वतंत्र भागों में काटने की प्रवृत्ति रखते थे और वास्तविकता को समझने में उनकी सीमाओं को प्रदर्शित करते थे।"

दलिचसूप नोट्स:

- "यहाँ आवश्यक अवधारणा नश्वरि रू से वनियिमन की है, जिसे फीडबैक लूप के विचार के माध्यम से परिभाषित किया गया है। "इंटरैक्शन (या अंतर-सम्बंध) गैर-रेखीय कारणता के विचार का संदर्भ देता है। यह अवधारणा जैविकी में सह-विकास और सहजीवता को समझने के लिए आवश्यक है। इंटरैक्शन का एक विशेष रूप प्रतिक्रिया (या फीडबैक) है, जिसका अध्ययन साइबरनेटकिस के काम का केंद्रीय बिंदु है।"
- "सम्पूर्णता। यदि एक प्रणाली सबसे पहले एक तत्वों का सेट है, तो इसे इस पर घटित नहीं किया जा सकता। जैसा कि कहावत है, समग्र अपने भागों के योग से अधिक है।
- "संरचना एक प्रणाली को समझने के लिए केंद्रीय अवधारणा है। संगठन एक सम्पूर्ण का व्यवस्था है जो इसके तत्वों को श्रेणीबद्ध स्तरों में विभाजित करने के अनुसार होती है। इसके संगठन के स्तर के आधार पर, एक सम्पूर्ण के पास समान गुण नहीं होंगे। हम इस विचार पर पहुँचते हैं कि एक सम्पूर्ण के गुण उस पर निर्भर नहीं करते कि इसमें कितने और कौन से तत्व हैं, बल्कि उन संबंधों पर निर्भर करते हैं जो उनके बीच स्थापित होते हैं। "एक खुली प्रणाली एक प्रणाली है जो, अपने पदार्थ, ऊर्जा और जानकारी के आदान-प्रदान के माध्यम से, आत्म-संगठन की क्षमता को प्रकट करती है।
- खुली प्रणालियों के रूप में, जीवित प्राणी नकारात्मकता के चक्र (अर्थात्, एंटीरॉपी को कम करना, एक उच्च क्रम बनाना) बनाने में सक्षम होते हैं।
- "गतशील प्रणाली" के संदर्भ में, इस क्षेत्र की पहली धारणा यह है कि, स्पष्ट व्यवस्था के पीछे, एक ऐसा क्रम है जो दृश्यमान क्रम से अधिक जटिल है। दूसरी धारणा यह है कि यह क्रम आत्म-संगठन और पहले अनुपस्थिति नए विशेषताओं और गुणों के उदय के माध्यम से उत्पन्न होता है।"

BioCoherence में आवेदन

- तत्वों के बीच संबंधों को उजागर करना जो तत्वों के मूल्यांकन से कम नहीं, बल्कि अधिक महत्वपूर्ण हैं।

उद्भव

"उद्भव एक दार्शनिक अवधारणा है जिसे मोटे तौर पर इस कहावत से संक्षेपित किया जा सकता है: "सम्पूर्ण अपने हिस्सों के योग से अधिक है।" यह संकेतवाद के साथ-साथ द्वैतवादी सिद्धांतों (द्वैतवाद या जीवनवाद) के विपरीत है।

एक गुण को "उद्भव" के रूप में योग्य माना जा सकता है यदि यह अधिक मौलिक गुणों से "अनुगमन" करता है, जबकि यह "नया" या "अवनिशी" रहता है। इस प्रकार, जॉन स्ट्रुट मलि का कहना है कि पानी के गुणों को हाइड्रोजन या ऑक्सीजन के गुणों में संकेतित नहीं किया जा सकता।"

दलिचसूप बदि:

- "हम कभी-कभी एक प्रणाली के सूक्ष्म और स्थूल स्तरों के बीच संबंधों के संदर्भ में 'समकालिक उद्भव' के बारे में बात करते हैं। इस मामले में, उद्भव का तात्पर्य एक वैचारिक अवनिशति से है: उद्भव गुण और कानून जटिल प्रणालियों की प्रणालीगत विशेषताएँ हैं जो कानूनों द्वारा शासित होते हैं जो छोटों पैमाने के घटकों के बीच संबंधों को योग्य करने वाले कानूनों में संकुचति नहीं किए जा सकते।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

- उभरने की तर्क: विश्लेषण कई चरणों में किया जाता है, प्रत्येक उच्च-स्तरीय गुणों को प्रकट करता है जो नमिन स्तर पर मौजूद नहीं होते। अंतिम चरण में, संसाधन पाए जाते हैं।

ऊर्जा

"ऊर्जा एक ऐसा अवधारणा है जो क्रिया, बल और अवधि से संबंधित है: एक क्रिया का कार्यान्वयन एक निश्चित बल को एक पर्याप्त समय की अवधिक बनाए रखने की आवश्यकता होती है, ताकि इस परिवर्तन का वरिध करने वाली जड़ता और प्रतरीध को पार किया जा सके।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

एक बायोमार्कर की ऊर्जा को विभिन्न तरीकों से मापा जाता है, जो बायोमार्कर के प्रकार पर निर्भर करता है; इसे प्रत्येक बायोमार्कर के लिए विशिष्ट न्यूनतम/अधिकतम पैमाने में रखा जाता है, यह फूल की ऊर्ध्वाधर धुरी बन जाता है।

एंटरॉपी

यह एक अवधारणा है जो स्पष्ट और जटिल दोनों हैं, लेकिन सबसे ऊपर यह एक ऐसा शब्द है जो विभिन्न क्षेत्रों में काफी अलग-अलग चीजों की व्याख्या करता है।

- भौतिकविदों के लिए, एंटरॉपी उत्तेजना, अव्यवस्था है।
- सूचना सिद्धांत के लिए, एंटरॉपी विभिन्न प्रकार की जानकारी की संभावित कच्ची मात्रा का एक माप है।
- कंप्यूटर विज्ञान के लिए, यह संभावित जानकारी की सीमा, स्थान के आकार के रूप में है।

हम एंटरॉपी की अवधारणा को एक प्रणाली की अव्यवस्था के अनुपात के रूप में संक्षेपित कर सकते हैं; इसका विपरीत, नेगेट्रॉपी, इसलिए एक प्रणाली के क्रम के स्तर के अनुपात के रूप में है।

BioCoherence में अनुप्रयोग

हम बायोमार्कर के विभिन्न स्तरों पर भिन्नता को मापते हैं ताकि एक उत्तेजना कारक का निष्कर्ष निकाला जा सके, जो फूल के कृषि अक्ष का नरिमाण करेगा।

संसाधन सिद्धांत

क्रिस्टीन डेगोय द्वारा बकिसति, संसाधन सिद्धांत का अनुमान है कि, प्रत्येक जीवित प्रणाली में, पूरी तरह से पूरा भाग होते हैं जो अन्य भागों को पोषण देते हैं। एक प्रणाली तर्क में, ये संसाधन भाग हैं, जो अन्य उप-प्रणालियों से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं जिन्हें आवश्यकता होती है।

क्रिस्टीन ने सभी स्तरों पर संसाधनों की पहचान की है: जैविक, मनोवैज्ञानिक, ऊर्जावान और गैर-भौतिक (अर्थात्, पदार्थ से बने जो समग्र प्रणाली के साथ इंटरैक्ट करते हैं, लेकिन सामान्य पदार्थ के समान भौतिक कानूनों के अधीन नहीं होते)।

BioCoherence में अनुप्रयोग

उच्चतम स्तर के उभरते तत्व के रूप में, संसाधन पहचान हमें प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए एक समुंगत योजना बनाने में सक्षम बनाती है, जिसका उपयोग समग्र प्रणाली का अनुकूलन करने के लिए किया जा सकता है।

कैसेकेड सद्घात

पॉल श्मिट के रोग के मूल कारणों की खोज के सद्घात के पदचरितों का अनुसरण करते हुए, और बाद में फलिपि मत्जा द्वारा वकिसति, कैसेकेड सद्घात एक प्रणालीगत तारककता का हिससा है। यह यह प्रस्तावति करता है कि एक पीड़ति अंग या प्रणाली एक कारणात्मकता और ऊर्जा संबंधों की श्रृंखला का हिससा है, और इस श्रृंखला को प्रभावी चकित्सा के लिए फरि से ट्रेस करना चाहिए।

BioCoherence में अनुप्रयोग

लकिं और संगठति प्रणालियों की पहचान करके, BioCoherence हमें पूरण कारणात्मक श्रृंखलाओं का पुनर्निर्माण करने और परिवर्तनों के स्रोत पर कार्य करने में सक्षम बनाता है। लेकिनि हम कारणात्मक श्रृंखलाओं के सद्घात को कई श्रृंखलाओं और इस तथ्य तक बढ़ा रहे हैं कि एक प्रणाली जिसके तत्व सामंजस्य में हैं, को इसके तत्वों को स्थायी रूप से संतुलति करने के लिए सभी स्तरों पर समवर्ती हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी।

अम्ब्रयोजेनेसिस

" भ्रूण के निर्माण के दौरान, कोशिकाएँ वशिष्ट कोशिका परतों में व्यवस्थति होती हैं: बाहरी परत को एक्स्टोडर्म कहा जाता है, जबकि आंतरिक परत को एंडोडर्म कहा जाता है। मध्यवर्ती परत एक ऊतक बनाती है जिसे मसोडर्म कहा जाता है। स्तनधारियों में, प्रत्येक परत की एक अलग नयितति होती है: एंडोडर्म पाचन पथ और इसके संबंधति ग्रंथियों (अग्न्याशय) का उत्पादन करता है; मसोडर्म मांसपेशियों, कंकाल और रक्त वाहिकाओं का उत्पादन करता है;

एक्स्टोडर्म एपिडर्मिस और तंत्रिका तंत्र का उत्पादन करता है"

BioCoherence में अनुप्रयोग

हम यह मानते हैं कि ये तत्व वयस्क जीव में वशिषे अनुनादों द्वारा जुड़े रहते हैं, और हम क्रिस्टीन डगिंय द्वारा वकिसति 8 कॉर्पोरा को ध्यान में रखते हैं जो उनके भ्रूणीय उत्पत्ति से जुड़े तत्वों से मलिकर बने हैं। इन संबंधों को फरि परिणामों की व्याख्या में एकीकृत किया जाता है।

प्रोलॉजी सद्घात

प्रोलॉजी, जीवन के अर्थ को फरि से खोजना से एक अंश, क्रिस्टीन डगिंय द्वारा:

"यह देखभाल और पूरति के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण है। स्वाभाविक रूप से समग्र और पार-संबंधित, इसे प्रणालीगत के रूप में वर्णति किया जा सकता है, जो व्यक्तिके सभी घटकों के अनुनाद की ओर उन्मुख है, जैसे कि बहुत से उपलब्ध संसाधन जो समन्वय में लाए जाते हैं।"

प्रोलॉजी एक पूरण पराडाइम परिवर्तन प्रस्तुत करती है, जो शरीर को पूरति के लिए एक शक्तशाली लीवर के रूप में एकीकृत करती है, यहां तक कि बीमारी के बीच में भी। इसके मजबूत सद्घात जीवन परियोजना के साथ प्रणाली सद्घात दृष्टिकोण पर आधारति है, जिसे नमिनलखिति थिसिसि द्वारा स्पष्ट किया गया है: "हर मानव एक प्रणाली है जिसके पास एक परियोजना है, और जो कुछ भी इसे बनाता है वह इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।"

प्रोलॉजी हमें व्यक्तितगत परियोजना समर्थन के संदर्भ में मानव शरीर का मानचित्रण करने और परिपक्वता और अपने जीवन के नियंत्रण की वृद्धि में अनुक्रमिक श्रृंखलाओं की अस्थायी संगठन की खोज करने में सक्षम बनाती है।

भ्रूण वजिज्ञान के आधार पर मानचित्रण, मानव स्वभाव के तीन स्तंभों - इच्छा, प्रेम और ज्ञान - के साथ मलिकर बीमारी की एक नई समझ को जन्म देता है। वास्तव में, प्रोलॉजिकल डिकोडिंग बीमारी को प्रणाली का एक परिवर्तन मानती है, न कि एक वफिलता। जब किसी मानव के पदार्थ-ऊर्जा-ज्ञानकारी प्रणाली को आगे बढ़ने के लिए सधुआ की आवश्यकता होती है, तो वह कौशल और व्यवहार, आवश्यकताओं और इच्छाओं, साथ ही अपने जीवन और उसके चारों ओर की दुनिया के दृष्टिकोण को संशोधित और विकसित करने के लिए हर विकासत्मक अवसर का लाभ उठाता है।

प्रत्येक अंग व्यक्तिके जीवन परियोजना की पूर्ति में एक भूमिका निभाता है, और विकास के लिए आवश्यक परिवर्तन की सीमा के आधार पर वभिन्न स्तरों की विकशीलता के साथ अद्यतन करता है।

एक प्रोलॉजिकल दृष्टिकोण के उद्देश्य संतुलन, ऊर्जा और आराम को बहाल करना है, जबकि किसी के जीवन परियोजना का सम्मान करते हुए, समग्र पूर्ति प्राप्त करने के लिए।

BioCoherence में अनुरयोग

यह सॉफ्टवेयर जीवन परियोजना के साथ सहसंबंध में चल रही समस्याओं और परिवर्तनों का पूरा मूल्यांकन और पहचान करने में सक्षम बनाता है। यह उद्देश्य और ऊर्जा रलीज पर आधारित एक सकारात्मक पढ़ाई है, जबकि जैविक डिकोडिंग सधरूप और बाधा पर आधारित होती है।

गूजने का सदिधांत

"गूजन एक ऐसा घटना है जिसके द्वारा कुछ भौतिक प्रणालियाँ (इलेक्ट्रिकल, मेकेनिकल, आदि) कुछ आवृत्तियों के प्रति संवेदनशील होती हैं। एक गूजता हुआ प्रणाली ऊर्जा को संचित कर सकता है, यदि इसे आवधिक रूप में लागू किया जाए, और एक आवृत्तिके करीब जसि 'गूजन आवृत्ति' कहा जाता है।"

BioCoherence में अनुरयोग

आँडयि ध्यान के दौरान, विशेष आवृत्तियों पर उत्सर्जित ध्वनियों या ध्वनियों के अनुक्रम विशेष जैविक या मानसिक संरचनाओं को ऊर्जा प्रदान करेंगे।

संगतिका सदिधांत

"भौतिकी में संगति एक तरंग प्रणाली के सहसंबंध गुणों का सेट है। हम 2 तरंगों के बीच संगति, एक ही तरंग के 2 भिन्न कृषणों पर मानों के बीच (कालिक संगति) या एक ही तरंग के 2 भिन्न स्थानों पर मानों के बीच (स्थानिक संगति) के बारे में बात कर सकते हैं। संगत करिणों के उदाहरण: लेजर प्रकाश।"

बाइनरेल बीट्स

"बाइनरेल बीट एक स्पष्ट ध्वनि है जसि मसृत्षिक में एक विशेष शारीरिक उत्तेजना के परिणामस्वरूप महसूस किया जाता है। यह प्रभाव 1839 में हेनरिच विल्हेम डोवे द्वारा खोजा गया था।

जब दो ध्वनियाँ थोड़ी भिन्न आवृत्तियों की होती हैं और उन्हें वषिय के प्रत्येक कान में स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत किया जाता है, तो मसृत्षिक एक ऐसे घटना का उत्पादन करता है जसि ध्वनि मात्रा के निम्न-आवृत्ति पल्स के रूप में महसूस किया जाता है। यदि दोनों आवृत्तियों के बीच का अंतर 4 हर्ट्ज है, तो वषिय प्रति सेकंड 4 बीट्स सुनेगा।"

BioCoherence में आवेदन

ऑडियो ध्यान के दौरान, वशिष बाइनरेल वीड्स को संबोधित की जाने वाली प्राथमिकताओं के अनुसार एकीकृत किया जाता है। ये मस्तिष्क को अल्फा, बीटा, गामा या थीटा रेंज में वशिष आवृत्तियों पर प्रशिक्षित करते हैं।

स्कले वेव्स

मारक हेनरी¹ बताते हैं कि "एक स्कले का पांचवां आयाम है, जो तीन स्थानिक आयामों और समयिक आयाम से स्वतंत्र है। यह नया आयाम यह निर्धारित करने में सक्षम बनाता है कि देखे गए या मापे गए स्पेटियो-टेम्पोरल घटना कसि स्कले पर कार्य करती है। लेकिन, यदि एक नया आयाम है, तो इसमें तरंगों प्रकट होना आवश्यक है। ये नश्चिति रूप से हमारी स्कले तरंगों हैं। इनकी भूमिका एक ही भौतिक वस्तु के वभिन्न वर्णन और प्रकट करने के स्कले के बीच सामंजस्य सुनिश्चित करना है। ये स्कले तरंगों क्वांटम या सापेक्षता भौतिकी के शैक्षणिक ग्रंथों में प्रकट नहीं होती है। हालांकि, ये हमारे लिए बहुत परिचित हैं। हमें केवल इस प्रश्न को स्वीकार करना है कि एक व्यक्ति कैसे उन वभिन्न भागों को पहचानने में सक्षम है जो उसे बनाते हैं। स्कले तरंगों के माध्यम से, वही व्यक्ति अपनी एकता को महसूस कर सकता है, चाहे वह खुद का वर्णन करने के लिए किसी भी स्कले का उपयोग करे।"

स्कले तरंगों का सिद्धांत जो एल स्टर्नहाइमर द्वारा किया गया था, जिनहोंने उन्हें प्रोटोडिड्स के साथ व्यावहारिक उपयोग में लगाया।

कालिक क्रिस्टल

"एक कालिक क्रिस्टल समय और स्थान में एक आवधिक संरचना है। इस प्रकार की संरचना का विचार फ्रैंक विल्मज्के द्वारा 2012 में प्रस्तुत किया गया था। उनके अनुसार, यह संभव है कि एक संरचना की कल्पना की जाए जिसमें कणों का एक समूह हो जो चलते हैं और आवधिक रूप से अपनी मूल स्थिति में लौटते हैं, जो एक "कालिक क्रिस्टल" बनाएगा। यह अभिव्यक्ति एक "क्लासिकल" क्रिस्टल में देखी जाने वाली संरचना से ली गई है, जिसका परमाणु संरचना वभिन्न दिशाओं में एक दोहराने वाला पैटर्न दिखाती है। दूसरी ओर, एक कालिक क्रिस्टल में, पैटर्न समय में आवधिक रूप से दोहराया जाता है, जैसे एक ऑस्सीलेटर। केवल एक बाहरी आवधिक उत्तेजना एक कालिक क्रिस्टल को प्रकट कर सकती है, **ऊर्जा अवशोषित करत हूँ!**"

BioCoherence में आवेदन

एक बार जब तत्वों के बीच के लंकि की पहचान कर ली जाती है, तो आवृत्ति पैटर्न की पहचान की जा सकती है। विचार यह है कि पैटर्न (जो विचारों, आंदोलनों, दर्द, वभिन्न दोषों की श्रृंखलाएं हो सकते हैं...) संरचनाएं बनाते हैं जो अपने आंदोलन को स्थायी बनाए रखने के लिए सामान्य प्रणाली से ऊर्जा को लगातार अवशोषित करती हैं। सॉफ्टवेयर के एल्गोरिदम वशिष्ट नोडल बन्धुओं को खोज सकते हैं ताकि पुनरावृत्ति को तोड़ सकें।

मन-शरीर संबंध

"घटना की धारणा 1960 के दशक में डोनाल्ड डेवडिसन द्वारा मन के दर्शन के क्षेत्र में पेश की गई थी, ताकि मन और शरीर की प्रणालीगत निर्भरता और अव्यक्तता के स्पष्ट रूप से वरिधाभासी विचारों को मेल दिया जा सके। जब प्रकार B (जैसे मानसिक) की एक वशिषता प्रकार A (जैसे भौतिक) की एक वशिषता पर उभरती है, तो प्रकार B का कोई भी परिवर्तन प्रकार A के परिवर्तन के बराबर होता है। इसलिए, जब एक घटना होती है, तो एक प्रकार का अंतर बना किसी अन्य प्रकार के अंतर के नहीं हो सकता एक अन्य स्तर पर विवरण। इसलिए इन दो स्तरों के बीच एक सह-संबंध संबंध है।"

"साइमन ब्लैकबर्न के अनुसार, प्रकृति की समकालीन भौतिक धारणा गुणात्मक गुणों जैसे रंग, दर्द, और हमारे विश्व के अनुभव के गुणात्मक पहलू को बनाने वाली सभी अन्य चीजों की कमी है।"

1. <https://marchenry.org/2014/09/15/ondes-dechelle/>

"कड्ड पनैसाइकोसूट दारुशनकि, जैसे गैलेने सूट्रॉसन, इस दडूटकिण से तर्क करते हैं कसिभी भौतिक वसूतए वासूतव में मानसकि गुण हैं जो अनुभव के गुणों के समान हैं।"

पदारूथ-ऊरूजा-जानकारी महूतूव संबूध; भौतिक, ऊरूजावान, जानकारी और महूतूव एंटरूपी

"हमारे अनुभव के गुणात्मक पहलू" पर लौटने के लिए, आइए पदारूथ पर एक नजर डालते हैं:

- पदारूथ लहरों और कणों दोनों से बना होता है। इसे सामग्री (कण) या ऊरूजावान (लहरों) के रूप में वर्णित किया जा सकता है। वास्तव में, हम आत्म-
contained स्थिति लहरों के बारे में बात कर रहे हैं जो अपने स्वयं के चबुंकीय क्षेत्र का निर्माण करती हैं, जैसे एक गिटार की तार जो अपने आप में मडुई
हुई है। इस तरह, वे बनाते हैं ...

- ऊरूजा, जो संग्रहीत होती है या संचालित होती है। इसे वनिमिय किया जा सकता है, लेकिन यह अपने आप में न तो नकारात्मक है और न ही
सकारात्मक: यह केवल एक दिशा में या दूसरी दिशा में ऊरूजा संभाव्यता के आदान-प्रदान का प्रतिनिधित्व करता है। हालांकि, यह ... ले जाती है

- 'जानकारी, जो 'ऊरूजा या पदारूथ पर एन्कोडेड होती है, और ... के प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करती है।

- अरूथ, जो अंततः हमारे लिए चेतना के प्राणी के रूप में एकमात्र महूतूवपूर्ण चीज है।

यह 'एंटरूपी' के विचार को फिर से परिष्कृत करने लाता है। पदारूथ के स्तर पर, एंटरूपी उत्तेजना, या ऊरूजा संभाव्यता है। जानकारी के स्तर पर,
एंटरूपी उस माध्यम (ऊरूजा या पदारूथ) पर संप्रेषण की जाने वाली जानकारी की संभावित मात्रा है। लेकिन अरूथ के अंतम स्तर पर, एंटरूपी
महूतूवपूर्ण जानकारी की मात्रा है जो वास्तव में संप्रेषण की जा सकती है।

उदाहरण के लिए: एक बटन की कल्पना करें जो एक परिमाणु बम को सक्रिय करता है। जानकारी के स्तर पर, बम को सक्रिय करने के लिए एक ही बटि
जानकारी पर्याप्त है। पदारूथ और ऊरूजा के स्तर पर, प्रभाव विशाल लेकिन स्थानीयकृत है। और महूतूव के संदर्भ में, यह लक्ष्य पर निर्भर करता
है: एक शहर (स्थान और समय में विशाल प्रभाव), या एक परीक्षण सुरंग (प्रयोग के परिणाम तक सीमित प्रभाव)? इस तरह, इन विभिन्न स्तरों
पर एंटरूपी की मात्राएँ एक ही क्रिया के लिए radical रूप से भिन्न हो सकती हैं।

संकट

"कभी-कभी हम सोचते हैं कि ब्रह्मांड हमें संकेत भेज रहा है जब स्पष्ट रूप से अवशिवसनीय संयोग होते हैं। लेकिन जंग के लिए, यह संकेत है, जसि
हम विभिन्न घटनाओं की समानता के रूप में परिभाषित कर सकते हैं जो एक अर्थ से जुड़े होते हैं जो संयोग का नहीं होता। दूसरे शब्दों में, इस अद्वितीय
विज्ञान को एक श्रृंखला की अस्थायी समानता के रूप में संक्षेपित किया जा सकता है (दो या अधिक) जो, हालांकि जुड़े होते हैं, कारणात्मक रूप से जुड़े
नहीं होते। हालांकि, एक सामग्री लकि है

"जंग के अनुसार, जब हम संकेत की बात करते हैं, तो हम आंतरिक और बाहरी घटनाओं के संघ का संदर्भ देते हैं। इस प्रकार, जो व्यक्तिगत घटनाओं
का अनुभव करता है वह उनके एकीकरण में अर्थ पाता है। जंग ने संकेत या ल'occurrence को पहचानने के पैटर्न की खोज के रूप में स्थापित किया।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

पैटर्न पहचान हमारे दृष्टि को समझने के तरीके का एक अभिन्न हिस्सा है। संकेत को पूर्वनिर्धारित अप्रासंगिक घटनाओं के सामना के माध्यम से
अर्थ के उभरने के रूप में समझा जाता है। यह अर्थ के माध्यम से, महूतूव के माध्यम से यह संबंध है, जो जानकारी के अर्थ को प्रकट करता है। यह
उभरता हुआ संबंध बायोमार्करों के बीच लकि की गणना द्वारा उजागर किया गया है। चरम पर, संगठित प्रणालियाँ संकेत के समकक्ष का संकेत देती
हैं, यानी उच्च-स्तरीय अर्थ का उभरना।

सामान्य अर्थशास्त्र

"सामान्य अर्थशास्त्र सभी के लिए एक गैर-एरिस्टोटेलेयन सोच का रूप प्रस्तावित करता है, जिसे प्रारंभ में अल्फ्रेड कोर्जीबुस्की द्वारा विकसित किया गया था।

सामान्य अर्थशास्त्र शास्त्रीय अर्थशास्त्र के ढांचे को विस्तारित करने का प्रयास करता है (शब्दावली के अर्थ और इसके होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन)। कोर्जीबुस्की का लक्ष्य ऐसी तर्कशक्तिका अवधारण करना था जो उसके समय के वैज्ञानिक विकास के स्तर से भी मेल खाती थी, जिससे हमें मानव समस्याओं को एरिस्टोटल और डेस्कार्टेस की पछिली तर्कशक्तियों और एरिस्टोटेलेयन और न्यूटनियन भौतिकी की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से हल करने में सक्षम बनाया जा सके। ये तर्कशक्तियाँ, जो प्राचीनता से 17वीं शताब्दी तक की गई थीं, कोर्जीबुस्की ने अपने शताब्दी की खोजों से संबंधित समस्याओं का वर्णन और सामना करने के लिए प्रभावी नहीं माना। कोर्जीबुस्की ने इसे मनोचिकित्सा पर लागू किया, हेनरी लेबरटि ने जीववैज्ञान (कार्य अवरोध का सिद्धांत) और आक्रामकता वैज्ञान (आक्रामकता की परिस्थितियों में जीवित जीवों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन) पर लागू किया।

वैज्ञान और स्वास्थ्य में, कोर्जीबुस्की बताते हैं कि वह इस गैर-एरिस्टोटेलेयन तर्क के बीच एक मेल देखते हैं और 20वीं शताब्दी की दो वैज्ञानिक क्रांतियों, क्वांटम भौतिकी और सापेक्षता के सिद्धांत के बीच। वह बताते हैं कि पूर्ववर्ती सामान्य तर्क के श्रेणियों को उलट देता है, जबकि बाद वाला "गैर-न्यूटनियन" भौतिकी और "गैर-यूक्लिडियन" ज्यामिति को प्रस्तुत करता है। जैसे बाद वाला, गैर-एरिस्टोटेलेयन का "नहीं" को नकारात्मकता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि एरिस्टोटेलेयन तर्क की सामान्यीकरण और पार करने के रूप में समझा जाना चाहिए, जबकि इसे शामिल करते हुए, और "सामान्य" शब्द को सामान्य सापेक्षता के समान अर्थ में समझा जाना चाहिए। क्वांटम भौतिकी के उपाय के रूप में, कोर्जीबुस्की का कहना है कि पर्यवेक्षक वास्तविकता के प्रतिनिधित्व का एक अभिन्न हिस्सा है, और इसे सामान्य अर्थशास्त्र में ध्यान में रखा जाना चाहिए।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

सब कुछ अर्थ है। यह पदार्थ-ऊर्जा-जानकारी-अर्थ श्रृंखला का अंतिम स्तर का अमूर्तता है। यही वह है जिसे BioCoherence के लिए विकसित किए गए एल्गोरिदम उजागर करने का प्रयास करते हैं।

ह्युरसिटिक्स

"ह्युरसिटिक्स है" आविष्कार करने की कला, खोज करने की" अधूरी जानकारी के आधार पर समस्याओं को हल करके। इस प्रकार का विश्लेषण सीमित समय में स्वीकार्य समाधानों की ओर ले जाता है। ये आदर्श समाधान से भटक सकते हैं। डेनेयिल काहनमैन के लिए, यह एक प्रक्रिया है जो कठिन प्रश्नों के लिए उपयुक्त, हालांकि अक्सर अपूर्ण, उत्तर खोजने में मदद करती है।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

ह्युरसिटिक्स "नियम खोजने की शास्त्र है"। यहां फरि से, यह पैटर्नों को पहचानने का सवाल है, और लकी को उजागर करना हमें सामान्य संगठन पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है न कि सिस्टम में किसी एक तत्व की विशेष स्थिति पर।

एरगोडिसिटी

"एरगोडिसिटी तब मौजूद होती है जब एक ही विषय पर कई अलग-अलग और स्वतंत्र सांख्यिकीय विश्लेषण पर्याप्त रूप से तुलनीय परिणाम उत्पन्न करते हैं। यह सिद्धांत गतिशील प्रणाली सिद्धांत और अराजकता सिद्धांत के निकट संबंध में कई विकासों से गुजरा है।"

BioCoherence में अनुप्रयोग

पैटर्न पहचान विश्लेषण का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसे गहरे अध्ययन और न्यूरल नेटवर्क में हाल के विकासों द्वारा बढ़ावा मिला है।

गणनात्मक अव्यवस्थतिता

"गणनात्मक अव्यवस्थतिता स्टैफन वोलफ्राम द्वारा उनके पुस्तक *A New Kind of Science* (2002) में प्रस्तावित मुख्य वचारों में से एक है।

कई भौतिक प्रणालियाँ इतनी जटिल हैं कि उन्हें प्रभावी रूप से मापा नहीं जा सकता। यहां तक कि सबसे सरल कार्यक्रमों में भी व्यवहार की एक वसित्तु विविधता होती है। परिणामस्वरूप, कोई मॉडल केवल आरंभिक स्थितियों का उपयोग करके यह पूर्वानुमान नहीं कर सकता कि दिए गए भौतिक प्रणाली में प्रयोग किए जाने से पहले क्या होगा। कंप्यूटर विज्ञान की औपचारिक भाषा में अव्यवस्थतिता की इस समस्या के कारण, वोलफ्राम इस प्रणाली (या "कार्यक्रम") को "शॉर्टकट" करने में असमर्थता या इसके व्यवहार का सरल तरीके से वर्णन करने में असमर्थता को "गणनात्मक अव्यवस्थतिता" कहते हैं। यह वचार दर्शाता है कि ऐसे मामले हैं जहाँ सिद्धांत की भविष्यवाणियाँ प्रभावी रूप से असंभव होती हैं। वोलफ्राम का कहना है कि कई घटनाएँ सामान्यतः गणनात्मक रूप से अव्यवस्थति होती हैं।

गणनात्मक अव्यवस्थतिता मौजूदा मुख्यधारा विज्ञान की देखी गई सीमाओं को समझाती है। गणनात्मक अव्यवस्थतिता के मामलों में, केवल अवलोकन और प्रयोग का उपयोग किया जा सकता है।"

BioCoherence में आवेदन

यह अवधारणा यह समझाती है, उदाहरण के लिए, कि जीवन इस तरह से क्यों 展开 होता है। चलो कहते हैं कि हम एक समिलेशन में जी रहे हैं, जैसे कि हम एक वीडियो गेम के पात्र हैं: हमें अपने सभी अनुभवों के साथ परेशान क्यों होना चाहिए? सीधे नष्टिकर्ष पर क्यों नहीं कूदते? क्योंकि, इस सिद्धांत के अनुसार, नष्टिकर्ष पर कूदना असंभव है: हमें इसके उपसंहार को जानने के लिए घटना के सभी चरणों से गुजरना होगा। आपको "खेल खेलना" होगा, क्योंकि कोई नहीं कह सकता कि यह कैसे समाप्त होगा बिना इसे पूरी तरह से खेले।

मेरे विचार में, यह रहस्यवाद और अस्तित्ववादी प्रश्नों द्वारा उठाए गए अधिकांश जटिल सवालों की व्याख्या करता है। चलो कहते हैं कि पितृजन्म (metempsychosis) सच है। फिर कर्म क्यों? बहुत सरलता से क्योंकि यह सभी संभावित विकल्पों की गणना करना महत्वपूर्ण है, और इन विकल्पों की गणना करने के लिए सबसे अच्छा प्रणाली वह है जो विकल्पों से अवगत है। इस दृष्टिकोण से, कर्म प्रतिलोभ का एक उपकरण नहीं है, बल्कि एक दिए गए घटना के संभावित परिणामों के पारदर्शी ज्ञान का उपकरण है, जिसकी भविष्यवाणी करना असंभव है। जीवन फिर हमें समान स्थितियों के साथ प्रस्तुत करता है, लेकिन एक अलग दृष्टिकोण से, और यह हमारे ऊपर है कि हम सचेत रूप से चरणों से गुजरें और परिणामों का अवलोकन करें। इस दृष्टिकोण में, भाग्य या एक अनविचार्य घटना जैसी कोई चीज नहीं है; केवल वास्तविकता वह है जो हम उन घटनाओं के सामने नरिणय लेते हैं जो हमें प्रस्तुत की जाती हैं, लेकिन परिणाम की भविष्यवाणी करना असंभव है जब तक कि हम अपने नरिणय नहीं लेते। वास्तव में, हमारे जीवन पूरी तरह से हमारे अपने हाथों में हैं।

BioCoherence में अनुप्रयोग

मार्गदर्शित ध्यान विभिन्न आर्केटाइप्स का आह्वान करते हैं ताकि अवचेतन और सचेत को समस्या समाधान और आंतरिक आत्म विकास में क्रियान्वित किया जा सके।

सच्ची कार्डियक कोहरसे

डैन वट्टर सच्ची कार्डियक कोहरसे को "संगीत" भाग में एक पीक कैस्केड की उपस्थिति द्वारा परिभाषित करते हैं (यानी एक 2nd ऑर्डर FFT)। एक FFT या फूरियर ट्रांसफॉर्म का उपयोग एक सिग्नल से आवृत्तियों को निकालने के लिए किया जाता है। एक 2nd ऑर्डर FFT संगीत रूप से संगत आवृत्तियों को निकालता है। यह गणतीय प्रक्रिया हमें यह पहचानने की अनुमति देती है कि एक स्पष्ट बहुमत आवृत्तियाँ जो इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम में मौजूद हैं, एक-दूसरे के साथ संगत हैं; वह इसे "सच्ची कार्डियक कोहरसे" कहते हैं।

इस "संगीत" भाग में यह पीक कई आवृत्तियों पर पाया जा सकता है, और इसे रिकॉर्डिंग के समय मौलिक भावनाओं के साथ संबंधित इस पीक की आवृत्तियों के रूप में पहचाना गया है।

फ्रैक्टालटी, संकुचन और चरण वपिरीतता

"एक अनंत संख्या में अवस्थाएँ अधिकतम संकुचति होती हैं जब आवृततियों के बीच अनुपात सतहरे अनुपात की शक्ति होता है।" (gsjournal²)

संकुचन को यहाँ आवृततियों की अधिकतम जोड़ को परभाषति किया गया है (इस प्रकार उनके बीच रचनात्मक - वपिरीत - चरण होते हैं), यदि आवृततियाँ उनके बीच के 'or' संख्या के गुणाक हैं।

फ्रैक्टालटी का तात्पर्य इस तथ्य से है कि समान संरचनाएँ वभिन्न पैमानों पर पाई जा सकती हैं।

एल्फी माप

डेन वट्टर ने फरि से, "इम्प्लोजन" की इष्टतम ऊर्जा के लिए एक मौलिक समीकरण का सिद्धांत दिया; यह समीकरण ब्रह्मांड में पाए जाने वाले कई अनुनाद आवृततियों की भवषियवाणी करता है। मैंने संबंधति मात्रा का नाम "एल्फी" रखा है, एक ओर पर एल्व्स (और वशिषे रूप से एल्वशि वास्तुकला) के प्रतेश्रद्धाजलि और दूसरी ओर, समाकलन स्वयं के प्रतः n एल्फी = $L_p \times \Phi^n$, अर्थात् प्लैक लंबाई (ब्रह्मांड में सबसे छोटी मापने योग्य लंबाई) को सतहरे अनुपात द्वारा n गुना किया गया।

इस प्रकार, एल्फी स्केल न केवल एल्फियों की संख्या के अनुपात में है, बल्कि इसमें पूरे एल्फियों के लिए दिए गए मान भी शामिल हैं। ये पूरणाके मान कई ज्ञात मात्राओं को शामिल करते हैं, जैसे लंबाई, समय और आवृतति। अधिक जानकारी के लिए देखें [Elfie.link](https://elfie.link)³।

2. <https://www.gsjournal.net/Science-Journals/Research-Papers-Quantum-Theory/Particle-Physics/Download/4543>

3. <https://elfie.link>

3.1.

माँड्यूलस अवलोकन

- BioCoherence **स्कैन** एक पूरण विश्लेषण माँड्यूल है जो एक कच्चे इलेक्ट्रोकार्डिोग्राम से कई दर्जनों तक, ग्राफ और बायोमार्कर्स को गणना और व्याख्या करने के स्पष्ट तरीकों तक लेकर जाता है।
- BioCoherence **T**स्ट एक खुला तरीका है जो पल्स के जीवित विकास से आइटम सूचियों का मूल्यांकन करता है (बायोफीडबैक)।
- BioCoherence **B**लैस स्रोतों की पहचान करने और प्राथमिकताओं को चुनने की अनुमति देता है, और इसके आधार पर PDF रिपोर्ट्स और कस्टम ध्यान बनाने का काम करता है।

Contenido

1.	स्कनै: बायोमार्करस और तकनीकी विश्लेषण	18
1.1.	समय ग्राफ माँड्यूल	18
1.2.	बायोमार्कर माँड्यूल	19
2.	स्कनै: अंग मानचित्र	20
2.1.	महत्वपूर्ण कारण: ऊर्जा	20
2.2.	महत्वपूर्ण कारण: एंट्रोपी	21
2.3.	प्रमुख प्रणालियाँ: संगति	21
2.4.	मसूतषिक	22
2.5.	हृदय और रक्त वाहिका प्रणाली	22
2.6.	पाचन तंत्र	22
2.7.	झलिली	23
2.8.	कशेरुकाएँ	23
2.9.	तंत्रिका तंत्र	23
2.10.	दात	24
2.11.	गतशीलता प्रणाली	24
2.12.	श्वसन प्रणाली	24
2.13.	महिला जननांग	25
2.14.	पुरुष जननांग	25
3.	स्कनै: टीसीएम मेरेडियन, बद्दि और व्यंजन	26
3.1.	कडिनी मेरेडियन लकि के साथ	26
3.2.	ऊर्जा द्वारा मेरेडियन, सामान्य संबंधित मूदों के साथ	26
3.3.	टीसीएम पॉइंट्स	27
3.4.	टीसीएम रसेपी, द्वारा कोहरेसे	27
4.	स्कनै: ऊर्जा माँड्यूल	28
4.1.	आयुर्वेद: दोष और उप-दोष	28
4.2.	ऊर्जा ग्राफ: चक्र, प्लेन, घडी और गति	28
4.3.	ऊर्जा ग्राफ: सूक्ष्म दनुया	29
5.	स्कनै: मानसिक माँड्यूल	30
5.1.	छाया माँड्यूल	30
5.2.	Shadow: ड्राइव्स	31
5.3.	आत्मा माँड्यूल	31
6.	बैalan माँड्यूल	33
6.1.	संसाधन	33
6.2.	प्राथमिकताएँ	33
6.3.	PDF रिपोर्ट	34
6.4.	संतुलन: कस्टम ध्यान	34

7.	परिक्षण माँड्यूल.....	36
7.1.	एक परीक्षण सूची एक प्रत्यक्ष मूल्यांकन के बाद.....	36
7.2.	एक परीक्षण सूची.....	36
7.3.	परीक्षण सूची.....	36
7.4.	परीक्षण: जीवति मूल्यांकन बायोफीडबैक.....	37
7.5.	परीक्षण: संपादति करें.....	37
8.	माँड्यूलस समझे.....	38

1. स्कैन: बायोमार्क्स और तकनीकी विश्लेषण

ECG पल्स, जैव-चिह्नों और स्पेक्ट्रम पर काम करने के लिए।

BioCoherence अपने जैवचिह्नों को विशेष रूप से कच्चे रिकॉर्डेड ECG पल्स पर गणितीय ऑपरेशनों के माध्यम से बनाता है।

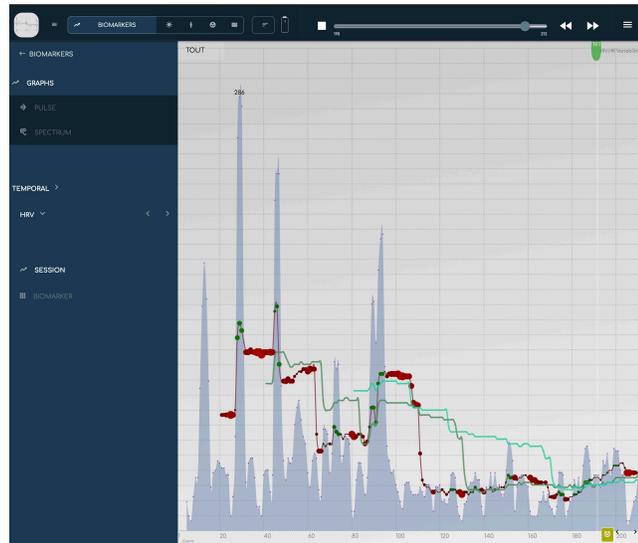
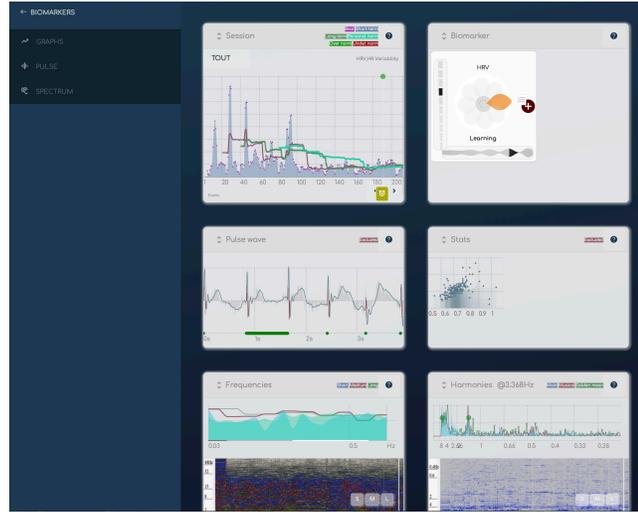
- इस माँड्यूल में आप कच्चा रिकॉर्डिंग एक्सेस कर सकते हैं, यदि कोई मापन त्रुटियाँ हैं तो बीट्स को बंद कर सकते हैं (ऐप एक स्वचालित गुणवत्ता पता लगाने एल्गोरिदम के आधार पर बीट्स को स्वतः बंद करता है) और कालानुक्रमिक घटनाओं पर काम कर सकते हैं।
- आप जैवचिह्नों पर पहले, दूसरे और तीसरे क्रम की जानकारी भी देख सकते हैं, और उन्हें श्रेणी के आधार पर ब्राउज़ कर सकते हैं (यहाँ से ज्यादा 1400 जैवचिह्न हैं...).

1.1. समय ग्राफ माँड्यूल

देखें कि एक बायोमार्कर समय और सत्रों के साथ कैसे विकसित होता है।

BioCoherence बायोमार्क्स के साथ एक बहुत गतिशील तरीके से काम करता है, उनके विकास का मूल्यांकन करता है कई समय फ्रेमों में और उनकी तुलना करता है समय फ्रेमों के बीच।

- इस ग्राफ में, प्रत्येक बायोमार्कर को बीट स्तर पर दिखाया गया है, अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक मूविंग एवरजिज के सापेक्ष।
- आप रिकॉर्डिंग के भीतर ऊपरी स्क्रॉल के साथ आगे बढ़ सकते हैं (प्ले बटन दबाएँ ताकि इसे दिखाया जा सके; स्टॉप बटन दबाएँ ताकि सत्रों के बीच तुलना की जा सके)। आप ग्राफ में क्लिक करके वर्तमान मार्क को भी आगे बढ़ सकते हैं।
- आप ऊपरी-बाएँ रेंज सलिक्टर के साथ जूम स्केल को बदल सकते हैं।
- आप इस माँड्यूल पर घटनाओं के साथ काम कर सकते हैं: घटनाएँ ग्राफ के नीचे दिखाई जाती हैं। एक घटना बनाने या संपादित करने के लिए, ग्राफ के नीचे बटन पर क्लिक करें।

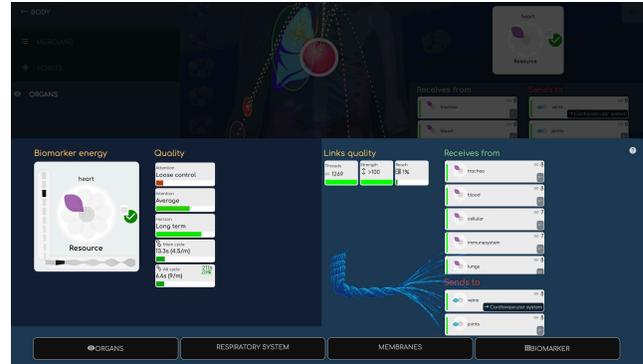


1.2. बायोमार्कर माँड्यूल

एक बायोमार्कर की व्यापक जानकारी में गहराई से गोताखोरी।

प्रत्येक बायोमार्कर बायोमार्कर पैनल से एक क्लिक दूर है, जो एक संक्षिप्त और सुव्यवस्थित तरीके से इसकी गतिशीलता के बारे में जानने के लिए सभी जानकारी दिखाता है।

- मुख्य जानकारी बायोमार्कर फूल है, जो तुरंत इसके मुख्य गुण का आकलन करने की अनुमति देता है। फूल इसके मुख्य ऊर्जा और इसके मुख्य एंटीरोपी (या उत्तेजना) का संयोजन है। यहां 9 अलग पंखड़ियां हैं, और प्रत्येक के साथ एक सरल शब्द है जिससे इसके मुख्य गुण को समझा जा सके।
- गतिशील गुण दूसरे स्तंभ में दिखाए गए हैं। ध्यान, इच्छा और क्षतिजि इसके दीर्घकालिक गतिशीलता के बारे में जानकारी है।
- मुख्य चक्र और वैकल्पिक चक्र भी इस स्तंभ में दिखाए गए हैं। यह बायोमार्कर की मुख्य श्वसन है। चक्र अवधि (सेकंड) और काल (प्रतिमिनट) में दिखाया गया है। यदि चक्र एक पूर्णांक एल्फी मान से मेल खाता है, जो अच्छी ऊर्जा इम्प्लोजन के साथ एक गूँज को दर्शाता है, तो एल्फी टेबल के लिए लकि हाइलाइट है।
- लकि पैनल अन्य बायोमार्कर्स (यहां, अन्य अंगों) के साथ संबंध दिखाता है। लकि्स गुण मुख्य रससियों का संयोजन है (धागे का गणना सभी लकि्स का है, उनकी मजबूती पर उनकी ठोसता है, और रीच यह दर्शाता है कि परिवार में कतिने बायोमार्कर्स इस एक के साथ जुड़े हैं)। यह अन्य बायोमार्कर्स से प्राप्त करता है, और उन्हें भजता है, अन्य बायोमार्कर्स की सूची बनाता है। इसपर एक क्लिक उनकी जानकारी पृष्ठ खोलता है।
- नीचे, मैप्स और ग्राफ बटन संबंधित पृष्ठों तक प्रत्यक्ष पहुंच की अनुमति देते हैं।



2. स्कैन: अंग मानचित्र

बायोकोहरेस के लिए दर्जनो विशेष, खूबसूरती से बनाए गए शरीर के मानचित्र तैयार किए गए हैं ताकि निवेगेशन और लकि देखना और समझना आसान हो जाए।

करीब 500 बायोमार्कर्स के साथ जो अंग प्रणालियाँ, अंग या अंग के भागों के लिए समर्पित हैं, हमें लगा कि हमें सब कुछ मानचित्रित करना चाहिए ताकि इसे समझा जा सके।

- एक सामान्य दृश्य के लिए एक दर्जन सुंदर रूप से तैयार किए गए मानचित्र या दातों, रीड, नसों, मस्तिष्क आदि में जूम करें...
- BioCoherence की मूल विशेषताओं में से एक है 3rd ऑर्डर जानकारी **बायोमार्कर्स के बीच लकि**। प्रत्येक मानचित्र सुंदरता से मानचित्र पर अंगों के बीच के लकि को उजागर करता है, या एक क्लिक में अन्य मानचित्रों पर अंगों के लकि।
- दृश्य लकि और दो कॉलम तुरंत अन्य अंगों के साथ ऊर्जा संबंधों का आकलन करने की अनुमति देते हैं (प्राप्त करता है, या भेजता है)
- बाईं ओर का चयनकर्ता इस मानचित्र पर सभी अंगों की सूची देता है, साथ ही उनके बायोमार्कर मूल्यांकन के साथ।



मॉड्यूल खोलना

"शरीर" पर क्लिक करके फिर "अंगों" पर, मॉड्यूल शरीर का एक सामान्य अवलोकन के साथ खुलता है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण बायोमार्कर्स का चयन शामिल है: मुख्य अंग, मुख्य हार्मोन, गतशील प्रणाली के मुख्य भाग, रक्त, कोशिकाएँ।

यदि आप किसी अंग पर क्लिक करते हैं, या इसे मैनू सूची से चुनते हैं, तो यह एक सफेद हलका से घरिा होता है, और इस स्क्रीन पर अन्य अंगों के साथ मुख्य लकि प्रदर्शित होते हैं (यदि वे चयनित अंग से ऊर्जा प्राप्त करते हैं, तो वे लाल में गोल होते हैं, और यदि वे इसे ऊर्जा भेजते हैं, तो हरे में)।

यदि अन्य शरीर मानचित्रों पर वसितार से वर्णित अंगों के साथ लकि मौजूद हैं, तो उन्हें उस मानचित्र के नाम द्वारा काले पृष्ठभूमि पर पहचाना जाता है; उस पर क्लिक करने से वह वसितृत मानचित्र खुल जाएगा।

2.1. महत्वपूर्ण कारण: ऊर्जा

तुरंत सबसे ज्यादा और कम ऊर्जावान भागों को हाइलाइट करता है

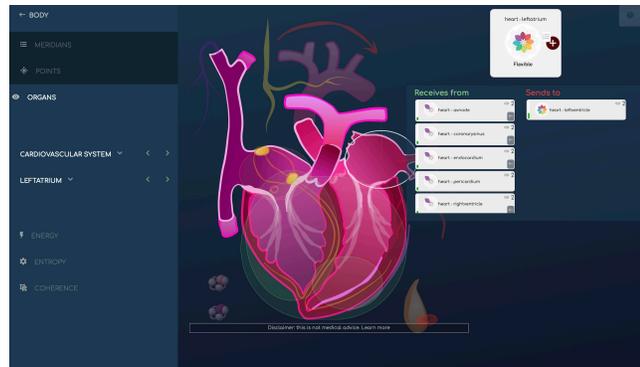
2.4. मसूतषिक

मसूतषिक के घटकों के बीच केलकि और उनसे जुड़े हार्मोन यहां ग्राफिक रूप से उजागर किए गए हैं; यह संभव है कि ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे उल्लेखनीय को प्रदर्शित किया जाए, अधिक या कम उत्तेजित, और वे जो सामंजस्य में हैं हमने इस मानचित्र में आंखों और उनके घटकों को भी जोड़ा है।



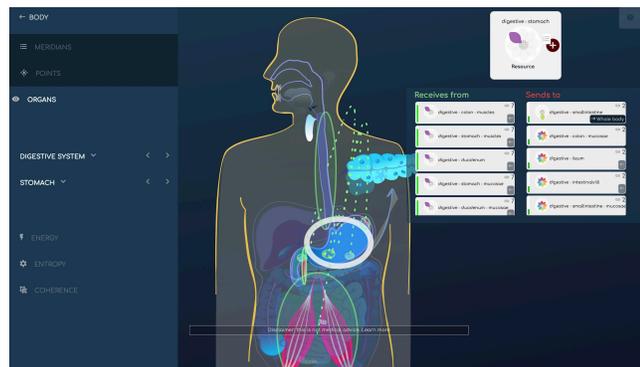
2.5. हृदय और रक्त वाहिका प्रणाली

यहां कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम के तत्वों के बीच के लकि ग्राफिक रूप से हाइलाइट किए गए हैं; यह भी संभव है कि ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे उल्लेखनीय, सबसे या सबसे कम उत्तेजित, और जो समन्वय में हैं, उन्हें प्रदर्शित किया जाए। कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम का एनाटॉमिकल बोर्ड दिल और इसके सभी वविरण, रक्त प्रणाली (शरिए, धमनियाँ... जसिमें परसिचरण और रक्तचाप का सहानुभूतपूरण नियंत्रण शामिल है), रक्त (प्लाज्मा, हीमोग्लोबिन) और हार्मोन (एड्रेनोलाईन और नोरएड्रेनोलाईन) को शामिल करता है।



2.6. पाचन तंत्र

पाचन तंत्र के तत्वों के बीच केलकि, मूंडे से लेकर मलद्वार तक, यहां ग्राफिक रूप से उजागर किए गए हैं; यह सबसे महत्वपूर्ण को ऊर्जा की दृष्टि से प्रदर्शित करना भी संभव है, सबसे अधिक या सबसे कम उत्तेजित, और जो सामंजस्य में हैं।



2.7. झल्लिी

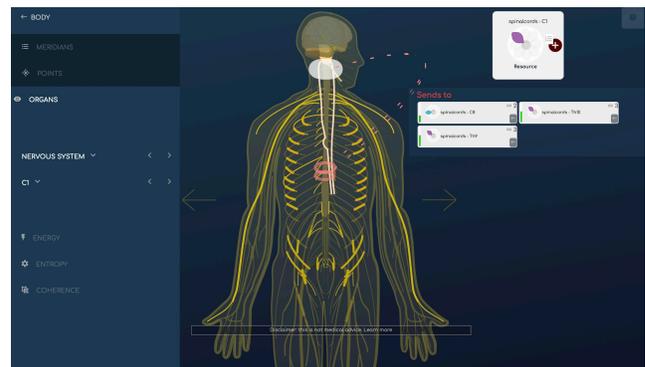
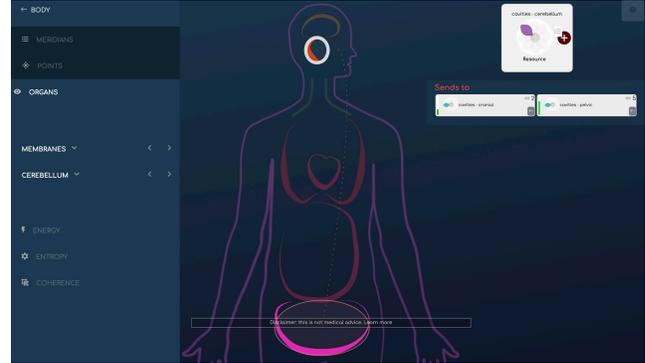
शरीर की झल्लिी की शारीरिक संरचना थोड़ी असामान्य है, हम इन बड़े गूहाओं के बीच के सवंगेात्मक संबधों को उजागर करना चाहते थे। वे वास्तव में एक समग्र दृष्टिकोण से समग्र संतुलन का एक महत्वपूर्ण हस्सा है, जसिे आमतौर पर कम ध्यान में रखा जाता है। वे एक अर्ध-वैश्विक पढाई स्तर प्रदान करते हैं और एक प्रोलॉजिकल व्याख्या के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं।

2.8. कशेरुकाएँ

vertebrae के बीच के लकिे यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं, यह उन लकिे को भी प्रदर्शति करना संभव है जो ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण हैं, वे जो अधिक या कम उत्तेजति हैं, और वे जो संगत हैं।

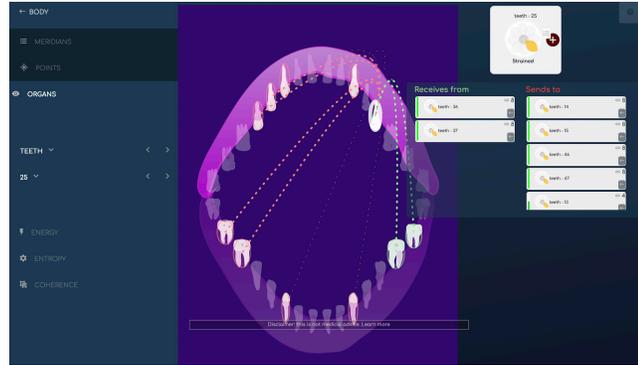
2.9. तंत्रिका तंत्र

तंत्रिका प्रणाली के तत्वों के बीच के लकिे यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं, यह भी संभव है कि ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे उल्लेखनीय, अधिक या कम उत्तेजति, और उन लोगों को समन्वय में प्रदर्शति कयिा जाए। तंत्रिका प्रणाली में मस्तिष्क और मस्तिष्क के वविरण, नसें और कुछ नसों के वविरण, और रीढ़ की हड्डी से जुड़े नसें शामिल हैं।



2.10. दात

दातों और मसूड़ों के बीच के लकि यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं; यह सबसे ऊर्जा से महत्वपूर्ण दातों, उन दातों को जो अधिक या कम उत्तेजित होते हैं, और उन दातों को जो सामंजस्य में होते हैं, प्रदर्शित करना भी संभव है।



2.11. गतशीलता प्रणाली

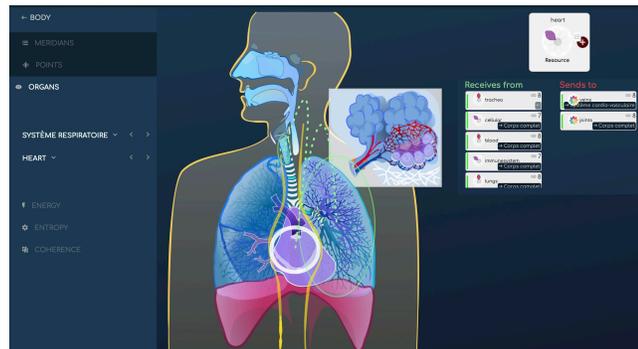
मांसपेशी-हड्डी प्रणाली (हड्डियाँ, मांसपेशियाँ, लकेनि हार्मोन और कछु अंगों) के तत्वों के बीच के लकि यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं; यह भी संभव है कि सबसे महत्वपूर्ण को ऊर्जा के दृष्टिकोण से प्रदर्शित किया जाए, सबसे अधिक या कम उत्तेजित, और वे जो सामंजस्य में हैं।

प्रत्येक एनाटॉमिकल प्लेट पर किए गए चयन तत्वों के बीच प्रासंगिक संबंधों को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इस स्क्रीन पर, रीढ़ की हड्डी, हड्डी का मज्जा, कंकाल, उपास्थि, मांसपेशियाँ, फेशिया और कैल्शियम मेटाबॉलिज्म के हिसिों के अलावा, हमने कछु दलिचस्प हार्मोन और अंग जैसे कि पैराथायराइड, एचडीएच या नॉरएड्रेनोएलनि, बाल, त्वचा और दात जोड़े हैं।



2.12. श्वसन प्रणाली

श्वसन प्रणाली के तत्वों के बीच के लकि यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं; यह भी संभव है कि सबसे प्रमुख को ऊर्जा के दृष्टिकोण से प्रदर्शित किया जा सके, अधिक या कम उत्तेजित, और जो सामंजस्य में हैं। इस स्क्रीन पर, हम मस्तष्क की साइनेस, श्रवण नलकिएँ और हृदय भी पाते हैं।

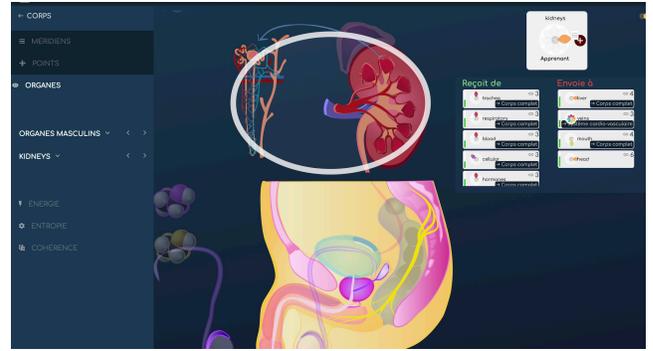
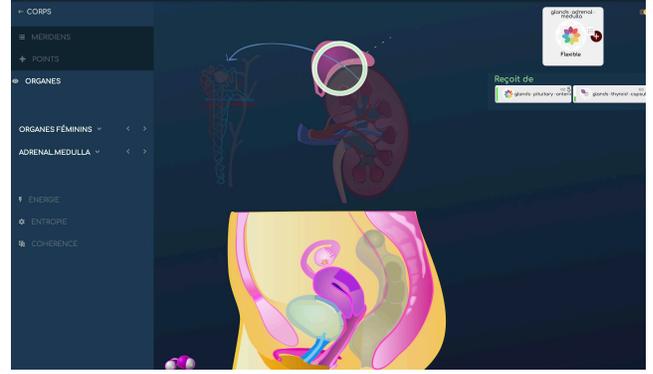


2.13. महिला जननांग

महिला जननांगों और संबंधित अंगों (गर्भदे, मूत्राशय, कशेरुक, अधविकृक ग्रंथियाँ, और प्रजन्मोलोन जैसे संबंधित हार्मोन) के तत्वों के बीच के लकि यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं; यह भी संभव है कि ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे उल्लेखनीय को प्रदर्शित किया जाए, जो अधिक या कम उत्तेजित है, और जो समरसता में है।

2.14. पुरुष जननांग

पुरुष जननांगों और संबंधित अंगों (गर्भदे, मूत्राशय, सैक्रम, अधविकृक ग्रंथियाँ, और संबंधित हार्मोन जैसे टेस्टोस्टेरोन, डीएचईए, एचजीएच...) के तत्वों के बीच के लकि यहाँ ग्राफिकि रूप से उजागर किए गए हैं; यह भी संभव है कि ऊर्जा के दृष्टिकोण से सबसे उल्लेखनीय को प्रदर्शित किया जाए, अधिक या कम उत्तेजित, और वे जो सामंजस्य में हैं।



3. स्कैन: टीसीएम मरेडियन, बर्दि और व्यंजन

मरेडियन्स, एक्यूपक्चर पॉइंट्स, टीसीएम रसेपी

Masters of the energetic evaluation since 5000 years, the Traditional Chinese Medicine is extensively used and dramatically extended in BioCoherence.

- **मरेडियन** को 12 या 20 भागों में दिखाया जाता है। शरीर के मुख्य ऊर्जा चैनल, ग्राफ उनके लकि और नक्शे में उनके मार्गों को दिखाता है।
- **एक्यूपक्चर पॉइंट्स** नक्शे पर गतशील रूप से एनमिटेड हैं। हमारे विशेष एल्गोरिदम द्वारा 350 से अधिक पॉइंट्स की गणना की गई है।
- **रसेपी** ऊर्जा समस्याओं का समाधान करने के लिए पारंपरिक तरीके हैं, TCM तरीका। हमने इस सद्घात को नाटकीय रूप से वस्तुतः किया है ताकि ऊर्जा, एंटरॉपी और संगतता की गणना की जा सके सौ से अधिक रसेपीज का मूल्यांकन करने के लिए, इसलिए उनकी संभावित आवश्यकता को संकेत करना - एक मूल्यांकन का फॉर्म जो मदद कर सकता है समस्याओं का diagnose करने में।

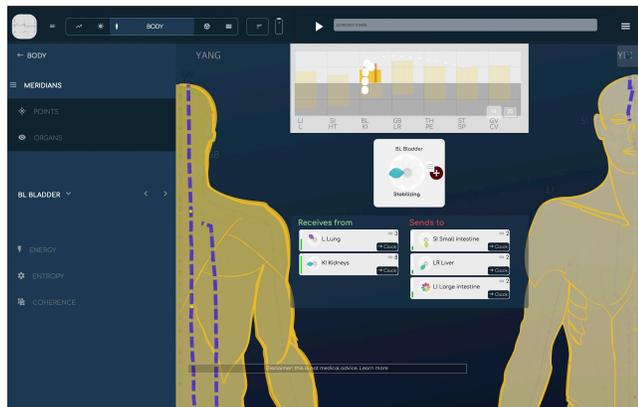


3.1. कडिनी मरेडियन लकि के साथ

एक मरेडियन पर क्लिक करें ताकि जानकारी प्राप्त कर सकें।

जब आप एक मरेडियन पर क्लिक करते हैं, ग्राफ इसके अन्य मरेडियनों के साथ संबंधों को दिखाएगा, बायोमार्कर इसके मुख्य गुण को दिखाएगा, और अन्य मरेडियनों के साथ लकि (प्राप्त करता है, या भेजता है) दिखाएंगे।

- आप बाएँ पैनल पर मने के साथ मरेडियनों को ब्राउज कर सकते हैं, और ड्रॉप-डाउन मने में उनके बायोमार्कर के साथ सभी मरेडियनों को दिखा सकते हैं।



3.2. ऊर्जा द्वारा मरेडियन, सामान्य संबंधित मद्दों के साथ

एक क्लिक में सर्वश्रेष्ठ और सबसे खराब ऊर्जाओं की पहचान करें।

The ऊर्जा मने प्रत्यक्ष रूप से सबसे ऊर्जावान और कम ऊर्जावान मेरेडियनों को दिखाता है, जो समस्याओं की पहचान में मदद कर सकता है।

- जब किसी मेरेडियन पर क्लिक किया जाता है, तो अतिरिक्त नषिकर्ष दिखाई देते हैं, जो मेरेडियन की वर्तमान ऊर्जावान स्थिति से संबंधित हैं, और अन्य मेरेडियनों की स्थिति से संयुक्त हैं, जैसा कि TCM ज्ञान के अनुसार संभावित अवस्थाएँ हैं।

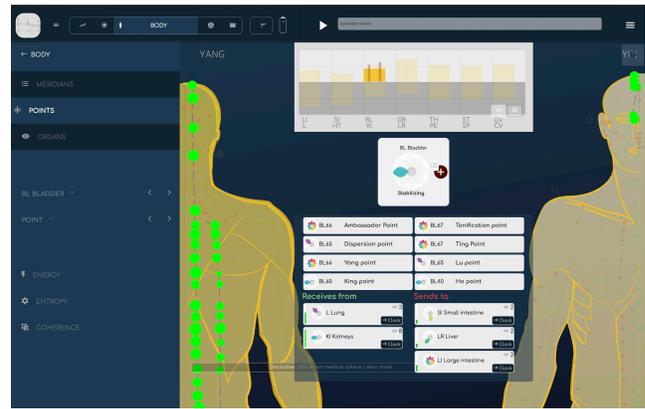


3.3. टीसीएम पॉइंट्स

350 से अधिक बद्धिओं की गणना की जाती है

The पॉइंट्स माइलूस TCM एक्यूपक्चर पॉइंट्स दिखाता है।

- एक मेरेडियन पर क्लिक करें ताकि इस मेरेडियन में सभी पॉइंट्स दिखें, साथ ही इस मेरेडियन के महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर परंपरागत जानकारी भी।
- एक पॉइंट पर क्लिक करें ताकि आप इसका बायोमार्कर देख सकें।

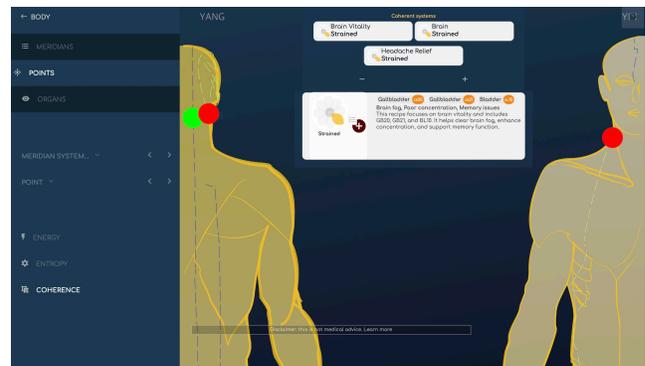


3.4. टीसीएम रसेपी, द्वारा कोहरेसे

सुसंगतता एक ऐसा तरीका है जिससे आप व्यंजनों को देख सकते हैं जो पूरी तरह से चरणबद्ध हैं।

हमने एक्यूपक्चर व्यंजनों को उलटा-इंजीनियर किया है ताकि इसे एक मूल्यांकन उपकरण में बदल सकें।

- क्लिक करके **Coherence** पर, ऐसे व्यंजन प्रदर्शित होते हैं जिनके बद्धि पूरी तरह से एक साथ चरण में होते हैं (इसका मतलब है, इसके बद्धि एक साथ गूँज रहे हैं और एकल बद्धि की तरह एक साथ चल रहे हैं)। एक व्यंजन पर क्लिक करें ताकि मानचित्र पर बद्धिओं को देख सकें और दशा प्राप्त कर सकें। जब प्राथमिकताओं में जोड़ा जाता है, तो व्यंजन को संतुलन भाग में इसके प्रभावों को फिर से संतुलित करने में मदद करने के लिए उपयोग किया जाएगा।



4. स्कैन: ऊर्जा माँड्यूल

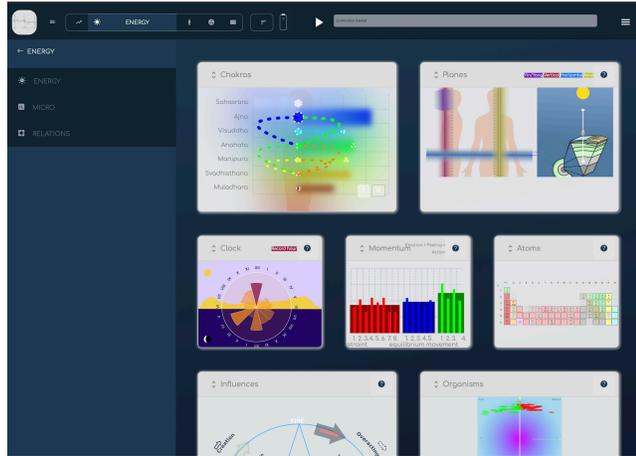
आपको ऊर्जा स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक सब कुछ

ये ग्राफ, जानकारी देखने की अनुमति देते हैं जैसे चक्र, घड़ी, तल, सवेगे, परमाणु, प्रभाव और जीव।

4.1. आयुर्वेद: दोष और उप-दोष

शरीर की ऊर्जा का आयुर्वेदिक मूल्यांकन।

आयुर्वेदिक प्रैक्टीशनर्स जानते हैं कि शरीर की ऊर्जात्मक संवेधान के साथ कैसे काम करना है। तीन मुख्य संवेधान वात, पित्त और कफ हैं, हर एक के साथ 5 उप-दोष। एक BioCoherence विश्लेषण में, आप देख सकते हैं कि हर दोष और उप-दोष कैसे चलते हैं जब आप समय क्रसर को हिलाते हैं, क्योंकि इन सभी प्रणालियाँ गतिशील हैं। वे कैसे चलते हैं हमारी मूल्यांकन का भाग हैं।

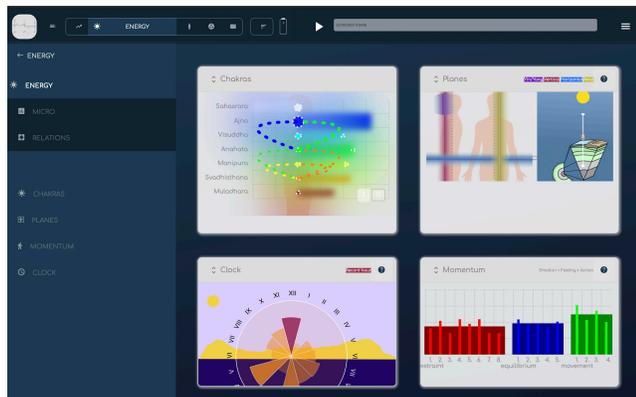
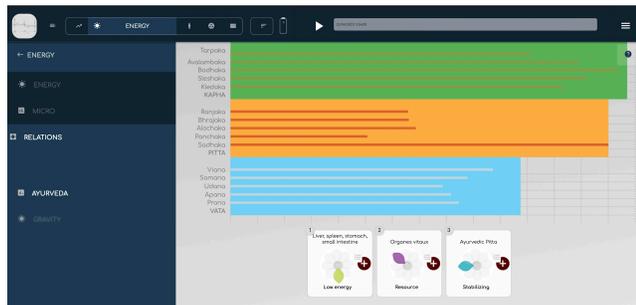


4.2. ऊर्जा ग्राफ: चक्र, प्लेने, घड़ी और गति

शरीर के मुख्य ऊर्जा मोटर्स

ये 4 ग्राफ शरीर के मुख्य कार्यात्मकताओं का सही ऊर्जावान मूल्यांकन करने की अनुमति देते हैं।

- **चक्र** ७ या 1२ चक्रों, उनकी वैश्विक आभा, और उनके बीच के संबंधों को दिखा सकते हैं।
- **प्लेने** शरीर के मुख्य ऊर्जावान संतुलनों को उजागर करता है: कृषतैजि, ऊर्ध्वाधर और आकर्षण वमिान दिखाए गए हैं, साथ ही गहरे पृथ्वी कृषेत्र और आकाशीय कृषेत्र से जुड़ने का लकि भी है।
- **घड़ी** मेरेडियनों और उनके मुख्य कार्यात्मक घंटों के बीच के संबंध को दिखाती है, साथ ही रिकॉर्डिंग समय, सही समय संगठन का मूल्यांकन करने के लिए।
- **गति** एक ग्राफ है जो हमने तीन मुख्य जड़ताओं और उनके घटक दिखाने के लिए बनाया है: वे जो रोकते हैं, वे जो संतुलन बनाते हैं और वे जो आंदोलन के लिए मदद करते हैं।

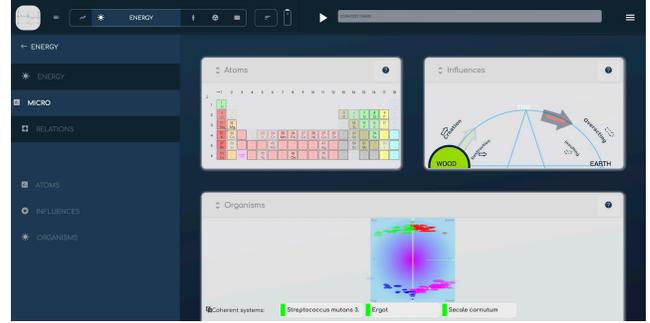


4.3. ऊर्जा ग्राफ: सूक्ष्म दुनिया

बहुत छोटी है, लेकिन बहुत उपयोगी है

यह 3 ग्राफ सूक्ष्म तत्त्वों को दर्शाते हैं जो वैश्विक सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं।

- **परमाणु** परमाणु तालिका और तत्त्वों के बीच गूँज को दर्शाते हैं।
- **प्रभाव** TCM 5 तत्त्वों का तारा है, जिसमें उनके अनुसरति रचनात्मक या वधिवसात्मक प्रभावों की गणना की गई है और तीरों के माध्यम से हाइलाइट किया गया है।
- **जीवो** हैं 200 बाहरी जीवों (वायरस, बैक्टीरिया, फफूंदी और परजीवी) का मूल्यांकन और उनके अनुसरति लकि.

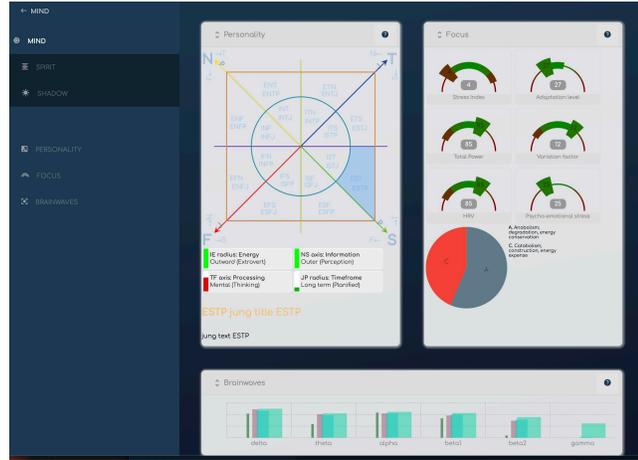


5. स्कैन: मानसकि माँड्यूल

मन, आत्मा और छाया इस माँड्यूल का केंद्र बद्धि है।

300 बायोमार्करों से अधिक जो हमारे बच्चों में घटती होने वाली चीजों के लिए समर्पित हैं, माइंड माँड्यूल उनके पढ़ने को सुव्यवस्थित करने का उद्देश्य रखता है।

- **Mind** व्यक्तित्व, फोकस और ब्रेनेवेव्स को संबोधित करता है।
- **व्यक्तित्व** जुंग व्यक्तित्व प्रकार को पुनर्निर्माण करता है (बाद में मायर्स ब्रिग्स या MBTI के रूप में लोकप्रिय बनाया गया)। इस स्क्रीन के लिए हमने व्यक्तित्व आकलन में पाई गई 4 ध्रुवों आधारित एक वशिष्ट, नया तार्किक दृष्टिकोण बनाया है।
- **फोकस** पारंपरिक HRV शक्ति संचाकों को संगठित करता है जैसे कि एक संरचनात्मक/वनिशकारी संतुलन दृष्टिकोण।
- **ब्रेनेवेव्स?** हाँ, हमारा सेंसर 64Hz तक पूरे शरीर की बजिली को पढ़ सकता है, केवल दिल की ही नहीं। हमने ब्रेनेवेव्स के वशिष्ट जानकारी को नकालने के लिए एक एल्गोरिदम डिज़ाइन किया है ताकि माइंड की सबसे सक्रिय फोकस स्थितियों का अनुभव मिला सके।

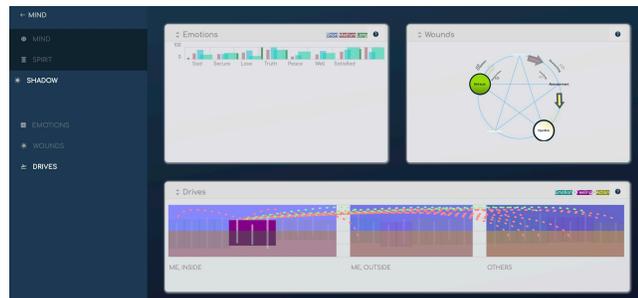


5.1. छाया माँड्यूल

भावनाएँ, घाव और प्रवृत्तियाँ

छाया, या अवचेतन, हमारे व्यवहार का एक अभिन्न हिस्सा है।

- **भावनाएँ** ECG के मुख्य लय से निकाली जाती हैं।
- **घाव** TCM प्रभावों से संबंधित हैं। 5 घाव (या 8 घाव जैसा कि इसे मूल रूप से डिज़ाइन किया गया था) का पछिलले 30 वर्षों से लोकप्रिय उपयोग हो रहा है। BioCoherence में, हम उनके अर्थ को उनके संबंधित रचनात्मक या वनिशकारी संबंधों को जोड़कर बढ़ाते हैं।
- **प्रेरणाएँ** भावनाओं को एक अर्थपूर्ण तरीके से व्यवस्थित करने का एक पूरी तरह से नया तरीका है।

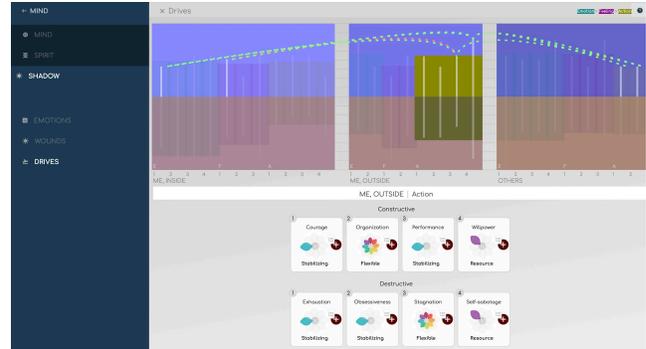


5.2. Shadow: ड्राइव्स

भावनाओं को व्यवस्थित करने का एक नया तरीका।

Drives एक पूर्णतया नया तरीका है भावनाओं को एक अर्थपूर्ण तरीके से संगठित करने का जिसमें 28 वरिधाभासों के समूह शामिल हैं, जो 3 मुख्य समूहों ((ME Inside, ME outside और OTHERS) में संगठित हैं, प्रत्येक में 3 उप-समूह ((भावना, अनुभव, क्रिया) शामिल हैं।

- **ME inside** उन भावनाओं से संबंधित है जो मेरी आंतरिक कार्यप्रणाली से जुड़ी हैं।
- **ME Outside** उन भावनाओं से संबंधित है जो मेरी आंतरिक कार्यप्रणाली को मेरे चारों तरफ जो कुछ होता है उससे जोड़ती हैं।
- **OTHERS** उन भावनाओं से संबंधित है जो मेरे चारों तरफ दूसरे लोगों से जुड़ी हैं।
- **भावना** उनके उत्पत्तिकी जड़ है।
- **अनुभव** यह है कि मैं उन्हें किस तरह व्याख्या करता हूँ
- **क्रिया** यह है कि मैं उनके साथ क्या करता हूँ



ध्यान तकनीकों का उपयोग करते हुए, जैसे पर्यवेक्षण मन, कोई भी उदति होती भावनाओं की व्याख्या और महत्व को बेहतर समझ सकता है। भावनाओं के बीच प्रतध्वनिलिंकि, जो तब दखिाते हैं जब आप ग्राफ पर क्लिक करते हैं, वह भी समझने में सहायता कर सकता है कि क्या हो रहा है।

5.3. आत्मा माँड्यूल

संगीत और स्केले सरंखण

आत्मा वह हस्सा है जो स्थान और समय को पार करता है।

- **संगीत** ECG में मुख्य आवृत्तियों का पाठन है जो संगीत सदिधात के साथ जुड़ा हुआ है। स्केले और मुख्य कॉर्ड्स को एक छोटी अवधि (एक बार), मध्यम अवधि (2 बार), लंबी अवधि (3 बार) और बहुत लंबी अवधि (4 बार) पर गणना की जाती है। इन्हें अनुकूलित ध्यान बनाने के लिए उपयोग किया जाता है, ताकि आप जहाँ है वहाँ से आपको संगीत के माध्यम से ले जाया जा सके, जहाँ आप जा सकते हैं।
- **सरंखण** डैन वट्टर के समीकरण और एल्फी पूरणांक मान² पर आधारित है।
- सरंखण में, **कदरति सामंजस्य** है, जैसा कि डैन कहते हैं, "वास्तविक हृदय सामंजस्य": यह सपेस्ट्रम (2nd ऑर्डर FFT) के माध्यम से ध्यान की मात्रा की गणना करता है, सरल शब्दों में, यह गणना करता है कि ECG में पाए जाने वाले वैश्विक आवृत्तियों कतिनी **संगीतात्मक** रूप से सामंजस्य में और चरण में एक साथ हैं।
- सरंखण में, **वास्तविक हृदय सामंजस्य** वही गणना करता है लेकिन उन आवृत्तियों के लिए जो उनके बीच के स्वरण अनुपात के गुणांक हैं।



- संरंखण में, एम्बडेड इम्प्लोजन % उन आवतूतयों का हसिसा दखिता है जो पूरणाकं एल्फी मानों के नकिट हैं, इस प्रकार यह इंगति करता है कि वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा इम्प्लोजन चक्र में कतिनी ऊर्जा नहिति है।

6. बैलान मॉड्यूल

प्राथमकताएँ, संसाधन, रपॉर्ट और मार्गदर्शति ध्यान।

Balance एक उपकरणों का संग्रह है जो आपको अधिकतम गुणवत्ता प्राप्त करने में मदद करता है।

- **प्राथमकताएँ** वह हैं जिसे अब ध्यान की आवश्यकता है।
- **संसाधन** वह हैं जिसपर आप विश्वसनीयता से निर्माण कर सकते हैं।
- **रपॉर्ट** एक PDF दस्तावेज है जो विश्लेषण के सभी महत्वपूर्ण भागों को लिए है।
- **Balance** निर्देशति ध्यान, आवृततियों, बाइनरल बीट्स और पुनः-आकलनों की पीढी है, जो सभी बायोफीडबैक के माध्यम से वास्तविक-समय में ऑप्टिमाइज किए गए हैं।

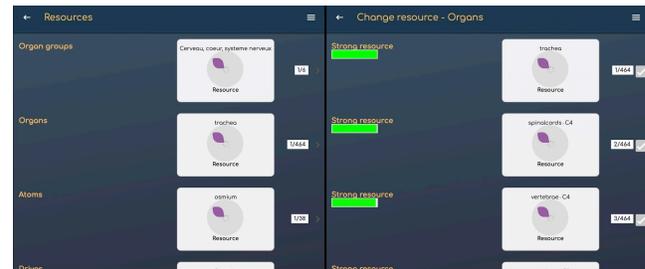


6.1. संसाधन

संसाधनों की शक्ति: वे पहले से आपके हैं और वे पहले से आपकी मदद के लिए उपलब्ध हैं।

Resources मुख्य स्तंभ हैं, इस रिकॉर्डिंग के लिए मुख्य ऊर्जा चालक हैं। Balance मॉड्यूल मुख्यतः संसाधनों पर निर्मित है ताकि संबंधित आवृततियों, बाइनरल बीट्स और ऑडियो गाइडेंस वॉयस चतुर्न के लिए ऊर्जा बनाई जा सके इससे पहले कि प्राथमकताओं पर काम शुरू किया जाए।

- Resources स्वचालित रूप से पहचाने जाते हैं लेकिन जरूरत होने पर बदले जा सकते हैं। एक संसाधन बदलने के लिए, इस पर क्लिक करें और इस श्रेणी के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों में से कोई दूसरा चुनें।

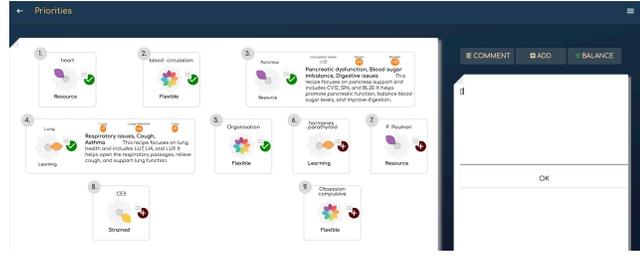


6.2. प्राथमकताएँ

क्या ध्यान की जरूरत है?

Priorities वे जैविक सूचकांक हैं जिन्हें ध्यान की जरूरत है। ये रिकॉर्डिंग के बाद स्वतः गणना किए जाते हैं, लेकिन उपयोगकर्ता के लिए प्राथमिकताओं को जोड़ने या हटाने का संपूर्ण अधिकार है।

- प्राथमिकताएँ किसी भी जैविक सूचकांक फूल से जोड़ने या हटाने के लिये किसी भी पृष्ठ या प्राथमिकताएँ माँड्यूल में जोड़ सकते हैं। बस बटन पर क्लिक करें।
- प्राथमिकताओं के अंदर, **टप्पणी** बटन उपयोगकर्ता को कोई भी पाठ जोड़ने की अनुमति देता है।
- **जोड़ें** बटन जरूरत पड़ने पर चुनने के लिए संबंधित अतिरिक्त प्राथमिकताओं की सूची दिखाता है, जैसे कि अंगों, एक्जूप्लेचर मरेडियन, मरेडियन बदि, TCM व्यंजनों, चक्र, ड्राइव, मोमेंटम...



6.3. PDF रपॉर्ट

1-क्लिक नरियात सभी महत्वपूर्ण जानकारीयों को PDF करूप में

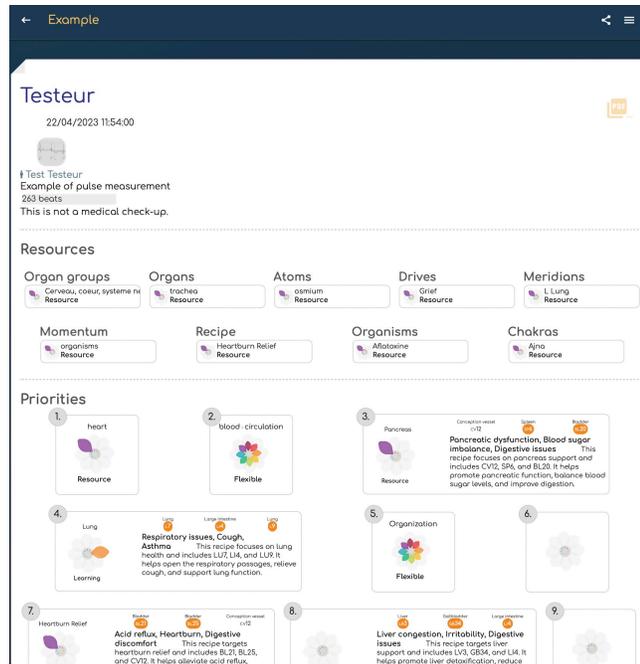
PDF रपॉर्ट को 1 क्लिक में प्रिंट, सेव या भेजा जा सकता है। इसमें शामिल हैं:

- क्लाइंट जानकारी
- रिकॉर्डिंग जानकारी
- एनोटेशन
- भाग और सत्र
- संसाधन और प्राथमिकताएँ
- मुख्य मरेडियन (ऊर्जा, एंटरॉपी, सामंजस्य)
- मुख्य अंग (ऊर्जा, एंटरॉपी, सामंजस्य)
- मुख्य MTC नसुखे (ऊर्जा, एंटरॉपी, सामंजस्य)

इसे प्रो द्वारा व्यक्तिगत बनाया जा सकता है।

6.4. संतुलन: कस्टम ध्यान

अब कार्रवाई करने का समय है।



Balance एक पूरा माँड्यूल है जिससे कस्टम ध्यान बनाए जा सकते हैं।

- उपयोगकर्ता एक शैली चुन सकता है जिससे वह जुड़ता है, जो वभिन्न मार्गदर्शति ध्यान श्रंखलाओं से कार्ड चुन लेगी।
- यह सलाह दी जाती है कि हर दिन फरि से मूल्यांकन किया जाए, एक नया ध्यान शुरू करने से पहले: सभी बायोमार्कर वकिसति होंगे और ध्यान के अनुसार फरि से गणना किया जाएगा।
- मुख्य पैरामीटर (डाइव स्पीड, व्यक्तित्व, संगीत, ससाधन) गणना किए जाते हैं मुख्य वशिषताओं से जो गणना किए गए बायोमार्कर के हैं। संगीत उपयोगकर्ता के वर्तमान स्वर और कोर्ड्स से उत्पन्न किया जाता है, इच्छति राज्य में, एक हार्मोनिक प्रगतमिं।
- प्राथमकिताएँ उपयोगकर्ता के चारों ओर ग्रहों के रूप में प्रदर्शति किए जाते हैं, जो और दूर दूर जाते हैं क्योंकि यही तरकिा है जिससे ध्यान उन्हें नजदीक आएगा, गहरे अंतरिक्ष में और भी गहराई में।
- एक अतरिकित उपकरण है **समय क्रस्टल मलेटर** जो पूरणाके समय-एल्फी मानों के आसपास गणना किया जाएगा और उपयोगकर्ता को सही समय पर नर्णियों और प्रगतमिं काम की याद दलाएगा। इसे सूक्ष्म-ध्यान के रूप में सोचें, 5 से 30 सेकंड के लिए वशिषिट समय नोड्स पर. उद्देश्य है आदतों के समय क्रस्टल को वघिटन करना और सम्पूरण सस्टिम को 21 दिनों में पुनःप्रोग्राम करना।

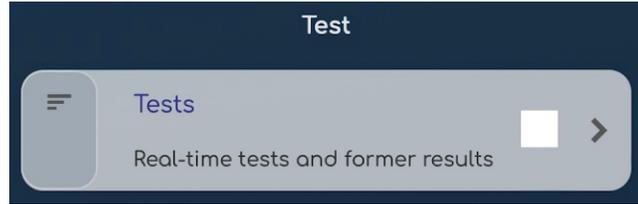


7. परिक्षण माँड्यूल

बायोफीडबैक का उपयोग करके किसी भी जानकारी का वास्तविक समय मूल्यांकन प्राप्त करना

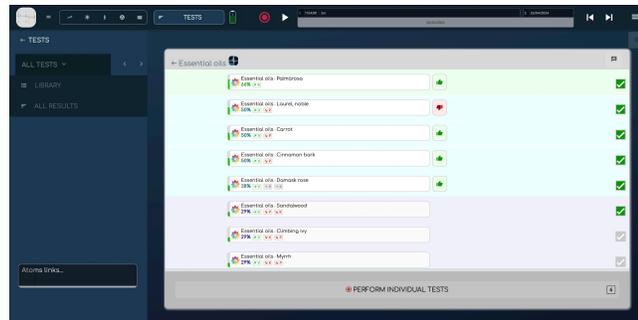
परीक्षण किसी भी प्रकार की जानकारी का मूल्यांकन करने का एक अद्वितीय तरीका है।

- वास्तविक-समय में बायोफीडबैक का उपयोग करते हुए, परीक्षण अनुकूलता का व्यक्तिगत मूल्यांकन है।
- परीक्षण तत्वों की सूचियों से बने हैं। प्रत्येक तत्व एक स्कैन से पूर्व-गणना किया जा सकता है, और इसके जानकारी के प्रतिशरीर की प्रतिक्रिया के खिलाफ सीधे परीक्षण किया जा सकता है।



7.1. एक परीक्षण सूची एक प्रत्यक्ष मूल्यांकन के बाद

जीवित मूल्यांकन के बाद, आप सूची में प्रदर्शित 2 सूचनाएँ देख सकते हैं: स्वचालित पूर्व-मूल्यांकन (यदि कोई हो), जो बायोमार्कर की आवश्यकताओं और प्रत्येक सूची तत्व के घोषित प्रभाव के आधार पर होती है, और बायोफीडबैक प्रतिक्रिया, एक अंगूठा ऊपर या नीचे, जो परीक्षण के दौरान जीव के शारीरिक उत्तर के आधार पर होती है।

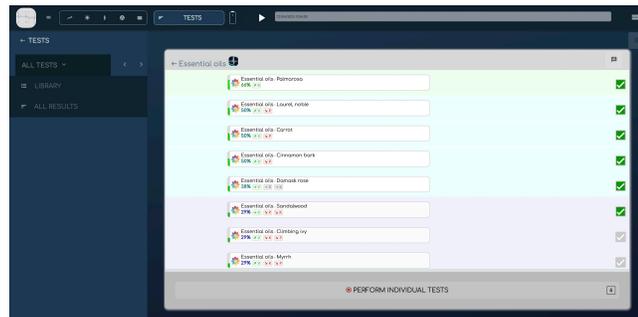


7.2. एक परीक्षण सूची

एक परीक्षा एक सूची के तत्वों से बनी है जिन्हें मूल्यांकित और क्रमबद्ध किया जाना है।

7.3. परीक्षण सूची

खोजना, संपादन, श्रेयगि और परीक्षणों का चयन



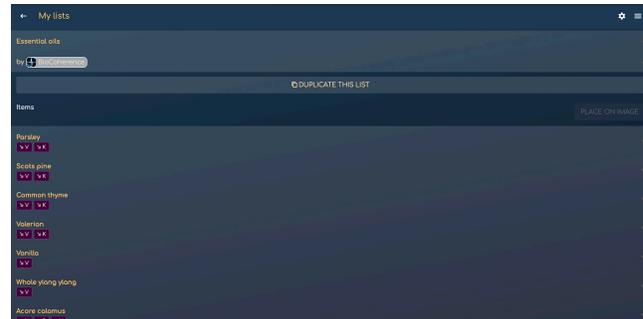
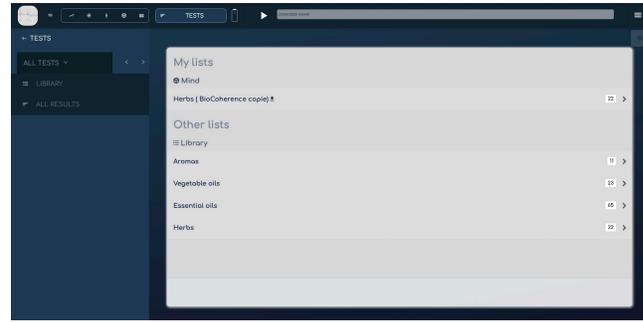
Tests एक ओपन प्लेटफॉर्म है जहाँ नरिमाता अपनी सूचियाँ बना और शेयर कर सकते हैं। आप कीवर्ड्स, नरिमाता या परीक्षा प्रकार से खोज कर सकते हैं, मौजूदा परीक्षाओं को डुप्लिकेट कर के अपनी बनाने के लिए, और एक क्लिक में वर्तमान रिपोर्ट के लिए सभी परीक्षित परिणाम दिखा सकते हैं।

7.4. परीक्षण: जीवति मूल्यांकन बायोफीडबैक

जब एक परीक्षण शुरू किया जाता है, जानकारी उपयोगकर्ता को भेजी जाती है और शारीरिक जवाब का मूल्यांकन किया जाता है।

7.5. परीक्षण: संपादित करें

कोई भी प्रो अपने लिए या बाद में साझा करने के लिए परीक्षण बना सकता है। परीक्षण सूची में प्रत्येक तत्व के लिए, कोई स्वचालित मूल्यांकन के लिए जैवचिह्नों पर क्रिया निर्धारित कर सकता है, या बायोफीडबैक मूल्यांकन के लिए किसी भी प्रकार की जानकारी जोड़ सकता है।



8. माँड्यूलस समझें

स्कैन परणाम इस माँड्यूल के नमिन दखिए जाते हैं।

वभिन्न स्कैन अध्यायो की जांच करें ताकि अधिक विवरण प्राप्त किया जा सके।

Understand	
 Biomarkers	9 >
↓ Evolution charts, events, pulse wave	
 Energy	10 >
↓ Chakras, planes, clock, influences, atoms, doshas...	
 Body	13 >
↓ Organs, meridians, points	
 Mind	14 >
↓ Psychology, mind, spirit, shadow, consciousness	
 Progress	>
Evolution and events	

3.2. वसित्तु गाइड

यह हस्तनिर्देशिका अनुप्रयोग के सभी पहलुओं को कवर करती है, और प्रत्येक अध्याय स्क्रीनशॉट्स और वीडियोस के साथ चित्रित है ताकि आप समझ सकें कि इसे कैसे सर्वश्रेष्ठ रूप से उपयोग किया जाए.

वीडियोस और अध्याय द्वारा फोरम तक पहुँचने के लिए, जाएँ biocoherence.net/tutorials

Contenido

9.	परच्चिय.....	42
9.1.	साँफ्टवेयर इंटरफेस का अवलोकन	42
9.2.	एक रपिपोर्ट खोलें	44
9.3.	सेंसर के साथ रकिॉर्डिंग	45
9.4.	ग्राहक प्रबंधन	46
9.5.	बहु-भाग रपिपोर्ट	48
10.	समझें: बायोमार्कर	49
10.1.	जैवमार्कर की बविरण	49
10.2.	पल्स तरंग संपादन और प्लुटि (कच्चा रकिॉर्डिंग).....	51
10.3.	सत्रों के दौरान बायोमार्कर परिवर्तनों की नगिरानी करना	51
10.4.	आवृत्ति और हार्मोनिक विश्लेषण	52
10.5.	कारण श्रृंखला	53
10.6.	प्रचलन	55
10.7.	पॉलीग्राफ	56
11.	समझें: ऊर्जा	57
11.1.	परमाणु	57
11.2.	आयूरवदेकि ऊर्जा मूल्यांकन	57
11.3.	चक्र दृश्यीकरण	59
11.4.	प्रभाव	59
11.5.	गति	60
12.	समझें: शरीर	62
12.1.	टीसीएम मरेडियिन	62
12.2.	अंग मानचित्र	64
12.3.	एक्यूपक्चर बदि	65
13.	समझें: मन	67
13.1.	संरेखण	67
13.2.	मस्तष्कि तरंगें	68
13.3.	ड्राइव्स	68
13.4.	भावनाएँ	71
13.5.	ध्यान केंद्रति करें	71
13.6.	संगीत	72
13.7.	2016 व्यक्तित्व प्रकार	73
13.8.	The 5 घाव	75
14.	परीक्षण	77
14.1.	परीक्षण सूचियाँ	77

15.	एआई में BioCoherence.....	81
15.1.	एआई सहायक.....	81
16.	सतलुन	83
16.1.	प्राथमकिताएँ.....	83
16.2.	ससाधन.....	84
16.3.	PDF रपिर्ट.....	86
16.4.	सतलुन: ध्यान, ध्वनयिाँ और उपकरण.....	87
16.5.	हारमोनकि बूसट.....	90

9. परचिय

इस गाइड की सामान्य प्रस्तुति

इस परचिय में, हम देखेंगे कि कैसे एक मौजूदा रपिर्ट को खोला जाए, स्वास्थ्य से एक ईसीजी आयात किया जाए, या सेंसर के साथ रकिॉर्डिंग करके एक नई रपिर्ट बनाई जाए। हम एप्लिकेशन के प्रारंभिक अवधारणाओं पर भी एक नजर डालेंगे।

9.1. सॉफ्टवेयर इंटरफेस का अवलोकन

कंप्यूटर, टैब्लेट या स्मार्टफोन पर इंटरफेस; फोरम, संदर्भ-संवेदनशील मनेअल पहुंच और संदर्भ-संवेदनशील सहायता अनुरोध।

जब आप रकिॉर्डिंग के बाद एक रपिर्ट खोलते हैं, तो डेटा को कुशलता से नेवगिट और विश्लेषण करने में मदद करने के लिए कई इंटरफेस तत्व होते हैं।

इंटरफेस के शीर्ष पर, आपको विभिन्न भागों तक पहुँच प्रदान करने वाला एक मनेमलिया। एक नेवगिशन बार आपको रकिॉर्डिंग के भीतर घूमने की अनुमति देता है। मुख्य मने कई खंडों में विभाजित है। सारांश पर लौटने के लिए, बस प्रदान किए गए बटन पर क्लिक करें।

मुख्य खंडों में शामिल हैं:

- **स्कैन विश्लेषण:** यह खंड विभिन्न स्क्रीन प्रदर्शित करता है, जैसे शरीर, ऊर्जा, बायोमार्कर तकनीकी विश्लेषण, मन विश्लेषण, और रकिॉर्डिंग के माध्यम से प्रगति।
- **परीक्षण:** वर्तमान में, इस खंड में केवल एक प्रवर्षित है, लेकिन अधिक विकल्प जोड़े जाएंगे। इसमें सूची परीक्षण, आवृत्ति परीक्षण और लाइव परीक्षण शामिल हैं।
- **Sensor कनेक्शन:** बैटरी आइकन पर क्लिक करके, आप सेंसर से ब्लूटूथ कनेक्शन आरंभ कर सकते हैं और सीधे एक रकिॉर्डिंग शुरू कर सकते हैं।



biocoherence.net/n82.92

रकिॉर्डिंग में नेवगिशन स्क्रीन के शीर्ष पर कंप्यूटर पर या फोन पर नीचे हो सकता है, जो स्क्रीन के आकार पर निर्भर करता है। आप सत्र से पहले, सत्र के बाद और एक विशिष्ट ग्राहक के लिए किए गए सभी क्रियाओं को देख सकते हैं जैसे खंडों के बीच नेवगिट कर सकते हैं। इंटरफेस बारी-बारी से नेवगिशन की भी अनुमति देता है ताकि वसित्तु वास्तविक समय विश्लेषण किया जा सके।

रपिर्ट बचाने में ग्राहक जानकारी, रपिर्ट शीर्षक, और रपिर्ट को क्लाउड में बचाने की क्षमता शामिल है। यह कई उपकरणों से पहुँच सक्षम बनाता है और डेटा को स्थानीय कंप्यूटर से दूर सुरक्षित करता है। यदि किसी रकिॉर्डिंग को गलत प्रोफाइल पर शुरू किया गया है, तो आप ग्राहक को भी बदल सकते हैं।

इंटरफेस के शीर्ष पर सामान्य मने कई विकल्प प्रदान करता है:

- होम पेज पर लौटें
- परीक्षण सूचियों को संपादित करें
- संपर्क प्रबंधन
- संपर्क विवरण और खाते में संशोधन
- सदस्यता बदलें
- अनुप्रयोग डेटा अपडेट करें
- एल्फी कैलकुलेटर का उपयोग करना

हाल की खबरों और मदद अनुरोध वकिलूप सभी पृष्ठों से सुलभ हैं। तकनीकी समस्या की स्थिति में, आप "राय और सल्लाह" में प्रवेश कर सकते हैं, एक प्रश्न पूछ सकते हैं, या एक स्क्रीनशॉट के साथ सहायता अनुरोध भेज सकते हैं।

मदद अनुरोध, फोरम और ऑनलाइन मैनअल

इस ऐप में प्रत्येक आइटम के लिए संदर्भ-संवेदनशील मदद और एकीकृत वीडियो भी प्रदान किए जाते हैं। जब भी आप प्रश्न चिह्न प्रतीक (?) देखते हैं, यह एक छोटे मदद पाठ को खोलता है। यह पाठ आपको एक वीडियो और मैनअल पृष्ठ तक सीधे पहुंच प्रदान कर सकता है। यह आपको एक सहयोगात्मक फोरम तक भी पहुंच प्रदान करेगा। यदि आपके पास कोई विशिष्ट समस्या नहीं है, लेकिन आप इस बटन पर एक टिप्पणी करना चाहते हैं, या यदि आपको चर्चितियों के बीच स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, तो आप प्रश्न चिह्नों पर क्लिक करके इस सहयोगात्मक फोरम को खोल सकते हैं। आप फिर वहां प्रश्न पूछ सकते हैं या अन्य उपयोगकर्ताओं के प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं।

"सलाह और सल्लाह" फंक्शन का उपयोग करके मदद का अनुरोध करना

"सूचनाएं और सल्लाह" फंक्शन आपके इंटरफेस के किसी भी पृष्ठ से सुलभ है और तकनीकी समस्या की स्थिति में मदद का अनुरोध करने में सक्षम बनाता है। इसे प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए यहाँ है:

1. ऊपर दाईं ओर मनें खोलें और "सूचनाएं और सल्लाह" मनें पर पहुँचें।
2. प्रदान किए गए टेक्स्ट बॉक्स में अपने प्रश्न को टाइप करें या अपनी समस्या का वर्णन करें।
3. ससिस्टम आपके प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए ज्ञान आधार को खोजेगा।
4. यदि एक उत्तर पाया जाता है, तो यह सीधे स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा।
5. यदि कोई उत्तर नहीं पाया जाता है, तो आप सहायता अनुरोध भेज सकते हैं।

एक सहायता अनुरोध भेजने के लिए, आपके पास दो वकिलूप हैं:

- **एक स्क्रीनशॉट लें:** यह आपको बेहतर समझने में मदद करता है कि आपके स्क्रीन पर क्या हो रहा है। एक बार जब आपने स्क्रीनशॉट ले लिया है, तो आप छवियों को एनोटेट करने के लिए ऊपर के उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप समस्या क्षेत्र को घरे में ले जा सकते हैं और एक स्पष्टीकरण भाषण बबल जोड़ सकते हैं।
- **एक टिकट लिखें:** आप बिना स्क्रीनशॉट लिए अपनी समस्या का वर्णन भी सरलता से लिख सकते हैं।

एक बार जब आपने स्क्रीनशॉट को एनोटेट कर लिया है या अपने विवरण को लिख लिया है:

- "Validate" पर क्लिक करें।
- यदि आवश्यक हो तो अपने प्रारंभिक खोज को स्पष्ट करने के लिए थोड़ा टेक्स्ट जोड़ें।
- संदेश भेजें।

आपका अनुरोध तब सहायता टीम को मदद करने के लिए आवश्यक सभी जानकारी के साथ एक टिकट में परिवर्तित किया जाएगा ताकि वे आपको संभवतः सबसे अच्छा मदद कर सकें। जब आपके पास विशिष्ट प्रश्न या समस्याएँ हल करने के लिए हों, तो हमेशा "सलाह और सल्लाह" मनें का उपयोग करें।

अपने अनुरोधों का पालन करें

"सलाह और सल्लाह" मनें में अभी भी, एक तीसरा बटन "अपने टिकटों को ट्रैक करें" आपके सभी वर्तमान अनुरोधों को खोलता है, जिससे आपको जानकारी जोड़ने या हमारे उत्तरों को देखने की अनुमति मिलती है।

होम पेज पर वापस

जब आप होम पेज पर लौटते हैं, तो अंतमि खोली गई रपिपोर्ट त्वरति पहुँच के लिए प्रदर्शति होती है। इंटरफेस में स्कैन वश्लेषण, लाइव परीक्षण, स्कैन नषिकर्ष, और परणाम साझा करने की क्षमता के लिए महत्वपूर्ण खंड शामिल हैं।

इंटरफेस को रकिॉर्डिंग का वश्लेषण और साझा करने के लिए तरल नेवगिशन और व्यापक उपकरण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

9.2. एक रपिपोर्ट खोलें

ऐप का पता लगाएं

परचिय

इस अध्याय में आपका स्वागत है जो BioCoherence एप्लिकेशन के लिए समर्पित है, जो स्मार्टफोन और कंप्यूटर पर उपलब्ध है। यह एप्लिकेशन आपको बेहतर मन-शरीर संतुलन के लिए वभिन्न बायोमार्कर्स को ट्रैक और वश्लेषण करने की अनुमति देती है।

होम स्क्रीन

जब आप एप्लिकेशन खोलते हैं, तो आप होम स्क्रीन पर होते हैं। आपके पास दो विकल्प हैं: एक नया माप शुरू करें या एक नमूना रपिपोर्ट खोलें। हम अनुशंसा करते हैं कि आप पहले नमूना रपिपोर्ट खोलें ताकि आप इंटरफेस से परिचित हो सकें। इस होम स्क्रीन में एक मने भी है जो वभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान करता है, जिसे हम आगामी अनुभागों में वसितार से वर्णित करेंगे।



biocoherence.net/n82.2

उदाहरण रपिपोर्ट

एक बार जब आप उदाहरण रपिपोर्ट खोल लेते हैं, तो आप देखेंगे कि गिणना तुरंत शुरू होती है। यह आपको मुख्य मने पर ले जाती है, जो नमिनलखिति अनुभागों में वभिजाति है:

- संतुलन: प्राथमकताएं, संसाधन
- रपिपोर्ट: PDF रपिपोर्ट, मार्गदर्शति ध्यान
- वसित्तु वश्लेषण: बायोमार्कर्स, ऊर्जा, शरीर, मन, प्रगतति

कंप्यूटर एप्लिकेशन

कंप्यूटर एप्लिकेशन स्मार्टफोन पर अनुभव के समान अनुभव प्रदान करता है, जिसमें नेवगिट करने के लिए अधिक स्थान होता है। मने और अनुभाग समान होते हैं, लेकिन डिस्प्ले बड़े स्क्रीन के लिए अनुकूलति होता है।

नेवगिशन

चाहे आप स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हों या कंप्यूटर का, स्क्रीन के शीर्ष या नीचे एक नेवगिशन क्षेत्र उपलब्ध है। यह आपको एक अनुभाग से दूसरे अनुभाग में जाने की अनुमति देता है, वशिषे रूप से प्री- और पोस्ट-वर्कआउट रकिॉर्डिंग की तुलना करने के लिए, या दिए गए समय के भीतर दैनिक प्रगतति को ट्रैक करने के लिए। रकिॉर्डिंग में वापस या आगे जाने के लिए, बस "प्ले" दबाएं और रकिॉर्डिंग के माध्यम से नेवगिट करें।

बायोमार्कर वश्लेषण

जब आप "बायोमार्कर्स" अनुभाग का चयन करते हैं, तो आप डेटा की जांच कर सकते हैं जैसे कपिल्स बवे। यह वश्लेषण मार्कर प्रकार और रकिॉर्डिंग समय के अनुसार भिन्न हो सकता है। कंप्यूटर पर, "टेस्ट" और "प्रगति" जैसे अतिरिक्त टैब उपलब्ध हैं, जो सत्रों के दौरान बायोमार्कर्स के विकास का वसित्तु दृश्य प्रदान करते हैं।

नषिकर्ष

इस अध्याय ने BioCoherence एप्लिकेशन का सामान्य अवलोकन प्रदान किया है। प्रत्येक स्क्रीन और सुवधि की गहन समझ के लिए, हम आपको सहायक वीडियो देखने के लिए आमंत्रित करते हैं।

9.3. सेंसर के साथ रकिॉर्डिंग

बायोकोहेरेंस के साथ एक साफ ECG रकिॉर्डिंग बनाने के लिए कई वधियाँ उपलब्ध हैं। आप होम पेज से एक नई रकिॉर्डिंग शुरू करके और "रकिॉर्ड" पर क्लिक करके शुरू कर सकते हैं। एक और विकल्प "प्रगति" पृष्ठ से या स्क्रीन के शीर्ष पर बैटरी आइकन पर क्लिक करके शुरू करना है। ये क्रियाएँ स्वचालित रूप से एप्लिकेशन को ब्लूटूथ सेंसर से कनेक्ट करेंगी और रकिॉर्डिंग शुरू करेंगी।

रकिॉर्डिंग के दौरान, अपेक्षित परिणामों को दर्शाने के लिए एक एनीमेशन प्रदर्शित किया जाता है। हालाँकि, यह एनीमेशन वास्तविक समय में माप के साथ अपडेट नहीं होता है। डेटा रकिॉर्डिंग के अंत में गणना की जाएगी। एनीमेशन आपको एक अच्छे रकिॉर्डिंग प्राप्त करने के लिए आवश्यक समय बताने में मदद करता है, आदर्श रूप से कम से कम दो मिनट।



biocoherence.net/n82.13

स्क्रीन के शीर्ष पर तीन स्लाइडर हैं, जिनका नाम "ऊर्जा", "गतविधि" और "लकि" है, जो धीरे-धीरे भरे जाते हैं। इन क्रसरों को पूरी तरह से भरा जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एकत्रित जानकारी सभी आवश्यक चर की गणना के लिए पर्याप्त है। जब ये क्रसर 100% तक पहुँच जाते हैं, तो रकिॉर्डिंग को पर्याप्त माना जाता है।

रकिॉर्डिंग की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक सेंसर पर एक अंगूठा रखें। यदि सिग्नल अच्छी गुणवत्ता का नहीं है, तो इलेक्ट्रोड जेल का उपयोग करें या अपनी उंगलियों को हल्का गीला करें। सिग्नल की गुणवत्ता स्वचालित रूप से मूल्यांकित की जाती है। उदाहरण के लिए, यदि आप अपनी उंगली हटाते हैं, तो रकिॉर्डिंग तुरंत रूक जाती है। यदि आप अपनी उंगली वापस रखते हैं, तो फरि से कनेक्ट करने में लगभग एक सेकंड लगता है, लेकिन आपको फरि से कैलब्रिटे करने की आवश्यकता हो सकती है।

यदि आप पर्याप्त दबाव नहीं डालते हैं, हलिते हैं या अचानक आंदोलन करते हैं, तो स्क्रीन एक लाल पृष्ठभूमि में बदल जाती है, यह संकेत करते हुए कि डेटा का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उपकरण फरि से कैलब्रिशन का इंतेजार करेगा, जो हरे बदिओं की वापसी और लाल पृष्ठभूमि की अनुपस्थिति द्वारा संकेतित किया जाएगा, इससे पहले कि अच्छी गुणवत्ता के डेटा की रकिॉर्डिंग फरि से शुरू हो सके।

एक बार जब क्रसर 100% भरे होते हैं, तो "रोकें" पर क्लिक करें। एप्लिकेशन तब सभी डेटा की गणना करेगा, और आप स्कैन रकिॉर्डिंग के विभिन्न मुख्य अध्यायों को देख सकेंगे।

9.4. ग्राहक प्रबंधन

सारांश

BioCoherence Pro आपको अनंत संख्या के ग्राहकों से नेटवर्क करने की अनुमति देता है, जिनमें से हर एक अपने अपने ऐप्लिकेशन के माध्यम से जुड़ा हो सकता है। यह अध्याय आपको अपने ग्राहकों के साथ जानकारी को प्रबंधित करने और शेयर करने के कदमों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

ग्राहक चयन

उन सभी पृष्ठों पर जहाँ आपको एक ग्राहक चुनने की आवश्यकता है, इस चुनाव को करने के लिए ऊपर दाईं कोने में एक बटन उपलब्ध है। एक ग्राहक को खोजने के लिए, बस उसका नाम खोज क्षेत्र में टाइप करें। सिस्टम संबंधित ग्राहकों और प्रत्येक के लिए उपलब्ध रिकॉर्ड्स की संख्या दिखाएगा।



biocoherence.net/n82.15

रिकॉर्ड प्रबंधन

एक ग्राहक चुनने के बाद, आपको उस ग्राहक के लिए उपलब्ध रिकॉर्ड्स दिखाई देंगे। रिकॉर्ड्स को अलग-अलग चित्रचिह्नों द्वारा पहचाना जा सकता है:

- एक चित्रचिह्न यह दर्शाता है कि रिकॉर्ड स्थानीय कंप्यूटर पर संग्रहीत है।
- दूसरा चित्रचिह्न यह दर्शाता है कि रिकॉर्डिंग क्लाउड में है।
- तीसरा चित्रचिह्न यह दर्शाता है कि ग्राहक इस रिकॉर्डिंग तक पहुँच रखता है।

रिपोर्ट्स को शेयर करना

जब आप एक रिपोर्ट खोलते हैं, आप चुन सकते हैं क्या आप ग्राहक के साथ पहुँच शेयर करना चाहते हैं। मुख्य पृष्ठ पर, एक बटन आपको ग्राहक की जानकारी जैसे लिंग, ईमेल और एक फोटो संशोधित करने की अनुमति देता है। यह जानकारी लिंग अंगों और चक्रों के विशिष्ट दृश्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

नमित्करण भेजना

एक ग्राहक को नमित्करण भेजने के लिए, उनका ई-मेल पता दर्ज करें और "ई-मेल भेजें" पर क्लिक करें। आप नमित्करण लकि या पाठ को SMS, WhatsApp या आपके डेवाइस पर उपलब्ध किसी अन्य ऐप्लिकेशन के माध्यम से भी शेयर कर सकते हैं। संदेश को आप अंग्रेजी या फ्रेंच में भेज सकते हैं, भाषा को झंडा चुनाव के माध्यम से बदलकर।

इन विशेषताओं का उपयोग करते हुए, आप BioCoherence Pro पर अपने ग्राहकों के साथ जानकारी को आसानी से प्रबंधित कर और शेयर कर सकते हैं, साथ ही प्रभावी और सुरक्षित संचार सुनिश्चित करते हैं।

BioCoherence में उपयोगकर्ता और ग्राहक प्रबंधन की वसित्तु जानकारी

BioCoherence ऐप व्यापक उपयोगकर्ता और ग्राहक प्रबंधन विशेषताएँ प्रदान करता है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने स्वयं के प्रोफाइल और अपने ग्राहकों के प्रोफाइल को प्रबंधित करने की अनुमति देता है। यह अनुभाग ऐप के अंदर उपयोगकर्ताओं और ग्राहकों को प्रबंधित करने के लिए उपलब्ध कार्यात्मकताओं का विवरण दिये जाता है, जसिमें नए संपर्क बनाना, उपयोगकर्ताओं के बीच स्वचालित करना, और उपयोगकर्ता डेटा का प्रबंधन शामिल है।

वर्तमान उपयोगकर्ता प्रदर्शन

- **उपयोगकर्ता प्रदर्शन:** वर्तमान उपयोगकर्ता ऐप इंटरफेस के होम स्क्रीन के ऊपर दिखाया जाता है। यह आप (प्राथमिक उपयोगकर्ता)या कोई ग्राहक या संपर्क हो सकता है।
- **गोपनीयता वशिषता:** उपयोगकर्ता स्क्रीन को दूसरों के द्वारा देखे जाने के समय गोपनीयता सन्तुश्चिति करने के लिए नाम और तस्वीरों को धुंधला कर सकते हैं।

उपयोगकर्ता वशिलेषण

- **वशिलेषण देखें:** "वशिलेषण खोलें" या "सभी वशिलेषण देखें" पर क्लिक करने से केवल वर्तमान उपयोगकर्ता से जुड़ी वशिलेषण दिखाई जाएगी।
- **उपयोगकर्ताओं के बीच स्वचिगि:** उपयोगकर्ताओं के बीच स्वचि करने के लिए, उपयोगकर्ता नरिदेशिका तक पहुँचने के लिए दो तीरों के चित्र पर क्लिक करें। प्राथमिक उपयोगकर्ता हमेशा इस सूची के ऊपर सूचीबद्ध होगा।

उपयोगकर्ता नरिदेशिका

- **उपयोगकर्ता नरिदेशिका तक पहुँचना:** उपयोगकर्ता नरिदेशिका खोलने के लिए दो तीरों के चित्र पर क्लिक करें।
- **उपयोगकर्ताओं की खोज:** कीवर्ड्स दर्ज करके उपयोगकर्ताओं को फिल्टर करने के लिए पृष्ठ के नीचे खोज चित्र (दर्पण)का उपयोग करें।
- **नए संपर्क बनाना:** मने के माध्यम से संपर्क सूची तक पहुँचें और "नया संपर्क बनाएँ" पर क्लिक करें ताकि एक नया उपयोगकर्ता जोड़ा जा सके। सटीक स्क्रीन प्रदर्शन के लिए लगी नरिधारति करें। यदि आप उन्हें नमिर्ण भेजना चाहते हैं या एक रपिर्ट शेर करना चाहते हैं, तो उनका ईमेल जोड़ें, या उनको उनके ऐप में रपिर्ट तक पहुँच दें।

संपर्क प्रबंधन

- **संपर्कों को संपादित करना:** वर्तमान संपर्क वविरण जैसे नाम, ईमेल, और लगी को संपादित करें। लगी चयन स्क्रीन प्रदर्शन पर असर डालता है, वशिषकर लगी-वशिषिट वशिलेषण के लिए।
- **ईमेल एकीकरण:** एक ईमेल जोड़ने से PDF रपिर्टों को सीधे भेजने की अनुमति मिलती है और उपयोगकर्ता के लिए सर्वर पर एक खाता बनाता है।
- **अतरिकित जानकारी:** वकैल्पिक क्पत्तों में जन्म तारीख, वजन और व्यक्तगित नोट्स शामिल हैं। जन्म तारीख वर्तमान में गणनाओं में उपयोग नहीं किया जाता है लेकिन भवषि की वशिषताएँ जैसे जैविकि उम्र तुलना के लिए उपयोग किया जाएगा।

उपयोगकर्ता फाइल प्रबंधन

- **फाइल सहेजना:** वशिलेषण उपयोगकर्ता फाइलों में सहेजे जाते हैं। यह सन्तुश्चिति करें कि वशिलेषण सही उपयोगकर्ता के अंदर सहेजे जाते हैं ताकि गडबडी से बचें। यदि किसी गलती से अलग उपयोगकर्ता के अधीन कोई रकिॉर्डगि शरू की गई है, तो आप इस चरण पर उपयोगकर्ता को बदल सकते हैं।
- **क्लाउड अपलोड:** वशिलेषणों को शेर करने के लिए क्लाउड पर अपलोड किया जा

9.5. बहु-भाग रपौरुट

एक रपौरुट के वविरणों की जांच करने के लिए, प्रश्न में रपौरुट खोलने से शुरू करें। इसे खोलने के लिए इसके नाम पर क्लिक करें, जो इसमें शामिल वभिन्न तत्वों को प्रदर्शित करेगा। कंप्यूटर पर स्क्रीन के शीर्ष पर, या फोन पर नीचे, रपौरुट के वभिन्न अनुभाग प्रदर्शित होते हैं। डिफॉल्ट रूप से, पूरा रिकॉर्ड दिखाई देता है, लेकिन आप उदाहरण के लिए पहले या दूसरे अनुभाग को प्रदर्शित करने का चयन कर सकते हैं।

अनुभाग वविरणों को "प्रगत" टैब के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है, जो होम पृष्ठ इंटरफ़ेस के बीच में भी स्थित है। यह टैब रिकॉर्डिंग के दौरान वभिन्न चर के विकास को दिखाता है। उदाहरण के लिए, आप 5 मिनट के अंतराल पर रिकॉर्डिंग, 4 मिनट 30, या वभिन्न लंबाई की रिकॉर्डिंग, जैसे 40 सेकंड और 20 सेकंड देख सकते हैं।

इन रिकॉर्डिंग में टिप्पणियाँ जोड़ना भी संभव है। यह सुवर्धिता सत्रों की शुरुआत और अंत को दस्तावेज़ित करना संभव बनाती है, या सत्र के दौरान मार्करों के विकास को देखने के लिए वशिष्ट क्रियाओं को एनोटेट करने के लिए।

वभिन्न रिकॉर्डिंग सीधे उपलब्ध है, जिससे आप जैविक मार्करों की स्थिति की तुलना अनुभाग दर अनुभाग कर सकते हैं, और गति, चक्रों आदि में बदलावों को देख सकते हैं। ये सुवर्धिता रपौरुट के वभिन्न अनुभागों का वसित्तु, तुलनात्मक दृश्य प्रदान करती है।



biocoherence.net/n82.6

10. समझें: बायोमार्कर

पल्स वेवे तकनीकी वशिलेषण

ये स्क्रीन नाडी तरंग के तकनीकी वशिलेषण को सक्षम बनाती है, जैसे कि आवृत्तियों और हार्मोनियों का नष्टकरण, रिकॉर्डिंग का संपादन, तरंग का प्रत्यक्ष वशिलेषण, बायोमार्कर विकास ग्राफ...

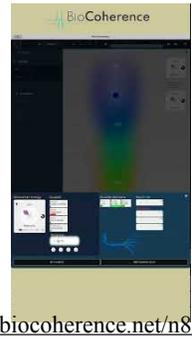
10.1. जैवमार्कर की वविरण

परचिय

इस अध्याय में, हम उपयोगकर्ता इंटरफेस में बायोमार्कर्स के वविरण का अवलोकन करेंगे। चलो चक्रों के उदाहरण को लेकर देखते हैं कि ये कैसे काम करते हैं और किस तरह से संबंधित जानकारी दिखाई जाती है।

चक्रों की पहुँच

जब चक्रों के लिए वशिष पपूठ खोला जाता है, तो वभिन्न चक्र दिखाए जाते हैं। किसी वशिषिट चक्र पर क्लिक करने से संबंधित बायोमार्कर्स स्क्रीन के दाहिनी तरफ दिखाई देते हैं।



biocoherence.net/h82.8

ऊर्जा और अवसाद

पहला मुख्य तत्व ऊर्जा है, जो इसके ऊर्जा स्तर और अवसाद के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है। स्क्रीन के बाईं तरफ ऊर्जा को दर्शाया जाता है, जबकि नीचे अवसाद को दिखाया जाता है। दोनों पहलुओं को 9 वभिन्न पंखुड़ियों द्वारा प्रतनिधित्व किया जाता है, जो ऊर्जा और अवसाद की स्थिति को ववित्ति करते हैं।

- यहाँ, उच्च ऊर्जा और कम अवसाद एक संसाधन को सूचित करते हैं।

अतरिकित्त जानकारी

अन्य जानकारी भी दिखाई जाती है:

- ध्यान स्तर
- इच्छा स्तर
- समय क्षतिजि (संकुषपित्त, मध्यम या दीर्घकालिक)
- तत्व का मुख्य चक्र

वविकास और औसत

यह संभव है कि आप एक सत्र के दौरान बायोमार्कर्स के वविकास का अनुसरण करें, जिसे चार भागों में वभिजाति किया गया है। उदाहरण के लिए, आप ऊर्जा में एक परिवर्तन को देख सकते हैं, जिसमें ऊर्ध्वाधर और अवधकि चरण हैं, जो आपको कुल औसत का मूल्यांकन करने की अनुमतति देता है।

प्राथमकिताएँ

प्रत्येक बायोमार्कर पृष्ठ पर 1,400 से अधिक विभिन्न बायोमार्कर्स मौजूद हैं। एक बटन आपको स्वचालित रूप से एक बायोमार्कर को प्राथमकिताओं में जोड़ने की अनुमति देता है। "प्राथमकिता में जोड़ें" पर क्लिक करने से यह आइटम आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया जाता है, जैसे ध्यान या पुनःसंतुलन आवृत्तियाँ जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया एक सरल क्लिक दूर है।

लकि गुणवत्ता

एक ही परिवार के तत्वों के बीच लकि दर्शाए जाते हैं:

- फाइब्रो की संख्या (लकि)
- ग्लू बन्दि
- वलियन का प्रतशित (जैसे 33% लकि चक्रों का)

प्रत्यक्ष पहुँच बटन

दो बटन नेवेगेशन को आसान बनाते हैं:

- चक्रों की प्रत्यक्ष पहुँच
- पूर्ण-स्क्रीन बायोमार्कर विश्लेषण पृष्ठ की प्रत्यक्ष पहुँच

सहायता और जानकारी

प्रत्येक पृष्ठ पर एक प्रश्न चिह्न उपलब्ध है, जो पंखड़ियाँ और विभिन्न ग्लू और नयिमन के अर्थ पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है।

सक्षेप में, यह इंटरफेस बायोमार्कर्स का वसित्तु, व्यक्तिगत प्रबंधन संभव बनाता है, जो चक्रों और अन्य संबंधित तत्वों का विश्लेषण और अनुकूलन आसानी से करता है।

बायोमार्कर ऊर्जा और अवसाद जानकारी

ऊर्जा

बाईं तरफ की ऊर्ध्वाधर तराजू बायोमार्कर की औसत ऊर्जा को दिखाती है। एक कम मान (नीचे की ओर) कम ऊर्जा बायोमार्कर को सूचित करता है। एक उच्च मान (ऊपर की ओर) उच्च ऊर्जा बायोमार्कर को सूचित करता है। कुछ बायोमार्कर्स (जैसे एक्यूपूकंचर पॉइंट्स, भावनाएँ...) के लिए ऊर्जा नकारात्मक या सकारात्मक हो सकती है, जो कुल संतुलन पर असर डालती है। इस मामले में, कम ऊर्जा तराजू के बीच दिखाई जाती है।

अवसाद

नीचे की हॉरिजेंटल स्केल बायोमार्कर की औसत अवसाद को दिखाती है। एक कम मान (बाईं तरफ) अधिकतर स्थिर बायोमार्कर को सूचित करता है। एक उच्च मान अधिकतर अवसादित बायोमार्कर को सूचित करता है।

बायोमार्कर पंखड़ियाँ

आठ पंखड़ियाँ (खुले फूल के साथ, सभी आठ पंखड़ियाँ संतुलन में) बायोमार्कर का मुख्य ऊर्जा/अवसाद क्षेत्र दर्शाती हैं।

स्थिर

कम ऊर्जा, कम अवसाद। यह एक बायोमार्कर के लिए संभावित न्यूनतम गतिविधि है। यह आम तौर पर दीर्घकालिक, दीर्घकालिक हालातों के साथ संबंधित है।

इवेंट्स आपके अभ्यास के महत्वपूर्ण पहलुओं को नोट करने के लिए उपयोग किए जाते हैं और ये वभिन्न भागों के सारांश में भी दिखाई दिए जाते हैं। विकास ग्राफ को कई खंडों में विभाजित किया गया है: बहुत संक्षिप्त अवधि (तत्कालीन विकास के लिए नीला पृष्ठभूमि), मध्यम-अवधि, दीर्घ-अवधि और बहुत दीर्घ-अवधि। बहुत दीर्घ अवधि एक लंबे समय में औसत प्रदान करती है, जिसके लिए लगभग 90 बीट्स की आवश्यकता है गणना करने के लिए।

बहुत संक्षिप्त अवधि और मध्यम-अवधि के बीच के संबंध का विश्लेषण महत्वपूर्ण है। कभी-कभी, बहुत संक्षिप्त अवधि की वक्र मध्यम-अवधि की वक्र से ऊपर या नीचे होती है। जब वक्र नीचे होती है, तो इसे लाल में चिह्नित किया जाता है, और जब यह ऊपर होती है, तो इसे हरे में चिह्नित किया जाता है। ये संकेत परीक्षण के दौरान तत्कालीन प्रवृत्तियों का मूल्यांकन करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

अंततः, जानकारी का एक संश्लेषण "फूल" के रूप में उपलब्ध है जो ऊर्जा और उत्तेजना के स्तरों को दर्शाता है। यह सारांश वभिन्न खंडों में विकास का अवलोकन करने के लिए भाग बाय भाग भी विश्लेषित किया जा सकता है।

10.4. आवृत्त और हार्मोनिक विश्लेषण

एक गणतीय ऑपरेशन के लिए FFT कहा जाता है, लहर को आवृत्तियों में परिवर्तित किया जाता है, फिर इन आवृत्तियों का विश्लेषण किया जाता है ताकि उनकी हार्मोनिक्स को खोजा जा सके।

इस अध्याय में, हम तरंग स्वरूप से गणना की गई आवृत्तियों और हार्मोनियों पर विचार करेंगे। हम जैव मार्कर स्थान में रहते हैं, अर्थात् तकनीकी सूची में।

शुरू करने के लिए, आवृत्तियों को खोलें। आप 0 और 60 हर्ट्ज के बीच एक डिसिप्ले देखेंगे। इस डिसिप्ले के शीर्ष पर, आप सबसे कम आवृत्तियाँ पाएंगे, अर्थात् 0.03 हर्ट्ज से नीचे की बहुत कम आवृत्तियाँ, कम आवृत्तियाँ, और लगभग 0.4 हर्ट्ज के आसपास उच्च आवृत्तियाँ। ये आवृत्ति श्रेणियाँ सामान्यतः बहुत दलिचस्प जानकारी प्रदान करती हैं।

हम पहले 0-3 हर्ट्ज रेंज पर ध्यान देते हैं, लेकिन अन्य आवृत्ति बैंड्स पर भी जानकारी प्राप्त करना संभव है।

अगले, हार्मोनिक अनुभाग पर जाएं। यह अनुभाग आवृत्तियों पर एक गणना करता है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कौन सी सबसे मजबूत हैं। यहां प्राप्त जानकारी वभिन्न जैव मार्करों के लिए भी प्रासंगिक है। यह तकनीकी विश्लेषण आपको रिकॉर्डिंग को स्कैन करने और प्रमुख आवृत्तियों की पहचान करने की अनुमति देता है। इन डिसिप्ले पर नग्न आंखों से प्रासंगिक जानकारी को भेद करना कठिन है, लेकिन यह ऐप्लिकेशन द्वारा जैव मार्करों की गणना करने के लिए उपयोग किए जाने वाले आधारों में से एक है...

FFT (फास्ट फूरियर ट्रांसफॉर्म) एक एल्गोरिदम है जो फूरियर ट्रांसफॉर्म को तेजी से और कुशलता से गणना करता है। इसका उपयोग सग्नल प्रोसेसिंग, स्पेक्ट्रल विश्लेषण और डेटा संकुचन में व्यापक रूप से किया जाता है। फूरियर ट्रांसफॉर्म एक गणतीय उपकरण है जो एक फंक्शन या सग्नल को वभिन्न आवृत्तियों के साइनसाइड के योग में विघटित करता है। यह एक सग्नल को समय डोमेन से आवृत्ति डोमेन में परिवर्तित करता है।



biocoherence.net/n82.7

10.5. कारण श्रृंखला

The Causal Chain feature in BioCoherence provides a comprehensive way to analyze the interconnections between different biomarkers, allowing users to identify the root causes of imbalances and determine the most effective interventions. Unlike previous methods that only displayed relationships within the same category (e.g., organs linked to other organs), the Causal Chain expands this analysis to include all biomarker categories, such as meridians, chakras, atoms, pathogens, and more. This feature enables users to:

- असंतुलनों के मूल कारणों की पहचान करें.
- यह नरिधारति करें कि कौन से बायोमार्कर एक दूसरे के साथ अनुरूप हैं.
- संतुलन को पुनरस्थापति करने के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायकों को खोजें.
- हार्मोनाइजेशन के लिए एक कस्टमाइज्ड प्रायोरिटी सूची बनाएँ.

कारण श्रृंखला तक पहुंचना

कारण श्रृंखला तक पहुंचने के लिए:

1. एक वशिलेण खोलें और बायोमार्कर्स अनुभाग पर जाएँ.
2. एक रुचि का बायोमार्कर चुनें (जैसे, एक अंग, मेरेडियन, या ड्राइव).
3. रशितों में न्यू के अंतर्गत कारण श्रृंखला सबमें न्यू पर क्लिक करें.

यह सभी बायोमार्कर्स को प्रदर्शति करने के लिए एक नया इंटरफेस खोलगा जो चुने गए बायोमार्कर के साथ अनुरूप हैं.

कारण श्रृंखला इंटरफेस को समझना

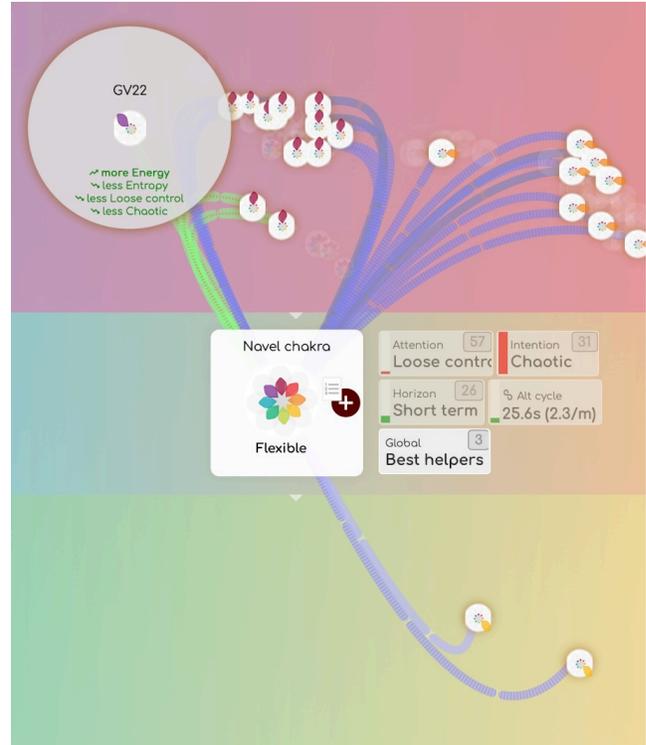
कारण श्रृंखला इंटरफेस आपस में जुड़े बायोमार्कर्स का एक नेटवर्क मानचित्र पेश करता है, प्रमुख तत्व शामिल हैं:

1. केंद्रीय बायोमार्कर

- आप द्वारा चुना गया बायोमार्कर नक्शे के केंद्र में रखा गया है.
- इसके साथ अनुरूप सभी अन्य बायोमार्कर्स इसके चारों ओर दिखाए गए हैं.
- आप किसी भी बायोमार्कर पर क्लिक कर सकते हैं ताकि उसे केंद्र में रखा जा सके और इसके चारों ओर फरि से गणना की जा सके.

2. अनुरूप बायोमार्कर्स

- केवल वे बायोमार्कर्स जो वर्तमान में केंद्रीय बायोमार्कर के साथ अनुरूप हैं दिखाए जाते हैं.
- इन्हें अंगों, मेरेडियनों, चक्रों, अणुओं, रोगाणुओं आदि जैसे वभिन्न समूहों में वभिजति किया गया है. समूह स्क्रीन के नीचे दिखाए जाते हैं. एक समूह नाम पर क्लिक करें ताकि संबंधित बायोमार्कर्स दिखाएँ. प्रत्येक समूह एक या दो संख्याएँ दिखा सकता है:
 - हमेशा, इस समूह में संबंधित बायोमार्कर्स की संख्या



- केवल यदि कोई है, एक सफेद गंदे में: इस समूह में बड़े लकि (सर्वश्रेष्ठ सहायक) की संख्या.

3. संबंध की शक्ति

प्रत्येक बायोमार्कर्स के बीच का संबंध रंग-कोडित है:

- बड़ा लकि (सफेद, हरा या नीला): सर्वश्रेष्ठ सहायक, जिनमें सबसे मजबूत अनुरूपता और सहायता करने की क्षमता है (ऊर्जा, उत्तेजना और गुण में सर्वश्रेष्ठ सध्दार)
- हरा: केंद्रीय बायोमार्कर की तरफ सकारात्मक प्रभाव (जैसे, ऊर्जा बढ़ाना, अव्यवस्था कम करना).
- नीला: केंद्रीय बायोमार्कर की तरफ ऊर्जा भजेता है.
- फाइन लक्सि वशिष्ट संबंधों को दर्शाते हैं जो ध्यान, नयित्रण और क्षतिजि से संबंधित हैं. उपर्युक्त लेजेड उनकी महत्वता दिखाता है.

4. ऊर्जा और अव्यवस्था मानचित्रण

- बायोमार्कर्स को ऊर्जा स्रोतों (कम से ज्यादा) और उत्तेजना (अव्यवस्था) (कम से ज्यादा) के आधार पर एक ग्राफिकल मैप पर स्थिति किया जाता है, जैसे फूल पर पंखड़ियों को व्यवस्थित किया जाता है.
- यह उपयोगकर्ताओं को यह दृश्यमान रूप से मूल्यांकन करने की अनुमति देता है कि कौन से बायोमार्कर्स स्थिरता या असंतुलन में योगदान कर रहे हैं.

5. फिल्टरिंग और सर्वश्रेष्ठ सहायक

उपयोगकर्ता वशिष्ट गुणों के आधार पर दिखाए गए बायोमार्कर्स को फिल्टर कर सकते हैं:

- ध्यान बढ़ाता
- इरादे बढ़ाता
- क्षतिजि बढ़ाता
- मुख्य चक्रों के साथ संगत करता
- सर्वश्रेष्ठ सहायक (बायोमार्कर्स जो सबसे लाभकारी प्रभाव प्रदान करते हैं)

6. नेवगिशन और इतिहास

- किसी भी बायोमार्कर पर क्लिक करने से यह विश्लेषण में केंद्रित हो जाता है, उपयोगकर्ताओं को इसके अपने कारण श्रृंखला का अन्वेषण करने की अनुमति देता है.
- एक इतिहास पैनल अन्वेषण का मार्ग ट्रैक करता है, उपयोगकर्ताओं को पछिल्ले बायोमार्कर्स पर वापस जाने की अनुमति देता है.
- उपयोगकर्ता मूल बायोमार्कर पर वापस जा सकते हैं या संबंधित बायोमार्कर्स में गहराई से अन्वेषण कर सकते हैं.

वसितृत गाइड: वश्लषेण केलएि कारण श्रृंखला का उपयोग

चरण 1: मूल कारण की पहचान

- प्रायोरटीज सूची में दिखाई देने वाले एक बायोमार्कर से शुरू करें।
- यह देखने के लिए कारण श्रृंखला खोलें कि कौन%से बायोमार्कर्स इस पर प्रभाव डाल रहे हैं।

चरण 2: सर्वश्रेष्ठ सहायकों को खोजना

- केंद्रीय बायोमार्कर को सकारात्मक प्रभाव डालने वाले बायोमार्कर्स की पहचान के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक फिल्टर का उपयोग करें।
- हरे संबंधों की तलाश करें, क्योंकि ये इसकी तरफ सबसे मजबूत लाभकारी संबंधों को दर्शाते हैं।
- नीले संबंध इस बायोमार्कर द्वारा सहायता प्राप्त अन्य तत्वों को दर्शा सकते हैं और इससे ऊर्जा ले रहे हैं, इसलिए वर्तमान स्थितियों को समझाने के लिए कारण लंकि प्रकट करते हैं।

चरण 3: एक कस्टम प्रायोरटी सूची बनाना

- एक बायोमार्कर पर क्लिक करें और इसे प्रायोरटीज सूची में जोड़ें।
- संबंधित बायोमार्कर्स का अनुवेषण जारी रखें और सूची में संबंधित बायोमार्कर्स को जोड़ते रहें।
- यह सुनिश्चित करता है कि हार्मोनाइजेशन प्रक्रिया केवल लक्षणों को ही नहीं बल्कि%

10.6. प्रचलन

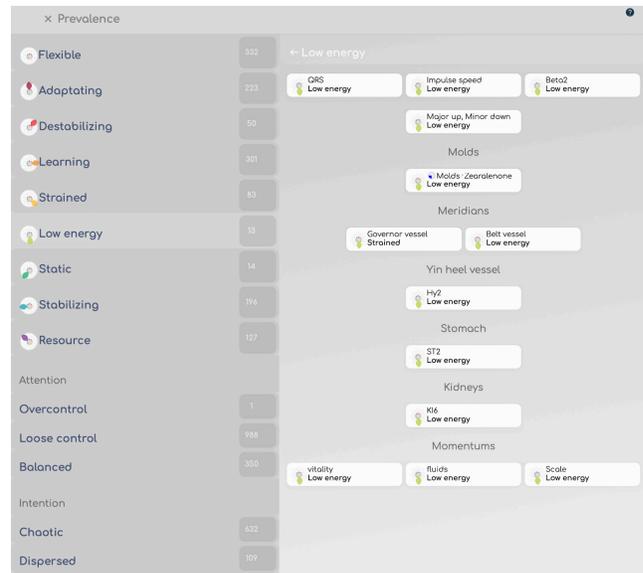
यह स्क्रीन एक झलक में एक वशिष्ट राज्य में सभी बायोमार्कर्स को देखने की अनुमति देती है।

- पंखड़ी राज्य द्वारा (लचीला, अनुकूलन, कम ऊर्जा, स्रोत...)
- गुण द्वारा (ध्यान, इरादा, क्षतिजि)

मुख्य पृष्ठ प्रत्येक राज्य में बायोमार्कर्स की संख्या दिखाता है; इस पर क्लिक करें ताकि संबंधित बायोमार्कर्स की सूची बनाई जा सके।

आप मने में चुनावकर्ता के साथ बायोमार्कर श्रेणियों को फिल्टर कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप केवल अंग की प्रचलन दिखा सकते हैं, या किसी वशिष्ट मेरेडियन में बद्धियों को दिखा सकते हैं, या ड्राइव (भावनाएँ) को दिखा सकते हैं।

प्रचलन एक झलक में त्वरति समीक्षा प्राप्त करने के लिए उपयोगी हो सकता है, और रिकॉर्ड में कई पुनः-आकलनों में प्रगति को देखने के लिए।



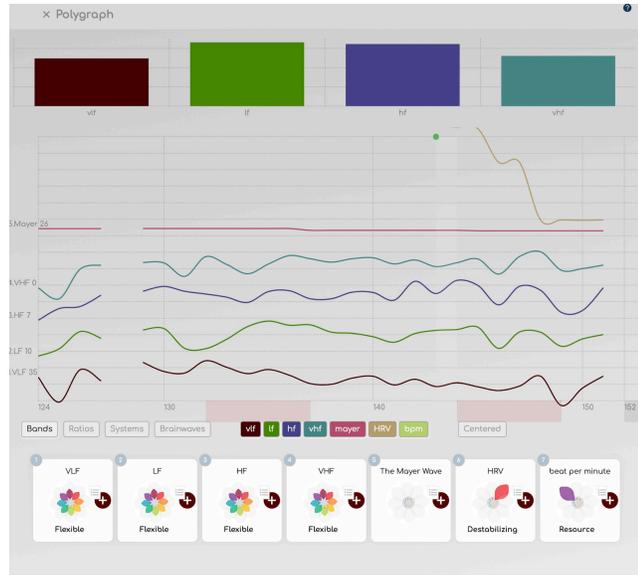
10.7. पॉलीग्राफ

यह स्क्रीन मुख्यतः शैक्षणिक बायोमार्कर्स का उपयोग करती है।

यह एक स्वधायनक तरीका प्रदान करती है यहाँ एक नजर में देखने के लिए जैसे VHF, HF, LF और VLF अनुपात, और महत्वपूर्ण वक्रों का एक रेखीय ग्राफ जो कि 7 तक महत्वपूर्ण वक्र दिखाता है।

यह रिकॉर्डिंग के दौरान वास्तविक समय में उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि सभी स्क्रीन (बस रिकॉर्डिंग के दौरान स्क्रीन स्वचि करें)। ये सभी मार्कर ECGs पर शैक्षणिक अनुसंधान से आते हैं। आप अपनी चूनाव के अनुसार 7 बँड दिखा सकते हैं, समानांतर या एक ही लाइन पर केंद्रित।

- **बैंड्स मोड**, ये 7 लाइन हैं: Bpm, HRV, Mayer waves, VHF, HF, LF और VLF।
- **रेशियो मोड**, ये 7 लाइन हैं: SDNN (कुल शक्ति), SI (तनाव सूचकांक), IC (केंद्रकरण का सूचकांक), LF/HF (शक्ति, वागो-संपथेटिक इंटरैक्शन), LF/VLF (वशिराम), VLF/HF (तनाव) और VLF HF (वैश्विक गतिविधि)।
- **सिस्टम्स मोड**: CNS, Ortho, Symp, Para, IRSA, Immunity, HRV।
- **ब्रेनेवव्स**: Delta, Theta, Alpha, Beta, Beta1, Beta2, Gamma।



ग्राफ के नीचे किसी श्रेणी पर क्लिक करें ताकि इन वस्तुओं को दर्शाया जा सके; रंगीन वजिआपनों पर क्लिक करें ताकि उन्हें दिखाएँ या छुपाएँ। Centered पर क्लिक करें ताकि सभी को एक ही बेसलाइन पर दिखाया जा सके। ग्राफ के नीचे फूल पर क्लिक करें ताकि पूरण बायोमार्कर वविरण तक पहुँचा जा सके।

यदि आप इस ग्राफ के साथ अनुसंधान करते हैं, यह नए अवलोकनों या नए बायोमार्कर्स के लिए आधार बन सकता है। इसके अतिरिक्त, याद रखें आप किसी भी बायोमार्कर का वशिलेण उसकी समयरेखा में और बायोमार्कर डायनामिक्स स्क्रीन पर घटनाओं के साथ कर सकते हैं।

11. समझें: ऊर्जा

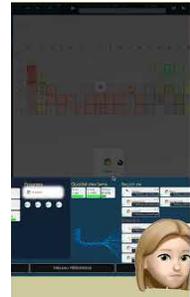
ऊर्जा स्क्रीन में जबकि घड़ी, चक्र, आवेग, परमाणु प्रभाव, आयुर्वेद, सूक्ष्म जीव... पर ग्राफिक्स होते हैं

11.1. परमाणु

तत्वों की आवधिक तालिका

परमाणुओं के पृष्ठ पर, आप विभिन्न परमाणुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए तत्वों की आवर्त सारणी तक पहुँच सकते हैं। इस तालिका में किसी परमाणु पर क्लिक करके, आप देख सकते हैं कि इसके अन्य परमाणुओं के साथ क्या बंधन हो सकते हैं, अर्थात् सामान्य अनुनाद। यह जानकारी स्क्रीन के नीचे भी दिखाई देती है, लेकिन इसे तालिका पर सीधे देखने से अधिक सहजता होती है।

वर्तमान में, आवेदन प्रत्येक परमाणु के लिए अनुनादों का एक सामान्य मूल्यांकन प्रदान करता है। एक भवष्य का संस्करण पूरे अणुओं के लिए अनुनादों की पुनर्निर्माण की अनुमति दे सकता है, जो विभिन्न परमाणुओं के बीच के बंधनों के आधार पर होगा। यह विशेषता एक चेक-अप के हिससे के रूप में विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है, जसि आप कर रहे हैं, यह देखने के लिए कि कुछ तत्वों में अधिकता या कमी है, या यह देखने के लिए, मल्टी-पार्ट रिकॉर्डिंग के माध्यम से जो कतिलुना की जा सकती है, कि क्या कोई तत्व एक उत्पाद या चकितिसा के आवेदन के बाद स्थिर हो रहा है।



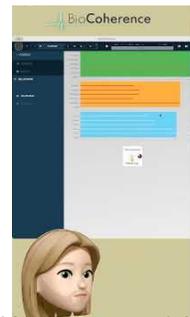
biocoherence.net/n82.114

11.2. आयुर्वेदिक ऊर्जा मूल्यांकन

दोष और उप-दोष

आयुर्वेद एक परंपरागत चकितिसा प्रणाली है जो पारंपरिक चीनी चकितिसा से भिन्न है, हालांकि इसमें कुछ समानताएँ हैं, विशेषकर इसके रूप में 15 उप-दोषों के रूप में 12 मरेडियन का समान है। ये उप-दोष तीन मुख्य प्रभावों में समूहित हैं: कफ, पतित और वात।

इन प्रभावों को एक सामान्य तरीके से देखा जा सकता है, और हमारा सामान्य फूल-आकार का दृश्य प्रतिनिधित्व इन प्रभावों को दर्शाने के लिए प्रदर्शित किया जा सकता है। यह व्यक्तिगत तत्वों को दिखाने के लिए भी संभव है, जिन्हें उप-दोष कहा जाता है। एक उप-दोष पर क्लिक करने से आप देख सकते हैं कि यह किस समूह से संबंधित है। उदाहरण के लिए, एक उप-दोष त्वचा और अंग समूह त्वचा से संबंधित हो सकता है। एक अन्य उप-दोष विभिन्न समूहों से संबंधित हो सकता है, और इसी तरह।



biocoherence.net/n82.98

आयुर्वेद अनुसार 3 दोष

1. Vata

- **वविरण:** हवा और आकाश से संबंधित, वात शरीर में गति को नियंत्रित करता है, जसिमें रक्त प्रवाह, श्वसन और तंत्रिका उत्तेजनाएँ शामिल हैं।

15. श्लेषक कफ

- कार्य: जोड़ों को स्नेहन करता है।

ये डोष और उप-डोष शरीर और मन में संतुलन और स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए एकसाथ काम करते हैं।

11.3. चक्र दृश्यीकरण

इस अध्याय में, हम ऊर्जा टैब का अन्वेषण करेंगे, जो चक्रों अनुभाग में शुरू होगा। यह अनुभाग आपको चक्र जानकारी को वसितार से देखने और बातचीत करने की अनुमति देता है।

शुरू करने के लिए, आप समरूपति बटन पर क्लिक करके चक्रों को प्रदर्शित करने का चयन कर सकते हैं। आप स्क्रीन के नीचे छोटे "12" बटन पर क्लिक करके या तो 7 या 12 चक्रों को प्रदर्शित कर सकते हैं।

एक बार जब चक्र प्रदर्शित हो जाते हैं, तो आप उस पर क्लिक करके एक विशिष्ट चक्र का चयन कर सकते हैं। यह क्रिया आपको उस चक्र से संबंधित सभी जानकारी, जिसमें ऊर्जा लकी और संबंधित एक्यूपचर बंदि शामिल हैं, तक पहुंच प्रदान करती है। एक्यूपचर बंदि चक्र के प्रवेश और निकास बंदियों को दर्शाते हैं, और ये स्क्रीन पर उनके ऊर्जा स्तर के अनुसार वभिन्न आकारों में दिखाई देते हैं।

इसके अतिरिक्त, चक्र आभा भी प्रदर्शित की जाती है, और इसकी प्रस्तुति चयनित चक्र की सामान्य ऊर्जा के अनुसार भिन्न होती है। इस तरह, आप प्रत्येक चक्र की ऊर्जा स्थिति का एक सटीक दृश्य प्रतिनिधित्व प्राप्त कर सकते हैं।



biocoherence.net/n82.14

11.4. प्रभाव

5 तत्व: लकड़ी, आग, पृथ्वी, धातु, पानी

एक और महत्वपूर्ण ऊर्जा संबंधान यह है कि प्रभावों का अर्थ। यह स्क्रीन, जिसे "प्रभाव" कहा जाता है, पारंपरिक चीनी चिकित्सा (TCM) के द्वारा मूल्यांकन किए गए पांच तत्वों के बीच संबंधों को दृश्यता प्रदान करती है। ये संबंध नरिमाण, वनिाश, अपमान या अधिक गर्मी के हो सकते हैं।

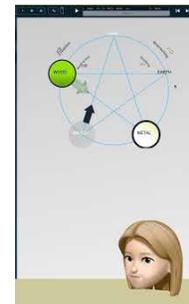
उदाहरण के लिए, लकड़ी धातु पर दबाव डाल सकती है, जबकि पानी आग को भारी कर सकता है। दूसरी ओर, लकड़ी आग को नरिमिति करने में मदद करती है। ये संबंध TCM नयिमों और मेरेडियन मूल्यांकन के अनुसार नकाले जाते हैं।

पारंपरिक चीनी चिकित्सा (TCM) के पांच तत्व हैं:

1. लकड़ी: जगिर और पतिताशय के साथ संबंधित।
2. आग: दलि और छोटी आंत के साथ संबंधित।
3. पृथ्वी: तलिली और पेट के साथ संबंधित।
4. धातु: फेफड़ों और बड़ी आंत के साथ संबंधित।
5. पानी: गुरूदे और मूत्राशय के साथ संबंधित।

इन तत्वों के बीच मुख्य संबंध हैं:

- उत्पानन चक्र (Sheng): लकड़ी > आग > पृथ्वी > धातु > पानी > लकड़ी।
- नयित्रण चक्र (Ke): लकड़ी > पृथ्वी > पानी > आग > धातु > लकड़ी।



biocoherence.net/n82.116

ये चक्र शरीर में संतुलन और सामंजस्य सुनिश्चित करते हैं।

11.5. गति

सीमाएँ, संतुलन और आंदोलन

इस खंड में, हम ऊर्जा प्रबंधन के संदर्भ में गति पर नजर डालेंगे। इस विशेषता तक पहुँचने के लिए, "Energy" मने पूर जाएँ और "Motions" पर क्लिक करें। यहाँ आप कुछ बीस उपलब्ध गतिकरणों को पाएँगे, जो तीन मुख्य श्रेणियों में वभाजित हैं: प्रतबंध, संतुलन और गति।

गतिकी सिद्धांत

हमारे शरीर लगातार गति में हैं; गति जीवन है। लेकिन हम कई तत्त्वों से बने हैं, जिनमें से कुछ हमारा भाग हैं, कुछ बाहरी प्रतबंध हैं, और कुछ सामान्य हति के खिलाफ जाना चाहते हैं। हमने प्रेरणाओं को 3 श्रेणियों में वभाजित किया है: वे जो हमें धीमा करती हैं, वे जो हमें संतुलित करती हैं और वे जो हमें आगे बढ़ाती हैं।

1. प्रतबंध

प्रतबंध वे तत्त्व हैं जो गति पर ब्रेक लगाते हैं। इनमें शामिल हैं:

- जयिपथैकि तनाव (ग्राफ में किसी भी तत्त्व पर क्लिक करें अधिक जानकारी के लिए)।
- जयिपथैकि वकिरण।
- जयिपथैकि जल: जल की नसें, खामियाँ, आदि। जो भूमिगत इलेक्ट्रिकल धाराओं को उत्प्रेरित करती हैं।
- हानिकारक ऊर्जाएँ।
- भारी घातएँ।
- पथैजन्स।
- मयिासमास।
- टॉक्सन्स।

2. संतुलन

संतुलन खंड उन पहलुओं को कवर करता है जो स्थिरता को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसमें शामिल हैं:

- भावनात्मक संतुलन।
- ऊर्जा संतुलन।
- नींद की गुणवत्ता।
- भूमि (कुल शरीर संतुलन)।
- ऊर्ध्वाधर संतुलन।



biocoherence.net/n82.97

3. गति

Gति के कारक हैं जो आपको गतिशीलता देते हैं. मुख्य तत्त्व हैं:

- शरीर.
- जीवन्तता.
- रक्त दाब.
- तरल.

आप सामान्य गति को भी देख सकते हैं और इसे आपकी रकिॉर्डिंग के वभिन्न चरणों और खंडों के अनुरूप तुलना कर सकते हैं.

एक दलिचस्प बदि यह है कि इन तत्त्वों के बीच संबंध है. उदाहरण के लिए, यहाँ, शरीर भावनात्मक संतुलन से जुड़ा है, और रक्त दाब जानकारी को अलग-अलग स्थान पर प्राप्त और भेजता है, जो वश्लेषण की कुल गुणवत्ता में मूल्यवान अवबोधन प्रदान कर सकता है

इस जानकारी को मलाकर, आप अपनी ऊर्जा और गति के वभिन्न पहलुओं को बेहतर समझ और प्रबंधति कर सकते हैं.

12. समझें: शरीर

शरीर स्क्रीन में नेवигेशन और मूल्यांकन वधियों का उपयोग करना

शरीर की स्क्रीन में 3 मुख्य प्रकार के विश्लेषण शामिल हैं: TCM मेरेडियन, एक्यूपंक्चर बदिजनिके साथ संबंधित TCM नसुखे, और अंग।

12.1. टीसीएम मेरेडियन

14 या 20 मेरेडियन, लकि और संबंधित लक्षण

एप्लिकेशन का "शरीर" अनुभाग तीन मुख्य सूचनाओं के पन्नों की पेशकश करता है: मेरेडियन, एक्यूपंक्चर बदि और अंग। यह अध्याय मेरेडियन को नेवगिट करने और उनका मूल्यांकन करने पर केंद्रित होगा।

1. Meridian प्रदर्शन:

- एप्लिकेशन आपको 14 या 20 मेरेडियन के बीच चुनने की अनुमति देती है।
- 20 मेरेडियन मोड में, अतिरिक्त मेरेडियन मानक मेरेडियन के अलावा प्रदर्शित होते हैं।
- 14 मेरेडियन मोड में, मुख्य 12 के अलावा दो वाहकिए: गवरनर और कॉनसेप्शन प्रदर्शित होती हैं।

2. Navigation और visualization:

- आप स्क्रीन के शीर्ष पर क्लिक करके एक मेरेडियन के पथ और इसके मुख्य लक्षण प्रदर्शित कर सकते हैं।
- फूल के आइकन पर क्लिक करने से अतिरिक्त जानकारी आती है।
- मेरेडियन के बीच नेवगिट करने के लिए क्लिक करें, उनके बीच के लकि को वजिअलाइज करें।
- सत्र के वभिन्न हसिसों के दौरान मेरेडियन के विकास का पालन किया जा सकता है।
- अपने फोन पर नेवगिट करने के लिए बाईं या शीर्ष मनेका उपयोग करें।

3. Meridian मूल्यांकन:

- मेरेडियन की सूची पर क्लिक करने से उनका मूल्यांकन प्रदर्शित होता है।
- सबमने तीन मानदंड पेश करता है: ऊर्जा, एट्रॉपी और सामंजस्य।
- इन मानदंडों की तर्कशक्ति सभी कोर पपूठों पर लागू होती है।



biocoherence.net/n82.96

4. Evaluation criteria:

- **Energy**
 - दो कॉलम में प्रदर्शति करें: सबसे अधिक ऊर्जा वाले मेरेडियन और सबसे कम ऊर्जा वाले।
 - प्रतक्लि अधिकि या कम मेरेडियन प्रदर्शति करने की सभावना।
 - वर्तमान ऊर्जा स्थिति और पारंपरिक चीनी चक्रित्सा (TCM) लक्षणों के आधार पर अतरिकित जानकारी।
 - अधिकि सटीक वविरण के लिए अन्य मेरेडियन के साथ सदरभ जानकारी।
- **Entropy**
 - सबसे अधिकि उत्तेजति और स्थरि मेरेडियन प्रदर्शति करता है।
 - प्रत्येके स्थिति से संबधति सभावति लक्षण प्रदान करता है।
- **Coherence**
 - एक साथ प्रतधिवनति होने वाले मेरेडियन प्रदर्शति करता है।
 - सामजस्य में मेरेडियन एक प्रणाली बनाते हैं जो एक ही धडकन पर गूजती है।

5. जानकारी का उपयोग:

- ऊर्जा-एंटरॉपी-सामजस्य तर्क का उपयोग मूल्यांकन के मुख्य तत्वों को वर्गीकृत करने के लिए किया जाता है।
- ये तत्व व्यक्त के कार्य करने की प्रक्रिया को समझने में मदद करते हैं।

इन निर्देशों का पालन करके, आप एप्लिकेशन को कुशलता से नेवेगिट कर सकेंगे और मेरेडियन, उनकी ऊर्जा स्थिति, एंटरॉपी और सामजस्य पर वसित्तु जानकारी प्राप्त करने के लिए मूल्यांकन मानदंडों का उपयोग कर सकेंगे।

TCM में मेरेडियन के बारे में:

पारंपरिक चीनी चक्रित्सा (TCM) में, मेरेडियन ऊर्जा चैनल होते हैं जिनके माध्यम से Qi (जीवत ऊर्जा) बहती है। मुख्य 12 मेरेडियन हैं, और 8 असाधारण मेरेडियन, जिनमें 2 वनियामक मेरेडियन शामिल हैं। इन्हें नीचे वर्णित किया गया है:

12 मुख्य मेरेडियन:

1. **फेफड़ा (LU):** श्वसन और प्रतरिक्षा प्रणाली को नियंत्रित करता है।
2. **Large Intestine (LI):** ठोस अपशषिट को समाप्त करता है और आतों के कार्यों को नियंत्रित करता है।
3. **पेट (ST):** भोजन को पचाता है और पोषक तत्वों को अवशोषित करता है।
4. **Spleen/Pancreas (SP):** पोषक तत्वों का परवित्तन और परविहन, ऊर्जा समर्थन।
5. **दलि (HT):** रक्त और रक्त वाहिकाओं का संचालन करता है, मन को नियंत्रित करता है।
6. **Small Intestine (SI):** शुद्ध और अशुद्ध पदार्थों का पृथक्करण, पोषक तत्वों का अवशोषण।
7. **गुरुदा (BL):** तरल अपशषिट को समाप्त करता है, शरीर के तरल पदार्थों को नियंत्रित करता है।
8. **गुरुदा (KI):** महत्वपूर्ण सार को संग्रहीत करता है, पानी को नियंत्रित करता है, हड्डियों और कानों को नियंत्रित करता है।
9. **दलि का मास्टर (PC):** दलि की रक्षा करता है, भावनाओं और रक्त परसिंचरण को नियंत्रित करता है।
10. **Triple Warmer (TE या SJ):** तीन गर्मियों (ऊपरी, मध्य और नचिली) को नियंत्रित करता है, ऊर्जा और तरल पदार्थों के परसिंचरण को नियंत्रित करता है।
11. **Gallbladder (GB):** पतित को संग्रहीत और नकिस करता है, नरिणय लेने में सहायता करता है।
12. **Liver (LV):** रक्त को संग्रहीत करता है, Qi प्रवाह को नियंत्रित करता है, टेंडन और मासपेशियों का समर्थन करता है।

8 असाधारण मेरेडियन:

1. **गर्भनाल वाहिका (Ren Mai):** यनि मेरेडियन को नियंत्रित करता है, प्रजनन को नियंत्रित करता है।

2. **गवर्नर वाहिका (Du Mai):** यांग मरेडियिन को नियंत्रित करता है, केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली को नियंत्रित करता है।
3. **पेनेट्रिंग वाहिका (Chong Mai):** रक्त और मुख्य मरेडियिन ऊर्जा को नियंत्रित करता है।
4. **बेल्ट वाहिका (Dai Mai):** ऊर्ध्वाधर मरेडियिन को घरे में रखता है, यौन अंगों और पेट को नियंत्रित करता है।
5. **Yin Junction Vessel (Yin Qiao Mai):** यनि-यांग संतुलन को नियंत्रित करता है, नींद और जागरूकता को नियंत्रित करता है।
6. **Yang Junction Vessel (Yang Qiao Mai):** यनि-यांग संतुलन को नियंत्रित करता है, अंगों के आंदोलनों को प्रभावित करता है।
7. **Yin Link Vessel (Yin Wei Mai):** यनि मरेडियिन को नियंत्रित करता है, भावनाओं को प्रभावित करता है।
8. **Yang Link Vessel (Yang Wei Mai):** यांग मरेडियिन को नियंत्रित करता है, शरीर की रक्षा को प्रभावित करता है।

2 वनियामक मरेडियिन:

1. **गर्भनाल वाहिका (Ren Mai):** पहले से ही असाधारण मरेडियिन के बीच उल्लेख किया गया।
2. **गवर्नर वाहिका (Du Mai):** पहले से ही असाधारण मरेडियिन के बीच उल्लेख किया गया।

ये मरेडियिन मलिकर ऊर्जा संतुलन और समग्र शरीर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए काम करते हैं।

12.2. अंग मानचित्र

10 से अधिक वसित्तु अंग चार्ट और लर्कि

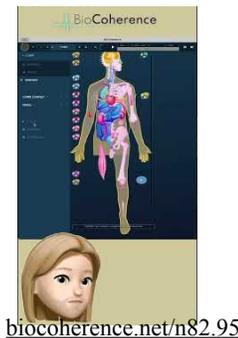
इस अनुभाग में, हम अपने शरीर मूल्यांकन अनुप्रयोग में अंगों के कार्यात्मकता का अनुसंधान करेंगे। जब आप अंगों श्रेणी में जाएंगे, तो आपको पहले एक पूर्ण शरीर दृश्यता प्रस्तुत की जाएगी। आप वशिष्ट अंग पर क्लिक कर के सामान्य मूल्यांकन में प्रवेश कर सकते हैं ताकि आप इसके अन्य शरीर के भागों के साथ संबंध को देख सकें। उदाहरण के लिए, हाइलाइट किए गए अंग वे हैं जिनमें रुचि है। दलि पर क्लिक करने से, आप इसके वभिन्न अंगों के साथ संबंध देखेंगे, और ये संबंध मानचित्र पर भी दृश्यमान हैं।

आप वशिष्ट प्रणालियों जैसे श्वसन प्रणाली पर क्लिक कर के आसानी से नेवगिट कर सकते हैं ताकि आप इसके संबंधों को देख सकें, जिसमें तंत्रिका संचार मॉलिक्यूलस, जीभ, मूत्र और वभिन्न ऊतकों के साथ संबंध शामिल हैं। मूत्र पर क्लिक करने से पाचन प्रणाली पर जूम किया जाता है, मानचित्र को आवश्यकता के अनुसार संशोधित करता है ताकि मूत्र और पाचन प्रणाली के अन्य पहलुओं के बीच संबंध दिखा सकें।

आप भिन्न मानचित्रों का चयन भी कर सकते हैं, जैसे मस्तष्क मानचित्र। यह मानचित्र आपको मस्तष्क के वभिन्न भागों को दिखाएगा, जिसमें सूची रूप में पूर्ण मूल्यांकन होगा। यदि आप किसी वशिष्ट भाग को स्थानांतरित करना चाहते हैं, तो मानचित्र आपको उसे दिखाएगा। उदाहरण के लिए, यदि आप एपफिसिस पर क्लिक करते हैं, तो आप उसकी स्थिति और ग्लैंड्स को देखेंगे जो संकेत लेते और भेजते हैं। प्रत्येक तत्व, जैसे सरिटोनिन या प्रोलेक्टिन, को अन्य हार्मोनो के साथ संबंधों या संबंधों की कमियों को देखने के लिए अन्वेषण किया जा सकता है।

अंगों का अनुभाग ऊर्जा, अव्यवस्था और संगति देखने के लिए वकिल्प भी प्रस्तुत करता है, जो उपयोग किए जाने वाले स्क्रीन के अनुसार भिन्न होते हैं। पूर्ण शरीर स्क्रीन पर, ये पैरामीटर उन तत्वों के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं जो सबसे प्रासंगिक माने जाते हैं, जो उनकी ऊर्जा स्रोतों या उत्तेजना के स्तर को सूचित करते हैं। उदाहरण के लिए, दांतों या रीढ़ की हड्डियों का जांच करने से आप यह पहचान सकते हैं कि कौन से सबसे ऊर्जावान या उत्तेजित हैं, जो पूर्ण चेक-अप के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

अंततः, एक याद के रूप में, जब भी आप किसी प्रासंगिक वस्तु को पहचानते हैं, आप इसे वशिष्ट आइकन पर क्लिक कर के प्राथमिकता सूची में शामिल कर सकते हैं। यह उन्हें बाद में समन्वय के लिए संतुलन चयन में शामिल करने की अनुमति देता है।



12.3. एक्यूपक्चर बदि

350 एक्यूपक्चर पाँइट्स और सँकेडो टीसीएम रसेपि के महत्व का मूल्यांकन करे

बदिओं और मरेडियन का अन्वेषण

जब आप सॉफ्टवेयर में शरीर का अन्वेषण करते हैं, तो आपको मरेडियन, बदिओं और अंगों तक पहुँच मिलती है। किसी वशिष्ट मरेडियन पर क्लिक करने पर प्रदर्शन बदलता है ताकि हर मरेडियन पर बदिओं के वविरण को दिखाया जा सके, पूरे मरेडियन के बजाए। यह वशिषता हर बदि का सटीक मूल्यांकन करने में सहायक है।

बदिचयन और जानकारी

आप प्रत्येक बदि पर क्लिक कर सकते हैं ताकि उस वशिष्ट बदि के बारे में वसित्तु जानकारी प्राप्त की जा सके। एक मरेडियन को चुनना और उसके प्रत्येक बदि की स्थिति दिखना भी संभव है। मरेडियन बदले जाने पर आप एक नक्शे पर वभिन्न बदिओं और उनकी स्थान को देख सकते हैं, जो किसी वशिष दशा में प्रभावी नेवगिशन के लिए वशिष रूप से उपयोगी है।



biocoherence.net/n82.94

मरेडियन का नेवगिट करना और ट्रैक करना

आप स्क्रीन के ऊपर चुनावक में मरेडियन शीर्षक पर क्लिक कर मरेडियन को नेवगिट कर सकते हैं। आप सत्रों के कोर्स में बदिओं की वकिस को भी देख सकते हैं। यह वशिषता वशिष्ट बदिओं के वकिस को समय के साथ ट्रैक करने के लिए अमूल्य है।

मरेडियन-वशिष्ट जानकारी

जब आप एक मरेडियन चुनते हैं, तो आपको उस जानकारी तक पहुँच मिलती है जो मरेडियन टैब में उपलब्ध है। यहां आपको आठ मुख्य बदि मिलते हैं, जैसे अम्बेसडर पाँइंट, डिसिपरशन, गशगि और रविर, जो पारंपरिक चीनी चकित्सा (TCM) में महत्वपूर्ण हैं। मरेडियन की शक्ति आपूर्त और जोड़ों के बारे में जानकारी भी उपलब्ध है।

नक्शे पर बदिओं को दिखाना

किसी बदि पर क्लिक करने से उसकी सटीक स्थिति नक्शे पर दिखाई जाती है। बाईं तरफ का मने ऊर्जा, एंट्रॉपी और कोहरेसें जैसी वकिल्पों को प्रस्तावति करता है। ऊर्जा चुनने पर, प्रदर्शन सर्वाधिक ऊर्जावान और कम ऊर्जावान बदिओं को बैंगनी और पीले रंग में दिखाता है, क्रमशः।

TCM रसेपि तर्क

यह एप्लिकेशन TCM रसेपि तर्क का उपयोग करती है, जो कई बदिओं को समान्य लक्षण को सुधारने के लिए जोड़ती है। उदाहरण के लिए, यदि कुछ बदि साथ में गूँजते हैं और बहुत कमजोर या बहुत मजबूत हैं, तो यह एक असंतुलन को संकेत दे सकता है। TCM रसेपि, जो हजारों सालों में वकिसति हुई है, वशिष्ट लक्षणों जैसे एसडि रफ्लिक्स को इलाज करने के लिए लागू की जाती है। इस एप्लिकेशन में, हमने एक उल्टे तर्क का उपयोग किया है। हमने मान लिया कि यदि कुछ बदि साथ में गूँजते हैं और उनकी ऊर्जा स्तर बहुत कम या बहुत ऊँचा है, तो यह हमें मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकता है। उदाहरण के लिए, ऊर्जा से भरपूर या बहुत कम-ऊर्जा बदि, या बदि जो बहुत अव्यवस्थिति या बहुत स्थिर है, एक असंतुलन को संकेत कर सकते हैं जो सामान्यतः एसडि रफ्लिक्स या पायरोसिस जैसी स्थितियों के इलाज के लिए उपयोग है। उदाहरण ले लें जहाँ एक व्यक्तित्व पर तीन वशिष्ट बदि बहुत स्थिर हैं। यह संकेत दे सकता है कि इन बदिओं से जुड़ी रसेपि या इलाज की जरूरत है। यह दृष्टिकोण आपको नदिन के लिए अतिरिक्त वचिार प्रदान कर सकता है।

रसेपी लागू करना

रसेपी को एक्यूपंकचर या संतुलन चरण के दौरान ध्वनिया इलेक्ट्रिकल फ्रीक्वेंसी का उपयोग करके लागू किया जा सकता है। कोहरेटे सस्टिम, जहां बदि साथ में गूँजते हैं, सटीक नदिान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बदिओ का समयबद्ध संक्रमण उस व्यक्ति के लिए TCM इलाजों की बढी हुई प्रासंगिकता को संकेत करता है।

नषिर्ष

इस अध्याय में TCM सॉफ्टवेयर में बदिओ और मरेडियिन के उपयोग का बविरण दिया गया है, यह व्याख्या करते हैं कि कैसे नेवेगिट, चतुना और सटीक नदिान और प्रभावी इलाज के लिए जानकारी की व्याख्या करनी है।

13. समझें: मन

मन, आत्मा और छाया

ये स्क्रीन विश्लेषण के मानसिक, आध्यात्मिक और अवचेतन भागों के लिए समर्पित हैं। इनमें व्यक्तित्व, संगीत संगति, भावनाएँ, संरक्षण, घाव और मोटर्स शामिल हैं।

13.1. संरक्षण

एल्फी वेबे प्रबंधन में संरक्षण और संगति

संरक्षण मन का एक आवश्यक घटक है, विशेषकर जब एल्फी तरंगों से संबंधित होते हैं। संरक्षण इन तरंगों के विभिन्न स्केलों में दिखाई देता है, और उन्हें समझना दृश्यांकन साधनों के उपयोग से सहज हो सकता है। उदाहरण के लिए, हृदय कोहरेसे को दृश्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है, जो एक व्यक्ति की ऊर्जावान स्थिति पर एक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

इंटरफेस में, नीचे तीन स्लाइडर्स पैरामीटर्स को दृश्यित करने की अनुमति देते हैं, जबकि ऊपर एक दृश्यांकन विस्फोटक स्पाइरलि को प्रदर्शित किया गया है। एल्फी तरंग स्केल, जैसा कि मानों 205, 206, और 214 द्वारा दिखाया गया है, वर्तमान स्केल स्तर को सूचित करता है। विशिष्ट मान जैसे 214 एल्फी के लिए विवरण के लिए बस क्लिक करें ताकि इसके लक्षणों और परिणामों की जानकारी प्राप्त किया जा सके।

प्रत्येक स्केल कुछ विशिष्ट तरंगदैर्घ्य पर महत्वपूर्ण मान प्रस्तुत करता है, जो ऊर्जावान परस्परक्रियाओं पर मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है। इन स्केलों का अवलोकन करके, अन्य स्केल स्तरों के साथ जुड़ाव के डिग्री को निर्धारित करना संभव है। उदाहरण के लिए, एक विश्लेषण दिखा सकता है कि एक व्यक्ति स्क्वैम स्केल पर मैक्रो स्केल की तुलना में अधिक ऊर्जा है, जो छोटी संरचनाओं में अधिक संकेन्द्रित ऊर्जा को सूचित करता है।

स्पाइरलि का दृश्यांकन आपको विभिन्न स्केलों के माध्यम से ऊर्जा पथ का अनुसरण करने की अनुमति देता है। स्पाइरलि के नीचे जाकर और प्रत्येक स्तर पर मानों का अवलोकन करके, यह समझना संभव है कि ऊर्जा समय के साथ कैसे विकसित हुई है। यह विशेषकर वसित्तु रिकॉर्डिंग्स में महत्वपूर्ण है, जहां विभिन्न स्केलों पर विकास का अध्ययन किया जा सकता है।

इस विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण पहलू लक्षित कोहरेसे, विशेषकर हृदय कोहरेसे है, जो इस मात्रा को मापता है जिससे एक व्यक्ति की ऊर्जा एल्फी मानों के साथ समन्वयित है। ये मान सभी स्केलों पर ऊर्जा संप्रेषण के लिए सबसे अनुकूल माने जाते हैं। कर्सर इन पैरामीटर्स को समायोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ताकि अधिकतम कोहरेसे प्राप्त किया जा सके।

नषिकरष के रूप में, एल्फी तरंग प्रबंधन में संरक्षण और कोहरेसे जटिल लेकिन विभिन्न स्केलों पर ऊर्जा को समझने के लिए आधारभूत अवधारणाएँ हैं। दृश्यांकन साधन और कर्सर इन पैरामीटर्स को नेविगेट करने और अनुकूलित करने में अमूल्य सहायता प्रदान करते हैं, जो बेहतर ऊर्जा प्रबंधन और संप्रेषण में योगदान करता है।

अधिक जानकारी के लिए <https://elfie.link> या सॉफ्टवेयर में "एल्फी" मैन्यू पर जाएं।



biocoherence.net/n82.103

मन और अवचेतन मन के इंजनों को समझना

मन और स्कैन के अवचेतन हिस्से का अंतिम तत्व मोटर्स से संबंधित है। ड्राइवर लगभग साठ भावनाओं से बने होते हैं, जो या तो रचनात्मक या वनिशकारी हो सकते हैं। इन भावनाओं को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: आंतरिक स्व, बाहरी स्व और अन्य।

1. भावनाओं की श्रेणियाँ:

- **आंतरिक स्व:** हमारी आंतरिक दुनिया से संबंधित सभी भावनाओं को शामिल करता है।
- **बाहरी स्व:** हमारी बाहरी दुनिया से संबंधित सभी भावनाओं को शामिल करता है।
- **अन्य:** हमारी दूसरों के साथ बातचीत से संबंधित सभी भावनाओं को शामिल करता है।

2. भावनाओं की संरचना:

- हर श्रेणी की भावनाएँ तीन उपखंडों में विभाजित होती हैं: भावना, अनुभूति और क्रिया।
- **भावना:** सभी वास्तविकता का आधार, यह फिर एक अनुभूति उत्पन्न करता है।
- **अनुभूति:** भावना से उत्पन्न होती है और क्रिया की ओर ले जाती है।
- **क्रिया:** भावना-अनुभूति प्रक्रिया का अंतिम परिणाम।

3. कर्षण संगठन:

- भावनाएँ कर्षण रूप से भी वर्गीकृत की जाती हैं: शीर्ष पर रचनात्मक भावनाएँ और नीचे वनिशकारी।
- उदाहरण के लिए, अवसाद को छोड़ने के विपरीत, स्वास्थ्य चर्चा ध्यान की स्थिति के विपरीत, दिल टूटना आनंद के विपरीत, और आत्म-नाश को संतोष के विपरीत।

4. अंतर-संबंध:

- भावनाएँ विभिन्न स्थानों में आपस में जुड़ सकती हैं। उदाहरण के लिए, शांत जिवरदस्त जुनून के विपरीत, प्रतबिबि कठोरता के विपरीत, और इसी तरह।
- ये अंतर-संबंध ध्यान और आत्म-समझ के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

5. कस्टमाइजेशन:

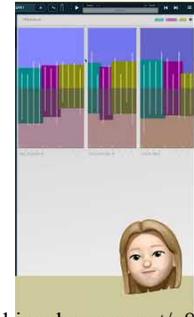
- विशिष्ट भावनाओं का चयन करना संभव है जिन पर काम करना है। उदाहरण के लिए, यदि संगठन कम ऊर्जा की स्थिति में है, तो आप इसे मजबूत करने का निर्णय ले सकते हैं।
- आप उच्च-ऊर्जा निर्णय जैसे विशिष्ट वस्तुओं को अपनी व्यक्तिगत कार्य सूची में जोड़ सकते हैं।

संक्षेप में, इन भावनात्मक ड्राइवरो को समझना और व्यवस्थित करना हमारे भावनाओं और क्रियाओं के बेहतर प्रबंधन को सक्षम बनाता है, जिससे अधिक संतुलित और सचेत व्यक्तिगत विकास की सुविधा होती है।

अधिक जानने के लिए

भावनाएँ और अनुभूतियाँ बाहरी और आंतरिक उत्तेजनाओं के प्रति आंतरिक प्रतिक्रियाएँ हैं।

- आंतरिक स्व आत्म-जानकारी, व्यक्तिगत विचारों और भावनाओं को शामिल करता है।
- बाहरी स्व दूसरों के प्रति हमारे द्वारा प्रदर्शित छवि और समाज में हमारे व्यवहार से संबंधित है।
- अन्य स्व इस बारे में है कि हम बाहरी दुनिया द्वारा प्रस्तुत सब कुछ के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करते हैं।



bio coherence.net/n82.104

दूसरों के साथ बातचीत इन दो आयामों को भावनात्मक आदान-प्रदान और सामाजिक प्रतिक्रिया के माध्यम से प्रभावित करती हैं। खुशी, दुःख, क्रोध और डर जैसी भावनाएँ हमारे अनुभवों और क्रियाओं को आकार देती हैं, और इसके परिणामस्वरूप, हमारे और दूसरों के प्रति हमारी धारणा को प्रभावित करती हैं। इन गतिशीलताओं की बहुरसमझ भावनात्मक बहुमिता और अंतरव्यक्तिगत संबंधों में सुधार कर सकती हैं।

यहाँ प्रत्येक भावना का वसित्तु वविरण है:

1. **चपलता:** परविरतन के प्रति तेजी से और प्रभावी ढंग से अनुकूलन करने की क्षमता।
2. **स्वास्थ्य चिंता:** अपनी या दूसरों की सेहत के बारे में अत्यधिक चिंता।
3. **Benevolence:** दूसरों के प्रति दयालुता और सहानुभूति का दृष्टिकोण।
4. **दलि टटना:** एक हानि या नरिशा के बाद गहरी उदासी और भावनात्मक दर्द।
5. **शांति:** सकून और आंतरिक शांति की स्थिति।
6. **आकर्षण:** दूसरों को आकर्षित, आकर्षित और प्रभावित करने की क्षमता।
7. **एकाग्रता:** किसी वशिष्ट कार्य या उद्देश्य पर ध्यान बनाए रखने की क्षमता।
8. **आत्मवशिवास:** अपनी या दूसरों की क्षमताओं में नशिचितता और सुरक्षा की भावना।
9. **वचिरशीलता:** दूसरों की भावनाओं और आवश्यकताओं के प्रति देखभाल और सम्मान।
10. **साहस:** डर, दर्द, खतरे या अनशिचितता का सामना करने की क्षमता।
11. **नरिणय:** नशिचय और संकल्प के साथ वकिलुप बनाने की क्षमता।
12. **अवसाद:** दुःख, नरिशा और जीवन में रुचिके नकुसान की एक दीर्घकालिक स्थिति।
13. **इच्छाशक्ति:** अवरोधों के बावजूद लक्ष्यों को प्राप्त करने की दृढ़ता।
14. **Euphoria:** खुशी और उत्साह की तीव्र भावना।
15. **वाक्पटुता:** स्वयं को स्पष्ट और प्रभावी रूप से व्यक्त करने की क्षमता।
16. **भावनात्मक असुथरिता:** भावनाओं की अत्यधिक और पूरवानुमानति परविरतनशीलता।
17. **सवंदेनशीलता:** भावनात्मक या सवंदी उत्तेजनाओं के प्रति बिड़ी हुई प्रतिक्रियाशीलता।
18. **असंगत सोच:** तरकसंगत, संरचित वचिरधारा बनाए रखने में कठिनाई।
19. **शोक की अनुपस्थिति:** अलगाव और भावनात्मक उदासीनता की भावना।
20. **आत्म-सदेह:** अपनी या दूसरों की क्षमताओं के बारे में सदेह।
21. **सीखने में कठिनाइयाँ:** ज्ञान या कौशल प्राप्त करने की क्षमता को प्रभावित करने वाला वकिार।
22. **छोडना:** नयित्रण छोडने और चीजों को जैसे हैं, स्वीकार करने की क्षमता।
23. **नशिठ:** किसी व्यक्त, समूह या कारण के प्रति वशिफादारी और समरण।
24. **ध्यान की स्थिति:** गहरी वशि्राम और बिड़ी हुई जागरूकता की स्थिति, जो अक्सर ध्यान के माध्यम से प्राप्त होती है।
25. **याददाश्त:** जानकारी को बनाए रखने और पुनः प्राप्त करने की क्षमता।
26. **Long-term memory:** एक वसितारति अवधि के लिए जानकारी का संग्रहण और पुनः प्राप्त।
27. **Short-term memory:** एक छोटी अवधि के लिए जानकारी को बनाए रखने की क्षमता।
28. **Obsessive-compulsive:** दोहराव वाली, अनयित्रति वचिर या व्यवहार।
29. **Obsessive:** एक वचिर या व्यक्त के प्रति अत्यधिक और लगातार पूरवाग्रह।
30. **Organization:** अपने कार्यों को एक सुव्यवस्थिति और प्रभावी तरीके से संरचना करने की क्षमता।
31. **Performance:** कार्य या गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा करने की क्षमता।
32. **Pleasure:** संतोष और संतोष की भावना।
33. **Procrastination:** महत्वपूर्ण कार्यों को टालने की प्रवृत्ति।
34. **Rigidity:** वचिर या व्यवहार में लचीलापन की कमी।
35. **Rudeness:** दूसरों के प्रति कठोर या सवंदेनहीन व्यवहार।
36. **आत्म-नाश:** ऐसे व्यवहार जो जानबूझकर किसी की अपनी सफलता को undermine करते हैं।
37. **स्थानिक जागरूकता:** आसपास के स्थान और इसमें शामिल वस्तुओं का अनुभव।
38. **अवरिाम:** प्रगत या वकिस की कमी।
39. **आश्चर्य:** एक अप्रत्याशति घटना पर भावनात्मक प्रतिक्रिया।
40. **प्रतिबिंबि:** किसी वशिष्य या स्थिति पर गहरी, ध्यानपूर्वक सोच।
41. **शर्मीला:** सामाजिक इंटरैक्शन में आकर्षितता या चिंता।
42. **Tolerance:** दूसरों के बीच भिन्नताओं को स्वीकार करना और उनका सम्मान करना।

43. **इच्छाशक्ति:** एक लक्ष्य को प्राप्त करने की दृढ़ता, अक्सर कठिनाइयों के बावजूद।

13.4. भावनाएँ

दुख, सुरक्षा, प्रेम, सत्य, शांति, कल्याण और संतोष

अवचेतन पर अध्याय तीन प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित है: भावनाएँ, घाव और मोटर्स. हम भावनाओं से शुरुआत करेंगे.

इस पृष्ठ पर, आप सात प्रमुख भावनाओं का मूल्यांकन कर सकते हैं: दुख, सुरक्षा, प्रेम, सत्य, शांति, कल्याण और संतोष. आप उनके विकास का अनुसरण भी कर सकते हैं. बारस पर क्लिक करने से, आप जीवाणु सूचकांकों को उनके फूल के रूप में देख सकते हैं, जो उनकी आंतरिक गति और इन भावनाओं के बीच के संबंधों को दिखाता है. यहाँ फरि से, ग्राफ विभिन्न क्षतिजों पर मूल्यांकन का प्रतिनिधित्व करता है, सर्वाधिक चौड़े बारस लंबी अवधि के लिए हैं, और सर्वाधिक पतले बारस सबसे छोटी अवधि के लिए हैं.

यह विश्लेषण तकनीकी रूप से बहुत विभिन्न है, और यह ड्राइव्स में पाई गई विभिन्न डेटा पर आधारित है. इसलिए इनका तुलना करना दलिचस्प है.



biocoherence.net/n82.115

ये प्रमुख भावनाएँ दूसरी क्रमांक हार्मोनिक विश्लेषण और सामान्य गहरे दलि के ताल पर निर्भर हैं. इनका विवरण इस प्रकार है:

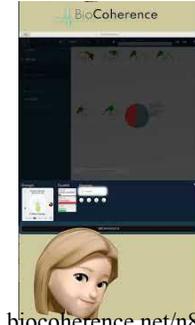
1. **दुख:** नकुसान, वफिलता या नरिशा के कारण व्यथा या उदासी का अनुभव. यह अक्सर रोने, ऊर्जा की कमी और अलगाव के रूप में दिखाई देते हैं.
2. **सुरक्षा:** संरक्षण और खतरे की गैरमौजूदगी का अनुभव. यह विश्वास और शांति को जन्म देते हैं, हमेशारीक या भावनात्मक खतरो से सुरक्षा महसूस करने की अनुमति देता है.
3. **प्रेम:** किसी व्यक्ति, जानवर या गतिविधि के प्रति गहरे भावनात्मक स्नेह और अनुराग. यह कोमल इशारों, सकारात्मक विचारों और नकितता की इच्छा में परिवर्तित होता है.
4. **सत्य:** ईमानदारी और प्रामाणिकता का अनुभव. सत्य रशितों और परस्थितियों में स्पष्टता और पारदर्शिता लाता है, भ्रम और धोखे से बचाता है.
5. **शांति:** शांतपूरण और आंतरिक संतुलन की स्थिति. शांति संघर्ष, तनाव और चिंता की गैरमौजूदगी में दिखाती है, विश्राम और सामान्य कल्याण को प्रवर्तित करती है.
6. **कल्याण:** स्वास्थ्य, आराम और शारीरिक और मानसिक संतोष का सामान्य अनुभव. यह स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तिगत पूरणता जैसे पहलुओं को शामिल करता है.
7. **संतोष:** इच्छाओं, जरूरतों या लक्ष्यों की पूर्ति से उत्पन्न संतोष और आनंद की भावना. यह पूरणता और उपलब्धियों का अनुभव लाता है.

13.5. ध्यान केंद्रित करें

तनाव सूचकांक, HRV...

इस अनुभाग में, हम फोकस स्क्रीन का अनुसंधान करेंगे, जो उन्नत इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। यह जानकारी आम तौर पर शैक्षणिक और शोध संदर्भों में उपयोग की जाती है, और इसमें विभिन्न वैज्ञानिक मार्कर शामिल हैं।

1. तनाव सूचकांक: यह सूचकांक रूसी शोधकर्ता बेव्स्की द्वारा विकसित किया गया था। यह विशिष्ट पैरामीटर का उपयोग करते हुए शरीर के तनाव स्तरों को मापता है।
2. अनुकूलन स्तर: रूस में विकसित एक अन्य सूचकांक, यह शरीर की विभिन्न उत्तेजनाओं और परस्थितियों के अनुकूलन की क्षमता का मूल्यांकन करता है।
3. कुल शक्ति, परिवर्तन कारक और हृदय परिवर्तनीयता: ये मार्कर हृदय रोग के क्षेत्र में अच्छी तरह से जानते जाते हैं और हृदय कार्य और तनाव प्रतिक्रिया के विभिन्न aspects को मापने के लिए उपयोग किए जाते हैं।
4. मानसिक-भावनात्मक तनाव: यह सूचकांक हृदय संबंधित पर भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव का मूल्यांकन करता है।



biocoherence.net/n82.100

फोकस स्क्रीन द्वारा प्रदान किए गए डेटा को त्वरित दृश्यमानता के लिए कर्सर के रूप में दिखाया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, इन्हें नोट्स, फ्लो और गुण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है, जो अधिक विवरणात्मक विश्लेषण संभव बनाता है।

फोकस स्क्रीन में ध्यान, इच्छा और क्षतिज नियंत्रणों की गुणवत्ता पर जानकारी भी शामिल है। ये सूचकांक उपयोगकर्ता की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करते हैं।

इस स्क्रीन का एक रोचक पहलू निर्माण (कैटाबोलिज्म) और वनिश (एनाबोलिज्म) के बीच संबंध है। कैटाबोलिज्म ऊर्जा खर्च को प्रतनिधित्व करता है, जबकि एनाबोलिज्म ऊर्जा संरक्षण के अनुरूप है। यह अनुपात गतिशील है और रिकॉर्डिंग के दौरान बदल सकता है, जो जीवित प्रणालियों की सामान्य श्वसन को प्रतबिंबित करता है। कृपया ध्यान रखें कि हम एक संबंधात्मक व्यक्ति हैं और वनिश सामान्य संपीड़न-वसितार, वनिश-नवीकरण, वभिजन-एकीकरण, जटलिता-सरलीकरण की गतियों का भाग है। एक स्वस्थ जटिल जीव इन स्थितियों के बीच निरंतर झूलता रहना चाहिए।

इन गतिशील परिवर्तनों का अवलोकन करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये निर्माण और वनिश के बीच अनुपात के विकास को संकेत करते हैं। इस विकासात्मक कारक का संयोग जीवित प्रणालियों की श्वसन को बेहतर समझने में सहायता करता है।

अंततः, फोकस स्क्रीन दो फ्लो को प्रस्तुत करती है, जो एनाबोलिज्म और कैटाबोलिज्म का प्रतनिधित्व करती हैं, जो इन प्रक्रियाओं पर दृश्य जानकारी प्रदान करती हैं। ये डेटा को अनुक्रम द्वारा या पूरे रिकॉर्डिंग के दौरान विश्लेषित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता की शारीरिक और मानसिक स्थिति का पूर्ण संक्षिप्त दृश्य प्रदान करता है।

13.6. संगीत

संगीत विश्लेषण और संरक्षण

इस खंड में, हम मन संबंधितान के दूसरे भाग पर नजर डालेंगे, जिसमें मन, आत्मा और अवचेतन शामिल हैं। हम मुख्यतः मन पर ध्यान केंद्रित करेंगे, विशेषकर संगीत और संगतता के तत्वों पर।

रकिॉर्डिंग्स में संगीत

जब हम मन का विश्लेषण करते हैं, तो हम रकिॉर्डिंग में उपस्थिति संगीत तत्वों की पहचान करने से शुरू करते हैं। उद्देश्य संबंधित संगीत संबंधों को खोज निकालना है। आपके पास दो विकल्प हैं: सभी संगीत तत्वों को दृश्यता करना या उन्हें पुनः चलाकर उनके विकास को देखना।

पतले बार अल्पकालिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि चौड़े बार दीर्घकालिक तत्वों को संकेत देते हैं। एक और दिलचस्प मेट्रिक रकिॉर्डिंग में संगीत संगतता का सामान्य स्तर है। लगभग सौ बीट्स के बाद, हम वशिष्ट अल्पकालिक, मध्यमकालिक, दीर्घकालिक और अत्यधिक दीर्घकालिक संगीत धुनों की पहचान करना शुरू कर सकते हैं।

ये धुनें 2, 3 या 4 नोट्स से बनी हो सकती हैं और विभिन्न स्केल्स पर फैल सकती हैं। हालांकि यह जानकारी हमेशा सीधे उपयोगी नहीं है, यह निर्देशित ध्यान को पुनर्निर्माण करते समय महत्वपूर्ण बन जाती है। यह हमें भागीदारों की वर्तमान स्थिति को समझने की अनुमति देती है, अर्थात् उनकी रकिॉर्डिंग में उपस्थिति संगीत, और यह निर्धारित करने के लिए कि हमें संगीतात्मक रूप से उन्हें कहाँ ले जाना है।

संगीतात्मक संगत और समायोजन

संगीतात्मक संगत में ध्यान के उद्देश्यों के अनुकूल स्केल्स और धनु प्रकारों को समायोजित करना शामिल है। उदाहरण के तौर पर, यदि वर्तमान धुनें माइनर 7 धुनें हैं और हम मेजर धुनों की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो यह संक्रमण ध्यान के दौरान धीरे-धीरे किया जाएगा। इसी तरह, यदि हम किसी वशिष्ट आवृत्ति के लिए लक्ष्य बना रहे हैं जो उपस्थिति नहीं है, तो हम ऐसी संगीत बनाएंगे जो धीरे-धीरे उस लक्ष्य आवृत्ति की ओर विकसित होगी।

वचन यह है कि भागीदारों को उनकी वर्तमान संगीतात्मक स्थिति में ले जाना है और उन्हें उनके शरीर में उपस्थिति धुनों का उपयोग करते हुए ध्यान की एक गहरी स्थिति में निर्देशित करना है। यह वधि प्रत्यक्ष रूप से भागीदारों की संगीत भाषा बोलकर ध्यान में प्रवेश को सहज बनाती है।

संकषेप में, संगीत विश्लेषण और संगत निर्देशित ध्यान के व्यक्तिगतकरण को संभव बनाते हैं, जिससे अनुभव प्रत्येक व्यक्ति के लिए अधिक सुगम और प्रभावी बन जाता है।

13.7. 2016 व्यक्तित्व प्रकार

जंग के प्रकार, जिन्हें एमबीटीआई या मायर्स-ब्रिग्स के नाम से भी जाना जाता है, एक बिल्कुल नए मानचित्र में

जंग के प्रकारों के अनुसार व्यक्तित्व का मूल्यांकन

इस अनुभाग में, हम "आत्मा" टैब का अन्वेषण करेंगे ताकि जंग के प्रकारों के अनुसार व्यक्तित्व का एक सामान्य अवलोकन प्राप्त किया जा सके। व्यक्तित्व का विश्लेषण चार मुख्य ध्रुवों के माध्यम से किया जाता है।



biocoherence.net/n82.102



biocoherence.net/n82.101

व्यक्तित्व ध्रुव

जुगुं के प्रकर चार ध्रुवों का उपयोग करके गणना की जाती है, जिन्हें हमने पहली बार एक तार्किक ग्राफ पर रखा है:

1. **NS (संवेदन/अवलोकन):** यह ध्रुव निर्धारित करता है कि व्यक्ति जानकारी को कैसे संसाधित करता है।
2. **FT (सोच/भावना):** यह ध्रुव मूल्यांकन करता है कि व्यक्ति जानकारी को कैसे संसाधित करता है, जो मन या वचन पर केंद्रित है।
3. **IE (आंतरिकता/बाहरीता):** यह ध्रुव ऊर्जा को मापता है, यह संकेत करता है कि व्यक्ति बाहरी देखने वाला है (बाहरीता)।
4. **JP (नरिणय/धारण):** यह ध्रुव कालिक स्थान से संबंधित है, और यह संकेत करता है कि व्यक्ति दीर्घकालिक या तात्कालिक है (स्वाभाविकता)।

प्रत्येक ध्रुव को खंडों में विभाजित किया गया है, जिससे वसित्तु मूल्यांकन संभव होता है। उदाहरण के लिए, IE ध्रुव पर, किसी व्यक्ति को बाहरी या आंतरिक रूप से मूल्यांकित किया जा सकता है।

जुगुं प्रकार और मूल्यांकन

जुगुं के प्रकार, जैसे ENTP, ENTJ, ESTJ, ESTP, आदि, इन चार ध्रुवों पर स्थितिके अनुसार निर्धारित होते हैं। उदाहरण के लिए, एक मूल्यांकन एक प्रमुख ESTJ प्रकार प्रकट कर सकता है।

व्यक्तित्व प्रकार गतिशीलता

एक स्थिर प्रश्नावली मूल्यांकन के विपरीत, यह ध्रुव हमें किसी व्यक्ति की अचेतन, गतिशील प्रतिक्रिया को देखने की अनुमति देती है। जैसे ही हम ध्रुवों के बीच नेवगिट करते हैं, हम देख सकते हैं कि मूल्यांकन चलते हैं, यह संकेत करते हुए कि व्यक्तित्व प्रकार गतिशील है। इसका मतलब है कि व्यक्तित्व परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न आसन्न प्रकारों के बीच झूल सकता है।

जुगुं के प्रकारों के प्रति यह गैर-स्थिर दृष्टिकोण व्यवहारों और व्यक्तित्वों की समझ पर रोचक दृष्टिकोण खोलता है।

व्यक्तित्व प्रकार वसित्तु में

जुगुं के व्यक्तित्व प्रकार चार मुख्य मनोवैज्ञानिक कार्यों पर आधारित हैं: सोच, भावना, संवेदन और अवलोकन, जो बाहरीता और आंतरिकता के दृष्टिकोणों के साथ मलिकर बनते हैं। इस प्रकार कुल आठ व्यक्तित्व प्रकार बनते हैं:

1. **बाहरी सोच:** तार्किक, वस्तुनिष्ठ, तथ्य-उन्मुख।
2. **आंतरिक सोच:** चिंतनशील, विश्लेषणात्मक, स्वतंत्र।
3. **बाहरी भावना:** सामाजिक, गर्म, सामाजिक मूल्यों-उन्मुख।
4. **आंतरिक भावना:** आरक्षित, गहरा, अपने मूल्यों द्वारा मार्गदर्शित।
5. **बाहरी संवेदन:** व्यावहारिक, यथार्थवादी, ठोस-उन्मुख।
6. **आंतरिक संवेदन:** कलात्मक, संवेदनशील, विषयात्मक अनुभव की ओर उन्मुख।
7. **बाहरी अवलोकन:** नवोन्मेषी, अवसरवादी, भविष्य-उन्मुख।
8. **आंतरिक अवलोकन:** दृष्टिवान, आत्म-नरीक्षण, अंतर्दृष्टि-प्ररेति।

ये प्रकार व्यक्तियों के विभिन्न तरीकों को समझने में मदद करते हैं, जिससे वे दुनिया को पहचानते हैं और नरिणय लेते हैं।

यहाँ 16 मायर्स-ब्रिग्स प्रकार संकेतक (MBTI) व्यक्तित्व प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन है:

1. **ISTJ (नरीक्षणक)** - विश्वसनीय, संगठित, यथार्थवादी और व्यावहारिक।
2. **ISFJ (सुरक्षणक)** - समर्पित, देखभाल करने वाला, वफादार और वसित्तु।
3. **INFJ (सलाहकार)** - आदर्शवादी, सहानुभूतिशील, धारणा करने वाला और प्रेरणादायक।
4. **INTJ (आर्कटेक्ट)** - रणनीतिक, स्वतंत्र, विश्लेषणात्मक और दृढ़।
5. **ISTP (कला निर्माता)** - व्यावहारिक, अवलोकनशील, अनुकूलनीय और तार्किक।

6. **ISFP (कला कार)** - सवेदनशील, आरक्षित, स्वाभाविक और सामंजस्यपूर्ण।
7. **INFP (आदर्शवादी)** - रचनात्मक, उत्साही, परोपकारी और आत्म-नरिक्षण।
8. **INTP (तर्कशास्त्री)** - नवोन्मेषी, जिज्ञासु, वस्तुनिष्ठ और स्वतंत्र।
9. **ESTP (उद्यमी)** - ऊर्जावान, सीधा, व्यावहारिक और सामाजिक।
10. **ESFP (व्याख्याता)** - उत्साही, स्वाभाविक, गर्म और मनोरंजक।
11. **ENFP (प्ररेक)** - कल्पनाशील, सामाजिक, ऊर्जावान और दृष्टिवान।
12. **ENTP (नवोन्मेषक)** - प्रतभाषाली, ऊर्जावान, संसाधनशील और बौद्धिक।
13. **ESTJ (पर्यवेक्षक)** - संगठित, व्यावहारिक, यथार्थवादी और नरिणायक।
14. **ESFJ (परामर्शदाता)** - मतिरत, जम्मेदार, सहयोगी और सामाजिक।
15. **ENFJ (शिक्षक)** - करिमाई, परोपकारी, सहानुभूतिशील और प्ररेक।
16. **ENTJ (कमांडर)** - दृष्टिवान, आत्म-वशिवासी, रणनीतिक और कुशल।

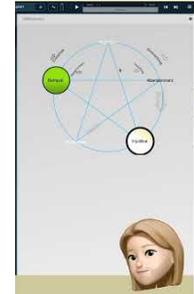
ये संक्षिप्त वर्णन प्रत्येक MBTI व्यक्तित्व प्रकार का एक सामान्य अवलोकन प्रदान करते हैं।

13.8. The 5 घाव

त्याग, अस्वीकृति, अपमान, विश्वासघात, अन्याय

मानव अवचेतन मुख्य रूप से मानसिक घावों से प्रभावित होता है। इनमें से, पांच मुख्य घाव हैं: अस्वीकृति, परित्याग, विश्वासघात, अपमान और अन्याय। ये पाँच घाव आठ घावों के एक प्रारंभिक मॉडल से उत्पन्न होते हैं। ये पारंपरिक चीनी चिकित्सा में पाँच तत्वों की तरह एक दूसरे के साथ बातचीत करते हैं, जो आपसी प्रभावों का एक जटिल नेटवर्क बनाते हैं।

समझना कि हमारे भीतर कौन से घाव वर्तमान में सक्रिय हैं, मूल्यवान अंतरदृष्टियाँ प्रदान कर सकता है। जब हम देखते हैं कि कैसे अस्वीकृति, विश्वासघात या अन्याय एक-दूसरे से प्रभावित होते हैं, तो हम अपने मानसिक स्थिति में गतिशील अंतरदृष्टियाँ प्राप्त कर सकते हैं। यह समझना आत्म-ज्ञान और आत्म-संभार के लिए एक कुंजी हो सकता है।



biocoherence.net/n82.113

पाँच घावों की उत्पत्ति

जॉन परियेराकोस, एक मनोचिकित्सक और 1956 में बायोएनर्जेटिक एनालिसिस संस्थान के सह-संस्थापक, ने अस्तित्व संबंधी घावों (या आत्मकेंद्रित घावों) पर विल्हेम राइख के काम को अपनाया और आठ घावों को परिभाषित किया: परित्याग, अस्वीकृति, अपमान, विश्वासघात, अन्याय, अतिक्रमण, असहायता, और असुरक्षा।

लसि बौरवो ने बाद में इस सिद्धांत को पाँच भावनात्मक घावों में अनुकूलित और सरल बनाया, जो हमें अपने आप होने से रोकते हैं। उनके अनुसार, ये घाव कई भावनात्मक समस्याओं और असामान्य व्यवहारों की जड़ में होते हैं। ये बचपन में उत्पन्न होते हैं, अक्सर जन्म और सात वर्ष की आयु के बीच, लेकिन यदि अनियोजित छोड़ दिया जाए तो ये हमारे वयस्क जीवन को प्रभावित करते रहते हैं।

1. अस्वीकृति का घाव: यह घाव आमतौर पर बहुत जल्दी बनता है, कभी-कभी जन्म से पहले भी, और अक्सर न चाहने की भावना से जुड़ा होता है। इस घाव वाले लोग प्रेम के लिए अयोग्य महसूस करते हैं और उन परिस्थितियों से बचते हैं जहाँ उन्हें अस्वीकृत किया जा सकता है। उन्हें अपने आप को व्यक्त करने और अपनी जगह लेने में कठिनाई होती है।

2. परतियाग का घाव: यह तब प्रकट होता है जब एक बच्चा महसूस करता है कि उसे उसके करीबी लोगों द्वारा परतियाग या समर्थन नहीं मिला है। इस घाव से प्रभावित लोग एकाकी होने का तीव्र डर रखते हैं, और लगातार दूसरों को ध्यान और स्वीकृति की तलाश में रहते हैं। वे भावनात्मक रूप से निर्भर हो सकते हैं।
3. अपमान का घाव: यह तब विकसित होता है जब एक बच्चा अपने व्यवहार या कार्यों के लिए माता-पिता या प्रियजनों द्वारा नीचा दिखाए जाने या आलोचना किए जाने का अनुभव करता है। इस घाव वाले व्यक्ति अक्सर शर्मिंदा महसूस करते हैं और उनकी गरिमा का अभाव होता है। वे दूसरों को ऐसा करने से रोकने के लिए खट्ट को भी अपमानित कर सकते हैं।
4. विश्वासघात का घाव: यह घाव तब होता है जब एक बच्चा किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा विश्वासघात का अनुभव करता है जिस पर उसने भरोसा किया, अक्सर एक ऐसा माता-पिता जो वादे नहीं रखता। इस घाव वाले लोग दूसरों पर भरोसा करने में कठिनाई महसूस करते हैं और सब कुछ नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। वे जलन या अधिकारवादी बन सकते हैं।
5. अन्याय का घाव: यह तब बनता है जब एक बच्चा महसूस करता है कि उसे अनुचित रूप से व्यवहार किया गया है, अक्सर अत्यधिक अधिकारवादी या आलोचनात्मक माता-पिता द्वारा। इस घाव से प्रभावित लोग परिपूर्णता के लिए प्रयास करते हैं, और कठोर और असहिष्णु बन सकते हैं। उन्हें अक्सर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में कठिनाई होती है।

लिसि बौरबो बताती है कि ये घाव हमारे व्यवहार और दुनिया को देखने के तरीके को प्रभावित करते हैं। ठीक होने के लिए, इन घावों को पहचानना, उनकी उत्पत्ति को समझना और उन्हें पार करने पर काम करना आवश्यक है।

14. परीक्षण

यह माँड्यूल जीवति बायोफीडबैक परीक्षण और मौजूदा रिकॉर्डिंग्स से परीक्षण सूचियों का मूल्यांकन करने के लिए समर्पित है।

The Test module आपको किसी भी प्रकार का लाइव टेस्ट करने की अनुमति देता है, जिसका परिणाम कुछ बायोमार्कर्स के तत्कालीन परिवर्तन के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है; और किसी भी टेस्ट सूची का पूर्व-मूल्यांकन करने के लिए किसी विशिष्ट बायोमार्कर्स के मूल्यों के अनुसार वर्तमान स्कैन

सूची पूर्व-मूल्यांकन

आप नई सूचियाँ बना सकते हैं या अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा बनाई गई मौजूदा सूचियों का उपयोग कर सकते हैं। जब आप एक सूची खोलते हैं, तो उसके सभी आइटम वर्तमान खुले रपिपोर्ट के संदर्भ में प्राथमिकता दी जाएगी। आप फिर चुन सकते हैं कि इनमें से कौन से आप लाइव टेस्ट करना चाहते हैं

लाइव टेस्टिंग

एक बार जब आइटम चुन लिए जाते हैं, लाइव टेस्टिंग आपको उन्हें ग्राहक के सामने दिखाने और सेंसर का उपयोग करते हुए उनके सिस्टम का बायोफीडबैक प्रतिक्रिया मापने की अनुमति देती है। परिणाम को 3 संभावित प्रतिक्रियाओं में वर्गीकृत किया जाता है: सिस्टम को मजबूत करता है; सिस्टम को कमजोर करता है; या न्यूट्रल

यहाँ एक अनंत खुला टेस्ट विकल्प भी है, जो आपको सीधे ग्राहक पर या खुद पर किसी भी चिकित्सीय पद्धतिका परीक्षण करने की अनुमति देता है, और बायोफीडबैक का उपयोग करते हुए परिणाम को लाइव मापने की अनुमति देता है।

14.1. परीक्षण सूचियाँ

Biocoherence में सूचियों के साथ परीक्षण

आपके आवेदन में सूचियों का प्रबंधन और संपादन

जब आप सूचियों के साथ काम कर रहे होते हैं, तो आपके पास कीवर्ड खोज कार्यक्षमता होती है। हालाँकि, वर्तमान में सूचियों की संख्या सीमित है, लेकिन इस सैकड़ों या यहां तक कि हजारों सूचियों में वसितारति करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे आपको अपने स्वयं के परीक्षणों को संपादित और प्रबंधित करने में सक्षम बनाया जाएगा।

परीक्षण संपादन मोड

1. **संपादन मोड तक पहुंच** : यदि आप किसी परीक्षण पर हैं जो आपका है, तो परीक्षण के बगल में एक छोटा पेंसिल दिखाई देता है। संपादन मोड में प्रवेश करने के लिए उस पर क्लिक करें।
2. **आइटम संपादित करना** : एक बार संपादन मोड में, आप प्रत्येक आइटम पर क्लिक करके पाठ और संबंधित क्रियाओं को सशोधित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप आयुर्वेद, अंग, वात, vita आदि जैसी श्रेणियों पर क्रियाएँ परिभाषित कर सकते हैं।
3. **क्रियाओं को परिभाषित करना** : प्रभावों को निर्दिष्ट करने के लिए VPK जैसी श्रेणियों पर क्लिक करें, जैसे कि कुछ तत्वों को बढ़ाना या घटाना (जैसे, अमीनो एसिड, मूत्राशय, रक्त, मस्तष्क, आंखें)।



biocoherence.net/n82.112

स्वचालति मूल्यांकन

स्वचालति मूल्यांकन उपयोगकर्ताओं के तत्व स्तरो और परीक्षणों में परभाषति कार्यों के बीच मेल पर आधारति है। इससे सूची में वस्तुओं को अपेक्षति परिणामों के अनुसार रैंक करना संभव हो जाता है।

अतरिक्ति उपकरण

1. **जोड़ें और आयात करें**: आप नए उपकरण जोड़ सकते हैं या आइटम को पंक्तिदर पंक्ति चिपिकाकर एक सूची आयात कर सकते हैं।
2. **सूची हटाएँ**: पूरी तरह से एक सूची हटाने का विकल्प उपलब्ध है।
3. **2D लॉजिक मैप**: जल्द ही आप एक द्विआयामी छवि पर आइटम रखने में सक्षम होंगे, जिससे परीक्षणों को दृश्य बनाने और व्यवस्थति करना आसान हो जाएगा।

सामान्य सूची गुण

आप इंटरफेस के शीर्ष पर सामान्य गुणों को संशोधति कर सकते हैं:

- सूची श्रेणी
- दृश्यता (सार्वजनिक या नज्जी)
- पहचं (मफ्त या भुगतान)

भुगतान की गई सूचियों को सार्वजनिक बनाया जा सकता है ताकि अन्य उपयोगकर्ता उन्हें शुल्क पर एकसे कर सकें, चाहे वह एक बार का आधार हो या मासिक सदस्यता के माध्यम से। इससे आपको अपने ज्ञान को साझा करने और इसके लिए भुगतान प्राप्त करने की अनुमति मिलति है।

गरै-मालकिना सूचियों का प्रबंधन

यदि आप किसी ऐसी सूची पर काम कर रहे हैं जो आपकी नहीं है, तो आप इसे ड्रुलीकटे कर सकते हैं। ड्रुलीकटे करने से आपको एक संपादनीय कॉपी बनाने की अनुमति मिलति है जहाँ आप शीर्षक, विवरण और क्रियाएँ बदल सकते हैं।

सूचियों तक पहुँच

सामान्य मने से, जो स्क्रीन के दाहिनी ओर उपलब्ध है, आप "मेरी सूचियाँ" पर नेवेगिट कर सकते हैं ताकि आप अपनी मौजूदा सूचियों को संपादति कर सकें या नई बना सकें। यह सुविधा किसी भी स्क्रीन से उपलब्ध है, जिसमें होम स्क्रीन भी शामिल है।

इन नरिदेशों का पालन करके, आप अपनी सूचियों और परीक्षणों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर सकेंगे, जबकि आवेदन द्वारा प्रदान की गई विभिन्न संपादन और संगठन विकल्पों का लाभ उठा सकेंगे।

सूची-आधारति परीक्षणों का परिचय

Biocoherence में सूची-आधारति परीक्षण एक पूरी तरह से खुला प्रणाली है, जो उपयोगकर्ताओं को मौजूदा सूचियों का चयन करने, नई सूचियाँ बनाने या अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ साझा करने के लिए मौजूदा सूचियों को ड्रुलीकटे करने की अनुमति देति है।

सूची क्या है?

एक परीक्षण सूची प्रवष्टियों का एक संग्रह है, उदाहरण के लिए, सुगंधति जडी-बूटियाँ या आवश्यक तेल। जब रिपोर्ट में एक सूची खोली जाती है, जिसमें एक रकिॉर्ड उपलब्ध होता है, तो प्रत्येक प्रवष्टि का मूल्यांकन किया जाता है और प्राथमकिता दी जाती है। प्रतशित प्रवष्टियों की रकिॉर्ड के साथ संगतता को इंगति करते हैं, जो 0% से 100% तक होते हैं।

रंग कोड

- **हरा** : बहुत प्रासंगिक, उच्च संगतता (जैसे 85%)
- **अन्य रंग** : संगतता के विभिन्न ग्रेडेशन (जैसे एक मध्यवर्ती श्रृंखला के लिए 40%)
- **बैंगनी** : कम संगतता (20-30%)
- **ग्रे** : तटस्थ या लगभग शून्य संगतता (लगभग 0%)
- **Red** : असंगत या नकारात्मक प्रतिक्रिया

सीधा परीक्षण

एक पूर्व-मूल्यांकन के बाद, दूसरा भाग एक लाइव परीक्षण है। यहाँ अनुसरण करने के लिए चरण हैं:

1. **आइटम चुनें** : उन वस्तुओं का चयन करें जिन्हें व्यक्तिगत रूप से परीक्षण किया जाना है।
2. **संसेर से कनेक्ट करें** : कैलब्रेशन के लिए संसेर कनेक्ट करें।
3. **परीक्षण चलाएँ** : परीक्षण एक-एक करके चलाए जाते हैं, परीक्षण किए जा रहे व्यक्ति को दृश्य, श्रवण या अन्य जानकारी भेजते हैं।
4. **अवलोकन** : व्यक्ति को सटीक मूल्यांकन के लिए परीक्षण की गई जानकारी देखनी या सुनी चाहिए।
5. **मूल्यांकन** : सिस्टम शरीर की प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत की गई जानकारी के अनुसार वर्गीकृत करता है।

परिणाम प्रदर्शन

परीक्षण के अंत में, परिणाम फिर से प्रदर्शित होते हैं और इस प्रकार वर्गीकृत होते हैं:

- **सफल परीक्षण** : अच्छा शरीर प्रतिक्रिया
- **औसत परीक्षण** : मश्रति प्रतिक्रिया
- **असंगत परीक्षण** : नकारात्मक या असंगत प्रतिक्रिया

प्रस्तुत जानकारी का महत्व

यह महत्वपूर्ण है कि परीक्षण किए गए तत्वों के बारे में जितनी संभव हो सके जानकारी प्रस्तुत की जाए (जैसे कि फोटो, आवश्यक तत्वों पर कार्य करने वाले प्रणालियों के विवरण) ताकि शरीर से जैव-प्रतियुक्ति प्रणाली के माध्यम से एक सहज और मापनीय प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके।

रिपोर्ट में परिणामों का एकीकरण

परीक्षण परिणाम रिपोर्ट में दिखाई देते हैं, केवल उन वस्तुओं को दिखाते हैं जिनकी अच्छी या औसत प्रतिक्रियाएँ हैं, और उन वस्तुओं को बाहर करते हैं जो अस्वीकृत हैं। रिपोर्ट में शामिल हैं:

- **संगतता प्रतिलिपि** : प्रारंभिक स्कैन के आधार पर गणना
- **अचेतन शरीर प्रतिक्रिया** : जब जानकारी प्रस्तुत की जाती है तो मापी जाती है

भविष्य के विकास

नए परीक्षण कार्य, जैसे कि आवृत्त परीक्षण और किसी भी जानकारी का लाइव परीक्षण, जल्द ही उपलब्ध होंगे।

परीक्षण संपादन मोड

जब आप उस परीक्षण पर होते हैं जो आपका है, तो एक छोटा पेंसिल दिखाई देता है। इस पेंसिल पर क्लिक करके, आप परीक्षण संपादन मोड में प्रवेश करते हैं। आप फिर प्रत्येक आइटम पर क्लिक करके संबंधित पाठ और क्रियाओं को संशोधित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप आयुर्वेद और अंगों जैसी वस्तुओं पर क्रियाएँ सेट कर सकते हैं, और जल्द ही, अन्य प्रकार की क्रियाएँ उपलब्ध होंगी।

क्रियाओं का संपादन

किसी क्रिया को सशोधित करने के लिए, संबंधित तत्व (जैसे VPK) पर क्लिक करें और प्रभावों को परिभाषित करें, जैसे कि कुछ पहलुओं को बढ़ाना या घटाना (जैसे वात और vita)। आप अंगों पर प्रभावों को भी नरिदष्टि कर सकते हैं, जैसे कि अमीनो एसिड, मूत्राशय और रक्त को बढ़ाना, या मस्तष्क और आंखों को घटाना। ये सशोधन इस इनपुट की वशिष्टि क्रिया को परिभाषित करते हैं, जो स्वचालित मूल्यांकन के लिए आवश्यक है।

स्वचालित मूल्यांकन

स्वचालित मूल्यांकन उपयोगकर्ता स्तरो (फूल के रूप में) की तुलना करके किया जाता है जो परिभाषित कार्यों के साथ होते हैं। यह मलिन आपको प्राप्त परिणामों के अनुसार सूची में वस्तुओं को रैंक करने की अनुमत देता है।

उपलब्ध उपकरण

स्क्रीन के नीचे बभिन्नि उपकरण उपलब्ध हैं। आप उपकरण जोड़ सकते हैं, पंक्ति दिर पंक्ति आइटम चपिकाकर एक सूची आयात कर सकते हैं, या एक सूची हटा सकते हैं। जल्द ही, आप इन आइटम को एक द्विआयामी छविपर रखने में सक्षम होंगे, फोटो लेने या उन्हें एक तार्किक मानचित्र पर स्थिति देने के लिए एक छवि आयात करने के द्वारा। यह परीक्षण को चुने गए आइटम के अनुसार मानचित्र के चारों ओर स्थानांतरित करने की अनुमत देता है।

सामान्य सूची गुण

सामान्य सूची गुण स्क्रीन के शीर्ष पर स्थित हैं। आप उन्हें श्रेणी, दृश्यता (सार्वजनिक या नजी) और मूल्य निर्धारण मोड (मुफ्त या भुगतान) परिभाषित करने के लिए उन पर क्लिक करके सशोधित कर सकते हैं। एक भुगतान की गई सूची को सार्वजनिक बनाया जा सकता है जब यह तैयार हो, जिससे उपयोगकर्ताओं को इसके उपयोग के लिए हर बार या मासिक शुल्क के माध्यम से भुगतान करने की अनुमत मिलती है।

साझाकरण और पारश्रमिक

यह प्रणाली आपको अपने ज्ञान या मूल्यांकन के प्रकारों को साझा करने की अनुमत देती है, और ऐसा करने के लिए पारश्रमिक प्राप्त करती है। यदि आप किसी ऐसी सूची पर काम कर रहे हैं जो आपकी नहीं है, तो आप इसे ड्रूपलीकेट कर सकते हैं। आप इसे सीधे संपादित नहीं कर पाएंगे, लेकिन इसे ड्रूपलकिट करके, आप एक कॉपी बनाते हैं जिसे आप पूरी तरह से सशोधित कर सकते हैं, जिसमें शीर्षक और विवरण भी शामिल हैं।

सूचियों तक पहुँच

स्क्रीन के दाहिनी ओर सामान्य मेनू में, आप "मेरी सूचियाँ" तक पहुँच सकते हैं। किसी भी स्क्रीन से, जैसे होम स्क्रीन, आप अपनी सूचियों को संपादित करने का विकल्प चुन सकते हैं। आप इस इंटरफ़ेस से एक नई सूची बनाना भी आसानी से कर सकते हैं।

नषिकर्ष

यह प्रणाली आपको अपने परीक्षण सूचियों का प्रबंधन और साझा करने के लिए महान लचीलापन और स्वायत्तता देती है, जबकि संपादन और मूल्यांकन के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करती है।

15. एआई में BioCoherence

BioCoherence नवीनतम राज्य-के-कलात्मक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है ताकि समझने, उपयोग करने और विश्लेषण को एक सुगम और पूरण रूप से एकीकृत तरीके से सहज बनाया जा सके।

- **AI सहायक** समर्थ हैं समझाने, विश्लेषण करने, परीक्षण करने और प्राथमिकताओं पर क्रिया करने के लिए। तीस से अधिक विशिष्ट सहायक जैवचक्र मूल्यों को प्राप्त कर सकते हैं और उपयोगकर्ता या Pro के साथ एक सरल चैट खोल सकते हैं।
- Pros के लिए, **सूची आइटम बनाने** की प्रक्रिया लखने के ध्यान भागों, स्वचालित क्रियाओं की पहचान, उत्पाद घटक खोजों में सहायता के कारण त्वरति होती है....
- BioCoherence हजारों विशिष्ट एल्गोरिदम को एकीकृत करता है जो BioFeedback और जैवचक्रों से जुड़े हैं, जिनमें से कई गहरे अधिगम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से प्राप्त किए गए हैं।

15.1. एआई सहायक

One of the most exciting developments in BioCoherence is the introduction of AI Helpers. These AI-driven assistants are designed to help users navigate the vast amount of information within the app, making it easier to understand and utilize the data from their biofeedback scans.

The AI Helpers in BioCoherence are designed to enhance user experience by providing tailored guidance, explanations, and program creation based on user data. These AI modules reduce the learning curve for new users and offer professionals a way to streamline client interactions. AI Helpers can operate in two distinct modes depending on the context of their use:

1. **Recording के बनि:** उपयोगकर्ता AI के साथ बात कर सकते हैं ताकि उनकी आवश्यकताओं के आधार पर एक बतुयिदी कार्यक्रम बनाया जा सके। Homepage से: उपयोगकर्ता विशिष्ट जैविक चिन्हों से लकि किए बनि AI से सामान्य मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।
2. **एक खुली रिकॉर्डिंग के साथ:** AI Helpers उपयोगकर्ता के जैविक चिन्हों का विश्लेषण करते हैं और रिकॉर्डेड डेटा के आधार पर अंतरदृष्टिया सफ़ारिशें प्रदान करते हैं।



मुख्य विशेषताएँ

AI Helpers एक वर्चुअल क्लिनिक के रूप में कार्य करते हैं, विशिष्ट सहायक नर्सों और सहायक कर्मियों के रूप में कार्य करते हैं जो सामान्य उपयोगकर्ताओं और पेशेवर व्यवसायियों दोनों के लिए हैं। ये AI सहायक कर सकते हैं:

- आपके स्कैन और आपके ग्राहकों के स्कैन से जैविक चिन्हों को पढ़ें और व्याख्या करें।
- विशिष्ट जैविक चिन्हों को दिखाएँ और उनकी मानों की व्याख्या करें।
- आपकी ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करने के लिए हार्मोनिक बसूट्स चलाएँ।
- आपके स्वास्थ्य डेटा और चर्चा के आधार पर आपकी प्राथमिकताओं को सशोधित करें।
- व्यक्तिगत हीलिंग के लिए आपकी हार्मोनिक बसूट सूची में तत्व जोड़ें।
- वास्तविक-समय में नए परीक्षणों को अनुरोध और विश्लेषण करें।
- बभिन्न जैविक चिन्हों और परीक्षण परिणामों के लिए व्याख्याएँ और सलाह प्रदान करें।
- जब जरूरत हो तो ग्राहकों को पेशेवर सलाहों के लिए पुनर्निर्देशित करें।

यह अर्थ है कि उपयोगकर्ता AI के साथ बात कर सकते हैं ताकि वे अपने स्वास्थ्य में गहरी अंतरदृष्टि प्राप्त कर सकें, अपने परिणामों के बारे में प्रश्न पूछें, और यहाँ तक कि क्रियाशील अंतरदृष्टियों, ध्यान, जड़ी-बूटियों के उपचार, और अधिक के लिए सफ़ारिशें प्राप्त कर सकते हैं:

- वशिष्ट सहायता: प्रत्येक AI Helper एक वशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता रखता है, जैसे नैचुरोपैथी, पारंपरिक चीनी चिकित्सा (TCM), आवश्यक तेल, या ध्यान. वर्तमान में 25 से अधिक AI Helpers उपलब्ध हैं. वे अपनी विशेषज्ञता से संबंधित जैविक चिन्हों का एक चूना हुआ उप-सेट प्राप्त करते हैं, वशिष्ट निर्मिति प्रॉम्प्ट्स, वशिष्ट ज्ञान और प्रशिक्षण, वशिष्ट सूचियाँ और सूची आइटम, वशिष्ट अतिरिक्त जानकारी और वशिष्ट क्षमताएँ.
- बनुयादी कार्यक्रम निर्माण: उपयोगकर्ता AI के साथ अपनी आवश्यकताओं पर चर्चा कर के व्यक्तिगत कार्यक्रम बना सकते हैं. ये कार्यक्रम "बनुयादी कार्यक्रम" अनुभाग में सहेजे जाते हैं और तुरंत लॉन्च किए जा सकते हैं.
- भाषा समर्थन: AI Helpers कई भाषाओं का समर्थन करते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपनी मूल भाषा में बात करने की अनुमति मिलती है. यह सिस्टम अनेकभाषी प्रश्नों को सही तरीके से संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है.
- कस्टमाइज़ेबल एक्ससे: पेशेवर नियंत्रण कर सकते हैं कि कौन से AI Helpers उनके ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं और वे कौन से डेटा तक पहुँच कर सकते हैं. यह सुनिश्चित करता है कि AI पेशेवर द्वारा निर्धारित सीमाओं के अंदर काम करता है.

AI को इसके सीमाओं को स्वीकार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इस सुनिश्चित करते हैं कि उपयोगकर्ताओं को जरूरत पड़ने पर पेशेवर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

पेशेवरों के लिए AI Helpers

व्यवसायियों के लिए, AI Helpers बद्धमिान सहायकों के रूप में कार्य करते हैं जो कर सकते हैं:

- ग्राहकों को जटिल जैविक चिन्हों की व्याख्या करने में मदद करें.
- सामग्री डेटा के आधार पर अतिरिक्त परीक्षणों की सफ़ारिश करें.
- ध्यान तकनीकों या जड़ी-बूटियों के उपचारों की सफ़ारिश करें.
- ग्राहक को व्याख्या की प्रक्रिया को कम करने के लिए चुने गए AI Helpers को प्रदान करें जिनमें व्याख्या करने की क्षमता है लेकिन पेशेवर के निर्णयों को संशोधित नहीं कर सकते.

जब एक पेशेवर एक ग्राहक के रिकॉर्ड पर काम करता है, AI Helper ग्राहक के डेटा को प्राप्त करता है और पेशेवर के सहायक के रूप में कार्य करता है.

AI Helpers तक पहुँच बनाना

AI Helpers को नमिनलखिति से पहुँचा जा सकता है:

- Homepage: सामान्य मार्गदर्शन या बनुयादी कार्यक्रम निर्माण के लिए.
- एक खुली रिकॉर्डिंग: वशिष्ट जैविक चिन्हों का वश्लेषण और व्याख्या करने के लिए, वश्लेषण में वसित्तु अंतरदृष्टि प्रदान करने के लिए.

AI Helper उपयोग के मामले

बनुयादी कार्यक्रम बनाना:

- होमपेज से AI Helpers अनुभाग की ओर जाएँ.
- एक AI Helper चुनें (जैसे, नींद कोच, ध्यान गाइड).
- अपने आवश्यकताओं का बविरण देने के लिए एक संवाद में शामिल हों (जैसे, "मैं तनाव महसूस करता हूँ और आराम करने में मदद चाहिए").
- AI एक अनुकूलित बनुयादी कार्यक्रम जेनेरेट करेगा और आपको "बनुयादी कार्यक्रम" अनुभाग में सहेजे देगा.

जैविक चिन्हों की व्याख्या:

- एक रिकॉर्डिंग खोलें और "नष्टिकरण" के अंतर्गत AI Helpers अनुभाग की ओर जाएँ.
- जनि जैविक चिन्हों का आप अनुवेषण करना चाहते हैं उनसे संबंधित AI Helper चुनें (जैसे, TCM व्यवसायी के लिए मर्जीन).
- AI आपके रिकॉर्डिंग में गणना किए गए जैविक चिन्हों

16. संतुलन

संसाधन और प्राथमकताएँ; रपिर्टगि, ध्यान जनरेशन और आवतूतयिाँ

ये स्क्रीन आत्म-पहचान और संसाधनों और प्राथमकताओं के संशोधन, एक PDF रपिर्ट का निर्माण, और मार्गदर्शक ध्यान, वशिष्ट आवतूतयिाँ जैसे संतुलन उपकरणों का निर्माण करने की अनुमति देती हैं...

16.1. प्राथमकताएँ

वशिष्टेण के बाद संबोधति कएि जाने वाले प्रमुख तत्वों को परभाषति करे

संतुलन खंड उन क्रियाओं से संबंधित है जो वशिष्टेण पूरण होने के बाद और लक्ष्य स्पष्ट होने पर या जब उपकरण को स्वतः आवश्यकताओं का निर्धारण करने के लिए वशिष्टसनीय माना जाता है।

प्राथमकताएँ

परभाषा और उद्देश्य: प्राथमकताएँ वे तत्व हैं जो ऐप द्वारा ध्यान या हस्तक्षेप की आवश्यकता के रूप में पहचाने जाते हैं। ये वे क्षेत्र हैं जहाँ उपयोगकर्ता's स्वास्थ्य संकेत में हो सकता है और पहचाने गए संसाधनों से सहायता की आवश्यकता है (संसाधनों के बारे में अगले अध्याय को देखें)।

चयन प्रक्रिया: ऐप स्वतः वभिन्नि बायोमार्कर्स का मूल्यांकन करने वाले एक एल्गोरिदम के आधार पर प्राथमकताएँ चुनता है। उपयोगकर्ता प्रत्येक श्रेणी में अतिरिक्त संभावित प्राथमकताओं का अन्वेषण कर सकते हैं और उन्हें आवश्यकतानुसार जोड़ सकते हैं, या तो "अन्वेषण" पर क्लिक कर एक रोचक बायोमार्कर का पूर्वचयन प्राप्त करें, या सभी स्क्रीन के माध्यम से ब्राउज़ करते हुए रोचक प्राथमकताओं का चयन करें।

श्रेणियाँ: संसाधनों के समान, प्राथमकताओं को वभिन्नि समूहों में श्रेणीबद्ध किया गया है, जिसमें अंग, भावनाएँ, और ऊर्जावान बद्धि शामिल हैं। उपयोगकर्ता इन श्रेणियों का अन्वेषण कर सकते हैं ताकि अतिरिक्त ध्यान क्षेत्रों की पहचान की जा सके।

अनुकूलन: उपयोगकर्ता सूची से प्राथमकताओं को जोड़ या हटाकर अनुकूलित दृष्टिकोण बनाने के लिए सक्षम हैं। सझाव दिया जाता है कि प्राथमकताओं की संख्या को प्रबंधनीय (15-20) रखा जाए ताकि ध्यान और प्रभावशीलता बनी रहे।

प्रणाली को अनुकूलति करने के लिए फरि से गणना करे

प्राथमकता और संसाधन गणनाओं को फरि से शुरू करने के लिए, मुख्य स्क्रीन के ऊपरी दाएँ कोने में उपयुक्त आइकन पर क्लिक करें। संसाधनों की पहचान करने से शुरू करें, जो प्रणाली को स्वतः सभी आवश्यक संसाधनों को फरि से पहचानने में सक्षम बनाएगा। अगला, प्राथमकताओं को पहचानने के लिए संबंधित विकल्प पर क्लिक करें, जो प्रणाली द्वारा पहचानी गई प्राथमकताओं को स्वतः जोड़ देगा। आप प्राथमकताओं स्क्रीन में "जोड़ें" और "स्वतः पहचानें प्राथमकताएँ" पर भी क्लिक कर सकते हैं; यह सिर्फ आपकी वर्तमान चयन में नए प्राथमकताएँ जोड़ता है, उन्हें हटाता नहीं।



biocoherence.net/n82.107

तरंगरूप वशिलेपण तरकसंगत वकिस मों एक महत्वपूर्ण चरण है। आप बायोमार्कर्स, लक्सिस, प्राथमकताओं की फरि से गणना कर सकते हैं और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संसाधनों की पहचान कर सकते हैं। यदि आपको पूर्ण रिपोर्ट प्राप्त करने में समस्या है, तो आप हमेशा इसे फरि से गणना कर सकते हैं।

प्राथमकताओं को देखें और संशोधित करें

प्राथमकताओं खंड में, प्रणाली प्रासंगिकि के रूप में पहचाने गए सभी तत्वों को दिखाती है। आप इन प्राथमकताओं को हटाकर या नए जोड़कर संशोधित कर सकते हैं। एक प्राथमकता जोड़ने के लिए, "जोड़ें" पर क्लिक करें और वभिन्न श्रेणियों से रजुकिर वस्तुओं का चयन करें, जैसे अंग, मेरेडियन पाइंट्स या टीसीएम (पारंपरिक चीनी चिकित्सा) रसेप्सि।

आप प्राथमकताओं की सूची को उन लोगों को हटाकर भी साफ कर सकते हैं जो अब आवश्यक नहीं हैं। प्राथमकता संपादन सभी प्रणाली के पृष्ठों पर एक ही इंटरफेस का उपयोग करता है, परंतु यहाँ आपको द्वारा परभाषित सभी प्राथमकताओं को एकत्रित किया गया है।

अंततः, आप प्राथमकताओं में टपिपणियाँ जोड़ सकते हैं। ये टपिपणियाँ अंतमि रिपोर्ट में एकीकृत की जाएँगी, प्रत्येक पहचानी गई प्राथमकता के लिए अतिरिक्त संदर्भ प्रदान करेंगी।

आप किसी भी पृष्ठ से प्राथमकता आइटम को जोड़ या हटा सकते हैं, प्रासंगिकि फूल के दाएँ तरफ आइकन पर क्लिक कर के। यदि यह आइकन हरा है, तो बायोमार्कर प्राथमकताओं में उपस्थित है; यदि यह लाल है, तो यह उपस्थित नहीं है।

16.2. संसाधन

जो सूत्रों पर ठोस रूप से सामंजस्य स्थापित करना है

हम संसाधनों की खोज करने से पहले, क्रिस्टिनि डेगोय अपने शोध के बारे में कुछ अंतरदृष्टियाँ साझा करेंगी, क्योंकि यह एक प्रमुख ध्यान केंद्रित है।

"हमने समस्याग्रस्त प्रणालियों के साथ जुड़ने के बारे में एक संस्कृति-- एक नया मानसिकता-- वकिसति किया है। दस वर्षों के चिकित्सा कार्य और ग्राहकों के साथ अनुसंधान ने मुझे प्रत्येक प्राणी के भीतर एक सामंजस्य का पता लगाया। यह प्राकृतिक प्रतध्वनि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूद्रों के पूरे स्पेक्ट्रम का पता लगाने में मदद करती है। यह गहन आंतरिक संबंध स्थापित करने का सबसे आसान तरीका है, जो एक सकारात्मक संक्रामकता को बढ़ावा देती है जो सामंजस्य को प्रणाली में बढ़ाती है। यह दृष्टिकोण व्यक्तियों को ठीक होने और आंतरिक रूप से बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है, उनके शरीर के प्राकृतिक क्रम का सम्मान करता है। हम इसे 'संसाधनों का मार्ग' कहते हैं, संभावनाओं के लिए एक खुला द्वार।

संसाधन हमारे अस्तित्व के सबसे सामंजस्यपूर्ण और शक्तिशाली हिस्से हैं, जैसे कि एक सुपरपावर जिसे हमने अपने जीवन में वकिसति किया है। जीवनकाल संसाधनों की अवधारणा अंततः हमारे जीवन मशिनो के माइंड्यूल का हिस्सा होगी। यहाँ तक कि एकल अंग, मेरेडियन, एक्ज्यूपेक्चर बर्दि, चक्र, भावना, आदि एक शक्तिशाली संसाधन हो सकता है, जो हमारे जीवन और शरीर को संरक्षित करने वाली खुश संक्रामकता में योगदान देता है।" -- क्रिस्टिनि डेगोय



biocoherence.net/n82.108

प्राथमकताओं पर नजर डालने के बाद - वे महत्वपूर्ण तत्व जो किसी व्यक्ति को किसी भी समय संबोधित करने की आवश्यकता होती है - हम संसाधनों की ओर बढ़ेंगे। संसाधन, जो एक छोटे टिकिट आइकन के साथ एक तारे द्वारा दर्शाए जाते हैं, शरीर के "तारे" तत्व हैं। वे ऊर्जा से भरपूर होते हैं, अत्यधिक स्थिर होते हैं और जनि पर शरीर प्राथमकताओं के माध्यम से ऊर्जा वितरित करने के लिए भरोसा कर सकता है।

ऐप में, हमने प्रत्येक बायोमार्कर के लिए एक संसाधन स्कोर की गणना करने के लिए एक परष्कृत एल्गोरिदम विकसित किया है। यह स्कोर सबसे ऊर्जा और स्थिर तत्वों की पहचान करता है, सुधार के लिए प्राथमिकताओं को उजागर करता है। यह वभिन्न कारकों पर विचार करता है, जैसे कि एक तत्व की स्थिरता, ऊर्जा, और कनेक्टिविटी, जिसके परिणामस्वरूप वह संसाधन पृष्ठ होता है जो आप अब देख रहे हैं।

BioCoherence ऐप में संसाधनों और प्राथमिकताओं की वसित्तु समझ उपयोगकर्ताओं को अपने अंतरनहिति ताकतों का उपयोग करने और स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए आवश्यक क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए एक स्पष्ट रास्ता प्रदान करती है।

रिक्वैजि के बाद स्वचालित रूप से संसाधनों की पहचान की जाती है, सभी उपलब्ध तत्वों को ध्यान में रखते हुए, विकसित किए गए एक एल्गोरिदम के लिए धन्यवाद। हालांकि, यदि आवश्यक हो, तो इन संसाधनों को मैन्युअल रूप से संशोधित करना संभव है। उदाहरण के लिए, जब अंगों के अनुभाग तक पहुँचते हैं, यद्यपि न्यूट्रोसमीटर मुख्य संसाधन के रूप में पहचान जाते हैं, तो यह संभव है कि उन्हें देखने के लिए क्लिक किया जाए कि अन्य मजबूत संसाधनों का चयन क्या है।

इस परिवार के उपलब्ध संसाधनों को फिर महत्व के संदर्भ में उल्टे क्रम में रैंक किया गया है, सबसे मजबूत से सबसे कमजोर। यदि आप किसी अन्य संसाधन के साथ काम करना पसंद करते हैं, उदाहरण के लिए, न्यूट्रोसमीटर के बजाय जीभ, या श्वासनली, या न्यूट्रॉनस के कोशिका नाभिक, तो बस इच्छित संसाधन पर क्लिक करें ताकि इसे चुन सकें। यह समझने के लिए कि प्रत्येक संसाधन किससे संबंधित है, आप कनेक्शनों को देखने और अधिक सूचित विकल्प बनाने के लिए फूल के आइकन पर क्लिक कर सकते हैं।

ये संसाधन फिर पुनर्संयोजन के वभिन्न चरणों में उपयोग किए जाएंगे।

संसाधनों का संक्षिप्त प्रस्तुति

हमारा दृष्टिकोण समस्याग्रस्त प्रणालियों को संबोधित करने के लिए एक पैरेडाइम बदलाव पेश करता है। शुरू में चिकित्सीय प्रथाओं के माध्यम से खोजा गया, यह वर्धा एक व्यक्ति के भीतर सामंजस्य पर जोर देती है। चिकित्सा और व्यक्तिगत सामंजस्य के बीच यह प्राकृतिक प्रतद्धिर्ना व्यापक मद्दों को संबोधित करने के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती है। यह दृष्टिकोण आंतरिक कनेक्टिविटी को बढ़ावा देता है, जो एक 'खुश संक्रामकता' की ओर ले जाती है जो व्यक्तिगत उपचार और सशक्तिकरण को बाहरी प्रोटोकॉल के बनिा बढ़ाती है। यह पद्धति, जिसे 'संसाधनों का मार्ग' कहा जाता है, जटिल प्रणालियों का सम्मान करती है और सहजीवन को बढ़ावा देती है।

s संसाधनों को शरीर के सबसे सामंजस्यपूर्ण और शक्तिशाली पहलुओं के रूप में पहचाना गया है, जैसे कि अंतरनहिति सुपरपावर। व्यक्तिगत यात्रा की समझ को और बढ़ाने के लिए, भवषिय के अपडेट में जीवन मशिन शामिल होंगे, जो क्रिस्टिनि के शोध का एक वसित्तार है।

एक विशेष अंग, उदाहरण के लिए, एक महत्वपूर्ण संसाधन हो सकता है, जो पूरे शरीर में शक्ति और सामंजस्य को प्रसारित कर सकता है। ऐप प्रत्येक बायोमार्कर के लिए संसाधन स्कोर की गणना करने के लिए एक उन्नत एल्गोरिदम का उपयोग करता है, जो अनुकूल संसाधनों और प्राथमिकताओं की पहचान करता है। एल्गोरिदम ऊर्जा, स्थिरता, और कनेक्टिविटी का मूल्यांकन करता है, इन कनेक्शनों की ताकत या कमजोरी पर विचार करते हुए, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यापक संसाधन पृष्ठ होता है।

BioCoherence में संसाधन और प्राथमिकताएं

सारांश

BioCoherence ऐप उपयोगकर्ता की शारीरिक और ऊर्जा स्थिति का एक व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है। प्रारंभिक स्कैन के पूरा होने पर, उपयोगकर्ताओं को दो महत्वपूर्ण तत्वों के साथ प्रस्तुत किया जाता है: संसाधन और प्राथमिकताएं। ये तत्व स्कैन परिणामों की व्याख्या करने और उपयोगकर्ता को स्वास्थ्य और कल्याण की ओर मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक हैं।

संसाधन

परभाषा और उद्देश्य: BioCoherence ऐप में संसाधन उपयोगकर्ता के शरीर के भीतर सबसे सामंजस्यपूर्ण, स्थिर, और ऊर्जा से भरपूर तत्वों को संदर्भित करते हैं। इन तत्वों की पहचान उपयोगकर्ता की अंतरनहिती ताकत या "सुरपावर" के रूप में की गई है जिन्हें उपचार और संतुलन को समर्थन देने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

गणना: ऐप प्रत्येक बायोमार्कर के लिए संसाधन स्कोर निर्धारित करने के लिए एक परिष्कृत एल्गोरिदम का उपयोग करता है। यह स्कोर ऊर्जा स्रोतों, स्थिरता, और अन्य तत्वों के साथ कनेक्टिविटी जैसे कारकों पर विचार करता है। उच्चतम स्कोर वाले तत्वों को संसाधनों के रूप में पहचाना जाता है।

श्रेणियाँ: संसाधनों को दस समूहों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें शामिल हैं:

- अंग समूह (जैसे, आयुर्वेद आधारित समूह)
- व्यक्तिगत अंग
- परमाणु
- मेरेडियन
- गति (गतशील स्थिति)
- आवश्यकताएँ (भावनाएँ)
- जीव (सपोषित या परजीवी)
- TCM बद्धि
- आयुर्वेदिक उपदोष
- चक्र

अनुकूलन: उपयोगकर्ता ऐप के स्वचालित संसाधनों के चयन को स्वीकार कर सकते हैं या व्यक्तिगत प्रतध्वनियों या चिकित्सीय लक्ष्यों के आधार पर उन्हें मैन्युअल रूप से समायोजित कर सकते हैं। यह अनुकूलन उपचार के लिए एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण की अनुमति देता है।

संतुलन सुवृद्धियों के साथ एकीकरण

- **फ्रीक्वेंसी:** ऐप संसाधनों और प्राथमिकताओं का उपयोग करके एक फ्रीक्वेंसी कार्यक्रम बनाता है। यह कार्यक्रम विशिष्ट अंगों, भावनाओं, या ऊर्जा संरचनाओं को लक्षित करने के लिए मुख्य फ्रीक्वेंसी शामिल करता है। उपयोगकर्ता इस कार्यक्रम को बढ़ी हुई प्रभावशीलता के लिए अतिरिक्त प्रोटोकॉल के साथ बढ़ा सकते हैं।
- **संतुलन:** ऐप चयनित प्राथमिकताओं के माध्यम से एक इष्टतम मार्ग की गणना करता है, एक मार्गदर्शित ध्यान या संतुलन सत्र बनाता है। यह सत्र संसाधनों को सक्रिय करने से शुरू होता है, इसके बाद प्रत्येक प्राथमिकता को क्रम में संबोधित किया जाता है।
- **PDF रिपोर्ट:** उपयोगकर्ता एक PDF रिपोर्ट उत्पन्न कर सकते हैं जिसमें उनके संसाधनों और प्राथमिकताओं के बारे में वसित्तु जानकारी शामिल होती है, जो उनके वर्तमान स्थिति और चिकित्सीय ध्यान का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करती है।

व्यावहारिक अनुप्रयोग

उपयोग का समय: ऐप के ध्यान और फ्रीक्वेंसी कार्यक्रम किसी भी समय दिन के दौरान उपयोग किए जा सकते हैं, व्यक्तिगत पसंद के आधार पर। कुछ उपयोगकर्ताओं को इन प्रथाओं में संलग्न होना फायदेमंद लग सकता है, जैसे कि सुबह जल्दी या रात के समय।

16.3. PDF रिपोर्ट

जनरेट करें, पीडीएफ एक्सपोर्ट करें, परिणाम प्रिंट करें और साझा करें

अध्याय: Balance के साथ रपिर्ट जनरटे और प्रबधति करना

Balance की तीसरी मुख्य वशिषेता रपिर्ट जनरेशन है। यह वशिषेता आपको ऐप्लिकेशन के उपयोग दौरान संरक्षति सभी जानकारी संवहनीय PDF फाइल बनाने की अनुमति देती है।

PDF रपिर्ट सामग्री

जनरटेड PDF रपिर्ट में शामिल है:

- प्रोजेक्ट संकेशन और अवधति
- लखिति टपिपणियाँ
- पहचाने गए साधन
- परभाषति प्राथमकिताएँ
- सबसे ऊर्जावान या कम ऊर्जावान अंग
- सबसे या कम उत्तेजति अंग
- सामजस्य में अंग
- मरेडियन
- परंपरागत चीनी चकितिसा (TCM) रेसपिी
- आदर्श



biocoherence.net/n82.109

रपिर्ट कस्टमाइजेशन

आप रपिर्ट से संकेशन को जोड़ या हट सकते हैं। इसके लिए, संकेशन प्रकारों तक पहुँचें और रपिर्ट को आपकी आवश्यकताओं के अनुसार कस्टमाइज करने के लिए उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करें।

रपिर्ट शेयरिंग और सेवगि

PDF रपिर्ट को सीधे कई चैनलों के माध्यम से शेयर किया जा सकता है:

- **प्रत्यक्ष शेयरिंग:** रपिर्ट को WhatsApp, SMS या मैसेंजर द्वारा भेजने के लिए शेयर बॉक्स का उपयोग करें।
- **सेवगि:** रपिर्ट को सेव करने के लिए "PDF File" पर क्लिक करें। कंप्यूटर पर, आप इसे प्रत्यक्ष रूप से अपने हार्ड ड्राइव में सेव कर सकते हैं। फोन या टैबलेट (iPad) पर, यह आपकी फाइल्स में सेव किया जाएगा।
- **प्रिंट:** रपिर्ट को प्रिंट करने के लिए "Print" पर क्लिक करें। कंप्यूटर पर, यह प्रिंट डायलॉग बॉक्स को खोल देगा। फोन पर, यदि आपके नेटवर्क पर एक अनुकूल प्रिंटर उपलब्ध है तो प्रिंट बकिलूप दिखाई देगा।

PDF रपिर्ट में दिए गए सभी जानकारी संरक्षित रहती है, जिसमें किसी भी संकेशन में जोड़े गई टपिपणियाँ शामिल हैं। यह वशिषेता सुनिश्चित करती है कि सभी महत्वपूर्ण डेटा केंद्रित और भवषिय के उपयोग के लिए आसान से प्रवेशयोग्य हैं।

16.4. संतुलन: ध्यान, ध्वनियाँ और उपकरण

नर्दिशति ध्यान, आवृतत उत्पादन, और समय क्रसिटल वधितन। इस चरण में, यह माँड्यूल तैयार किया जा रहा है और आने वाले महीनों में वकिसति किया जाएगा।

व्यक्तगित मार्गदर्शति ध्यान के साथ संतुलन

“संतुलन” अनुभाग हमारी पद्धतिका एक महत्वपूर्ण भाग है, जो प्रत्येक व्यक्तिके लिए आवश्यक आवततयिों का संकेत कयिा गया है जो मार्गदर्शति ध्यान या ऑडयिों फाइलो के निर्माण के लिए समर्पति है। यह सदिधांत एक प्रगतशील पद्धतपर आधारति है, जो प्याज के छलिके उतारने से समान है: हमारे सबसे करीब के समस्याएं सामान्यतया नपिटने के लिए सबसे आसान हैं, जबकि दूर के समस्याओं को अधिक गहराई से उलझाने की आवश्यकता है। यह प्रक्रयिा चरण-दर-चरण की जाती है, एक आदर्श मार्ग का पालन करते हुए, जिसे वशिषिट् क्रम में वभिन्नि प्राथमकितता तत्वों के माध्यम से गुजरने के लिए परभाषति कयिा गया है।



biocoherence.net/n82.110

ध्यान पैरामीटर

1. **ध्यान की गति:** रकिॉर्डिंग के दौरान पाई गई पैरामीटरों के आधार पर, एक व्यक्तिके ध्यान में प्रवेश करने की गति निर्धारति की जाती है।
2. **व्यक्तित्व प्रकार:** यह तत्व ध्यान के निर्माण को प्रभावति करता है।
3. **संगीत:** व्यक्तिके स्तर से शुरू करने के लिए कोर्ड्स और एक सामान्य स्केल को पहचान कयिा जाता है।

संसाधनों का चयन

संसाधनों को प्रत्येक श्रेणी में सबसे शक्तिशाली वस्तुओं का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन कयिा गया है। प्रासंगिक संसाधनों को हर दिन कॉल कयिा जाता है ताकि दिनि की प्राथमकितताओं का समाधान कयिा जा सके।

प्राथमकितताओं का चयन

चुनी गई प्रत्येक प्रकार की प्राथमकितताओं के लिए एक ध्यान श्रृंखला शामिल की जाती है। ये श्रृंखलाएं वभिन्नि प्रोफाइल के लिए अनुकूलति वभिन्नि प्रकार के मार्गदर्शति ध्यान शामिल करती हैं। फरि एप्लिकेशन सबसे उपयुक्त मार्गदर्शति ध्यान निर्धारति करता है जिससे शुरुआत की जा सके, उसके बाद एक दूसरा भाग होता है जो प्राथमकितताओं के अनुसार संबंधति कएि जाने वाले आवततयिों या आवाजों पर आधारति होता है और संसाधनों पर आधारति होता है।

रकिॉर्डिंग और फॉलो-अप

एक बार जब व्यक्तगित मार्गदर्शन तैयार हो जाता है, इसे उपयोगकर्ता के खाते पर सहेजा जा सकता है। यदि एक प्रो द्वारा बनाया गया, उपयोगकर्ता फरि BioCoherence एप्लिकेशन स्थापति कर सकते हैं, अपना ईमेल पता डाल सकते हैं और अपने व्यक्तगित ध्यान तक पहुँच सकते हैं। यह भी संभव है कि हर ध्यान सत्र से पहले नियमति रूप से फरि से मूल्यांकन कयिा जाए, एप्लिकेशन के माध्यम से। फरि से मूल्यांकन आपको सेंसरस को रजिस्टर करने के लिए प्रेरति करता है और एक नए मूल्यांकन के लिए इसे जोडता है।

प्रगतिकी नगिरानी

प्रगतिकी प्राथमकितता के अनुसार संबंधति वक्रों के रूप में प्रदर्शति कयिा जाता है, जिससे प्रगतिकी और अभी भी सामना करने की आवश्यकता वाले बदिओं को देखना संभव होता है। अन्य ट्रैकिंग वधिधिां भी उपलब्ध हैं, जैसे प्रारंभिक और फॉलो-अप प्रश्नावली।

योजना और अवधि

एक बार योजना तैयार हो जाने के बाद और व्यक्तगित ध्यान बन जाने के बाद, यह उपयोगकर्ता की प्रोफाइल पर उपलब्ध होती है। उपयोगकर्ता को ईमेल के जेरएि एप्लिकेशन स्थापति करने के लिए आमंत्रति कयिा जा सकता है ताकि सीधे मार्गदर्शति ध्यान प्रारंभ कयिा जा सके। एक पूरुण संतुलन सत्र तीन सप्ताहों तक चलने की योजना बनाई गई है।

एक वसित्तु मार्गदर्शिका: BioCoherence में Harmonic Boost और व्यक्तगित मार्गदर्शक का उपयोग

Harmonic Boost और व्यक्तगित मार्गदर्शक BioCoherence एप्लिकेशन में दो मुख्य वशिषताएँ हैं जो उपयोगकर्ताओं को उनके व्यक्तगित आवृत्तिकार्यक्रमों के साथ सलंगन करने की अनुमति देती हैं। ये उपकरण उपयोगकर्ताओं को उनकी दैनिक दिनचर्या में जीवाणुसक्रिय आवृत्तियों को एकीकृत करने में मदद करते हैं, जो उनके ऊर्जा और शारीरिक संतुलन का समर्थन करती हैं। यह अनुभाग इन वशिषताओं का प्रभावी उपयोग करने के लिए एक वसित्तु मार्गदर्शिका प्रदान करता है, जिसमें वभिन्न परिस्थितियों के लिए सर्वश्रेष्ठ अभ्यास शामिल हैं।

1. Harmonic Boost

Harmonic Boost क्या है?

Harmonic Boost एक आवृत्ति-आधारित उपकरण है जो सभी चुनी गई प्राथमिकताओं को एकसाथ चलाता है। यह एक संक्षिप्त समय में व्यापक, समग्र ऊर्जावान संगत प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Harmonic Boost का उपयोग कैसे करें

- Harmonic Boost तक पहुँच करना:
 - BioCoherence एप्लिकेशन खोलें।
 - Navigation करें अपने सक्रिय रिकॉर्ड पर (यह आपके होम स्क्रीन के केंद्र में है), या अपनी सूची में एक रिकॉर्ड चुनें।
 - आवृत्तियों को चलाने के लिए Harmonic Boost पर क्लिक करें।
- Harmonic Boost को चलाना:
 - Harmonic Boost सभी चुनी गई प्राथमिकताओं को एक साथ चलाता है। आप ऊर्जा, शरीर और मन द्वारा फिल्टर कर सकते हैं; उच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रम; प्रोटोकॉल वाले कार्यक्रम; आदि। यदि आप केवल ऊर्जावान बढ़ावा चाहते हैं, उदाहरण%के तौर पर, या यदि आप अपने गहरे समस्याओं को सामना करने के मौड़ में हैं तो केवल प्रोटोकॉल वाले कार्यक्रमों को फिल्टर करें।
 - यह दैनिक गतिविधियों के दौरान पृष्ठभूमि में चलाया जा सकता है। आवाज बहुत कम हो सकती है।
 - बेहतर गूँज के लिए हेडफोन या बाहरी स्पीकरो का उपयोग करने की सफ़ारिश की जाती है। आप यहाँ तक कि अपने जेब में इन-ईयर हेडफोन का उपयोग कर सकते हैं जो आपके शरीर को शामिल जीवाणुसक्रिय आवृत्तियों के साथ एक छोटी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ़िल्ड प्रदान करेंगे। इससे आपको आवृत्तियों को सुनने की आवश्यकता नहीं है: आपका ऊर्जावान क्षेत्र, शरीर और मन इन्हें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रूप से पंजीकृत करेंगे।
- Harmonic Boost का नरियात:
 - उपयोगकर्ता Harmonic Boost को ऑफलाइन उपयोग के लिए MP3 फाइल के रूप में नरियात कर सकते हैं।
 - Mac, iPhone, iPad और Android पर, फाइल को सहेजा या SMS, AirDrop, WhatsApp, या ईमेल के जरिए प्रत्यक्ष रूप से साझा किया जा सकता है।
 - Windows पर, फाइल को हाथ से सहेजना और फरि साझा किया जाना चाहिए।
- सर्वश्रेष्ठ अभ्यास:
 - दैनिक उपयोग: Harmonic Boost को दिन में एक या दो बार चलाएं।
 - नषिक्रयि सुनना: इसे कम आवाज में पृष्ठभूमि में चलाया जा सकता है।
 - केंद्रति सत्र: %

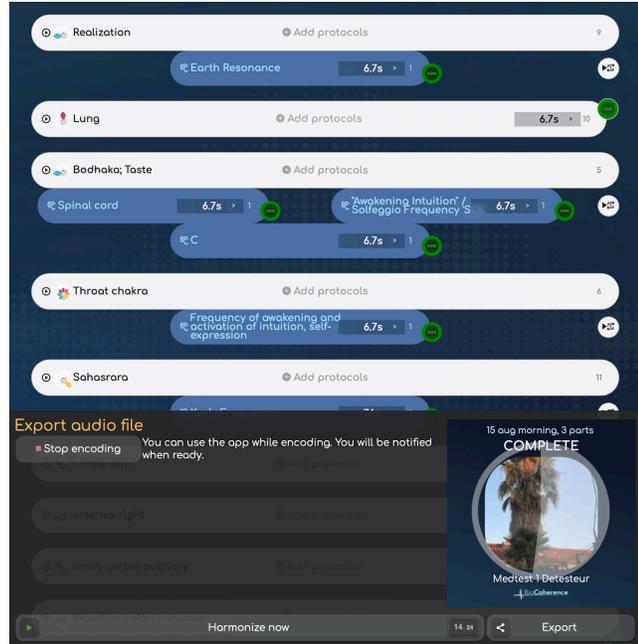
16.5. हारमोनिकि बूसट

The Harmonic Boost वशिषेता BioCoherence मध्यान और आवतूत-आधारति सामंजस्य की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए डजिइन की गई है जसिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुसार वशिषिट आवतूतियों को एकीकृत किया गया है और वशिषिट प्रोटोकॉल को शामिल किया गया है। यह वशिषेता उपयोगकर्ताओं को प्रीसेट और व्यक्तिगत आवतूत प्रोग्रामों के संयोग से वभिन्न बायोमार्कर्स को उत्तेजति और सही करने की अनुमति देती है।

आइटम रंग और उनके कार्य

Harmonic Boost इंटरफेस वभिन्न रंगीन तत्त्वों से बनता है, प्रत्येक एक वशिषिट उद्देश्य की सेवा करता है:

- सफेद तत्त्व: ये **systemic harmonizations** को प्रतनिधित्व करते हैं, जो एक वशिषिट बायोमार्कर से जुड़ी हुई हैं। ये वशिषिट अंगों, एक्यूपक्चर पॉइंट्स, भार (e.g., geopathic stress), या अन्य बायोमार्कर्स से संबंधित प्रीकंप्यूटेड आवतूत सेट हैं। ये आवतूतियाँ स्थिर हैं और व्यक्तिगत वशिषेता परणामों के आधार पर नहीं बदली जाती हैं।
- नीले तत्त्व: ये सधारात्मक प्रोटोकॉल का प्रतनिधित्व करते हैं। ये व्यक्तिगत हैं और उपयोगकर्ता के डबिाइस पर स्थानीय रूप से गणना किए जाते हैं। ये आवतूतियाँ उपयोगकर्ता की वशिषिट आवश्यकताओं के आधार पर चुनी जाती हैं और वशिषेता में पाई गई असामंजस्यताओं को संतुलित करने के लिए डजिइन की गई हैं।
 - गहरे नीले तत्त्व: ये बायोएक्टिव व्यक्तिगत आवतूतियाँ या आवतूतियों का संग्रह (आवतूत स्पेक्ट्रम) हैं, जनिहें इलेक्ट्रिकली या ध्वनिकी रूप से बजाया जा सकता है।
 - हल्के नीले तत्त्व: ये बनितुरल बीट्स हैं, जो बहुत नमिन आवतूतियों को ध्वनिकी रूप से सुनने के लिए डजिइन किए गए हैं और वशिषिट परिवर्तित चेतना की स्थितियों में मसतषिक को प्रशक्षित करते हैं। ये दो थोड़ी भन्न आवतूतियों को प्रत्येक कान में बजाकर कार्य करते हैं, जसिम मसतषिक में एक बीट आवतूत बिनती है जो चाहे गए चकित्सीय प्रभाव के साथ संगत है।



क्रियावधि और कार्यात्मकता

प्रीकंप्यूटेड आवतूतियाँ

- सभी बायोमार्कर सामंजस्य आवतूतियाँ (सफेद तत्त्व) प्रीकंप्यूटेड हैं और स्थानीय और क्लाउड दोनों में स्टोर की गई हैं। यह सुनिश्चित करता है कि प्लेबैक समूह है बिना वास्तविक-समय गणना की आवश्यकता के, यहाँ तक कि कम-स्तरीय डबिाइसों पर भी।
- इसी प्रीकंप्यूटेशन प्रक्रिया को आवश्यक समय पर नीले तत्त्वों (जो काफी व्यक्तिगत हैं) पर लागू किया जाएगा, प्रत्यक्ष रूप से उपयोगकर्ता के डबिाइस पर, ग्लचिस को हटाते हुए और प्रदर्शन को सधारते हुए।

व्यक्तिगत प्रोटोकॉल के लिए वास्तविक-समय गणना

- जब एक उपयोगकर्ता एक प्रोटोकॉल (नीले तत्त्व) को जोड़ता है, तो सिस्टम प्लेबैक से पहले आवश्यक आवतूतियों को स्थानीय रूप से गणना करता है।

परशिष्ट 1.

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

ऐप में मदद कैसे प्राप्त करें

ऐप के किसी भी पृष्ठ से मदद मांगने या सहायता भेजने के लिए, बस शीर्ष-दाएं मेनू को खोलें और "फीडबैक और वचिार" पर क्लिक करें। आप "स्क्रीनशॉट को एनोटेट करें" पर क्लिक करके उस पृष्ठ का स्क्रीनशॉट जोड़ सकते हैं जिस पर आप वर्तमान में हैं, और इस एनोटेटेड स्क्रीनशॉट को अपने अनुरोध में जोड़ सकते हैं। तब हमारे लिए आपकी मदद करना बहुत आसान होता है।

मरे परिवार के सदस्य या मरे ग्राहक व्यक्तिगत ध्यान तक कैसे पहुँच सकते हैं?

वशिष्ट ध्यान तक पहुँचने के लिए, उन्हें biocoherence.net/install से या ऐप स्टोर या प्ले स्टोर से ऐप इंस्टॉल करना होगा। आप उनके लिए एक खाता बनाकर उन्हें आमंत्रित कर सकते हैं, कृपया उनके ईमेल को खाता में डालें ताकि उन्हें सही खाते के साथ आमंत्रण प्राप्त हो सके। आप फिर उनके वशिष्टपण को उनके साथ साझा कर सकते हैं, उन्हें वशिष्टपण पर संपर्क के रूप में जोड़कर। जब वे उस ईमेल के साथ ऐप में लॉग इन करेंगे जो आपने बनाए गए खाते में नरिदृष्टि किया है, तो उन्हें अपने ऐप के होम पेज पर या "रकिॉर्ड किए गए वशिष्टपण" के तहत यह वशिष्टपण मल्लिगा।

एक बार जब उन्हें वशिष्टपण मलि जाता है, तो वे BioCoherence ऐप के "बैलेंस" सेक्शन के माध्यम से सतंतुन ध्यान सतु सकते हैं, जहाँ ऑडियो में बेहतर परणाम के लिए बोले गए मार्गदर्शन के साथ त्रमें मलिाई गई है।

BioCoherence सहयोगी कार्यक्रम

BioCoherence सहयोगी कार्यक्रम में आपका स्वागत है। हमें खुशी है कि आप हमारे अत्याधुनिक तकनीक के लाभों को अपने दर्शकों के साथ साझा करने के लिए हमारे साथ जुड़ रहे हैं। हमारा कार्यक्रम आपको कमाई करने की अनुमति देता है जबकि आप दूसरों को स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण खोजने में मदद करते हैं।

शुरुआत करना

1. अपने खाते में लॉग इन करें: जाएँ <https://biocoherence.net/s0/login/>
2. अपने सहयोगी पृष्ठ तक पहुँचें: जाएँ <https://biocoherence.net/n119/> यह आपका व्यक्तिगत सहयोगी केंद्र है।

यहाँ, आपको सभी उपकरण और जानकारी मल्लिगी, जसिमें शामिल हैं:

- अपने नमिंत्रण कोड बनाना और प्रबंधित करना।
- अपने कमीशन को ट्रैक करना।
- अपने सहयोगी नटेवरक को बढ़ाना।

सहयोगी कार्यक्रम के बारे में

हमारा कार्यक्रम **सदस्यता आधारित कमीशन** की पेशकश करता है जो सीधे बकिरी और वशिष्टि खरीद प्रकाशों के लिए है। जब आप नए सहयोगियों को कार्यक्रम में सदर्भित करते हैं, तो आप अतरिक्त प्रोत्साहन भी कमा सकते हैं।

प्रत्यक्ष बकिरी के लिए सदस्यता कमीशन

जब आप अपने नमिंत्रण कोड साझा करते हैं, तो आप उन उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए सदस्यता और अन्य खरीद पर कमीशन कमाते हैं जो आपके कोड के साथ पंजीकरण करते हैं। यह कार्यक्रम आपको और आपके ग्राहकों दोनों को पुरस्कृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो आपके कोड के साथ शामिल होने वाले नए उपयोगकर्ताओं के लिए लाभ और प्रोत्साहन प्रदान करता है।

अतरिक्त खरीद

BioCoherence प्लेटफॉर्म के माध्यम से रपिर्ट, परीक्षण और हार्डवेयर जैसी खरीद पर कमीशन कमाएँ। ये पुरस्कार आपको आपके सदर्भित उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए प्रत्येक लेनेदेने से लाभ उठाने की अनुमति देते हैं।

नोट: **क्षेत्रीय वशिष्टिदा** द्वारा कवर की गई वस्तुओं के लिए, कमीशन और ग्राहक चालान स्थानीय वशिष्टि वतिरक के माध्यम से ससाधति किए जाएंगे। दरे वतिरक नीतियों के अनुसार भनिन हो सकती है। वतिरण के लिए biocoherence.net/distributors/ पर जाएँ।

1. <https://biocoherence.net/s0/login>
2. <https://biocoherence.net/n119>
3. <https://biocoherence.net/distributors>

अपने नमिंत्रण कोड प्रबंधित करें

अपनी एफलिफिट प्रबंधन पृष्ठ से, आप वभिन्न चैनलों जैसे सोशल मीडिया, वीडियो और ब्लॉग के माध्यम से वितरित करने के लिए कई कोड बना सकते हैं। यह आपको प्रत्येक कोड के प्रदर्शन को ट्रैक करने और अपने प्रयासों को अनुकूलित करने की अनुमति देता है।

BioCoherence एफलिफिट प्रोग्राम में आपका स्वागत है। हम आपके साथ हमारे अत्याधुनिक तकनीक के लाभ साझा करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा कार्यक्रम आपको कमीशन कमाने की अनुमति देता है जबकि आप दूसरों को स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण खोजने में मदद करते हैं।

शुरुआत करना

1. अपने खाते में लॉग इन करें: जाएँ <https://biocoherence.net/s0.login>।
2. अपने एफलिफिट पृष्ठ तक पहुँचें: जाएँ <https://biocoherence.net/n119>। यह आपका व्यक्तिगत एफलिफिट हब है।

यहाँ, आपको सभी उपकरण और जानकारी मिलेगी, जिसमें शामिल हैं:

- अपने नमिंत्रण कोड बनाना और प्रबंधित करना.
- अपने कमीशन को ट्रैक करना.
- अपने एफलिफिट नेटवर्क को बढ़ाना.

एफलिफिट कार्यक्रम के बारे में

हमारा कार्यक्रम **सदस्यता आधारित कमीशन** की पेशकश करता है जो सीधे बिक्री और वभिन्न खरीद प्रकारों के लिए है। आप जब नए एफलिफिट को कार्यक्रम में संदर्भित करते हैं तो अतिरिक्त प्रोत्साहन भी कमा सकते हैं।

सीधे बिक्री के लिए सदस्यता कमीशन

जब आप अपने नमिंत्रण कोड साझा करते हैं, तो आप उन उपयोगकर्ताओं द्वारा आपके कोड के साथ पंजीकरण करने पर की गई सदस्यता और अन्य खरीद पर कमीशन कमाते हैं। यह कार्यक्रम आपको और आपके ग्राहकों दोनों को पुरस्कृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, नए उपयोगकर्ताओं के लिए लाभ और प्रोत्साहन प्रदान करता है जो आपके कोड के साथ शामिल होते हैं।

अतिरिक्त खरीदारी

BioCoherence प्लेटफॉर्म के माध्यम से रपिपोर्ट, परीक्षण और हार्डवेयर जैसी खरीदारी पर कमीशन कमाएँ। ये पुरस्कार आपको आपके द्वारा संदर्भित उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए हर लेनदेन से लाभ उठाने की अनुमति देते हैं।

नोट: **कृपेत्रीय वशिषता** द्वारा कवर किए गए आइटम के लिए, कमीशन और ग्राहक चालान स्थानीय वशिष वितरक के माध्यम से संसाधित किए जाएंगे। दूरे वितरक नीतियों के आधार पर भिन्न हो सकती हैं। वितरण के लिए biocoherence.net/distributors पर जाएँ।

अपने नमिंत्रण कोड प्रबंधित करें

अपने सहयोगी प्रबंधन पृष्ठ से, आप वभिन्न चैनलों जैसे सोशल मीडिया, वीडियो और ब्लॉग में वितरित करने के लिए कई कोड बना सकते हैं। यह आपको प्रत्येक कोड के प्रदर्शन को ट्रैक करने और अपने प्रयासों को अनुकूलित करने की अनुमति देता है।

ऐप इंस्टॉलेशन और पहला लॉन्च

- Windows, Mac या Linux पर: स्थापना फ़ाइल डाउनलोड करें biocoherence.net/install।
- iPad, iPhone या Android पर: कृपया biocoherence.net/install पर दिए गए निर्देशों का पालन करें; स्थापना केवल एक क्लिक से ऐप स्टोर से होनी चाहिए।

स्थापना के बाद

एक बार स्थापना पूर्ण होने के बाद, अभी भी समस्याएँ हो सकती हैं।

1. **ऐप नहीं मल्लि रहा?** इसका नाम "BioCoherence" है; Mac पर, यह "Applications" में है। Windows और Linux पर, स्टार्ट मेन्यू में है। iPad, iPhone और Android पर, यह आपके होम स्क्रीन में जोड़ा गया है, और आप इसे खोज द्वारा भी ढूँढ सकते हैं।
2. **ऐप लॉन्च नहीं हो रहा?** या तो आपका कंप्यूटर या टैबलेट बहुत धीमा है, या कुछ असंगतताएँ हैं।
3. **आप लॉग इन नहीं कर सकते?** यदि आपके पास एक खाता है, तो कृपया लॉगिन स्क्रीन पर "खोई हुई पासवर्ड" पर क्लिक करें। आपको अपना पासवर्ड रीसेट करने के लिए एक लिंक प्राप्त होगा। यदि आपके पास नहीं है, तो आप ऐप के भीतर एक बना सकते हैं।

क्या BioCoherence स्पूकी के आवतूत प्रोटोकॉल का उपयोग कर सकता है?

हाँ, BioCoherence ने वभिन्न स्रोतों से कई आवतूत प्रोटोकॉल को एकीकृत किया है, जिसमें Spooky और अन्य उपकरणों द्वारा उपयोग किए जाने वाले Rife-आधारित तालकियाँ शामिल हैं। भविष्य में, BioCoherence का लक्ष्य Spooky उपकरणों को उत्सर्जकों के रूप में कार्य करने की अनुमति देना है, जिससे BioCoherence से ऑडियो नरियात करना संभव हो सके और इसे सीधे Spooky में फीड किया जा सके। हम जितने संभव हो सके उपकरणों के प्रतिलिखित रहने की योजना बना रहे हैं और जब वे इसके लिए खुले हों तो उनके साथ सीधे इंटरफ़ेस करने की कोशिश करेंगे। किसी भी स्थिति में, आवतूत कार्यक्रमों का ऑडियो नरियात वभिन्न उपकरणों पर आवतूतियों को खेलने की अनुमति देता है।

क्या यह शायद किसी तकनीक को "बदल" सकता है जिसे मैं वर्तमान में उपयोग कर रहा हूँ?

BioCoherence आपकी वशिषिट आवश्यकताओं के आधार पर अन्य वायोफीडबैक और स्वास्थ्य वशिषलेषण उपकरणों को प्रतस्थापित या पूरा कर सकता है। यह अधिकांश उपकरणों को प्रतस्थापित कर सकता है, वशिषि रूप से उन उपकरणों को जो यादृच्छिक संख्या जनरेटर पर आधारित हैं, लेकिन यह उन उपकरणों को पूरी तरह से प्रतस्थापित नहीं कर सकता जो वभिन्न सिद्ध कार्रवाई मोड रखते हैं।

किस तरह मैं एक क्लाइंट के केंद्रीय वशिषियों की जानकारी प्राप्त कर सकता हूँ जब परणाम स्कैन में भिन्न होते हैं?

क्लाइंट के केंद्रीय वशिषियों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए, कई स्कैन की तुलना करना सहायक हो सकता है। केंद्रीय वशिषियों की पहचान के लिए स्कैन में लगातार पैटर्न या बार-बार आने वाली समस्याओं की तलाश करें। मेंडरीक ने उल्लेख किया कि स्कैन में परिवर्तनियों की तलाश करना महत्वपूर्ण है ताकि क्लाइंट के केंद्रीय मद्दों की अधिक व्यापक समझ मल्लि सके। परणाम आमतौर पर स्कैन में बहुत समुंगत होंगे, सस्टिम के लकि और सापेक्ष ऊर्जा या उत्तेजना में भिन्नताओं के साथ। ये भिन्नताएँ स्वस्थ हैं और प्रगत को दर्शाती हैं।

आप वास्तव में एप्लिकेशन में कई स्कैन को बगल में तुलना कर सकते हैं यह देखने के लिए क्विज़िट बायोमार्कर कैसे बकिसति होते हैं, उदाहरण के लिए, किसी वधिष थैरपी के लागू होने में पहले और बाद में।

मरे ग्राहक प्रैकटशिनर के कार्यालय के बाहर अपने रिपोर्ट कैसे एक्सस कर सकते हैं? वे अपने रिपोर्ट की समीक्षा कैसे करते हैं और ध्यान तक कैसे पहुँचते हैं?

ग्राहक ऐप के माध्यम से अपनी रिपोर्ट और ध्यान तक पहुँच सकते हैं। यहाँ बताया गया है कि प्रैकटशिनर ग्राहक की पहुँच कैसे सक्षम कर सकते हैं:

- ग्राहक को ऐप में एक नए संपर्क के रूप में जोड़ें:
 - अपने प्रोफाइल फोटो के बगल में दो तीरों पर क्लिक करें ताकि "संपर्क" तक पहुँच सकें।
 - एक नया संपर्क बनाएँ, सतुश्चिति करें कि ग्राहक का ईमेल पता शामिल हो।
- ग्राहक की प्रोफाइल के अतिरिक्त एक स्कैन करें।
- रिपोर्ट साझा करें:
 - प्रश्न की गई रिपोर्ट खोलें और "साझा करें..." बकिल्प का चयन करें।
 - ग्राहक को एक नमिस्त्रण ईमेल भेजें, जिसमें ऐप डाउनलोड करने के लिए एक लकि और लांगनि वविरण शामिल हो।

एक बार ग्राहक लांग इन कर लें, वे अपनी रिपोर्ट की समीक्षा कर सकते हैं और ऐप में सीधे ध्यान तक पहुँच सकते हैं। वे आपके लिए दूरस्थ परीक्षण भी कर सकते हैं (उनके लिए स्थानीय परीक्षण, एक सेंसर के साथ) और आप अपने सॉफ्टवेयर में परिणाम प्राप्त करेंगे।

मरे परिवार के सदस्य या मरे ग्राहक उनके लिए उत्पन्न किए गए कस्टम फ्रीक्वेंसी का कैसे उपयोग कर सकते हैं?

अपने परिवार के सदस्यों या ग्राहकों के साथ कस्टम फ्रीक्वेंसी साझा करने के लिए, इन चरणों का पालन करें:

- जब आप BioCoherence ऐप में उनकी फ्रीक्वेंसी रिपोर्ट देख रहे हों, तो फ्रीक्वेंसी सत्र की ऑडियो फाइल को नरियात करें।
- आप फरि ऑडियो फाइल को संदेश, ईमेल या अन्य संचार वधिषिों के माध्यम से उनके साथ साझा कर सकते हैं।

आप अपने ग्राहकों या परिवार के सदस्यों को ऐप इंस्टॉल करने के लिए भी आमंत्रित कर सकते हैं और उनके साथ वधिषलेषण साझा कर सकते हैं। इसके लिए, आप उनके ईमेल के साथ एक ग्राहक खाता बना सकते हैं।

BioCoherence किस प्रकार अद्वितीय है?

BioCoherence अननत गणतीय एल्गोरिदम को ईसीजी तकनीक के साथ मलिकार वसितुत स्वास्थ्य अंतरदृष्टि प्रदान करता है। यह शरीर के वदियुत संकेतों का बहु-स्तरीय वधिषलेषण प्रदान करके अद्वितीय है और इसमें ऊर्जा/शरीर/मन दृष्टिकोण, कई ग्राफिकल डिस्प्ले और बायोमार्कर्स के बीच लकि शामिल है। इसमें बायोफीडबैक-समायोजित ध्यान और आवृत्तियाँ भी शामिल हैं।

ऐप को कैसे अपडेट करें

हमेशा नवीनतम अपडेट का उपयोग करें, क्योंकि आपकी समस्या पहले ही हल हो सकती है - या आपका वचिर, पहले ही लागू किया जा चुका है।

आप जिस प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं, उसके आधार पर, अपडेट अलग-अलग तरीके से किया जाता है:

बीटा संस्करण

- यदि आप TestFlight के साथ बीटा संस्करण का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको प्रत्येक अपडेट के साथ एक सज्ना प्राप्त करनी चाहिए। TestFlight लॉन्च करें और "अपडेट" पर क्लिक करें।
- यदि आपने TestFlight के बाहर Mac, Windows या Linux के लिए बीटा संस्करण स्थापित किया है: biocoherence.net/beta पर जाएँ, नवीनतम संस्करण के लिए इंस्टॉलर डाउनलोड करें, और इंस्टॉलर चलाएँ। आपका सारा डेटा सुरक्षित रहेगा।

सार्वजनिक संस्करण

- यदि आपने TestFlight के बाहर Mac, Windows या Linux के लिए सार्वजनिक संस्करण स्थापित किया है: biocoherence.net/install पर जाएँ, नवीनतम संस्करण का इंस्टॉलर डाउनलोड करें, और इंस्टॉलर चलाएँ। आपका सारा डेटा सुरक्षित रहेगा।
- यदि आप App Store या Play Store से सार्वजनिक संस्करण का उपयोग कर रहे हैं: App Store या Play Store खोलें और उसके पृष्ठ से ऐप को अपडेट करें।

BioCoherence के साथ Bluetooth कनेक्शन समस्याओं को हल करना

यदि आप BioCoherence में Bluetooth कनेक्शन में समस्याओं का अनुभव कर रहे हैं, तो सज़ार सेंटअप सतुश्चिति करने के लिए इन समस्या नविरण कदमों का पालन करें:

सामान्य दशिनरिदेश

- **प्रक्रिया को पहले प्रारंभ करें:**
 - BioCoherence ऐप में रकिंडिगि या परीक्षण प्रारंभ करके शुरू करें। कई कनेक्शन समस्याएँ सेंसर को बहुत जल्दी कनेक्ट करने के प्रयास से उत्पन्न होती हैं।
 - जब आप रकिंडिगि या परीक्षण प्रारंभ करते हैं, तो ऐप स्वचालित रूप से कनेक्शन प्रक्रिया को प्रबध्ति करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **सस्टिम सेंटगिस से बचें:**
 - अपने डेवाइस की सस्टिम सेंटगिस के माध्यम से Bluetooth सेंसर को कनेक्ट करने का प्रयास न करें। बाधाओं से बचने के लिए इस प्रक्रिया को ऐप को संभालने दें।
- **सतुश्चिति करें कि Bluetooth सक्रिय है:**
 - **Windows:** सेंटगिस पैनल या नीचे-दाएँ टास्कबार में Bluetooth शॉर्टकट के माध्यम से Bluetooth चालू करें।
 - **Mac:** शीर्ष-दाएँ मेनू बार से Bluetooth सक्रिय करें। सतुश्चिति करें कि सस्टिम सेंटगिस में BioCoherence को Bluetooth अनुमति दी गई है।
 - **iOS/Android:** डेवाइस की सेंटगिस में से Bluetooth को चालू करें, जो आमतौर पर Wi-Fi बकिल्पों के पास स्थित होता है।
- **अंगूठों को नम करें:**
 - **महत्वपूर्ण:** सतुश्चिति करें कि आपके अंगूठे पानी या सवेहन जेल से उचित रूप से नम हैं। यह कनेक्शन को बढ़ाता है और सेंसर रीडिंग को सटीक बनाता है।

5. <https://biocoherence.net/n119>

6. <https://biocoherence.net/distributors>

7. <https://biocoherence.net/install>

8. <https://biocoherence.net/install>

9. <https://biocoherence.net/beta>

10. <https://biocoherence.net/install>

चरण-दर-चरण समस्या नविरण

1. ब्लूटूथ सक्रिय करें:

- यदि इस चरण पर अटक है, तो सत्यापित करें कि:
 - आपके डिवाइस में एक सक्रिय ब्लूटूथ चपि है।
 - ब्लूटूथ चालू है और कार्य कर रहा है।

2. सेंसर चालू करें:

- जब सेंसर को उसके क्रेडल से हटाया जाता है, तो यह स्वचालित रूप से चालू हो जाता है। अपने नमीयुक्त अंगूठों को सेंसर पर रखें। यह सामान्यतः 1-2 सेकंड में कनेक्ट होता है। यदि नहीं होता है:
 - ऐप में ब्लूटूथ फरि से लॉन्च करें पर क्लिक करें।
 - अपने अंगूठों को हटा दें और उन्हें फरि से सेंसर पर रखने का प्रयास करें।

3. कनेक्शन स्थिति:

- ऐप ब्लूटूथ पैनल पर चरण-दर-चरण संकेत प्रदान करता है:
 - ब्लूटूथ सक्रिय करें:** सतुगिचि करें कि ब्लूटूथ चालू है।
 - सेंसर चालू करें:** ऐप सेंसर के कनेक्ट होने के लिए तैयार है।
 - सेंसर कनेक्ट:** सेंसर सफलतापूर्वक लकि हो गया है और तैयार है।
 - प्रारंभिक डेटा का आदान-प्रदान:** ऐप ने प्रारंभिक डेटा प्राप्त किया है, जैसे बटैरी स्थिति और सीरियल नंबर।
 - सक्रिय डेटा:** ECG डेटा प्राप्त किया जा रहा है, और रिकॉर्डिंग या परीक्षण शुरू होता है।

4. कई डिवाइस कनेक्शन को संभालें:

- यदि सेंसर को पहले कई डिवाइस के साथ जोड़ा गया है, तो हस्तक्षेप से बचने के लिए अनयूज्ड डिवाइस पर ब्लूटूथ बंद करें।

अतिरिक्त नोट्स

• पहली बार प्राधकरण:

- जब पहली बार ऐप लॉन्च करें, तो संकेत मलिन पर Bluetooth अनुमत दें। यदि आप गलती में इन अनुमतियों को अस्वीकार कर देते हैं:
 - अपने सॉफ्टवेयर में उन्हें समायोजित करें।
 - वैकल्पिक रूप से, अनुमतियों को रीसेट करने के लिए ऐप को अनइंस्टॉल करें और पुनः इंस्टॉल करें।

• सेंसर डिसिक्नेक्शन:

- यदि उपयोग के दौरान सेंसर डिसिक्नेक्ट हो जाता है, तो जांच करें:
 - बटैरी स्तर।
 - क्या अंगूठें सेंसर पर सही तरीके से रखे गए हैं।

इन चरणों का पालन करके और सतुगिचि करके कि आपके अंगूठे सही ढंग से नम हैं, आप अधिकांश Bluetooth कनेक्टिविटी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और BioCoherence के साथ एक सहज अनुभव का आनंद ले सकते हैं। यदि समस्याएँ बनी रहती हैं, तो अतिरिक्त सहायता के लिए समर्थन से संपर्क करने पर विचार करें।

BioCoherence की कीमतें क्या हैं?

BioCoherence कीमतों में अधिकतम लचीलापन प्रदान करता है। आप मुफ्त में शुरुआत कर सकते हैं और फरि उस योजना का चयन कर सकते हैं जो आपके लिए सबसे उपयुक्त है। हमारी सभी योजनाओं का पूरा विवरण biocoherence.net/price/ पर स्पष्ट रूप से बताया गया है।

मुफ्त योजना

मुफ्त योजना आपको अनलमिटेड रिकॉर्डिंग करने और एक प्रो के साथ जड़ने की अनुमत देती है, और एक कस्टम मेडिटेशन प्राप्त करने की अनुमत देती है। स्कैन के लिए, आप कुछ सामान्य सूचना पृष्ठ खोल सकते हैं लेकिन अधिकांश पृष्ठ धुंधले होते हैं, आप इस अनलॉक करने के लिए एक रिपोर्ट खरीद सकते हैं। आप Apple Watch या हमारे सेंसर के साथ रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। आप टेस्ट कंट्रॉल तक भी पहुँच सकते हैं और किसी भी टेस्ट के लिए भुगतान करने का वैकल्प चुन सकते हैं।

मुफ्त योजना का उपयोग करने के लिए, आपको केवल ऐप इंस्टॉल¹² करना है और एक मुफ्त खाता बनाना है।

यदि आप आगे बढ़ना चाहते हैं, तो यहाँ हमारी भुगतान योजनाएँ हैं:

व्यक्तिगत उपयोग के लिए भुगतान योजनाएँ

कृपया हमारी वेबसाइट पर कीमतें देखें। कीमतें प्रति माह (कोई प्रतिबद्धता नहीं) से लेकर एक पूरा जीवनकाल लाइसेंस तक हैं, सभी अपडेट जीवन भर शामिल हैं। हमारे पास छूट के साथ वार्षिक योजनाएँ भी हैं।

- Me Play अनलमिटेड फ्रीक्वेंसी और मेडिटेशन की प्ले करने की अनुमत देता है।
- Me Essential अनलमिटेड स्कैन और बैलेंस (मेडिटेशन और फ्रीक्वेंसी) के लिए 2 खातों तक की अनुमत देता है, और आपको रिपोर्ट के आवश्यक स्क्रीन और मुफ्त परीक्षणों तक पहुँच देता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार पूरा रिपोर्ट और भुगतान किए गए परीक्षण खरीद सकते हैं।
- Me Custom आपके चयन के 3 हमेशा-अनलॉक किए गए स्क्रीन की अनुमत देता है।
- Me Plus आपको 6 लोगों के लिए अनलमिटेड पूरा स्कैन स्क्रीन, संपादनीय संसाधन और प्राथमिकताएँ, और कस्टम बैलेंसिंग देता है।

पेशेवर उपयोग के लिए भुगतान योजनाएँ

- Pro Essential अनलमिटेड स्कैन (स्थानीय या दूरस्थ) और अनलमिटेड ग्राहकों के लिए बैलेंस की अनुमत देता है, और आपको रिपोर्ट के आवश्यक स्क्रीन और वन्यिदी परीक्षण नरिमाण तक पहुँच देता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार पूरा रिपोर्ट और भुगतान किए गए परीक्षण खरीद सकते हैं।
- Pro Custom आपके चयन के 3 हमेशा-अनलॉक किए गए स्क्रीन की अनुमत देता है।
- Pro Plus आपको अनलमिटेड पूरा स्कैन (स्थानीय या दूरस्थ) और अनलमिटेड ग्राहकों के लिए सभी स्क्रीन, संपादनीय संसाधन और प्राथमिकताएँ, कस्टम बैलेंसिंग, और पूरा परीक्षण नरिमाण, जसिम मद्दुरीकरण शामिल हैं, प्रदान करता है।
- Med केवल ECG में चिकित्सा रूप से मान्य बायोमार्कर पर ध्यान केंद्रित करता है।

योजनाओं के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, जाएँ biocoherence.net/price/

BioCoherence सबसे अच्छा क्या करता है?

BioCoherence सॉफ्टवेयर शरीर की वदियुत और चुम्बकीय गतिविधियों का एक व्यापक वलिलेपन प्रदान करने में उत्कृष्ट है, जो वभिन्न बायोमार्कर और समग्र स्वास्थ्य स्थिति में अंतरदृष्टि देता है। संसाधनों, प्राथमिकताओं और अगों के बीच के लकि को उजागर करता है, यह वभिन्न कर्षणों में जटलि डेटा को सरल, ग्राफिक तरीके से प्रस्तुत करता है ताकि चिकित्सकों द्वारा योजना उपयोग किया जा सके। यह बहुस्तरीय वलिलेपन के लिए उन्नत गणतीय कार्यवाहियों का वभिण रूप से उपयोग करता है, जो शरीर के वदियुत सेंसर (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम) में सीधे महत्वपूर्ण डेटा नकालता है। इन पहचाने गए संसाधनों और प्राथमिकताओं के आधार पर, वह फरि अनुकूलति मार्गदर्शित ध्यान और पुनरुत्तलन प्रोटोकॉल का प्रस्ताव कर सकता है।

11. <https://biocoherence.net/price>
12. <https://biocoherence.net/install>
13. <https://biocoherence.net/price>

BioCoherence किसके लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है?

BioCoherence वशिपिट चिकित्सा स्थितियों का नदान करने या पारंपरिक चिकित्सा सलाह का स्थान लेने के लिए नहीं है। जबकि कुछ बायोमार्कर आधिकारिक शैक्षणिक चिकित्सा अनुसंधान से आते हैं, इसका प्राथमिक उद्देश्य त्वरित समझ और जड़ कारणों की पहचान के लिए उपकरण प्रदान करना है। यह घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिए आत्म-सहायता का समर्थन करता है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उन्नत चिकित्सकों से जोड़ता है।

स्कैन प्रक्रिया को सतुश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है, यह ध्यान में रखते हुए कि विश्लेषण में कम से कम 130 सेकंड लगने चाहिए?

वशिपिट को वास्तव में सटीक परिणामों के लिए कम से कम 130 सेकंड लगने चाहिए (इसमें कम से कम 128 मान्य धड़कनें चाहिए)। स्कैन के नचिले भाग में प्रगत बार होते हैं जो प्रत्येक प्रकार के वशिपिट के लिए आवश्यक अवधि को दिखाते हैं। कृपया सतुश्चित करें कि स्कैन पूरी अवधि के लिए चलता है, भले ही जब बार हरे रंग में भरे हों, तब यह पूरा दिखाई दे। स्कैन की पूरी अवधि को पूरा करना परिणामों की सटीकता के लिए महत्वपूर्ण है।

नरिम्ति फाइलों की गुणवत्ता क्या है?

ध्यान केंद्रित करना ऐप के भीतर उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि उत्पन्न करने पर है, जिसमें एक पूर्ण वशिपिताओं वाला वास्तविक समय स्थिसाइज़र और अनुक्रमक शामिल हैं। ये उपकरण पहले से ही ऐप में शोर, आवृत्तियों और रिकॉर्ड किए गए मार्गदर्शित ध्यान के लिए उपलब्ध हैं। उत्पन्न किए गए पैरामीटर लगातार विकास के अधीन हैं। संगीत ध्यान के लिए दृष्टि का समर्थन करता है और समानांतर समझ सत्र।

कौन से परिणाम मापे या रपिर्ट किए गए हैं?

जबकि यह अभी भी बीटा में है, BioCoherence ने इसकी प्रभावशीलता को मान्य करने वाले प्रारंभिक परीक्षणों से बहुत सकारात्मक फीडबैक प्राप्त किया है। हम इसके उपयोग को और मान्य और वसितार करने के लिए वशिपिट फीडबैक एक्टर कर रहे हैं। ग्राहक प्रशंसापत्र और वशिपिट के अध्ययन अधिकांश डेटा एक्टर होने पर उपलब्ध होंगे।

BioCoherence में अनाम डेटा (ऑप्ट-इन के साथ) एक्टर करने का एक तरीका शामिल है ताकि सभी बायोमार्कर और संतुलन मोड को वैज्ञानिक रूप से मान्य किया जा सके। यह डेटा वैज्ञानिक लेख प्रकाशित करने के लिए आधार के रूप में कार्य करेगा, जिसमें प्रतियुक्ति संस्थानों से अनुरोध पर कच्चा, अनाम डेटा उपलब्ध होगा।

एक एंड्री-लेवल उपयोग और एक उन्नत उपयोग क्या होगा?

प्रवेश स्तर का उपयोग: मुझे खेनें (स्वचालित स्कैन या परीक्षण, और स्वचालित कस्टम बायोफीडबैक-सुधारित ध्यान)। उन्नत उपयोग: प्रो (40 ग्राफिकल पृष्ठ, लकि, संसाधन, और प्राथमिकताएं) पहचानना और सशोधित करना, और उपयोगकर्ता-चिकित्सक संबंधों के लिए प्रो नरिदेशिका। भवपिय की सुविधाओं में तुलनात्मक स्कैन और कई उपयोगकर्ताओं के लिए समानांतर ध्यान भी शामिल होंगे।

क्यों मेरा सेंसर स्कैन पूरा करने के बाद नीला या हरा चमकता रहता है?

आपको सेंसर को सेंसर केसे में वापस रखना होगा, जो इसे स्वचालित रूप से बंद कर देगा। हमने उपयोग के मामले में सेंसर को बहुत सरल बनाने के लिए डिज़ाइन किया है, इसलिए आपको इसे चालू और बंद करने की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है—यह स्वचालित रूप से ऐसा करता है। आप देख सकते हैं कि यह स्कैन पूरा करने के बाद कुछ सेकंड, या शायद 1 मिनट तक हरा या नीला झपकता रहता है, लेकिन फिर यह बंद हो जाएगा और अगले स्कैन के शुरुआत का इंतजार करेगा।

क्यों ब्लूटूथ कभी-कभी स्कैन के दौरान कनेक्ट करने में विफल होता है?

यदि आप स्कैन के दौरान ब्लूटूथ कनेक्टविटि में समस्याएं अनुभव कर रहे हैं, तो इसका कारण यह हो सकता है कि BioCoherence स्कैनर को कई उपकरणों के साथ जोड़ा गया है। जब ऐसा होता है, तो स्कैनर किसी ऐसे उपकरण से कनेक्ट करने का प्रयास कर सकता है जो वर्तमान में उपयोग में नहीं है। इस समस्या को हल करने के लिए, सतुश्चित करें कि BioCoherence स्कैनर से पहले जुड़े किसी अन्य उपकरण पर ब्लूटूथ पूरी तरह से बंद है। ऐसा करने से, स्कैनर सही उपकरण से संचार रूप से कनेक्ट होगा, जिससे आपका स्कैन बनिा किसी रुकावट के आगे बढ़ सकेगा। किसी भी परिणामी से बचने के लिए, ऐप में ब्लूटूथ कनेक्शन प्रक्रिया को पहले से शुरू करना बहुत महत्वपूर्ण है, एक नई रिकॉर्डिंग या परीक्षण शुरू करके, और फिर सेंसर को पकड़ने अपने अंगुठों को सेंसर पर रखकर, यह चालू हो जाएगा और इस बिंदु पर पहले से अनुसंधान मोड में चल रहे ऐप से स्वचालित रूप से कनेक्ट हो जाएगा।

आप किस खाता प्रकार का उपयोग करके परजीवियों का पता लगा सकते हैं?

यह सुविधा केवल पेशेवर उपयोगकर्ताओं के लिए आरक्षित है। जानकारी को एक पेशेवर द्वारा व्याख्यायित करने की आवश्यकता है, और हम यह सतुश्चित करने का लक्ष्य रखते हैं कि इसका उपयोग सटीक और जमिंदारी से किया जाए। यह ऊर्जा मूल्यांकन की सीमाओं के भीतर रहता है और परजीवी की उपस्थिति की सीधे अवलोकन नहीं है।

परशिष्ट 2.

संबंधित अध्ययन की सूची

आप सभी लिंक पर पहुँच सकते हैं biocoherence.net/studieslist

एक्यूपंकचर, मरेडियिन

- H. M. Langevin and J. A. Yandow, *Anat. Rec. (New Anat.)* 269, 257 (2002). DOI¹, Crossref²
- Banes AJ, Tszaki M, Yamamoto J, et al. 1995. Mechanoreception at the cellular level: The detection, interpretation and diversity of responses to mechanical signals. *Biochem Cell Biol* 73:349–365. Crossref³ PubMed⁴ Web of Science⁵
- Bonassar LJ, Stinn JL, Paguio CG, et al. 1996. Activation and inhibition of endogenous matrix metalloproteinases in articular cartilage: Effects on composition and biophysical properties. *Arch Biochem Biophys* 333: 359–367. Crossref⁶ PubMed⁷ Web of Science⁸
- Murugan NJ, Cariba S, Abeygunawardena S, Rouleau N, Payne SL. Biophysical control of plasticity and patterning in regeneration and cancer. *Cell Mol Life Sci.* 2023 Dec 15;81(1):9. doi: 10.1007/s00018-023-05054-6. PMID: 38099951; PMCID: PMC10724343. DOI⁹
- Brand RA. 1997. What do tissues and cells know of mechanics? *Ann Med* 29: 267–269. Crossref¹⁰ PubMed¹¹ Web of Science¹²
- Bossy J. 1984. Morphological data concerning the acupuncture points and channel network. *Acupunct Electrother Res* 9: 79–106. PubMed¹³ Web of Science¹⁴
- Cheng X. 1987. Chinese acupuncture and moxibustion. Beijing: Foreign Language Press.
- Chicurel ME, Chen CS, Ingber DE. 1998. Cellular control lies in the balance of forces. *Curr Opin Cell Biol* 10: 232–239. Crossref¹⁵ PubMed¹⁶ Web of Science¹⁷
- Chiquet M. 1999. Regulation of extracellular matrix gene expression by mechanical stress. *Mech Biol* 18: 417–426. PubMed¹⁸ Web of Science¹⁹
- Cieczek LSW, Szopinski J, Skrzypulec V. 1985. Investigations of morphological structures of acupuncture points and meridians. *J Trad Chin Med* 5: 289–292.
- Comunetti A, Laage S, Schiessl N, Kistler A. 1995. Characterization of human skin conductance at acupuncture points. *Experientia* 51: 328–331. Crossref²⁰ PubMed²¹ Web of Science²²
- Dung HC. 1984. Anatomical features contributing to the formation of acupuncture points. *Am J Acupunct* 12: 139–143. Web of Science²³
- Giancotti FG, Ruoslahti E. 1999. Integrin signaling. *Science* 285: 1028–1032. Crossref²⁴ PubMed²⁵ Web of Science²⁶
- Gunn CC, Ditchburn FG, King MH, Renwick GJ. 1976. Acupuncture loci: A proposal for their classification according to their relationship to known neural structures. *Am J Chin Med* 4: 183–195. Crossref²⁷ PubMed²⁸
- Ho MW, Knight DP. 1998. The acupuncture system and the liquid crystalline collagen fibers of the connective tissues. *Am J Chin Med* 26: 251–263. Crossref²⁹ PubMed³⁰ Web of Science³¹
- Huan ZY, Rose K. 2001. A brief history of Qi. Brookline, MA: Paradigm Publications.
- Kaptchuk TJ. 2000. The web that has no weaver. *Understanding Chinese medicine*. Chicago: Contemporary Publishing Group, Inc.
- Lai WM, Mow VC, Sun DD, Atesian GA. 2000. On the electric potentials inside a charged soft hydrated biological tissue: Streaming potential versus diffusion potential. *J Biomech Eng* 122: 336–346. Crossref³² PubMed³³ Web of Science³⁴
- Langevin HM, Churchill DL, Cipolla MJ. 2001a. Mechanical signaling through connective tissue: A mechanism for the therapeutic effect of acupuncture. *FASEB J* 15: 2275–2282. Wiley Online Library³⁵ PubMed³⁶ Web of Science³⁷
- Langevin HM, Churchill DL, Fox JR, Badger GJ, Garra BS, Krag MH. 2001b. Biomechanical response to acupuncture needling in humans. *J Appl Physiol* 91: 2471–2478. Crossref³⁸ PubMed³⁹ Web of Science⁴⁰
- Langevin HM, Churchill DL, Wu J, Badger GJ, Yandow JA, Fox JR, Krag MH. 2002. Evidence of connective tissue involvement in acupuncture. *FASEB J* 16: 872–874. Wiley Online Library⁴¹ PubMed⁴² Web of Science⁴³
- Liu KY, Varela M, Oswald R. 1975. The correspondence between some motor points and acupuncture loci. *Am J Chin Med* 3: 347–358. Crossref⁴⁴ PubMed⁴⁵
- Matsumoto K, Birch S. 1988. Hara diagnosis: Reflections of the sea. Brookline: Paradigm
1. <https://doi.org/10.1002/ar.10183>
2. https://aip.scitation.org/servertime/linkout?suffix=c26/c26_1&dbid=16&doi=10.1063/1.4991499&key=10.1002/ar.10183
3. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10183&key=10.1139/o95-043>
4. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=8703408>
5. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1995TT60300006>
6. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1006/abbi.1996.0402>
7. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=8809074>
8. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1996V77600006>
9. <https://doi.org/10.1007/s00018-023-05054-6>
10. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.3109/07853899708999346>
11. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=9375981>
12. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1997XZ10400003>
13. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=6148847>
14. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1984TF83000001>
15. [https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1016/S0955-0674\(98\)80145-2](https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1016/S0955-0674(98)80145-2)
16. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=9561847>
17. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000073043200010>
18. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=10601729>
19. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000084085600001>
20. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1007/BF01928888>
21. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=7729497>
22. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1995QU26800004>
23. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1984SS05900005>
24. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1126/science.285.5430.1028>
25. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=10446041>
26. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000082033100034>
27. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1142/S0192415X76000238>
28. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=937240>
29. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1142/S0192415X98000294>
30. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=9862013>
31. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000077302300001>
32. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1115/1.1286316>
33. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=11036556>
34. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000167111000006>
35. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1096/ffj.01-0015hyp>
36. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=11641255>
37. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000171920400040>
38. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1152/jappl.2001.91.6.2471>
39. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=11717207>
40. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=00017248200008>
41. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1096/ffj.01-0925ffe>
42. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=11967233>
43. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000175425900017>
44. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1142/S0192415X75000426>
45. <https://onlinelibrary.wiley.com/servertime/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=1202933>

Publications.

- McCarroll GD, Rowley BA. 1979. An investigation of the existence of electrically located acupuncture points. *IEEE Trans Biomed Eng* 26: 177–182. [Crossref⁶⁶](#) [PubMed⁶⁷](#) [Web of Science⁶⁸](#)
- Noordegraaf A, Silage D. 1973. Electroacupuncture. *IEEE Trans Biomed Eng* 20: 364–366. [Crossref⁶⁹](#) [PubMed⁷⁰](#) [Web of Science⁷¹](#)
- NIH Consensus Statement. 1997. Acupuncture. Bethesda, MD: NIH. 15: 1–34.
- O'Connor J, Bensky D. 1981. *Acupuncture, a comprehensive text* (Shanghai College of Traditional Medicine) Seattle: Eastland Press.
- Oschman JL. 1993. A biophysical basis for acupuncture. *Proceedings of the First Symposium of the Committee for Acupuncture Research*.
- Pomeranz B. 2001. Acupuncture analgesia-basic research. In: G Stux, R Hammerschlag, editors. *Clinical acupuncture-scientific basis*. Berlin: Springer-Verlag.
- Rabischong P, Niboyet JEH, Terral C, Senelar R, Casez R. 1975. Bases experimentales de l'analgésie acupunctureale. *Nouv Presse Med* 4: 2021–2026. [PubMed⁷²](#) [Web of Science⁷³](#)
- Reishmanis M, Marino AA, Becker RO. 1975. Electrical correlates of acupuncture points. *IEEE Trans Biomed Eng* 22: 533–535. [Crossref⁷⁴](#) [PubMed⁷⁵](#) [Web of Science⁷⁶](#)
- Senelar R. 1979. Les caractéristiques morphologiques des points chinois. In: JEH Niboyet, editor. *Nouveau traité d'acupuncture*. Paris: Maisonneuve.
- Shanghai Medical University, Human Anatomy Department. 1973. A relationship between points of meridians and peripheral nerves: Acupuncture anaesthetic theory study. Shanghai: People's Republic Publishing House.
- Swartz MA, Tschumperlin DJ, Kamm RD, Drazen JM. 2001. Mechanical stress is communicated between different cell types to elicit matrix remodeling. *Proc Natl Acad Sci USA* 98: 6180–6185. [Crossref⁷⁷](#) [PubMed⁷⁸](#) [Web of Science⁷⁹](#)
- Ulett GA, Han S, Han JS. 1998. Electroacupuncture: mechanisms and clinical applications. *Biol Psych* 44: 129–138. [PubMed⁸⁰](#) [Web of Science⁸¹](#)
- Veith I. 1949. *The yellow emperor's classic of internal medicine*. Berkeley: University of California Press.
- Yang J. 1601. *The golden needle and other odes of traditional acupuncture, 1601*. Translated by R Bertschinger. Edinburgh: Churchill Livingstone.
- Quyen Manh Nguyen, Tuan Hoang Nguyen, Lam Van Tran, Tin Thanh Dang, Anh Dinh, Device to Detect Acupuncture Points in the Feet Soles for Massage Treatment, 8th International Conference on the Development of Biomedical Engineering in Vietnam, 10.1007/978-3-030-75506-5_1, (3-13), (2022). [Crossref⁸²](#)
- Yung-Sheng Yen, Han-Yi Cheng, Hung-Ta Lin, Evaluation of Stress on Acupuncture with Nano-Etched and Diamond-Like Carbon (DLC) Coating Surface Modifications, *Journal of Biomaterials and Tissue Engineering*, 10.1166/jbt.2022.2928, 12, 3, (489-493), (2022). [Crossref⁸³](#)
- Gregory P. Casey, Anatomical characterization of acupoint large intestine 4, *The Anatomical Record*, 10.1002/ar.24681, 305, 1, (144-155), (2021). [Wiley Online Library⁸⁴](#)
- Ajit B. Pai, Lori V. Shuart, David F. Drake, Integrative Medicine in Rehabilitation, *Braddom's Physical Medicine and Rehabilitation*, 10.1016/B978-0-323-62539-5.00018-7, (364-373.e3), (2021). [Crossref⁸⁵](#)
- Tongju Li, Bruce Qing Tang, Wei-Bo Zhang, Minyi Zhao, Qingchuan Hu, Andrew Ahn, In Vivo Visualization of the Pericardium Meridian with Fluorescent Dyes, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2021/5581227, 2021, (1-10), (2021). [Crossref⁸⁶](#)
- Chao Sun, Changchun Ji, Ying Li, Jiujie Kuang, Jiangtao Wu, A comparison study of photothermal effect between moxibustion therapy and laser irradiation on biological tissue, *International Journal of Thermal Sciences*, 10.1016/j.ijthermalsci.2021.106924, 164, (106924), (2021). [Crossref⁸⁷](#)
46. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1109/TBME.1979.326392>
47. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=521032>
48. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1979GN78800013>
49. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1109/TBME.1973.324289>
50. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=4727423>
51. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1973Q497200007>
52. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=1178444>
53. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1975AP43900003>
54. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1109/TBME.1975.324477>
55. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=1184029>
56. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=A1975AU02000013>
57. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=16&doi=10.1002/ar.10185&key=10.1073/pnas.111133298>
58. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=11353845>
59. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000168883700045>
60. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=8&doi=10.1002/ar.10185&key=9646895>
61. <https://onlinelibrary.wiley.com/serve/linkout?suffix=null&dbid=128&doi=10.1002/ar.10185&key=000074292400008>
62. https://doi.org/10.1007/978-3-030-75506-5_1
63. <https://doi.org/10.1166/jbt.2022.2928>
64. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/ar.24681>
65. <https://doi.org/10.1016/B978-0-323-62539-5.00018-7>
66. <https://doi.org/10.1155/2021/5581227>
- Nikolay Dimitrov, Nikola Tomov, Dimitrinka Atanasova, Stiliyan Iliev, Tatyana Tomova, Dimitar Sivrev, Zoya Goranova, Visible Meridian Phenomena after Acupuncture: A Series of Case Reports, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.51507/j.jams.2021.14.2.50, 14, 2, (50-57), (2021). [Crossref⁶⁶](#)
- Nasim Bahadorani, Jerry W. Lee, Leslie R. Martin, Implications of Tamarkoz on stress, emotion, spirituality and heart rate, *Scientific Reports*, 10.1038/s41598-021-93470-8, 11, 1, (2021). [Crossref⁶⁹](#)
- Maojun Li, Huawen Peng, Binxiu Wei, Qiuxia Deng, Fen Qian, Xin Liu, Jian Wang, Xiaodong Zhu, Effect of acupuncture anesthesia based on nanomaterial sensor on cognitive function after one-lung ventilation thoracotomy, *Materials Express*, 10.1166/mex.2021.2027, 11, 7, (1051-1056), (2021). [Crossref⁷⁰](#)
- Jaliya Kumaratilake, Teghan Lucas, Maciej Henneberg, Possible relationship of upper limb arteries, median and brachial to the twelfth meridian of the human upper limb, *Journal of Anatomy*, 10.1111/joa.13401, 238, 6, (1492-1493), (2021). [Wiley Online Library⁷¹](#)
- Yong Ming Li, Three hand yin meridians in ancient Chinese medicine were established initially based on arterial structures, *Journal of Anatomy*, 10.1111/joa.13400, 238, 6, (1494-1496), (2021). [Wiley Online Library⁷²](#)
- Yi Zhang, Interpretation of acupoint location in traditional Chinese medicine teaching: Implications for acupuncture in research and clinical practice, *The Anatomical Record*, 10.1002/ar.24618, 304, 11, (2372-2380), (2021). [Wiley Online Library⁷³](#)
- Sanghun Lee, Prospects for the Development of Acupuncture Treatment Led by the Use of Ultrasound Imaging Devices, *Journal of Korean Medical Society of Soft Tissue*, 10.54461/JKMS.2021.5.1.8, 5, 1, (8-11), (2021). [Crossref⁷⁴](#)
- Xiao Ye, Yu-lan Ren, Yun-hui Chen, Ji Chen, Xiao-jiao Tang, Zong-ming Zhang, A “4D” systemic view on meridian essence: Substantial, functional, chronological and cultural attributes, *Journal of Integrative Medicine*, 10.1016/j.joim.2021.11.006, (2021). [Crossref⁷⁵](#)
- Berna Dincer, Demet İnangil, Gökhan İnangil, Nefise Bahçecik, Elif Yıldırım Ayaz, Ali Arslanoğlu, Miraç Vural Keskinler, Ayşe Kabuk, Gamze Özkan, The effect of acupressure on sleep quality of older people: A systematic review and meta-analysis of randomized controlled trials, *EXPLORE*, 10.1016/j.explore.2021.11.010, (2021). [Crossref⁷⁶](#)
- Marianna de Melo Salemi, Vanessa Maria da Silva Alves Gomes, Laylla Marjory Rebouças Bezerra, Thania Maion de Souza Melo, Geisa Guimarães de Alencar, Iracema Hermes Pires de Melo Montenegro, Alessandra Paula de Melo Calado, Eduardo José Nepomuceno Montenegro, Gisela Rocha de Siqueira, Effect of Dry Cupping Therapy on Pain and Functional Disability in Persistent Non-Specific Low Back Pain: A Randomized Controlled Clinical Trial, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.51507/j.jams.2021.14.6.219, 14, 6, (219-230), (2021). [Crossref⁷⁷](#)
- Luis Carlos Matos, Jorge Pereira Machado, Fernando Jorge Monteiro, Henry Johannes Greten, Understanding Traditional Chinese Medicine Therapeutics: An Overview of the Basics and Clinical Applications, *Healthcare*, 10.3390/healthcare9030257, 9, 3, (257), (2021). [Crossref⁷⁸](#)
- Jingwen Cui, Wanrong Song, Yipeng Jin, Huihao Xu, Kai Fan, Degui Lin, Zhihui Hao, Jiahao Lin, Research Progress on the Mechanism of the Acupuncture Regulating Neuro-Endocrine-Immune Network System, *Veterinary Sciences*, 10.3390/vetsci8080149, 8, 8, (149), (2021). [Crossref⁷⁹](#)
- Íñigo Ongay de Felipe, The Universality of Science and Traditional Chinese Medicine, *Science & Education*, 10.1007/s11191-021-00249-4, (2021). [Crossref⁸⁰](#)
- Ningcen Li, Yi Guo, Yanan Gong, Yue Zhang, Wen Fan, Kaifang Yao, Zhihan Chen, Baomin Dou, Xiaowei Lin, Bo Chen, Zelin Chen, Zhifang Xu, Zhongxi Lyu, The Anti-Inflammatory Actions and Mechanisms of Acupuncture from Acupoint to Target Organs via Neuro-Immune Regulation, *Journal of Inflammation Research*, 10.2147/JIR.S341581, Volume 14, (7191-7224), (2021). [Crossref⁸¹](#)
- 贛云 馮, Bridging Medicine East and West—Pursuit on the Relation between Biomedical Consequence of Stimulating the Acupoints of the Lung Meridian and Somatosensory Reflexes, Aiming to Treat Chronic Obstruction Pulmonary Diseases, *Traditional Chinese Medicine*, 10.12677/TCM.2020.92022, 09, 02, (145-176), (2020). [Crossref⁸²](#)
- Manon te Dorsthorst, Michael van Balken, John Heesakkers, Tibial nerve stimulation in the treatment of overactive bladder syndrome, *Current Opinion in Urology*, 10.1097/MOU.0000000000000781, 30, 4, (513-518), (2020). [Crossref⁸³](#)
- Peter I-Kung Wu, Lucy Chen, Integrative Medicine, *Spine Pain Care*, 10.1007/978-3-030-27447-4, (473-489), (2020). [Crossref⁸⁴](#)
- I. Giralt Sampedro, G. Carvajal, A. Garcia-Janeras, A. Fabà, M.B. Nishishinya Aquino, A severe case of Ramsay Hunt Syndrome treated with acupuncture and related techniques, *Complementary Therapies in Clinical Practice*, 10.1016/j.ctcp.2020.101119, (101119), 67. <https://doi.org/10.1016/j.ijthermalsci.2021.106924>
68. <https://doi.org/10.51507/j.jams.2021.14.2.50>
69. <https://doi.org/10.1038/s41598-021-93470-8>
70. <https://doi.org/10.1166/mex.2021.2027>
71. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/joa.13401>
72. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/joa.13400>
73. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/ar.24618>
74. <https://doi.org/10.54461/JKMS.2021.5.1.8>
75. <https://doi.org/10.1016/j.joim.2021.11.006>
76. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2021.11.010>
77. <https://doi.org/10.51507/j.jams.2021.14.6.219>
78. <https://doi.org/10.3390/healthcare9030257>
79. <https://doi.org/10.3390/vetsci8080149>
80. <https://doi.org/10.1007/s11191-021-00249-4>
81. <https://doi.org/10.2147/JIR.S341581>
82. <https://doi.org/10.12677/TCM.2020.92022>
83. <https://doi.org/10.1097/MOU.0000000000000781>
84. <https://doi.org/10.1007/978-3-030-27447-4>

- (2020). [Crossref⁶⁵](#)
- Eric Leskowitz, A Cartography of Energy Medicine: From Subtle Anatomy to Energy Physiology, EXPLORE, 10.1016/j.explore.2020.09.008, (2020). [Crossref⁶⁶](#)
- Hantong Hu, Yongliang Jiang, Xiaoyu Li, Jiali Lou, Yajun Zhang, Xiaofen He, Junfan Fang, Yuanyuan Wu, Xiaomei Shao, Jianqiao Fang, The microcirculatory characteristics of the heart and lung meridians, Medicine, 10.1097/MD.000000000019594, 99, 14, (e19594), (2020). [Crossref⁶⁷](#)
- Sheikh Faruque Elahee Bangladesh, Hui-juan Mao, Ling Zhao, Xue-yong Shen, Meridian system and mechanism of acupuncture action: A scientific evaluation 经络系统与针刺效应机制的科学评价, World Journal of Acupuncture - Moxibustion, 10.1016/j.wjam.2020.05.003, (2020). [Crossref⁶⁸](#)
- Mário Gonçalves, Luis Carlos Matos, Leonel Duarte, Jorge Machado, Henry Johannes Greten, Giovanna Franconi, PROBLEMS OF SCIENTIFIC METHODOLOGY RELATED TO PLACEBO CONTROL IN QIGONG STUDIES: A SYSTEMATIC REVIEW, Journal of Bodywork and Movement Therapies, 10.1016/j.jbmt.2020.06.035, (2020). [Crossref⁶⁹](#)
- Hans-Udo Richarz, Uwe Schütz, Werner Klingler, Das fasziale Bindegewebe – ein Medium für die Akupunktur? The fascial connective tissue—a medium for acupuncture?, Deutsche Zeitschrift für Akupunktur, 10.1007/s42212-019-00228-5, (2020). [Crossref⁷⁰](#)
- Shi Yonghong, Wu Ruizhi, Zhang Yue, Bai Xuebing, Imran Tarique, Liang Chunhua, Yang Ping, Chen Qiusheng, Telocytes in Different Organs of Vertebrates: Potential Essence Cells of the Meridian in Chinese Traditional Medicine, Microscopy and Microanalysis, 10.1017/S1431927620001518, (1-14), (2020). [Crossref⁷¹](#)
- Jinglan Mu, Andrea D Furlan, Wai Yee Lam, Marcos Y Hsu, Zhipeng Ning, Lixing Lao, Acupuncture for chronic nonspecific low back pain, Cochrane Database of Systematic Reviews, 10.1002/14651858.CD013814, (2020). [Crossref⁷²](#)
- Kimia Grace Ganjai, Jeremiah W. Ray, Brandee Waite, Kevin J. Burnham, The Fascial System in Musculoskeletal Function and Myofascial Pain, Current Physical Medicine and Rehabilitation Reports, 10.1007/s40141-020-00302-3, (2020). [Crossref⁷³](#)
- Christina L Ross, Energy Medicine: Current Status and Future Perspectives, Global Advances in Health and Medicine, 10.1177/2164956119831221, 8, (216495611983122), (2019). [Crossref⁷⁴](#)
- Phil Trabulsy, COMPLEMENTARY AND ALTERNATIVE MEDICINE, Cancer, 10.1002/9781119645214, (499-530), (2019). [Wiley Online Library⁷⁵](#)
- Younyoung Chae, Yeonhee Ryu, Won-Mo Jung, An Analysis of Indications of Meridians in DongUiBoGam Using Data Mining, Korean Journal of Acupuncture, 10.14406/acu.2019.034, 36, 4, (292-299), (2019). [Crossref⁷⁶](#)
- Wei-bo ZHANG, Xiao-jing SONG, Ze WANG, Guang-jun WANG, Shu-yong JIA, Yu-ying TIAN, Hong-yan LI, Longitudinal Directional Movement of Alcian Blue in Gephyrocharax Melanocheir Fish: Revealing Interstitial Flow and Related Structure ☆ 阿尔新蓝在黑猪鱼中的纵向定向运动:组织液流动与相关结构的揭示, World Journal of Acupuncture - Moxibustion, 10.1016/j.wjam.2019.05.008, (2019). [Crossref⁷⁷](#)
- Nicholas Alexander Wise, Action at a distance: laser acupuncture and the brain, Photobiomodulation in the Brain, 10.1016/B978-0-12-815305-5.00036-1, (489-501), (2019). [Crossref⁷⁸](#)
- Liangjun Xia, Qingyu Meng, Jin Xi, Qin Han, Jie Cheng, Jie Shen, Youbing Xia, Liyun Shi, The synergistic effect of electroacupuncture and bone mesenchymal stem cell transplantation on repairing thin endometrial injury in rats, Stem Cell Research & Therapy, 10.1186/s13287-019-1326-6, 10, 1, (2019). [Crossref⁷⁹](#)
- Dha-Hyun Choi, Younyoung Chae, Minimisation of variations in locating an acupuncture point using a laser-device, Integrative Medicine Research, 10.1016/j.imr.2019.11.005, (2019). [Crossref⁸⁰](#)
- Doohan Oh, Jong-hyun Kim, Youn-Sub Kim, Song-Yi Kim, Analysis of Tonification and Sedation Methods in the 『Yongschimgyeong』, Korean Journal of Acupuncture, 10.14406/acu.2019.021, 36, 3, (171-180), (2019). [Crossref⁸¹](#)
- Aleksandar Zivaljevic, Bin Shi, Elisa M. S. Tam, Vahideh Toossi, Treatment of visceral pain associated with irritable bowel syndrome using acupuncture: Mechanism of action, World Journal of Traditional Chinese Medicine, 10.4103/wjtc.wjtc_24_19, 5, 4, (181), (2019). [Crossref⁸²](#)
- Suchan Chang, O. Sang Kwon, Se Kyun Bang, Do-Hee Kim, Min Won Baek, Yeonhee Ryu, Jong Han Bae, Yu Fan, Soo Min Lee, Hyung Kyu Kim, Bong Hyo Lee, Chae Ha Yang, Hee Young Kim, Peripheral Sensory Nerve Tissue but Not Connective Tissue Is Involved in the Action of Acupuncture, Frontiers in Neuroscience, 10.3389/fnins.2019.00110, 13, (2019). [Crossref⁸³](#)
85. <https://doi.org/10.1016/j.ctcp.2020.101119>
86. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2020.09.008>
87. <https://doi.org/10.1097/MD.000000000019594>
88. <https://doi.org/10.1016/j.wjam.2020.05.003>
89. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2020.06.035>
90. <https://doi.org/10.1007/s42212-019-00228-5>
91. <https://doi.org/10.1017/S1431927620001518>
92. <https://doi.org/10.1002/14651858.CD013814>
93. <https://doi.org/10.1007/s40141-020-00302-3>
94. <https://doi.org/10.1177/2164956119831221>
95. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/9781119645214>
96. <https://doi.org/10.14406/acu.2019.034>
97. <https://doi.org/10.1016/j.wjam.2019.05.008>
98. <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-815305-5.00036-1>
99. <https://doi.org/10.1186/s13287-019-1326-6>
100. <https://doi.org/10.1016/j.imr.2019.11.005>
101. <https://doi.org/10.14406/acu.2019.021>
102. https://doi.org/10.4103/wjtc.wjtc_24_19
103. <https://doi.org/10.3389/fnins.2019.00110>
- Junaid Wazir, Rahat Ullah, Shihong Li, Md Amir Hossain, Maladho Tanta Diallo, Farhan Ullah Khan, Awais Ullah Ihsan, Xiaohui Zhou, Efficacy of acupuncture in the treatment of chronic prostatitis-chronic pelvic pain syndrome: a review of the literature, International Urology and Nephrology, 10.1007/s11255-019-02267-2, (2019). [Crossref⁸⁴](#)
- Noa Schwartz, Madhavi Latha S. Chalasani, Thomas M. Li, Zhonghui Feng, William D. Shipman, Theresa T. Lu, Lymphatic Function in Autoimmune Diseases, Frontiers in Immunology, 10.3389/fimmu.2019.00519, 10, (2019). [Crossref⁸⁵](#)
- Sarah Ely, Panos Barlas, Transcutaneous electrical acupoint stimulation for people with chronic musculoskeletal pain: an exploratory review, Physical Therapy Reviews, 10.1080/10833196.2019.1648728, (1-12), (2019). [Crossref⁸⁶](#)
- Koh-Woon Kim, Sanhwa Hong, Hong Soo Kim, Taehun Kim, Jaeha Ahn, Hyun-Seo Song, Yu-Kang Kim, Ju-Young Oh, Tae-Yeon Hwang, Hyangsook Lee, Su-Il In, Hi-Joon Park, Physiological impact of nanoporous acupuncture needles: Laser Doppler perfusion imaging in healthy volunteers, PLOS ONE, 10.1371/journal.pone.0226304, 14, 12, (e0226304), (2019). [Crossref⁸⁷](#)
- Chang-zhen Gong, Wei Liu, Convergence of Medicines: West Meets East in Newly-Discovered Organs and Functions, Chinese Journal of Integrative Medicine, 10.1007/s11655-018-2570-9, 25, 5, (323-326), (2018). [Crossref⁸⁸](#)
- Jeanne Adwinata Pawitan, Various stem cells in acupuncture meridians and points and their putative roles, Journal of Traditional and Complementary Medicine, 10.1016/j.jtcm.2017.08.004, (2018). [Crossref⁸⁹](#)
- Chungda Lee, How can mindfulness-led breathing of qigong/Tai Chi work on qi and the meridian network?, Advances in Integrative Medicine, 10.1016/j.aimed.2018.07.002, 5, 3, (122-127), (2018). [Crossref⁹⁰](#)
- Patrick Roynard, Lauren Frank, Huisheng Xie, Margaret Fowler, Acupuncture for Small Animal Neurologic Disorders, Veterinary Clinics of North America: Small Animal Practice, 10.1016/j.cvsm.2017.08.003, 48, 1, (201-219), (2018). [Crossref⁹¹](#)
- Meng Huang, Xuezhi Wang, Beibei Xing, Hongwei Yang, Zheyang Sa, Di Zhang, Wei Yao, Na Yin, Ying Xia, Guanghong Ding, Critical roles of TRPV2 channels, histamine H1 and adenosine A1 receptors in the initiation of acupoint signals for acupuncture analgesia, Scientific Reports, 10.1038/s41598-018-24654-y, 8, 1, (2018). [Crossref⁹²](#)
- Ruining Liang, Peishuang Li, Xuemei Peng, Ling Xu, Pei Fan, Jiahua Peng, Xu Zhou, Chunlin Xiao, Miao Jiang, Efficacy of acupuncture on pelvic pain in patients with endometriosis: study protocol for a randomized, single-blind, multi-center, placebo-controlled trial, Trials, 10.1186/s13063-018-2684-6, 19, 1, (2018). [Crossref⁹³](#)
- Wei-bo Zhang, De-xian Jia, Hong-yan Li, Yu-long Wei, Huang Yan, Peng-na Zhao, Fei-fei Gu, Guang-jun Wang, Yan-ping Wang, Understanding Qi Running in the Meridians as Interstitial Fluid Flowing via Interstitial Space of Low Hydraulic Resistance, Chinese Journal of Integrative Medicine, 10.1007/s11655-017-2791-3, 24, 4, (304-307), (2018). [Crossref⁹⁴](#)
- Conner E. Liddle, Richard E. Harris, Cellular Reorganization Plays a Vital Role in Acupuncture Analgesia, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2017.1258, 30, 1, (15-20), (2018). [Crossref⁹⁵](#)
- 戴云 冯, Relationship among the Meridians, Sinew Channels and Integrative Five Fluid Circulation System, Traditional Chinese Medicine, 10.12677/TCM.2018.71013, 07, 01, (74-92), (2018). [Crossref⁹⁶](#)
- David Feinstein, Energy Psychology: Efficacy, Speed, Mechanisms, EXPLORE, 10.1016/j.explore.2018.11.003, (2018). [Crossref⁹⁷](#)
- Hiroe MOTOYAMA, Hirohisa ISOGAI, Yoshito MUKAINO, Relaxing Effect Achieved by Acupuncture Stimulation in Different Postures for University Students Living a Sedentary Lifestyle Sedentary Lifestyle を送る大学生を対象とした異なる姿勢への鍼刺激によるリラクゼーション効果, Kampo Medicine, 10.3937/kampomed.69.225, 69, 3, (225-238), (2018). [Crossref⁹⁸](#)
- Alexander Waits, You-Ren Tang, Hao-Min Cheng, Chen-Jei Tai, Li-Yin Chien, Acupressure effect on sleep quality: A systematic review and meta-analysis, Sleep Medicine Reviews, 10.1016/j.smrv.2016.12.004, 37, (24-34), (2018). [Crossref⁹⁹](#)
- Chenglin Liu, Qinghua Liu, Dongming Zhang, Wei Liu, Xiaohui Yan, Xinyi Zhang, Hiroyuki Oyanagi, Zhiyun Pan, Fengchun Hu, Shiqiang Wei, Insight into the biological effects of acupuncture points by X-ray absorption fine structure, Analytical and Bioanalytical Chemistry, 10.1007/s00216-018-1146-z, 410, 20, (4959-4965), (2018). [Crossref¹⁰⁰](#)
- Eric Leskowitz, How Tapping into “Energy” Can Trigger a Paradigm Shift in Biomedicine, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2018.0073, 24, 6, (525-527), (2018). [Crossref¹⁰¹](#)
- Johannes Fleckenstein, Robert Schleip, Cornelia Sachs, Mark Driscoll, Susan Shockett, 104. <https://doi.org/10.1007/s11255-019-02267-2>
105. <https://doi.org/10.3389/fimmu.2019.00519>
106. <https://doi.org/10.1080/10833196.2019.1648728>
107. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0226304>
108. <https://doi.org/10.1007/s11655-018-2570-9>
109. <https://doi.org/10.1016/j.jtcm.2017.08.004>
110. <https://doi.org/10.1016/j.aimed.2018.07.002>
111. <https://doi.org/10.1016/j.cvsm.2017.08.003>
112. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-24654-y>
113. <https://doi.org/10.1186/s13063-018-2684-6>
114. <https://doi.org/10.1007/s11655-017-2791-3>
115. <https://doi.org/10.1089/acu.2017.1258>
116. <https://doi.org/10.12677/TCM.2018.71013>
117. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2018.11.003>
118. <https://doi.org/10.3937/kampomed.69.225>
119. <https://doi.org/10.1016/j.smrv.2016.12.004>
120. <https://doi.org/10.1007/s00216-018-1146-z>
121. <https://doi.org/10.1089/acm.2018.0073>

- Thomas Findley, Werner Klingler, Faszienforschung: Quo vadis? Fascia research: Quo vadis?, *Deutsche Zeitschrift für Akupunktur*, 10.1007/s42212-018-0037-8, 61, 2, (69-74), (2018). [Crossref²²](#)
- FA Phan, A Srilestari, H Mihardja, MBH Marbun, Effects of acupuncture on uremic pruritus in patients undergoing hemodialysis, *Journal of Physics: Conference Series*, 10.1088/1742-6596/1073/6/062049, 1073, (062049), (2018). [Crossref²³](#)
- Kwang-Sup Soh, Sistema circulatorio de Bonghan como una extensión de los meridianos de acupuntura, *Revista Internacional de Acupuntura*, 10.1016/j.acu.2018.02.001, 12, 1, (15-28), (2018). [Crossref²⁴](#)
- Helene M. Langevin, Peter M. Wayne, What Is the Point? The Problem with Acupuncture Research That No One Wants to Talk About, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2017.0366, 24, 3, (200-207), (2018). [Crossref²⁵](#)
- Chun-Yi Lin, Tze-Taur Wei, Chen-Chen Wang, Wan-Chen Chen, Yu-Min Wang, Song-Yen Tsai, Acute Physiological and Psychological Effects of Qigong Exercise in Older Practitioners, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2018/4960978, 2018, (1-10), (2018). [Crossref²⁶](#)
- Kanae Umamoto, Toshiyuki Saito, Munekazu Naito, Shogo Hayashi, Tomiko Yakura, Hanno Steinke, Takashi Nakano, Anatomical Relationship between BL23 and the Posterior Ramus of the L2 Spinal Nerve, *Acupuncture in Medicine*, 10.1136/acupmed-2015-010847, 34, 2, (95-100), (2018). [Crossref²⁷](#)
- Krista Lynne Paulson, Barbara L Shay, Sympathetic Nervous System Responses to Acupuncture and Non-Penetrating Sham Acupuncture in Experimental Forearm Pain: A Single-Blind Randomised Descriptive Study, *Acupuncture in Medicine*, 10.1136/acupmed-2012-010223, 31, 2, (178-184), (2018). [Crossref²⁸](#)
- Marc Amand, Florence Nguyen-Huu, Costantino Balestra, Acupuncture Effect on Thermal Tolerance and Electrical Pain Threshold: A Randomised Controlled Trial, *Acupuncture in Medicine*, 10.1136/aim.2010.002485, 29, 1, (47-50), (2018). [Crossref²⁹](#)
- Michele Alem, Maria Salete Costa Gurgel, Acupuncture in the Rehabilitation of Women after Breast Cancer Surgery – a Case Series, *Acupuncture in Medicine*, 10.1136/aim.26.2.86, 26, 2, (86-93), (2018). [Crossref³⁰](#)
- Avijgan Majid, Rouh/Qi before and after production; basic concept of life, *International Journal of Complementary & Alternative Medicine*, 10.15406/ijcam.2018.11.00363, 11, 2, (2018). [Crossref³¹](#)
- Tiaw-Kee Lim, Yan Ma, Frederic Berger, Gerhard Litscher, Acupuncture and Neural Mechanism in the Management of Low Back Pain—An Update, *Medicines*, 10.3390/medicines5030063, 5, 3, (63), (2018). [Crossref³²](#)
- Anna Esparham, Anne Herbert, Emily Pierzchalski, Catherine Tran, Jennifer Dilts, Madeline Boorgie, Tammie Wingert, Mark Connelly, Jennifer Bickel, Pediatric Headache Clinic Model: Implementation of Integrative Therapies in Practice, *Children*, 10.3390/children5060074, 5, 6, (74), (2018). [Crossref³³](#)
- Elizabeth R. Magden, Chapter 13 Positive Reinforcement Training and Health Care, *Handbook of Primate Behavioral Management*, 10.1201/9781315120652, (201-216), (2017). [Crossref³⁴](#)
- Faria Sanjana, Hans Chaudhry, Thomas Findley, Effect of MELT method on thoracolumbar connective tissue: The full study, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/j.jbmt.2016.05.010, 21, 1, (179-185), (2017). [Crossref³⁵](#)
- Peter T. Dorsher, Neuroembryology of the Acupuncture Principal Meridians: Part I. The Extremities, *Medical Acupuncture*, 10.1089/acu.2016.1210, 29, 1, (10-19), (2017). [Crossref³⁶](#)
- Jordi Gascon-Garcia, Caridad Bagur-Calafat, Montserrat Girabent-Farrés, Ramon Balius, Validation of the range of dry needling with the fascial winding technique in the carpal tunnel using ultrasound, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/j.jbmt.2017.10.013, (2017). [Crossref³⁷](#)
- Ana Paula A. Ferreira, Luciana C. Póvoa, José F.C. Zanier, Arthur S. Ferreira, Locating the Seventh Cervical Spinous Process: Accuracy of the Thorax-Rib Static Method and the Effects of Clinical Data on Its Performance, *Journal of Manipulative and Physiological Therapeutics*, 10.1016/j.jmpt.2016.10.011, 40, 2, (98-105), (2017). [Crossref³⁸](#)
- Arya Nielsen, Acupuncture for the Prevention of Tension-Type Headache (2016), EXPLORE: The Journal of Science and Healing, 10.1016/j.explore.2017.03.007, 13, 3, (228-231), (2017). [Crossref³⁹](#)
- Fan Wang, Guang-wei Cui, Le Kuai, Jian-min Xu, Ting-ting Zhang, Huai-jin Cheng, Hong-sheng Dong, Gui-rong Dong, Role of Acupoint Area Collagen Fibers in Anti-Inflammation of Acupuncture Lifting and Thrusting Manipulation, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2017/2813437, 2017, (1-8), (2017). [Crossref⁴⁰](#)
- Wei-Chia Chen, Hsiang-Ying Chen, Yu-Sheng Chen, Yong Tian, Lin I, Self-excited multi-scale skin vibrations probed by optical tracking micro-motions of tracers on arms, *Journal of Applied Physics*, 10.1063/1.4991499, 122, 2, (024701), (2017). [Crossref⁴¹](#)
- Fletcher Kovich, A Curious Oversight in Acupuncture Research, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/j.jams.2017.10.004, 10, 6, (411-415), (2017). [Crossref⁴²](#)
- David F. Drake, Anne M. Hudak, William Robbins, Integrative Medicine in Traumatic Brain Injury, *Physical Medicine and Rehabilitation Clinics of North America*, 10.1016/j.pmr.2016.12.011, 28, 2, (363-378), (2017). [Crossref⁴³](#)
- Helene M. Langevin, Rosa N. Schnyer, Reconnecting the Body in Eastern and Western Medicine, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2017.0028, 23, 4, (238-241), (2017). [Crossref⁴⁴](#)
- Salvador Quiroz-González, Sergio Torres-Castillo, Rosa Estela López-Gómez, Ismael Jiménez Estrada, Acupuncture Points and Their Relationship with Multireceptive Fields of Neurons, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/j.jams.2017.01.006, 10, 2, (81-89), (2017). [Crossref⁴⁵](#)
- Sharon Jiyeon Jung, Haim Song, Yu Yeon Kim, Jungdae Kim, Sungchul Kim, Yoon-Kyu Song, Kwang-Sup Soh, Distribution of Mast Cells and Locations, Depths, and Sizes of the Putative Acupoints CV 8 and KI 16, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2017/2953278, 2017, (1-10), (2017). [Crossref⁴⁶](#)
- Benjamin CW. Chant, Jeanne Madison, Paul Coop, Gudrun Dieberg, Contact Tools in Japanese Acupuncture: An Ethnography of Acupuncture Practitioners in Japan, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/j.jams.2017.08.006, 10, 5, (331-339), (2017). [Crossref⁴⁷](#)
- Hugh MacPherson, Andrew Vickers, Martin Bland, David Torgerson, Mark Corbett, Eldon Spackman, Pedro Saramago, Beth Woods, Helen Weatherly, Mark Sculpher, Andrea Manca, Stewart Richmond, Ann Hopton, Janet Eldred, Ian Watt, Acupuncture for chronic pain and depression in primary care: a programme of research, Programme Grants for Applied Research, 10.3310/pgfar05030, 5, 3, (1-316), (2017). [Crossref⁴⁸](#)
- Benjamin Kligler, Arya Nielsen, Corinne Kohrher, Tracy Schmid, Eve Waltermaurer, Elidania Perez, Woodson Merrell, Acupuncture Therapy in a Group Setting for Chronic Pain, *Pain Medicine*, 10.1093/pm/pnx134, (2017). [Crossref⁴⁹](#)
- Alexander Macdonald, Acupuncture Main Channels or Meridians: Visible Surfaces, *International Journal of Complementary & Alternative Medicine*, 10.15406/ijcam.2017.07.00233, 7, 4, (2017). [Crossref⁵⁰](#)
- Roshanak Ghods, Nasrin Sayfour, Mohammad Hossein Ayati, Anatomical Features of the Interscapular Area Where Wet Cupping Therapy Is Done and Its Possible Relation to Acupuncture Meridians, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/j.jams.2016.06.004, 9, 6, (290-296), (2016). [Crossref⁵¹](#)
- Laura Quiles, Electra Peluffo, Meridianos tendinomusculares (Jing Jin) y tejido fascial, comparativa anatómica y funcional, *Revista Internacional de Acupuntura*, 10.1016/j.acu.2016.01.002, 10, 1, (20-24), (2016). [Crossref⁵²](#)
- Tian Tian, Yanhong Sun, Huang Wu, Jian Pei, Jing Zhang, Yi Zhang, Lu Wang, Bin Li, Lihua Wang, Jiye Shi, Jun Hu, Chunhai Fan, Acupuncture promotes mTOR-independent autophagic clearance of aggregation-prone proteins in mouse brain, *Scientific Reports*, 10.1038/srep19714, 6, 1, (2016). [Crossref⁵³](#)
- Eric Leskowitz, Integrative Medicine for PTSD and TBI: Two Innovative Approaches, *Medical Acupuncture*, 10.1089/acu.2016.1168, 28, 4, (181-183), (2016). [Crossref⁵⁴](#)
- Sarah le Jeune, Kimberly Henneman, Kevin May, Acupuncture and Equine Rehabilitation, *Veterinary Clinics of North America: Equine Practice*, 10.1016/j.cveq.2015.12.004, 32, 1, (73-85), (2016). [Crossref⁵⁵](#)
- Charlotte H. Y. Lau, Xinyin Wu, Vincent C. H. Chung, Xin Liu, Edwin P. Hui, Holger Cramer, Romy Lauche, Samuel Y. S. Wong, Alexander Y. L. Lau, Regina W. S. Sit, Eric T. C. Ziea, Bacon F. L. Ng, Justin C. Y. Wu, Acupuncture and Related Therapies for Symptom Management in Palliative Cancer Care, *Medicine*, 10.1097/MD.0000000000002901, 95, 9, (e2901), (2016). [Crossref⁵⁶](#)
- Li Chen, Hai-Xiang Sun, You-Bing Xia, Liu-Cai Sui, Ji Zhou, Xuan Huang, Jing-Wei Zhou, Yi-Dan Shao, Tao Shen, Qin Sun, Yuan-Jiao Ling, Bing Yao, Electroacupuncture decreases the progression of ovarian hyperstimulation syndrome in a rat model, *Reproductive BioMedicine Online*, 10.1016/j.rbmo.2016.02.006, 32, 5, (538-544), (2016). [Crossref⁵⁷](#)
- Suzanne B. Hanser, Suzanne B. Hanser, Holistic Healing, Integrative Health through Music Therapy, 10.1057/978-1-137-38477-5, (35-54), (2016). [Crossref⁵⁸](#)
- Laurent Misery, Acupuncture, Pruritus, 10.1007/978-3-319-33142-3, (437-441), (2016). [Crossref⁵⁹](#)

122. <https://doi.org/10.1007/s42212-018-0037-8>
 123. <https://doi.org/10.1088/1742-6596/1073/6/062049>
 124. <https://doi.org/10.1016/j.acu.2018.02.001>
 125. <https://doi.org/10.1089/acm.2017.0366>
 126. <https://doi.org/10.1155/2018/4960978>
 127. <https://doi.org/10.1136/acupmed-2015-010847>
 128. <https://doi.org/10.1136/acupmed-2012-010223>
 129. <https://doi.org/10.1136/aim.2010.002485>
 130. <https://doi.org/10.1136/aim.26.2.86>
 131. <https://doi.org/10.15406/ijcam.2018.11.00363>
 132. <https://doi.org/10.3390/medicines5030063>
 133. <https://doi.org/10.3390/children5060074>
 134. <https://doi.org/10.1201/9781315120652>
 135. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2016.05.010>
 136. <https://doi.org/10.1089/acu.2016.1210>
 137. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2017.10.013>
 138. <https://doi.org/10.1016/j.jmpt.2016.10.011>
 139. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2017.03.007>
 140. <https://doi.org/10.1155/2017/2813437>

141. <https://doi.org/10.1063/1.4991499>
 142. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2017.10.004>
 143. <https://doi.org/10.1016/j.pmr.2016.12.011>
 144. <https://doi.org/10.1089/acm.2017.0028>
 145. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2017.01.006>
 146. <https://doi.org/10.1155/2017/2953278>
 147. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2017.08.006>
 148. <https://doi.org/10.3310/pgfar05030>
 149. <https://doi.org/10.1093/pm/pnx134>
 150. <https://doi.org/10.15406/ijcam.2017.07.00233>
 151. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2016.06.004>
 152. <https://doi.org/10.1016/j.acu.2016.01.002>
 153. <https://doi.org/10.1038/srep19714>
 154. <https://doi.org/10.1089/acu.2016.1168>
 155. <https://doi.org/10.1016/j.cveq.2015.12.004>
 156. <https://doi.org/10.1097/MD.0000000000002901>
 157. <https://doi.org/10.1016/j.rbmo.2016.02.006>
 158. <https://doi.org/10.1057/978-1-137-38477-5>
 159. <https://doi.org/10.1007/978-3-319-33142-3>

- Jing-Ke Guo, Ming-Ming Xu, Mei-Feng Zheng, Shu-Tao Liu, Jian-Wu Zhou, Li-Jing Ke, Tian-Bao Chen, Ping-Fan Rao, Topical Application of TAT-Superoxide Dismutase in Acupoints LI 20 on Allergic Rhinitis, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2016/3830273, 2016, (1-9), (2016). [Crossref⁶⁰](#)
- James L. Oschman, Acupuncture, Acupressure, Shiatsu, and Related Therapies, Energy Medicine, 10.1016/B978-0-443-06729-7.00014-4, (221-239), (2016). [Crossref⁶¹](#)
- Motti Ratmansky, Adi Levy, Aviv Messinger, Alla Birg, Lilach Front, Italy Treger, The Effects of Acupuncture on Cerebral Blood Flow in Post-Stroke Patients: A Randomized Controlled Trial, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2015.0066, 22, 1, (33-37), (2016). [Crossref⁶²](#)
- Marzio Vanzini, Michele Gallamini, Amblyopia: Can Laser Acupuncture be an Option?, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/j.jams.2016.01.017, 9, 5, (267-274), (2016). [Crossref⁶³](#)
- Bo M. Rowan†, J. Bryan Dixon, Complementary Medicine Practices for Muscular Injuries of the Posterior Leg, Muscular Injuries in the Posterior Leg, 10.1007/978-1-4899-7651-2, (153-168), (2016). [Crossref⁶⁴](#)
- HyunSuk Jang, Joohwan Yoon, HyunJi Gil, Sharon Jiyeon Jung, Min-Suk Kim, Jin-Kyu Lee, Young-Jae Kim, Kwang-Sup Soh, Observation of a Flowing Duct in the Abdominal Wall by Using Nanoparticles, PLOS ONE, 10.1371/journal.pone.0150423, 11, 3, (e0150423), (2016). [Crossref⁶⁵](#)
- Richard Cha, Detecting Intrinsic Movements through Needle Tips Pinned at Zusanli ST-36 Point - a New Method for Characterizing Structures for Acupuncture Treatments, International Journal of Complementary & Alternative Medicine, 10.15406/ijcam.2016.03.00100, 3, 6, (2016). [Crossref⁶⁶](#)
- Raphael J. Hochstrasser, P. Christian Endler, Sabine D. Klein, Perception of Therapeutic Qi, a Nonmechanical, Nonpsychological Factor in Acupuncture That Originates from the Therapist, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/j.jams.2014.11.009, 8, 4, (203-208), (2015). [Crossref⁶⁷](#)
- Carla Stecco, Warren Hammer, Andry Vleeming, Raffaele De Caro, Fasciae of the Upper Limb, Functional Atlas of the Human Fascial System, 10.1016/B978-0-7020-4430-4.00007-5, (217-287), (2015). [Crossref⁶⁸](#)
- Shu-Ming Wang, Acupuncture as a Treatment for Substance Abuse in Pediatric Patients, Substance Abuse, 10.1007/978-1-4939-1951-2, (349-357), (2015). [Crossref⁶⁹](#)
- Mei-Ling Wu, Dong-Sheng Xu, Wan-Zhu Bai, Jing-Jing Cui, Hong-Ming Shu, Wei He, Xiao-Yu Wang, Hong Shi, Yang-Shuai Su, Ling Hu, Bing Zhu, Xiang-Hong Jing, Local cutaneous nerve terminal and mast cell responses to manual acupuncture in acupoint LI4 area of the rats, Journal of Chemical Neuroanatomy, 10.1016/j.jchemneu.2015.06.002, 68, (14-21), (2015). [Crossref⁷⁰](#)
- Mark J. McDonald, Will the Primo Vascular System Finally Solve the Mystery of Acupuncture?, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2014.1075, 27, 1, (33-37), (2015). [Crossref⁷¹](#)
- Wei-Bo Zhang, Guang-Jun Wang, Kjell Fuxe, Classic and Modern Meridian Studies: A Review of Low Hydraulic Resistance Channels along Meridians and Their Relevance for Therapeutic Effects in Traditional Chinese Medicine, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2015/410979, 2015, (1-14), (2015). [Crossref⁷²](#)
- Xiaqiu Wu, Jin Peng, Guoqin Li, Wei Zhang, Guangxia Liu, Baoyan Liu, Efficacy evaluation of summer acupoint application treatment on asthma patients: a two-year follow-up clinical study, Journal of Traditional Chinese Medicine, 10.1016/S0254-6272(15)30004-2, 35, 1, (21-27), (2015). [Crossref⁷³](#)
- Won-Mo Jung, Taehyung Lee, In-Seon Lee, Sanghyun Kim, Hyunchul Jang, Song-Yi Kim, Hi-Joon Park, Younbyoung Chae, Spatial Patterns of the Indications of Acupoints Using Data Mining in Classic Medical Text: A Possible Visualization of the Meridian System, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2015/457071, 2015, (1-7), (2015). [Crossref⁷⁴](#)
- Kwang-Sup Soh, Hypothesis on the Treatment of Gliomas with Acupuncture at the Primo Node Corresponding to Zusanli (ST 36), Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2014.1089, 27, 3, (144-150), (2015). [Crossref⁷⁵](#)
- Marco Gemma, Elisa Nicelli, Luigi Gioia, Elena Moizo, Luigi Beretta, Maria Rosa Calvi, Acupuncture accelerates recovery after general anesthesia: a prospective randomized controlled trial, Journal of Integrative Medicine, 10.1016/S2095-4964(15)60159-5, 13, 2, (99-104), (2015). [Crossref⁷⁶](#)
- Michele Gallamini, Giovanni D'Angelo, Gabriele Belloni, Biolite: A Patented Ultra-Low-Level Laser-Therapy Device for Treating Musculoskeletal Pain and Associated Impairments, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/j.jams.2015.02.001, 8, 4, (167-174), (2015). [Crossref⁷⁷](#)
160. <https://doi.org/10.1155/2016/3830273>
161. <https://doi.org/10.1016/B978-0-443-06729-7.00014-4>
162. <https://doi.org/10.1089/acm.2015.0066>
163. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2016.01.017>
164. <https://doi.org/10.1007/978-1-4899-7651-2>
165. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0150423>
166. <https://doi.org/10.15406/ijcam.2016.03.00100>
167. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2014.11.009>
168. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-4430-4.00007-5>
169. <https://doi.org/10.1007/978-1-4939-1951-2>
170. <https://doi.org/10.1016/j.jchemneu.2015.06.002>
171. <https://doi.org/10.1089/acu.2014.1075>
172. <https://doi.org/10.1155/2015/410979>
173. [https://doi.org/10.1016/S0254-6272\(15\)30004-2](https://doi.org/10.1016/S0254-6272(15)30004-2)
174. <https://doi.org/10.1155/2015/457071>
175. <https://doi.org/10.1089/acu.2014.1089>
176. [https://doi.org/10.1016/S2095-4964\(15\)60159-5](https://doi.org/10.1016/S2095-4964(15)60159-5)
177. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2015.02.001>
- Poney Chiang, What is the Point of Acupuncture?, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2015.1093, 27, 2, (67-80), (2015). [Crossref⁷⁸](#)
- Richard F. Hobbs, Acupuncture—Biophysics or Metaphysics?, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2015.1097, 27, 2, (62-66), (2015). [Crossref⁷⁹](#)
- Ali Khorsand, Jiang Zhu, Hamidreza Bahrami-Taghanaki, Sara Baghani, Liangxiao Ma, Shima Rezaei, Investigation of the electrical impedance of acupuncture points and non-acupuncture points before and after acupuncture, using a four-electrode device, Acupuncture in Medicine, 10.1136/acupmed-2014-010697, 33, 3, (230-236), (2015). [Crossref⁸⁰](#)
- Fang Li, Tian He, Qian Xu, Li - Ting Lin, Hui Li, Yan Liu, Guang - Xia Shi, Cun - Zhi Liu, What is the Acupoint? A preliminary review of Acupoints, Pain Medicine, 10.1111/pme.12761, 16, 10, (1905-1915), (2015). [Wiley Online Library⁸¹](#)
- Song-Yi Kim, Sang-Woo Kim, Hi-Joon Park, Different Responses to Acupuncture in Electroencephalogram according to Stress Level: A Randomized, Placebo-Controlled, Cross-Over Trial, Korean Journal of Acupuncture, 10.14406/acu.2014.022, 31, 3, (136-145), (2014). [Crossref⁸²](#)
- Heming Zhu, Acupoints Initiate the Healing Process, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2014.1057, 26, 5, (264-270), (2014). [Crossref⁸³](#)
- G. Ding, Z. Wu, D. Zhang, Z. Sa, K. Cheng, Biophysical Bases of Acupuncture, Comprehensive Biomedical Physics, 10.1016/B978-0-444-53632-7.01018-2, (299-316), (2014). [Crossref⁸⁴](#)
- Yuan-yuan Lin, Yin-ping Wang, Hao-yang Lu, Xiu-cai Guo, Xia Liu, Chuan-bin Wu, Yue-hong Xu, Plasma pharmacokinetics and lung distribution of tetrahydropalmatine after topical application of cold asthma recipe extract: Feishu (BL 13) versus Non-Feishu acupoint, Journal of Ethnopharmacology, 10.1016/j.jep.2014.03.009, 153, 2, (454-460), (2014). [Crossref⁸⁵](#)
- Yiu Ming Wong, Electrical Property of Acupoints, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2013.0169, 20, 2, (145-146), (2014). [Crossref⁸⁶](#)
- Nadia Elisabeth Haddad, Oxana Palesh, Acupuncture in the Treatment of Cancer-Related Psychological Symptoms, Integrative Cancer Therapies, 10.1177/1534735413520181, 13, 5, (371-385), (2014). [Crossref⁸⁷](#)
- Soo-Byeong Kim, Kyung-Yul Chung, Mi-Seon Jeon, Tae-Min Shin, Yong-Heum Lee, Body Composition Factor Comparisons of the Intracellular Fluid (ICW), Extracellular Fluid (ECW) and Cell Membrane at Acupuncture Points and Non-Acupuncture Points by Inducing Multiple Ionic Changes, Korean Journal of Acupuncture, 10.14406/acu.2014.005, 31, 2, (66-78), (2014). [Crossref⁸⁸](#)
- Martha Liliana Beltrán Molano, Laura Bibiana Pinilla Bonilla, Eduardo Humberto Beltrán Dussan, Carlos Alberto Vásquez Londoño, Anatomic-Functional Correlation between Head Zones and Acupuncture Channels and Points: A Comparative Analysis from the Perspective of Neural Therapy, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2014/836392, 2014, (1-12), (2014). [Crossref⁸⁹](#)
- Evan H. Kwong, Thomas W. Findley, Fascia—Current knowledge and future directions in physiatry: Narrative review, Journal of Rehabilitation Research and Development, 10.1682/JRRD.2013.10.0220, 51, 6, (875-884), (2014). [Crossref⁹⁰](#)
- Kwokming James Cheng, Neurobiological Mechanisms of Acupuncture for Some Common Illnesses: A Clinician's Perspective, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/j.jams.2013.07.008, 7, 3, (105-114), (2014). [Crossref⁹¹](#)
- Jing-Wen Yang, Qian-Qian Li, Fang Li, Qing-Nan Fu, Xiang-Hong Zeng, Cun-Zhi Liu, The Holistic Effects of Acupuncture Treatment, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2014/739708, 2014, (1-10), (2014). [Crossref⁹²](#)
- Shu-Yih Wu, Wei-Hsin Chen, Ching-Liang Hsieh, Yi-Wen Lin, Abundant expression and functional participation of TRPV1 at Zusanli acupoint (ST36) in mice: mechanosensitive TRPV1 as an “acupuncture-responding channel”, BMC Complementary and Alternative Medicine, 10.1186/1472-6882-14-96, 14, 1, (2014). [Crossref⁹³](#)
- Morry Silberstein, Is acupuncture “stimulation” a misnomer? A case for using the term “blockade”, BMC Complementary and Alternative Medicine, 10.1186/1472-6882-13-68, 13, 1, (2013). [Crossref⁹⁴](#)
- In-Seon Lee, Soon-Ho Lee, Song-Yi Kim, Hyejung Lee, Hi-Joon Park, Younbyoung Chae, Visualization of the Meridian System Based on Biomedical Information about Acupuncture Treatment, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2013/872142, 2013, (1-5), (2013). [Crossref⁹⁵](#)
- Helene M. Langevin, Part 1, Trigger Point Dry Needling, 10.1016/B978-0-7020-4601-8.10008-8, (29-33), (2013). [Crossref⁹⁶](#)
- Byung-Cheon Lee, Walter J. Akers, Xianghong Jing, M. Isabel Miguel Perez, Yeonhee
178. <https://doi.org/10.1089/acu.2015.1093>
179. <https://doi.org/10.1089/acu.2015.1097>
180. <https://doi.org/10.1136/acupmed-2014-010697>
181. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/pme.12761>
182. <https://doi.org/10.14406/acu.2014.022>
183. <https://doi.org/10.1089/acu.2014.1057>
184. <https://doi.org/10.1016/B978-0-444-53632-7.01018-2>
185. <https://doi.org/10.1016/j.jep.2014.03.009>
186. <https://doi.org/10.1089/acm.2013.0169>
187. <https://doi.org/10.1177/1534735413520181>
188. <https://doi.org/10.14406/acu.2014.005>
189. <https://doi.org/10.1155/2014/836392>
190. <https://doi.org/10.1682/JRRD.2013.10.0220>
191. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2013.07.008>
192. <https://doi.org/10.1155/2014/739708>
193. <https://doi.org/10.1186/1472-6882-14-96>
194. <https://doi.org/10.1186/1472-6882-13-68>
195. <https://doi.org/10.1155/2013/872142>
196. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-4601-8.10008-8>

- Ryu, Primo Vascular System: Past, Present, and Future, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2013/240168, 2013, (1-2), (2013). [Crossref¹⁹⁷](#)
- Andrew Bannan, Acupuncture in physiotherapy, Tidy's Physiotherapy, 10.1016/B978-0-7020-4344-4.00018-3, (403-415), (2013). [Crossref¹⁹⁸](#)
- Im Quah-Smith, Caroline Smith, John D. Crawford, Janice Russell, Laser acupuncture for depression: A randomised double blind controlled trial using low intensity laser intervention, Journal of Affective Disorders, 10.1016/j.jad.2012.11.058, 148, 2-3, (179-187), (2013). [Crossref¹⁹⁹](#)
- C. Will Chen, Chen-Jei Tai, Cheuk-Sing Choy, Chau-Yun Hsu, Shoi-Loon Lin, Wing P. Chan, Han-Sun Chiang, Chang-An Chen, Ting-Kai Leung, Wave-Induced Flow in Meridians Demonstrated Using Photoluminescent Bioceramic Material on Acupuncture Points, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2013/739293, 2013, (1-11), (2013). [Crossref²⁰⁰](#)
- Raphael J. Hochstrasser, P. Christian Endler, Sabine D. Klein, Introduction of two novel devices for investigating the influence of non-mechanical components such as therapeutic qi in acupuncture, Journal of Integrative Medicine, 10.3736/jintegrated.2013030, 11, 3, (168-174), (2013). [Crossref²⁰¹](#)
- W. Evan Rivers, Felise Zollman, Reliability of Surface Acupuncture Point Location, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2012.0929, 25, 2, (134-140), (2013). [Crossref²⁰²](#)
- Stefano Marcelli, Gross Anatomy and Acupuncture: A Comparative Approach to Reappraise the Meridian System, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2012.0875, 25, 1, (5-22), (2013). [Crossref²⁰³](#)
- Jaung-Geng Lin, Pei-Chi Chou, Heng-Yi Chu, An Exploration of the Needling Depth in Acupuncture: The Safe Needling Depth and the Needling Depth of Clinical Efficacy, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2013/740508, 2013, (1-21), (2013). [Crossref²⁰⁴](#)
- DARCY A. UMPHRED, CAROL M. DAVIS, MARY LOU GALANTINO, Complementary and alternative therapies: beyond traditional approaches to intervention in neurological diseases and movement disorders, Neurological Rehabilitation, 10.1016/B978-0-323-07586-2.00048-0, (1173-1214), (2013). [Crossref²⁰⁵](#)
- Alessandra de Almeida Fagundes, Mariana César Ribeiro Reis, Maira Salles, Maria Graças Bastos Licurci, Immediate Effects of Acupuncture for Managing Myofascial Trigger-Point Pain: A Pilot Study, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2012.0902, 25, 1, (55-60), (2013). [Crossref²⁰⁶](#)
- Yi Zhuang, Jing-jing Xing, Juan Li, Bai-Yun Zeng, Fan-rong Liang, History of Acupuncture Research, Neurobiology of Acupuncture, 10.1016/B978-0-12-411545-3.00001-8, (1-23), (2013). [Crossref²⁰⁷](#)
- Arya Nielsen, Ted J. Kaptchuk, Sha syndrome and Gua sha, cao gio, coining, scraping, Gua Sha, 10.1016/B978-0-7020-3108-3.00005-4, (39-44), (2013). [Crossref²⁰⁸](#)
- Arya Nielsen, Ted J. Kaptchuk, Physiology of Gua sha, Gua Sha, 10.1016/B978-0-7020-3108-3.00003-0, (21-30), (2013). [Crossref²⁰⁹](#)
- Shirley P.C. Ngai, Alice Y.M. Jones, Changes in Skin Impedance and Heart Rate Variability with Application of Acu-TENS to BL 13 (Feishu) , The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2012.0097, 19, 6, (558-563), (2013). [Crossref²¹⁰](#)
- Isabelle Nègre, Méthodes non médicamenteuses : compréhension actuelle des mécanismes d'action, Douleurs : Evaluation - Diagnostic - Traitement, 10.1016/j.douler.2013.01.007, 14, 3, (111-118), (2013). [Crossref²¹¹](#)
- Guanghong Ding, Di Zhang, Meng Huang, Lina Wang, Wei Yao, Function of Collagen and Mast Cells in Acupuncture Points, Current Research in Acupuncture, 10.1007/978-1-4614-3357-6, (53-87), (2013). [Crossref²¹²](#)
- Sung - Ho Lee, Geon - Ho Jahng, Il - Hwan Choe, Chi - Bong Choi, Dae - Hyun Kim, Hwi - Yool Kim, Neural Pathway Interference by Retained Acupuncture: A Functional MRI Study of a Dog Model of Parkinson's Disease, CNS Neuroscience & Therapeutics, 10.1111/cns.12108, 19, 8, (585-595), (2013). [Wiley Online Library²¹³](#)
- Hee Young Kim, Sung Tae Koo, Jae Hyo Kim, Kyungeh An, Kyungsoon Chung, Jin Mo Chung, Electroacupuncture analgesia in rat ankle sprain pain model: neural mechanisms, Neurological Research, 10.1179/016164109X12537002793689, 32, sup1, (10-17), (2013). [Crossref²¹⁴](#)
- ChangShik Yin, ByungKwan Seo, Hi-Joon Park, Miran Cho, WooSang Jung, Ryowon Choue, ChangHwan Kim, Hun-Kuk Park, Hyejung Lee, HyeongGyun Koh, Acupuncture, a promising adjunctive therapy for essential hypertension: a double-blind, randomized, controlled trial, Neurological Research, 10.1179/016164107X172220, 29, sup1, (98-103), (2013). [Crossref²¹⁵](#)
- Gary Deng, Barrie Cassileth, Complementary or alternative medicine in cancer care—myths and realities, Nature Reviews Clinical Oncology, 10.1038/nrclinonc.2013.125, 10, 11, (656-664), (2013). [Crossref²¹⁶](#)
- James L. Oschman, Fascia as a body-wide communication system, Fascia: The Tensional Network of the Human Body, 10.1016/B978-0-7020-3425-1.00049-0, (103-110), (2012). [Crossref²¹⁷](#)
- David Feinstein, Acupoint Stimulation in Treating Psychological Disorders: Evidence of Efficacy, Review of General Psychology, 10.1037/a0028602, 16, 4, (364-380), (2012). [Crossref²¹⁸](#)
- Jun J. Mao, Malini M. Khanna, Integrating Acupuncture with Western Medicine in Cancer Treatment, Acupuncture and Moxibustion as an Evidence-based Therapy for Cancer, 10.1007/978-94-007-4833-0_14, (313-328), (2012). [Crossref²¹⁹](#)
- Alex Benham, Mark I. Johnson, Characterization of Painful and Non-painful Acupuncture Needle Sensations During Bidirectional Rotation of a Single Needle Inserted 15–25 mm at Large Intestine 10, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2011.0861, 24, 3, (172-180), (2012). [Crossref²²⁰](#)
- Li-Ling Lin, Ya-Hui Wang, Chi-Yu Lai, Chan-Lao Chau, Guan-Chin Su, Chun-Yi Yang, Shu-Ying Lou, Szu-Kai Chen, Kuan-Hao Hsu, Yen-Ling Lai, Wei-Ming Wu, Jian-Long Huang, Chih-Hsin Liao, Hsueh-Fen Juan, Systems Biology of Meridians, Acupoints, and Chinese Herbs in Disease, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2012/372670, 2012, (1-13), (2012). [Crossref²²¹](#)
- Arya Nielsen, Gua sha, Fascia: The Tensional Network of the Human Body, 10.1016/B978-0-7020-3425-1.00009-X, (359-365), (2012). [Crossref²²²](#)
- Hugh MacPherson, Richard Hammerschlag, Acupuncture and the Emerging Evidence Base: Contrived Controversy and Rational Debate, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/j.jams.2012.05.001, 5, 4, (141-147), (2012). [Crossref²²³](#)
- Yejin Ha, Misun Kim, Jiseon Nah, Minah Suh, Youngmi Lee, Measurements of Location-Dependent Nitric Oxide Levels on Skin Surface in relation to Acupuncture Point, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2012/781460, 2012, (1-7), (2012). [Crossref²²⁴](#)
- Elisabeth Hsu, "Feeling lighter": Why the patient's treatment evaluation matters to the health scientist, Integrative Medicine Research, 10.1016/j.imr.2012.10.003, 1, 1, (5-12), (2012). [Crossref²²⁵](#)
- Petra I. Bäuml, Michael Simang, Sybille Kramer, Dominik Irnich, Acupuncture Point Localization Varies Among Acupuncturists, Forschende Komplementärmedizin / Research in Complementary Medicine, 10.1159/000335825, 19, 1, (31-37), (2012). [Crossref²²⁶](#)
- Belinda Anderson, Arya Nielsen, Diane McKee, Anne Jeffers, Ben Kligler, Acupuncture and Heart Rate Variability: A Systems Level Approach to Understanding Mechanism, EXPLORE: The Journal of Science and Healing, 10.1016/j.explore.2011.12.002, 8, 2, (99-106), (2012). [Crossref²²⁷](#)
- Xiaoyu Wang, Hong Shi, Hongyan Shang, Yangshuai Su, Juanjuan Xin, Wei He, Xianghong Jing, Bing Zhu, Are Primo Vessels (PVs) on the Surface of Gastrointestine Involved in Regulation of Gastric Motility Induced by Stimulating Acupoints ST36 or CV12?, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2012/787683, 2012, (1-8), (2012). [Crossref²²⁸](#)
- Dominik Irnich, Johannes Fleckenstein, Acupuncture as a fascia-oriented therapy, Fascia: The Tensional Network of the Human Body, 10.1016/B978-0-7020-3425-1.00010-6, (349-357), (2012). [Crossref²²⁹](#)
- Byung-Cheon Lee, Zhendong Su, Baekkyoung Sung, Ki Woo Kim, Jin-Myung Cha, Jin-Kyu Lee, Byung-Joon Chang, Kwang-Sup Soh, Network of the Primo Vascular System in the Rat Hypodermis, The Primo Vascular System, 10.1007/978-1-4614-0601-3, (139-146), (2012). [Crossref²³⁰](#)
- Kyung-Hee Bae, Zhendong Su, Kwang-Sup Soh, Hee Min Kwon, Histological Comparison of Primo Nodes in Abdominal Membrane and Lymph Nodes of Rat, The Primo Vascular System, 10.1007/978-1-4614-0601-3, (127-131), (2012). [Crossref²³¹](#)
- Yu Bai, Lin Yuan, Yong Huang, Chun-lei Wang, Jun Wang, Jin-peng Wu, Jing-xing Dai, Dong-fei Li, Chun Yang, Mei-chun Yu, Hui-ying Yang, Hui Tao, Ou Sha, David Tai Wai Yew, From the Anatomical Discovery of Meridians and Collaterals to Fasciology Theory, The Primo Vascular System, 10.1007/978-1-4614-0601-3, (305-318), (2012). [Crossref²³²](#)
- Wei Yao, Yabei Li, Guanghong Ding, Interstitial Fluid Flow: The Mechanical Environment of Cells and Foundation of Meridians, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2012/853516, 2012, (1-9), (2012). [Crossref²³³](#)
- Jungdae Kim, Dae-In Kang, Kwang-Sup Soh, Sungchul Kim, Analysis on Postmortem Tissues at Acupuncture Points in the Image Datasets of Visible Human Project, The Journal of

197. <https://doi.org/10.1155/2013/240168>
 198. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-4344-4.00018-3>
 199. <https://doi.org/10.1016/j.jad.2012.11.058>
 200. <https://doi.org/10.1155/2013/739293>
 201. <https://doi.org/10.3736/jintegrated.2013030>
 202. <https://doi.org/10.1089/acu.2012.0929>
 203. <https://doi.org/10.1089/acu.2012.0875>
 204. <https://doi.org/10.1155/2013/740508>
 205. <https://doi.org/10.1016/B978-0-323-07586-2.00048-0>
 206. <https://doi.org/10.1089/acu.2012.0902>
 207. <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-411545-3.00001-8>
 208. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3108-3.00005-4>
 209. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3108-3.00003-0>
 210. <https://doi.org/10.1089/acm.2012.0097>
 211. <https://doi.org/10.1016/j.douler.2013.01.007>
 212. <https://doi.org/10.1007/978-1-4614-3357-6>
 213. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/cns.12108>
 214. <https://doi.org/10.1179/016164109X12537002793689>
 215. <https://doi.org/10.1179/016164107X172220>

216. <https://doi.org/10.1038/nrclinonc.2013.125>
 217. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3425-1.00049-0>
 218. <https://doi.org/10.1037/a0028602>
 219. https://doi.org/10.1007/978-94-007-4833-0_14
 220. <https://doi.org/10.1089/acu.2011.0861>
 221. <https://doi.org/10.1155/2012/372670>
 222. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3425-1.00009-X>
 223. <https://doi.org/10.1016/j.jams.2012.05.001>
 224. <https://doi.org/10.1155/2012/781460>
 225. <https://doi.org/10.1016/j.imr.2012.10.003>
 226. <https://doi.org/10.1159/000335825>
 227. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2011.12.002>
 228. <https://doi.org/10.1155/2012/787683>
 229. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3425-1.00010-6>
 230. <https://doi.org/10.1007/978-1-4614-0601-3>
 231. <https://doi.org/10.1007/978-1-4614-0601-3>
 232. <https://doi.org/10.1007/978-1-4614-0601-3>
 233. <https://doi.org/10.1155/2012/853516>

- Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2010.0850, 18, 2, (120-129), (2012). [Crossref²³⁴](#)
- Marcelo L Silva, Josie RT Silva, Wilian A Prado, The antinociceptive effect of electroacupuncture at different depths of acupoints and under the needling surface, Chinese Medicine, 10.1186/1749-8546-7-3, 7, 1, (2012). [Crossref²³⁵](#)
- Hong-Qin Yang, Shu-Shen Xie, Song-Hao Liu, Hui Li, Zhou-Yi Guo, Differences in Optical Transport Properties between Human Meridian and Non-meridian, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X07005235, 35, 05, (743-752), (2012). [Crossref²³⁶](#)
- Kaung-Ti Yung, A Birdcage Model for the Chinese Meridian System Part VI: Meridians as the Primary Regulatory System, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X05003302, 33, 05, (759-766), (2012). [Crossref²³⁷](#)
- Letter to the Editor, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X05003119, 33, 03, (513-515), (2012). [Crossref²³⁸](#)
- A. Paraskeva, A. Melemini, G. Petropoulos, I. Siafaka, A. Fassoulaki, Needling of the Extra 1 Point Decreases BIS Values and Preoperative Anxiety, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X04002363, 32, 05, (789-794), (2012). [Crossref²³⁹](#)
- Francisco Abad-Alegria, Carlos Pomarón, About the Neurobiological Foundations of the De-Qi — Stimulus-Response Relation, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X04002375, 32, 05, (807-814), (2012). [Crossref²⁴⁰](#)
- Jesse Li-Ling, Human Phenome Based on Traditional Chinese Medicine — A Solution to Congenital Syndromology, The American Journal of Chinese Medicine, 10.1142/S0192415X03001594, 31, 06, (991-1000), (2012). [Crossref²⁴¹](#)
- Lisa S. Lancaster, Robert M. Bowker, Acupuncture Points of the Horse's Distal Thoracic Limb: A Neuroanatomic Approach to the Transposition of Traditional Points, Animals, 10.3390/ani2030455, 2, 4, (455-471), (2012). [Crossref²⁴²](#)
- Houju Fu, Yuanqiao He, Ying Gao, Yicun Man, Wukun Liu, Hua Hao, Acupuncture on the Endometrial Morphology, the Serum Estradiol and Progesterone Levels, and the Expression of Endometrial Leukaemia-inhibitor Factor and Osteopontin in Rats, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2011/606514, 2011, (1-9), (2011). [Crossref²⁴³](#)
- Steven Finando, Donna Finando, Fascia and the mechanism of acupuncture, Journal of Bodywork and Movement Therapies, 10.1016/j.jbmt.2010.03.001, 15, 2, (168-176), (2011). [Crossref²⁴⁴](#)
- Hyung-Joo Moon, Yong-Keun Lee, The Relationship Between Dental Occlusion/Temporomandibular Joint Status and General Body Health: Part 2. Fascial Connection of TMJ with Other Parts of the Body, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2010.0740, 17, 12, (1119-1124), (2011). [Crossref²⁴⁵](#)
- Yu Bai, Jun Wang, Jin-peng Wu, Jing-xing Dai, Ou Sha, David Tai Wai Yew, Lin Yuan, Qiu-ni Liang, Review of Evidence Suggesting that the Fascia Network Could Be the Anatomical Basis for Acupoints and Meridians in the Human Body, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1155/2011/260510, 2011, (1-6), (2011). [Crossref²⁴⁶](#)
- James L. Oschman, Foreword and Special Contribution: The Living Matrix, Energy Medicine East and West, 10.1016/B978-0-7020-3571-5.00032-9, (x-xix), (2011). [Crossref²⁴⁷](#)
- Therapie myofaszialer Schmerzsyndrome, Myofasziale Schmerzen und Triggerpunkte, 10.1016/B978-3-437-23095-0.10004-5, (51-91), (2011). [Crossref²⁴⁸](#)
- Xiangeng Zhang, Hui Zhang, Xiaoli Liang, Qin Liu, Miqu Wang, Gynecology and Gynecological Nursing Theories and Practices in Traditional Chinese Medicine: Review on the Ancient Literatures, Chinese Medicine, 10.4236/cm.2011.23014, 02, 03, (77-83), (2011). [Crossref²⁴⁹](#)
- Pei-Chi Chou, Heng-Yi Chu, Jaung-Geng Lin, Safe Needling Depth of Acupuncture Points, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2010.0192, 17, 3, (199-206), (2011). [Crossref²⁵⁰](#)
- References and further reading, Energy Medicine East and West, 10.1016/B978-0-7020-3571-5.00037-8, (339-382), (2011). [Crossref²⁵¹](#)
- Dongming Zhang, Xiaohui Yan, Xinyi Zhang, Chenglin Liu, Ruishan Dang, Tiqiao Xiao, Peiping Zhu, Synchrotron radiation phase-contrast X-ray CT imaging of acupuncture points, Analytical and Bioanalytical Chemistry, 10.1007/s00216-011-4913-7, 401, 3, (803-808), (2011). [Crossref²⁵²](#)
- Stéphane J - P. Egot - Lemaire, Marvin C. Ziskin, Dielectric properties of human skin at an acupuncture point in the 50–75 GHz frequency range: A pilot study, Bioelectromagnetics, 10.1002/bem.20650, 32, 5, (360-366), (2011). [Wiley Online Library²⁵³](#)
- Chi Eung Danform Lim, Felix Wu Shun Wong, Warren Smith, Factors influencing the bio-impedance data in tissue segments along the three arm meridians: a pilot study, TANG [HUMANITAS MEDICINE], 10.5667/tang.2011.0004, 1, 1, (7.1-7.9), (2011). [Crossref²⁵⁴](#)
- Luigi Baratto, Laura Calzà, Roberto Capra, Michele Gallamini, Luciana Giardino, Alessandro Giuliani, Luca Lorenzini, Silvano Traverso, Ultra-low-level laser therapy, Lasers in Medical Science, 10.1007/s10103-010-0837-2, 26, 1, (103-112), (2010). [Crossref²⁵⁵](#)
- Yavuz Beyazit, Murat Kekilli, Fatma Beyazit, Sticking the pieces together: A unifying hypothesis for the acupuncture meridian pathways and extracellular signalling, Medical Hypotheses, 10.1016/j.mehy.2010.01.022, 74, 6, (1088), (2010). [Crossref²⁵⁶](#)
- Hugh Gemmill, Peter Miller, Relative effectiveness and adverse effects of cervical manipulation, mobilisation and the activator instrument in patients with sub-acute non-specific neck pain: results from a stopped randomised trial, Chiropractic & Osteopathy, 10.1186/1746-1340-18-20, 18, 1, (2010). [Crossref²⁵⁷](#)
- Peter T. Dorsher, Clinical Equivalence of Laser Needle to Metal Acupuncture Needle in Treating Musculoskeletal Pain: A Pilot Study, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2009.0724, 22, 1, (11-17), (2010). [Crossref²⁵⁸](#)
- Marco Antonio Helio da Silva, A Neurosegmental Perspective of the Classical Back Shu Points, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2010.0762, 22, 4, (257-264), (2010). [Crossref²⁵⁹](#)
- Laurent Misery, Laurence Potin-Richard, Itch and Acupuncture, Pruritus, 10.1007/978-1-84882-322-8, (335-338), (2010). [Crossref²⁶⁰](#)
- Guang Ying Huang, Cui Hong Zheng, Yun Xia Wu, Wei Wang, Involvement of connexin 43 in the acupuncture effect of improving rat blastocyst implantation, Fertility and Sterility, 10.1016/j.fertnstert.2009.09.036, 93, 5, (1715-1717), (2010). [Crossref²⁶¹](#)
- Felix Wu Shun Wong, Chi Eung Danform Lim, Warren Smith, A New Bioimpedance Research Device (BIRD) for Measuring the Electrical Impedance of Acupuncture Meridians, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2009.0218, 16, 3, (257-264), (2010). [Crossref²⁶²](#)
- Jennifer A. M. Stone, Peter A. S. Johnstone, Mechanisms of Action for Acupuncture in the Oncology Setting, Current Treatment Options in Oncology, 10.1007/s11864-010-0128-y, 11, 3-4, (118-127), (2010). [Crossref²⁶³](#)
- Yu Bai, Lin Yuan, Kwang-Sup Soh, Byung-Cheon Lee, Yong Huang, Chun-lei Wang, Jun Wang, Jin-peng Wu, Jing-xing Dai, Janos Palhalmi, Ou Sha, David Tai Wai Yew, Possible Applications for Fascial Anatomy and Fasciology in Traditional Chinese Medicine, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/S2005-2901(10)60023-4, 3, 2, (125-132), (2010). [Crossref²⁶⁴](#)
- Peter T. Dorsher, The Languages of Healing: Linked by a Common Thread, The Journal of Alternative and Complementary Medicine, 10.1089/acm.2009.0527, 16, 8, (907-913), (2010). [Crossref²⁶⁵](#)
- Fei Zhou, Dengkai Huang YingXia, Neuroanatomic Basis of Acupuncture Points, Acupuncture Therapy for Neurological Diseases, 10.1007/978-3-642-10857-0, (32-80), (2010). [Crossref²⁶⁶](#)
- Roeland van Wijk, Jan van der Greef, Eduard van Wijk, Human Ultraweak Photon Emission and the Yin Yang Concept of Chinese Medicine, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/S2005-2901(10)60041-6, 3, 4, (221-231), (2010). [Crossref²⁶⁷](#)
- Pierre Boutouyrie, Robert Corvisier, Kim-Thao Ong, Claire Vulser, Catherine Lassalle, Michel Azizi, Brigitte Laloux, Stéphane Laurent, Acute and chronic effects of acupuncture on radial artery: A randomized double blind study in migraine, Artery Research, 10.1016/j.artres.2009.12.003, 4, 1, (7-14), (2010). [Crossref²⁶⁸](#)
- Jun J. Mao, Rahul Kapur, Acupuncture in Primary Care, Primary Care: Clinics in Office Practice, 10.1016/j.pop.2009.09.010, 37, 1, (105-117), (2010). [Crossref²⁶⁹](#)
- Andrew C. Ahn, Min Park, Jessica R. Shaw, Claire A. McManus, Ted J. Kaptchuk, Helene M. Langevin, Electrical Impedance of Acupuncture Meridians: The Relevance of Subcutaneous Collagenous Bands, PLoS ONE, 10.1371/journal.pone.0011907, 5, 7, (e11907), (2010). [Crossref²⁷⁰](#)
- Kang Cheng, Chang Hua Zou, Information Models of Acupuncture Analgesia and Meridian Channels, Information, 10.3390/info1020153, 1, 2, (153-168), (2010). [Crossref²⁷¹](#)
- Peter T. Dorsher, Myofascial Meridians as Anatomical Evidence of Acupuncture Channels, Medical Acupuncture, 10.1089/acu.2009.0631, 21, 2, (91-97), (2009). [Crossref²⁷²](#)
- Kwang-Sup Soh, Bonghan Circulatory System as an Extension of Acupuncture Meridians, Journal of Acupuncture and Meridian Studies, 10.1016/S2005-2901(09)60041-8, 2, 2, (93-106), (2009). [Crossref²⁷³](#)

234. <https://doi.org/10.1089/acm.2010.0850>235. <https://doi.org/10.1186/1749-8546-7-3>236. <https://doi.org/10.1142/S0192415X07005235>237. <https://doi.org/10.1142/S0192415X05003302>238. <https://doi.org/10.1142/S0192415X05003119>239. <https://doi.org/10.1142/S0192415X04002363>240. <https://doi.org/10.1142/S0192415X04002375>241. <https://doi.org/10.1142/S0192415X03001594>242. <https://doi.org/10.3390/ani2030455>243. <https://doi.org/10.1155/2011/606514>244. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2010.03.001>245. <https://doi.org/10.1089/acm.2010.0740>246. <https://doi.org/10.1155/2011/260510>247. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3571-5.00032-9>248. <https://doi.org/10.1016/B978-3-437-23095-0.10004-5>249. <https://doi.org/10.4236/cm.2011.23014>250. <https://doi.org/10.1089/acm.2010.0192>251. <https://doi.org/10.1016/B978-0-7020-3571-5.00037-8>252. <https://doi.org/10.1007/s00216-011-4913-7>253. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/bem.20650>254. <https://doi.org/10.5667/tang.2011.0004>255. <https://doi.org/10.1007/s10103-010-0837-2>256. <https://doi.org/10.1016/j.mehy.2010.01.022>257. <https://doi.org/10.1186/1746-1340-18-20>258. <https://doi.org/10.1089/acu.2009.0724>259. <https://doi.org/10.1089/acu.2010.0762>260. <https://doi.org/10.1007/978-1-84882-322-8>261. <https://doi.org/10.1016/j.fertnstert.2009.09.036>262. <https://doi.org/10.1089/acm.2009.0218>263. <https://doi.org/10.1007/s11864-010-0128-y>264. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(10\)60023-4](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(10)60023-4)265. <https://doi.org/10.1089/acm.2009.0527>266. <https://doi.org/10.1007/978-3-642-10857-0>267. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(10\)60041-6](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(10)60041-6)268. <https://doi.org/10.1016/j.artres.2009.12.003>269. <https://doi.org/10.1016/j.pop.2009.09.010>270. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0011907>271. <https://doi.org/10.3390/info1020153>272. <https://doi.org/10.1089/acu.2009.0631>273. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(09\)60041-8](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(09)60041-8)

- Peter T. Dorsher, Myofascial Referred-Pain Data Provide Physiologic Evidence of Acupuncture Meridians, *The Journal of Pain*, 10.1016/j.jpain.2008.12.010, 10, 7, (723-731), (2009). [Crossref²⁷⁴](#)
- Charles Shang, Prospective Tests on Biological Models of Acupuncture, Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine, 10.1093/ecam/nem122, 6, 1, (31-39), (2009). [Crossref²⁷⁵](#)
- Antonio Stecco, Veronica Macchi, Carla Stecco, Andrea Porzionato, Julie Ann Day, Vincent Delmas, Raffaele De Caro, Anatomical study of myofascial continuity in the anterior region of the upper limb, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/j.jbmt.2007.04.009, 13, 1, (53-62), (2009). [Crossref²⁷⁶](#)
- Sang-Hyun Park, Jungdae Kim, Tae-Hoi Koo, Magneto-Acupuncture Stimuli Effects on Ultraweak Photon Emission from Hands of Healthy Persons, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/S2005-2901(09)60014-5, 2, 1, (40-48), (2009). [Crossref²⁷⁷](#)
- James L. Oschman, Charge transfer in the living matrix, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/j.jbmt.2008.06.005, 13, 3, (215-228), (2009). [Crossref²⁷⁸](#)
- Hsiao-Neng Chen, Jaung-Geng Lin, Li-Chih Ying, Chen-Chai Huang, Chuan-Hsiung Lin, The Therapeutic Depth of Abdominal Acupuncture Points Approaches the Safe Depth in Overweight and in Older Children, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2008.0582, 15, 9, (1033-1037), (2009). [Crossref²⁷⁹](#)
- Sallie Stoltz Denner, The Science of Energy Therapies and Contemplative Practice, *Holistic Nursing Practice*, 10.1097/HNP.0b013e3181b3784, 23, 6, (315-334), (2009). [Crossref²⁸⁰](#)
- N. Ospina-Díaz, Introducción a la acupuntura. Fundamentos e interés para el médico de Atención Primaria, *SEMERGEN - Medicina de Familia*, 10.1016/S1138-3593(09)72675-9, 35, 8, (380-384), (2009). [Crossref²⁸¹](#)
- Suzanne McDonough, Jongbae Park, Jing Yuan, Purepong Nithima, Daniel P. Kerr, Letters, *Spine*, 10.1097/BRS.0b013e31819d071c, 34, 7, (753), (2009). [Crossref²⁸²](#)
- Charles Shang, Has Basic Acupuncture Research Met the Gold Standard of Science?, *Medical Acupuncture*, 10.1089/acu.2009.715, 21, 3, (191-200), (2009). [Crossref²⁸³](#)
- Xiaohui Yan, Xinyi Zhang, Chenglin Liu, Ruishan Dang, Yuying Huang, Wei He, Guanghong Ding, Do acupuncture points exist?, *Physics in Medicine and Biology*, 10.1088/0031-9155/54/9/N01, 54, 9, (N143-N150), (2009). [Crossref²⁸⁴](#)
- Xiaojia Yu, Guanghong Ding, Hong Huang, Jun Lin, Wei Yao, Rui Zhan, Role of Collagen Fibers in Acupuncture Analgesia Therapy on Rats, *Connective Tissue Research*, 10.1080/03008200802471856, 50, 2, (110-120), (2009). [Crossref²⁸⁵](#)
- James J. Mao, Deborah W. Bruner, Carrie Stricker, John T. Farrar, Sharon X. Xie, Marjorie A. Bowman, Donna Pucci Xiaoyan Han, Angela DeMichele, Feasibility Trial of Electroacupuncture for Aromatase Inhibitor-Related Arthralgia in Breast Cancer Survivors, *Integrative Cancer Therapies*, 10.1177/1534735409332903, 8, 2, (123-129), (2009). [Crossref²⁸⁶](#)
- HongQin Yang, ShuSen Xie, Hui Li, YuHua Wang, On optics of human meridians, *Science in China Series G: Physics, Mechanics and Astronomy*, 10.1007/s11433-009-0080-7, 52, 4, (502-507), (2009). [Crossref²⁸⁷](#)
- Dietrich H.W. Groenemeyer, Lei Zhang, Sven Schirp, Jürgen Baier, Localization of Acupuncture Points BL25 and BL26 Using Computed Tomography, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2007.7118-O, 15, 12, (1285-1291), (2009). [Crossref²⁸⁸](#)
- Mike Benjamin, The fascia of the limbs and back – a review, *Journal of Anatomy*, 10.1111/j.1469-7580.2008.01011.x, 214, 1, (1-18), (2008). [Wiley Online Library²⁸⁹](#)
- Jesse Li-Ling, Yiyang Wu, Congenital Syndromes Involving the Lungs: Pathogenetic Models Based on Chinese Medicine Theories, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2008.0115, 14, 8, (1017-1025), (2008). [Crossref²⁹⁰](#)
- Byung-Cheon Lee, Tae-Jeong Nam, Hyeon-Min Johng, Eun-Sung Park, Ku-Youn Baik, Baek-Kyoung Sung, Kyung-Soon Soh, Yeo-Sung Yoon, Kwang-Sup Soh, Argyrophilic Fibers of Intravascular Threadlike Structures in Rat, *Journal of Korean Institute of Herbal Acupuncture*, 10.3831/KPI.2008.11.3.005, 11, 3, (5-16), (2008). [Crossref²⁹¹](#)
- Di Zhang, Guanghong Ding, Xueying Shen, Wei Yao, Zhiying Zhang, Yuqing Zhang, Jun Lin, Quanbao Gu, Role of Mast Cells in Acupuncture Effect: A Pilot Study, *EXPLORE*, 10.1016/j.explore.2008.02.002, 4, 3, (170-177), (2008). [Crossref²⁹²](#)
- Stephen M. Sagar, Acupuncture as an Evidence-Based Option for Symptom Control in Cancer Patients, *Current Treatment Options in Oncology*, 10.1007/s11864-008-0063-3, 9, 2-3, (117-126), (2008). [Crossref²⁹³](#)
- M. Miguel-Pérez, J.C. Ortiz-Sagrístà, A. Pérez-Bellmunt, R. Ramos-Izquierdo, A. García-Fernández, Descripción anatómica de puntos de acupuntura en la extremidad inferior, *Revista Internacional de Acupuntura*, 10.1016/S1887-8369(08)70031-0, 2, 2, (126-131), (2008). [Crossref²⁹⁴](#)
- Marcus Bäcker, Paul Grossman, Jens Schneider, Andreas Michalsen, Nicola Knoblauch, Linda Tan, Corinna Niggemeyer, Klaus Linde, Dieter Melchart, Gustav J. Dobos, Acupuncture in Migraine, *The Clinical Journal of Pain*, 10.1097/AJP.0b013e318159f95e, 24, 2, (106-115), (2008). [Crossref²⁹⁵](#)
- Peter T. Dorsher, Optimal Localization of Acupuncture Points: Implications for Acupuncture Practice, Education, and Research, *Medical Acupuncture*, 10.1089/acu.2008.0621, 20, 3, (147-150), (2008). [Crossref²⁹⁶](#)
- Byung-Cheon Lee, Vyacheslav Ogay, Ki Woo Kim, Yuwon Lee, Jin-Kyu Lee, Kwang-Sup Soh, Acupuncture Muscle Channel in the Subcutaneous Layer of Rat Skin, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/S2005-2901(09)60002-9, 1, 1, (13-19), (2008). [Crossref²⁹⁷](#)
- Agatha P. Colbert, Jinkook Yun, Adrian Larsen, Tracy Edinger, William L. Gregory, Tran Thong, Skin Impedance Measurements for Acupuncture Research: Development of a Continuous Recording System, *Evidence-Based Complementary and Alternative Medicine*, 10.1093/ecam/nem060, 5, 4, (443-450), (2008). [Crossref²⁹⁸](#)
- Hugh MacPherson, Richard Nahin, Charlotte Paterson, Claire M. Cassidy, George T. Lewith, Richard Hammerschlag, Developments in Acupuncture Research: Big-Picture Perspectives from the Leading Edge, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2008.SAR-5, 14, 7, (883-887), (2008). [Crossref²⁹⁹](#)
- Vyacheslav Ogay, Min Su Kim, Hyo Jun Seok, Cheon Joo Choi, Kwang-Sup Soh, Catecholamine-storing Cells at Acupuncture Points of Rabbits, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/S2005-2901(09)60027-3, 1, 2, (83-90), (2008). [Crossref³⁰⁰](#)
- J. Giebel, Mecanotransducción y transducción de señales a través del tejido conjuntivo, *Revista Internacional de Acupuntura*, 10.1016/S1887-8369(08)70003-6, 2, 1, (9-14), (2008). [Crossref³⁰¹](#)
- Sheng-Hsiung Hsiao, Li-Jen Tsai, A Neurovascular Transmission Model for Acupuncture-induced Nitric Oxide, *Journal of Acupuncture and Meridian Studies*, 10.1016/S2005-2901(09)60006-6, 1, 1, (42-50), (2008). [Crossref³⁰²](#)
- Vitaly Napadow, Andrew Ahn, John Longhurst, Lixing Lao, Elisabet Stener-Victorin, Richard Harris, Helene M. Langevin, The Status and Future of Acupuncture Mechanism Research, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2008.SAR-3, 14, 7, (861-869), (2008). [Crossref³⁰³](#)
- Hong-Yi Li, Jie-Fu Yang, Min Chen, Liang Xu, Wen-Chao Wang, Fang Wang, Jia-Bin Tong, Chuan-Yu Wang, Visualized Regional Hypodermic Migration Channels of Interstitial Fluid in Human Beings: Are These Ancient Meridians?, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2007.0606, 14, 6, (621-628), (2008). [Crossref³⁰⁴](#)
- Rosa N. Schnyer, Stephen Birch, Hugh MacPherson, Acupuncture practice as the foundation for clinical evaluation, *Acupuncture Research*, 10.1016/B978-044310029-1.50013-9, (153-179), (2008). [Crossref³⁰⁵](#)
- Richard Hammerschlag, Hélène M. Langevin, Lixing Lao, George Lewith, Physiological dynamics of acupuncture: correlations and mechanisms, *Acupuncture Research*, 10.1016/B978-044310029-1.50014-0, (181-197), (2008). [Crossref³⁰⁶](#)
- Paul Orrock, Eric Blake, Leon Chaitow, Roger Newman Turner, Naturopathic Physical Medicine, *Naturopathic Physical Medicine*, 10.1016/B978-044310390-2.50009-2, (75-100), (2008). [Crossref³⁰⁷](#)
- Andrew C. Ahn, Agatha P. Colbert, Belinda J. Anderson, Orjan G. Martinsen, Richard Hammerschlag, Steve Cina, Peter M. Wayne, Helene M. Langevin, Electrical properties of acupuncture points and meridians: A systematic review, *Bioelectromagnetics*, 10.1002/bem.20403, 29, 4, (245-256), (2008). [Wiley Online Library³⁰⁸](#)
- Margaret Julias, Lowell T. Edgar, Helen M. Buettner, David I. Shreiber, An in vitro assay of collagen fiber alignment by acupuncture needle rotation, *BioMedical Engineering OnLine*, 10.1186/1475-925X-7-19, 7, 1, (2008). [Crossref³⁰⁹](#)
- Kell N. Julliard, Claudia Citkovitz, Douglas McDaniel, Towards a Model for Planning Clinical Research in Oriental Medicine, *EXPLORE*, 10.1016/j.explore.2006.12.002, 3, 2, (118-128), (2007). [Crossref³¹⁰](#)
- Arya Nielsen, Nicola T.M. Knoblauch, Gustav J. Dobos, Andreas Michalsen, Ted J. Kaptchuk, The Effect of Gua Sha Treatment on the Microcirculation of Surface Tissue: A Pilot Study in Healthy Subjects, *EXPLORE*, 10.1016/j.explore.2007.06.001, 3, 5, (456-466), (2007). [Crossref³¹¹](#)
- Roy Moncayo, Ansgar Rudisch, Markus Diemling, Christian Kremser, In-vivo visualisation of the anatomical structures related to the acupuncture points Dai mai and Shen mai by

274. <https://doi.org/10.1016/j.jpain.2008.12.010>275. <https://doi.org/10.1093/ecam/nem122>276. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2007.04.009>277. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(09\)60014-5](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(09)60014-5)278. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2008.06.005>279. <https://doi.org/10.1089/acm.2008.0582>280. <https://doi.org/10.1097/HNP.0b013e3181b3784>281. [https://doi.org/10.1016/S1138-3593\(09\)72675-9](https://doi.org/10.1016/S1138-3593(09)72675-9)282. <https://doi.org/10.1097/BRS.0b013e31819d071c>283. <https://doi.org/10.1089/acu.2009.715>284. <https://doi.org/10.1088/0031-9155/54/9/N01>285. <https://doi.org/10.1080/03008200802471856>286. <https://doi.org/10.1177/1534735409332903>287. <https://doi.org/10.1007/s11433-009-0080-7>288. <https://doi.org/10.1089/acm.2007.7118-O>289. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/j.1469-7580.2008.01011.x>290. <https://doi.org/10.1089/acm.2008.0115>291. <https://doi.org/10.3831/KPI.2008.11.3.005>292. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2008.02.002>293. <https://doi.org/10.1007/s11864-008-0063-3>294. [https://doi.org/10.1016/S1887-8369\(08\)70031-0](https://doi.org/10.1016/S1887-8369(08)70031-0)295. <https://doi.org/10.1097/AJP.0b013e318159f95e>296. <https://doi.org/10.1089/acu.2008.0621>297. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(09\)60002-9](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(09)60002-9)298. <https://doi.org/10.1093/ecam/nem060>299. <https://doi.org/10.1089/acm.2008.SAR-5>300. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(09\)60027-3](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(09)60027-3)301. [https://doi.org/10.1016/S1887-8369\(08\)70003-6](https://doi.org/10.1016/S1887-8369(08)70003-6)302. [https://doi.org/10.1016/S2005-2901\(09\)60006-6](https://doi.org/10.1016/S2005-2901(09)60006-6)303. <https://doi.org/10.1089/acm.2008.SAR-3>304. <https://doi.org/10.1089/acm.2007.0606>305. <https://doi.org/10.1016/B978-044310029-1.50013-9>306. <https://doi.org/10.1016/B978-044310029-1.50014-0>307. <https://doi.org/10.1016/B978-044310390-2.50009-2>308. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/bem.20403>309. <https://doi.org/10.1186/1475-925X-7-19>310. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2006.12.002>311. <https://doi.org/10.1016/j.explore.2007.06.001>

- MRI: A single-case pilot study, *BMC Medical Imaging*, 10.1186/1471-2342-7-4, 7, 1, (2007). [Crossref³¹²](#)
- J. Giebel, Mechanotransduktion und Signaltransduktion über das Bindegewebe – Mechanismen zur Erklärung des therapeutischen Effekts der Akupunktur?, *Deutsche Zeitschrift für Akupunktur*, 10.1078/0415-6412-00281, 50, 3, (6-10), (2007). [Crossref³¹³](#)
- Roy Moncayo, Ansgar Rudisch, Christian Kremser, Helga Moncayo, 3D-MRI rendering of the anatomical structures related to acupuncture points of the Dai mai, Yin qiao mai and Yang qiao mai meridians within the context of the WOMED concept of lateral tension: implications for musculoskeletal disease, *BMC Musculoskeletal Disorders*, 10.1186/1471-2474-8-33, 8, 1, (2007). [Crossref³¹⁴](#)
- Helene M. Langevin, Nicole A. Bouffard, David L. Churchill, Gary J. Badger, Connective Tissue Fibroblast Response to Acupuncture: Dose-Dependent Effect of Bidirectional Needle Rotation, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2007.6351, 13, 3, (355-360), (2007). [Crossref³¹⁵](#)
- Yong-Hui Han, Joon-Mo Yang, Min-Su Kim, Kwang-Sup Soh, Detection of the acupuncture points in Skin by differential path-length spectroscopy, *World Congress on Medical Physics and Biomedical Engineering 2006*, 10.1007/978-3-540-36841-0, (3572-3575), (2007). [Crossref³¹⁶](#)
- Min-Su Kim, Vyacheslav Ogay, Yong-Hui Han, Hak-Soo Shin, Byung-Cheon Lee, Kwang-Sup Soh, Alcian Blue Staining Technique for Tracing the Governing Vessel (GV) Meridian in Rat, *World Congress on Medical Physics and Biomedical Engineering 2006*, 10.1007/978-3-540-36841-0, (3576-3579), (2007). [Crossref³¹⁷](#)
- Miguel-Pérez Maribel, Ortiz-Sagrístá Joan Carles, Pérez-Bellmunt Albert, Buxeda Mónica, Cuni Laura, García-Fernández Alicia, Descripción anatómica de puntos de acupuntura en la extremidad superior, *Revista Internacional de Acupuntura*, 10.1016/S1887-8369(07)70217-X, 1, 2, (53-57), (2007). [Crossref³¹⁸](#)
- Yury P. Limansky, Serge A. Gulyar, Ivan Z. Samosyuk, Scientific basis of acupuncture, *Kontakt*, 10.32725/kont.2007.060, 9, 2, (391-402), (2007). [Crossref³¹⁹](#)
- Leon Chaitow, *Fascia 2007 Congress*, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/j.jbmt.2006.07.004, 10, 4, (249-250), (2006). [Crossref³²⁰](#)
- Helene M. Langevin, Connective tissue: A body-wide signaling network?, *Medical Hypotheses*, 10.1016/j.mehy.2005.12.032, 66, 6, (1074-1077), (2006). [Crossref³²¹](#)
- Albert Y. Leung, Jun Park, Gery Schulteis, Jeng-Ren Duann, Tony Yaksh, The Electrophysiology of De Qi Sensations, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2006.12.743, 12, 8, (743-750), (2006). [Crossref³²²](#)
- Acupuncture, *Obstetrics & Gynecology*, 10.1097/01.AOG.0000239498.38595.41, 108, 4, (1024-1026), (2006). [Crossref³²³](#)
- Jeanne L. Shea, Applying Evidence-Based Medicine to Traditional Chinese Medicine: Debate and Strategy, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/acm.2006.12.255, 12, 3, (255-263), (2006). [Crossref³²⁴](#)
- Grigory V. Chernyak, Daniel I. Sessler, Perioperative Acupuncture and Related Techniques, *Anesthesiology*, 10.1097/0000542-200505000-00024, 102, 5, (1031-1049), (2005). [Crossref³²⁵](#)
- Grigory Chernyak, Papiya Sengupta, Rainer Lenhardt, Edwin Liem, Anthony G. Doufas, Daniel I. Sessler, Ozan Ak?a, The Timing of Acupuncture Stimulation Does Not Influence Anesthetic Requirement, *Anesthesia & Analgesia*, 10.1213/01.ANE.0000142114.72117.E0, 100, 2, (387-392), (2005). [Crossref³²⁶](#)
- Gabriela E. Garcia, Sheng-Xing Ma, Lili Feng, Acupuncture and Kidney Disease, *Advances in Chronic Kidney Disease*, 10.1016/j.ackd.2005.04.002, 12, 3, (282-291), (2005). [Crossref³²⁷](#)
- Andrew C Ahn, Junru Wu, Gary J Badger, Richard Hammerschlag, Helene M Langevin, Electrical impedance along connective tissue planes associated with acupuncture meridians, *BMC Complementary and Alternative Medicine*, 10.1186/1472-6882-5-10, 5, 1, (2005). [Crossref³²⁸](#)
- E.E. Konofagou, H.M. Langevin, Using ultrasound to understand acupuncture, *IEEE Engineering in Medicine and Biology Magazine*, 10.1109/EMEM.2005.1411347, 24, 2, (41-46), (2005). [Crossref³²⁹](#)
- R. Schleip, W. Klingler, F. Lehmann-Horn, Active fascial contractility: Fascia may be able to contract in a smooth muscle-like manner and thereby influence musculoskeletal dynamics, *Medical Hypotheses*, 10.1016/j.mehy.2005.03.005, 65, 2, (273-277), (2005). [Crossref³³⁰](#)
- Paulo H. Hashimoto, The perineurial vessel: A possible candidate for the structural basis of the meridian (Jing - Luo) in Chinese medicine*, *Anatomical Science International*, 10.1111/j.1447-073X.2005.00118.x, 80, 4, (177-180), (2005). [Wiley Online Library³³¹](#)
312. <https://doi.org/10.1186/1471-2342-7-4>
313. <https://doi.org/10.1078/0415-6412-00281>
314. <https://doi.org/10.1186/1471-2474-8-33>
315. <https://doi.org/10.1089/acm.2007.6351>
316. <https://doi.org/10.1007/978-3-540-36841-0>
317. <https://doi.org/10.1007/978-3-540-36841-0>
318. [https://doi.org/10.1016/S1887-8369\(07\)70217-X](https://doi.org/10.1016/S1887-8369(07)70217-X)
319. <https://doi.org/10.32725/kont.2007.060>
320. <https://doi.org/10.1016/j.jbmt.2006.07.004>
321. <https://doi.org/10.1016/j.mehy.2005.12.032>
322. <https://doi.org/10.1089/acm.2006.12.743>
323. <https://doi.org/10.1097/01.AOG.0000239498.38595.41>
324. <https://doi.org/10.1089/acm.2006.12.255>
325. <https://doi.org/10.1097/0000542-200505000-00024>
326. <https://doi.org/10.1213/01.ANE.0000142114.72117.E0>
327. <https://doi.org/10.1016/j.ackd.2005.04.002>
328. <https://doi.org/10.1186/1472-6882-5-10>
329. <https://doi.org/10.1109/EMEM.2005.1411347>
330. <https://doi.org/10.1016/j.mehy.2005.03.005>
331. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/j.1447-073X.2005.00118.x>
- Dina Ralt, Intercellular communication, NO and the biology of Chinese medicine, *Cell Communication and Signaling*, 10.1186/1478-811X-3-8, 3, 1, (2005). [Crossref³³²](#)
- Ai-Hui Li, Jun-Ming Zhang, Yi-Kuan Xie, Human acupuncture points mapped in rats are associated with excitable muscle/skin-nerve complexes with enriched nerve endings, *Brain Research*, 10.1016/j.brainres.2004.04.009, 1012, 1-2, (154-159), (2004). [Crossref³³³](#)
- Kaung-Ti Yung, A Birdcage Model for the Chinese Meridian System Part II: The Meridian System as a Birdcage Resonator, *The American Journal of Chinese Medicine*, 10.1142/S0192415X04002582, 32, 06, (985-997), (2004). [Crossref³³⁴](#)
- J. P. Jones, Y. K. Bae, L. Wilson, C. S. So, D. D. Kidney, Ultrasonic Imaging and Characterization of Acupuncture Points in Classical Oriental Medicine, *Acoustical Imaging*, 10.1007/978-1-4020-2402-3_66, (527-533), (2004). [Crossref³³⁵](#)
- Helene M. Langevin, Elisa E. Konofagou, Gary J. Badger, David L. Churchill, James R. Fox, Jonathan Ophir, Brian S. Garra, Tissue displacements during acupuncture using ultrasound elastography techniques, *Ultrasound in Medicine & Biology*, 10.1016/j.ultrasmedbio.2004.07.010, 30, 9, (1173-1183), (2004). [Crossref³³⁶](#)
- M. Bäcker, I.K. Gareus, N.T.M. Knoblauch, A. Michalsen, G.J. Dobos, Akupunktur in der Schmerztherapie – Hypothese zu adaptiven Prozessen, *Complementary Medicine Research*, 10.1159/000082815, 11, 6, (335-345), (2004). [Crossref³³⁷](#)
- Opher Caspi, Cari Stelhorn, Melinda Connor, Sham in CAM, *Evidence-Based Integrative Medicine*, 10.2165/01197065-200401040-00002, 1, 4, (233-240), (2004). [Crossref³³⁸](#)
- Bruce D. Curtis, J.J. Hurtak, Consciousness and Quantum Information Processing: Uncovering the Foundation for a Medicine of Light, *The Journal of Alternative and Complementary Medicine*, 10.1089/107555304322848931, 10, 1, (27-39), (2004). [Crossref³³⁹](#)
- E.E. Konofagou, G.J. Badger, B.S. Garra, H.M. Langevin, *IEEE Symposium on Ultrasonics*, 2003, 10.1109/ULTSYM.2003.1293138, (1288-1291), (2003). [Crossref³⁴⁰](#)
- Leon Chaitow, Judith DeLany, *Neuromuscular Techniques in Orthopedics*, *Techniques in Orthopaedics*, 10.1097/00013611-200303000-00013, 18, 1, (74-86), (2003). [Crossref³⁴¹](#)
- LiteratureWatch, *Alternative and Complementary Therapies*, 10.1089/10762800360520811, 9, 1, (49-50), (2003). [Crossref³⁴²](#)
- Michael McCarthy, Palpatory literacy, Chinese therapeutic bodywork (Tui Na) and the remediation of head, neck and shoulder pain, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/S1360-8592(03)00044-5, 7, 4, (262-277), (2003). [Crossref³⁴³](#)
- Leon Chaitow, What binds us together?, *Journal of Bodywork and Movement Therapies*, 10.1016/S1360-8592(03)00020-2, 7, 2, (69-70), (2003). [Crossref³⁴⁴](#)
- Joshi, Narahari & Mbbs, Msc & Pa'ez, Ximena & Araque, MBBS. (2012). Electroacupuncture Effects on the Disintegration of Beta Amyloid Sheets: Its Application to Alzheimer's Disease. *Medical Acupuncture*. 24. 145. 10.1089/acu.2012.0873. [ResearchGate³⁴⁵](#)
- Ram Manohar, P., Sorokin, O., Chacko, J., & Nampoothiri, V. (2018). An exploratory clinical study to determine the utility of heart rate variability analysis in the assessment of dosha imbalance. *Journal of Ayurveda and integrative medicine*, 9(2), 126–130. [Crossref³⁴⁶](#)
- Travis F.T., Wallace R.K. Doşa brain-types: a neural model of individual differences. *J Ayurveda Integr Med*. 2015;6(4):280–285. [PMC³⁴⁷](#) - [PubMed³⁴⁸](#)
- Tyagi A., Cohen M. Yoga and heart rate variability: a comprehensive review of the literature. *Int J Yoga*. 2016;9(2):97–113. [PMC³⁴⁹](#) - [PubMed³⁵⁰](#)
- Masel E., Huber P., Engler T., Herbert Watzke H.H. Heart rate variability during treatment of breakthrough pain in patients with advanced cancer: a pilot study. *J Pain Res*. 2016 Dec;9:1215–1220. [PMC³⁵¹](#) - [PubMed³⁵²](#)
- Kim E.-H., Park J.-H., Lee S.M., Gwak M.-S., Kim G.-S., Kim M.-H. Preoperative depressed
332. <https://doi.org/10.1186/1478-811X-3-8>
333. <https://doi.org/10.1016/j.brainres.2004.04.009>
334. <https://doi.org/10.1142/S0192415X04002582>
335. https://doi.org/10.1007/978-1-4020-2402-3_66
336. <https://doi.org/10.1016/j.ultrasmedbio.2004.07.010>
337. <https://doi.org/10.1159/000082815>
338. <https://doi.org/10.2165/01197065-200401040-00002>
339. <https://doi.org/10.1089/107555304322848931>
340. <https://doi.org/10.1109/ULTSYM.2003.1293138>
341. <https://doi.org/10.1097/00013611-200303000-00013>
342. <https://doi.org/10.1089/10762800360520811>
343. [https://doi.org/10.1016/S1360-8592\(03\)00044-5](https://doi.org/10.1016/S1360-8592(03)00044-5)
344. [https://doi.org/10.1016/S1360-8592\(03\)00020-2](https://doi.org/10.1016/S1360-8592(03)00020-2)
345. https://www.researchgate.net/publication/236897521_Electroacupuncture_Effects_on_the_Disintegration_of_Beta_Amyloid_Sheets_Its_Application_to_Alzheimer's_Disease
346. <https://doi.org/10.1016/j.jaim.2017.06.008>
347. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4719489/>
348. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26834428/>
349. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4959333/>
350. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27312317/>
351. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc5161332/>
352. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/28003771/>

- mood and perioperative heart rate variability in patients with hepatic cancer. *J Clin Anesth.* 2016 Dec;35:332–338. [PubMed³⁵³](#)
- Koszewicz M., Michalak S., Bilinska M., Budrewicz S., Zaborowski M., Slotwinski K. Profile of autonomic dysfunctions in patients with primary brain tumor and possible autoimmunity. *Clin Neurol Neurosurg.* 2016 Dec;151:51–54. [PubMed³⁵⁴](#)
- Rastogi, S., & Singh, R. H. (2021). Principle of Hot (Ushna) and Cold (Sheeta) and Its Clinical Application in Ayurvedic Medicine. *Advances in experimental medicine and biology*, 1343, 39–55. [Crossref³⁵⁵](#)
- Mills, P. J., Peterson, C. T., Wilson, K. L., Pung, M. A., Patel, S., Weiss, L., Kshirsagar, S. G., Tanzi, R. E., & Chopra, D. (2019). Relationships among classifications of ayurvedic medicine diagnostics for imbalances and western measures of psychological states: An exploratory study. *Journal of Ayurveda and integrative medicine*, 10 (3), 198–202. [Crossref³⁵⁶](#)
- Pandey M.M., Rastogi S., Rawat A.K. Indian traditional ayurvedic system of medicine and nutritional supplementation. *Evid Based Complement Alternat Med.* 2013;2013:376327. - [PMC³⁵⁷](#) - [PubMed³⁵⁸](#)
- Chopra A., Doiphode V.V. Ayurvedic medicine. Core concept, therapeutic principles, and current relevance. *Med Clin North Am.* 2002;86(1):75–89. vii. - [PubMed³⁵⁹](#)
- Zhou X., Ma Z., Zhang L., Zhou S., Wang J., Wang B. Heart rate variability in the prediction of survival in patients with cancer: a systematic review and meta-analysis. *J Psychosom Res.* 2016 Oct;89:20–25. - [PubMed³⁶⁰](#)
- Taffe L., Stancil K., Bond V., Pemminati S., Gorantla V.R., Kadir K. Differentiation of overweight from normal weight young adults by postprandial heart rate variability and systolic blood pressure. *J Clin Diagnostic Res.* 2016 Aug;10(8):CC01–CC06. - [PMC³⁶¹](#) - [PubMed³⁶²](#)
- Gupta J., Dube A., Singh V., Gupta R.C. Spectral analysis of heart rate variability in bronchial asthma patients. *Indian J Physiol Pharmacol.* 2012;56(4):330–336. - [PubMed³⁶³](#)
- Sorokin O.V., Subotyalov M.A. Material of the all-Russian scientific and practical conference with international presence, October 26–27, 2011 Kemerovo, Russia. 2011. Comparative medical research of VedaPulse hardware and software kit // Health maintaining activities in educational system: theory and practice; pp. 225–230.
- Kelkar P., Karamchandani S., Jinda S. Proceedings of conference on advance applications in physiological variability, BARC. 2010. Identifying tridasha for disease characterisation in morphology of an IPG pulse waveform.
- Singh Harupjit. Thapar University; Patiala: 2016. Relationship between three ayurvedic doshas and heart rate variability frequency bands: a pilot study.
- Deshpande H., Shivakumar, Kavita M.B., Tripathy T.B., Chaturvedi A. Healthcare and disease management in Ayurveda. *Altern Ther Health Med.* 2001;7(2):44–50. - [PubMed³⁶⁴](#)
- Anthony J.V., Joanne M.G. Understanding interobserver agreement: the kappa statistic. *Fam Med.* 2005 May;37(5):360–363. - [PubMed³⁶⁵](#)
- Telles S., Pathak S., Kumar A., Mishra P., Balkrishna A. Ayurvedic doshas as predictors of sleep quality. *Med Sci Monit.* 2015;21:1421–1427. - [PMC³⁶⁶](#) - [PubMed³⁶⁷](#)
- Bell C., Heidel R.E., Sunega J., Drisko J. Ancient wisdom. Can ayurvedic prakriti provide invaluable insights into integrative medicine? *Ayurveda J Health.* 2017;27:27–34.
- Cohen S., Kamarck T., Mermelstein R. A global measure of perceived stress. *J Health Soc Behav.* 1983;24(4):385–396. - [PubMed³⁶⁸](#)
- Travis F.T., Wallace R.K. Dosha brain-types: a neural model of individual differences. *J Ayurveda Integr Med.* 2015;6(4):280–285. - [PMC³⁶⁹](#) - [PubMed³⁷⁰](#)
- Dey S, Pahwa P. Prakriti and its associations with metabolism, chronic diseases, and genotypes: possibilities of new born screening and a lifetime of personalized prevention. *J Ayurveda Integr Med.* 2014;5(1):15–24. - [PMC³⁷¹](#) - [PubMed³⁷²](#)
- Purvy M.C., Meena M.S. A review on role of prakriti in aging. *Ayu.* 2011;32(1):20–24. - [PMC³⁷³](#) - [PubMed³⁷⁴](#)
- Pham, T., Lau, Z. J., Chen, S. H. A., & Makowski, D. (2021). Heart Rate Variability in Psychology: A Review of HRV Indices and an Analysis Tutorial. *Sensors (Basel, Switzerland)*, 21 (12), 3998. [Crossref³⁷⁵](#)
- Lombardi F., Malliani A., Pagani M., Cerutti S. Heart Rate Variability and Its Sympathetic Vagal Modulation. *Cardiovasc. Res.* 1996;32:208–216. doi: 10.1016/0008-6363(96)00116-2. - [DOI³⁷⁶](#) - [PubMed³⁷⁷](#)
353. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27871552/>
354. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27788421/>
355. https://doi.org/10.1007/978-3-030-80983-6_4
356. <https://doi.org/10.1016/j.jaim.2018.02.001>
357. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc3705899/>
358. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/23864888/>
359. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/11795092/>
360. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27663106/>
361. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc5028518/>
362. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27656434/>
363. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/23781652/>
364. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/11253416/>
365. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/15883903/>
366. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4448595/>
367. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25982247/>
368. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/6658417/>
369. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4719489/>
370. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26834428/>
371. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4012357/>
372. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/24812471/>
373. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc3215411/>
374. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/22131753/>
375. <https://doi.org/10.3390/s21123998>
376. [https://doi.org/10.1016/0008-6363\(96\)00116-2](https://doi.org/10.1016/0008-6363(96)00116-2)
377. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/8796106/>
- Mccraty R., Shaffer F. Heart Rate Variability: New Perspectives on Physiological Mechanisms, Assessment of Self-regulatory Capacity, and Health Risk. *Glob. Adv. Heal. Med.* 2015;4:46–61. doi: 10.7453/gahmj.2014.073. - [DOI³⁷⁸](#) - [PMC³⁷⁹](#) - [PubMed³⁸⁰](#)
- Thayer J.F., Yamamoto S.S., Brosschot J.F. The relationship of autonomic imbalance, heart rate variability and cardiovascular disease risk factors. *Int. J. Cardiol.* 2010;141:122–131. doi: 10.1016/j.ijcard.2009.09.543. - [DOI³⁸¹](#) - [PubMed³⁸²](#)
- Tiwari, R., Kumar, R., Malik, S., Raj, T., & Kumar, P. (2021). Analysis of Heart Rate Variability and Implication of Different Factors on Heart Rate Variability. *Current cardiology reviews*, 17 (5), e160721189770. [Crossref³⁸³](#)
- Roy, S., Goswami, D. P., & Sengupta, A. (2020). Geometry of the Poincaré plot can segregate the two arms of autonomic nervous system - A hypothesis. *Medical hypotheses*, 138, 109574. [Crossref³⁸⁴](#)
- Gullett, N., Zajkowska, Z., Walsh, A., Harper, R., & Mondelli, V. (2023). Heart rate variability (HRV) as a way to understand associations between the autonomic nervous system (ANS) and affective states: A critical review of the literature. *International journal of psychophysiology : official journal of the International Organization of Psychophysiology*, 192, 35–42. [Crossref³⁸⁵](#)
- Zou L., Sasaki J.E., Wei G.X., Huang T., Yeung A.S., Neto O.B., Chen K.W., Hui S.S. Effects of Mind-Body Exercises (Tai Chi/Yoga) on Heart Rate Variability Parameters and Perceived Stress: A Systematic Review with Meta-Analysis of Randomized Controlled Trials. *J. Clin. Med.* 2018;7:404. doi: 10.3390/jcm7110404. - [DOI³⁸⁶](#) - [PMC³⁸⁷](#) - [PubMed³⁸⁸](#)
- Danylova T.V., Shmarhun V.M., Vertel A.V., Matyushko B.K., Bondarenko A.F., Kychkyruk T., Petersen J. Effects of the eastern mind-body practices on mental health during the COVID-19 pandemic: When east meets west. *Wiad. Lek.* 2021;74:2850–2855. doi: 10.36740/WLek202111130. - [DOI³⁸⁹](#) - [PubMed³⁹⁰](#)
- Feneberg A.C., Nater U.M. An Ecological Momentary Music Intervention for the Reduction of Acute Stress in Daily Life: A Mixed Methods Feasibility Study. *Front. Psychol.* 2022;13:927705. doi: 10.3389/fpsyg.2022.927705. - [DOI³⁹¹](#) - [PMC³⁹²](#) - [PubMed³⁹³](#)
- Breit S., Kupferberg A., Rogler G., Hasler G. Vagus Nerve as Modulator of the Brain–Gut Axis in Psychiatric and Inflammatory Disorders. *Front. Psychiatry.* 2018;9:44. doi: 10.3389/fpsyg.2018.00044. - [DOI³⁹⁴](#) - [PMC³⁹⁵](#) - [PubMed³⁹⁶](#)
- Laborde S., Mosley E., Thayer J.F. Heart rate variability and cardiac vagal tone in psychophysiological research—recommendations for experiment planning, data analysis, and data reporting. *Front. Psychol.* 2017;8:213. doi: 10.3389/fpsyg.2017.00213. - [DOI³⁹⁷](#) - [PMC³⁹⁸](#) - [PubMed³⁹⁹](#)
- Chesky K.S., Michel D.E. The Music Vibration Table (MVT): Developing a Technology and Conceptual Model for Pain Relief. *Music Ther. Perspect.* 1991;9:32–38. doi: 10.1093/mtp/9.1.32. - [DOI⁴⁰⁰](#)
- Campbell E., Burger B., Ala-Ruona E. A Single-Case, Mixed Methods Study Exploring the Role of Music Listening in Vibroacoustic Treatment. *Voices World Forum Music Ther.* 2019;19:27. doi: 10.15845/voices.v19i2.2556. - [DOI⁴⁰¹](#)
- Braun Janzen T., Al Shirawi M.I., Rotzinger S., Kennedy S.H., Bartel L. A Pilot Study Investigating the Effect of Music-Based Intervention on Depression and Anhedonia. *Front. Psychol.* 2019;10:1038. doi: 10.3389/fpsyg.2019.01038. - [DOI⁴⁰²](#) - [PMC⁴⁰³](#) - [PubMed⁴⁰⁴](#)
- Karkkainen M., Mitsui J. The Effects of Sound Based Vibration Treatment on the Human Mind and Body the Physioacoustic Method. *J. Int. Soc. Life Inf. Sci.* 2006;24:155–164. doi: 10.18936/islis.24.1_155. - [DOI⁴⁰⁵](#)
- Jirakittayakorn N., Wongsawat Y. Brain Responses to 40-Hz Binaural Beat and Effects on Emotion and Memory. *Int. J. Psychophysiol.* 2017;120:96–107. doi: 10.1016/j.ijpsycho.2017.07.010. - [DOI⁴⁰⁶](#) - [PubMed⁴⁰⁷](#)
- Fooks C., Niebuhr O. Assessing Vibroacoustic Sound Massage Through The Biosignal of Human Speech: Evidence of Improved Wellbeing; Proceedings of the IEEE International Conference on Acoustics, Speech and Signal Processing (ICASSP), Seoul, Republic of Korea. 14–19 April 2024; pp. 11401–11405.
- Gitler, A., Vanacker, L., De Couck, M., De Leeuw, I., & Gidron, Y. (2022). Neuromodulation Applied to Diseases: The Case of HRV Biofeedback. *Journal of clinical medicine*, 11 (19), 5927. [Crossref⁴⁰⁸](#)
378. <https://doi.org/10.7453/gahmj.2014.073>
379. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4311559/>
380. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25694852/>
381. <https://doi.org/10.1016/j.ijcard.2009.09.543>
382. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/19910061/>
383. <https://doi.org/10.2174/1573403X16999201231203854>
384. <https://doi.org/10.1016/j.mehy.2020.109574>
385. <https://doi.org/10.1016/j.ijpsycho.2023.08.001>
386. <https://doi.org/10.3390/jcm7110404>
387. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc6262541/>
388. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/30384420/>
389. <https://doi.org/10.36740/wlek202111130>
390. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/35023505/>
391. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2022.927705>
392. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc9558284/>
393. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/36248548/>
394. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2018.00044>
395. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc5859128/>
396. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/29593576/>
397. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2017.00213>
398. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc5316555/>
399. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/28265249/>
400. <https://doi.org/10.1093/mtp/9.1.32>
401. <https://doi.org/10.15845/voices.v19i2.2556>
402. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2019.01038>
403. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc6517496/>
404. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/31133945/>
405. https://doi.org/10.18936/islis.24.1_155
406. <https://doi.org/10.1016/j.ijpsycho.2017.07.010>
407. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/28739482/>

- Zhu, J., Ji, L., & Liu, C. (2019). Heart rate variability monitoring for emotion and disorders of emotion. *Physiological measurement*, 40 (6), 064004. [Crossref⁴⁰⁹](#)
- Nunan, D., Sandercock, G. R., & Brodie, D. A. (2010). A quantitative systematic review of normal values for short-term heart rate variability in healthy adults. *Pacing and clinical electrophysiology: PACE*, 33 (11), 1407–1417. [Crossref⁴¹⁰](#)
- Qu, X., Wu, Y., Liu, J., & Cui, L. (2020). HRV-Spark: Computing Heart Rate Variability Measures Using Apache Spark. *Proceedings. IEEE International Conference on Bioinformatics and Biomedicine*, 2020, 10.1109/bibm49941.2020.9313361. [Crossref⁴¹¹](#)
- Rahul, L. R., Sarkar, R., Sengupta, A., Chandra, B. S., & Jana, S. (2023). Novel AI-based HRV analysis (NAIHA) in healthcare automation and related applications. *Journal of electrocardiology*, 79, 112–121. [Crossref⁴¹²](#)
- Taoum, A., Bisiaux, A., Tilquin, F., Le Guillou, Y., & Carrault, G. (2022). Validity of Ultra-Short-Term HRV Analysis Using PPG-A Preliminary Study. *Sensors (Basel, Switzerland)*, 22 (20), 7995. [Crossref⁴¹³](#)
- Ortega, E., Bryan, C. Y. X., & Christine, N. S. C. (2024). The Pulse of Singapore: Short-Term HRV Norms. *Applied psychophysiology and biofeedback*, 49 (1), 55–61. [Crossref⁴¹⁴](#)
- Vondrasek, J. D., Riemann, B. L., Grosicki, G. J., & Flatt, A. A. (2023). Validity and Efficacy of the Elite HRV Smartphone Application during Slow-Paced Breathing. *Sensors (Basel, Switzerland)*, 23 (23), 9496. [Crossref⁴¹⁵](#)
- Malik, M., Bigger J.T., Camm A.J., Kleiger R.E., Malliani A., Moss A.J., Schwartz P.J. Heart rate variability: Standards of measurement, physiological interpretation, and clinical use. *Eur. Heart J.* 1996;17:354–381. doi: 10.1093/oxfordjournals.eurheartj.a014868. - [DOI⁴¹⁶](#) - [PubMed⁴¹⁷](#)
- Shaffer F., McCraty R., Zerr C.L. A healthy heart is not a metronome: An integrative review of the heart's anatomy and heart rate variability. *Front. Psychol.* 2014;5:1040. doi: 10.3389/fpsyg.2014.01040. - [DOI⁴¹⁸](#) - [PMC⁴¹⁹](#) - [PubMed⁴²⁰](#)
- Grosicki G.J., Culver M.N., McMillan N.K., Cross B.L., Montoye A.H.K., Riemann B.L., Flatt A.A. Self-recorded heart rate variability profiles are associated with health and lifestyle markers in young adults. *Clin. Auton. Res.* 2022;32:507–518. doi: 10.1007/s10286-022-00884-z. - [DOI⁴²¹](#) - [PubMed⁴²²](#)
- Natarajan A., Pantelopoulou A., Emir-Farinas H., Natarajan P. Heart rate variability with photoplethysmography in 8 million individuals: A cross-sectional study. *Lancet Digit. Health.* 2020;2:e650–e657. doi: 10.1016/S2589-7500(20)30246-6. - [DOI⁴²³](#) - [PubMed⁴²⁴](#)
- Talbert, L. D., Kaelberer, Z., Gleave, E., Driggs, A., Driggs, A. S., Steffen, P. R., Baldwin, S. A., & Larson, M. J. (2023). A systematic review of heart rate variability (HRV) biofeedback treatment following traumatic brain injury (TBI). *Brain injury*, 37 (7), 635–642. [Crossref⁴²⁵](#)
- Jeyhani, V., Mahdiani, S., Peltokangas, M., & Vehkaoja, A. (2015). Comparison of HRV parameters derived from photoplethysmography and electrocardiography signals. *Annual International Conference of the IEEE Engineering in Medicine and Biology Society. IEEE Engineering in Medicine and Biology Society. Annual International Conference*, 2015, 5952–5955. [Crossref⁴²⁶](#)
- Brennan, M., Palaniswami, M., & Kamen, P. (2002). Poincaré plot interpretation using a physiological model of HRV based on a network of oscillators. *American journal of physiology: Heart and circulatory physiology*, 283 (5), H1873–H1886. [Crossref⁴²⁷](#)
- Ken Umetani MD A B C, Donald H Singer MD, FACC A B, Rollin McCraty MS C, Mike Atkinson C. Twenty-Four Hour Time Domain Heart Rate Variability and Heart Rate: Relations to Age and Gender Over Nine Decades. [DOI⁴²⁸](#), [ScienceDirect⁴²⁹](#)

मन/शरीर

- Borghesi, F., Cremascoli, R., Chirico, A., Bianchi, L., Di Moia, A., Priano, L., Piedimonte, A., Mauro, A., & Cipresso, P. (2024). Mind and body connection in expert meditators: a computational study based on central and peripheral nervous system. *BMC complementary medicine and therapies*, 24 (1), 117. [Crossref⁴³⁰](#)
- Brandmeyer T, Delorme A, Wahbeh H. The neuroscience of meditation: classification, phenomenology, correlates, and mechanisms. *Prog Brain Res.* 2019;1(244):1–29.
408. <https://doi.org/10.3390/jcm11195927>
409. <https://doi.org/10.1088/1361-6579/ab1887>
410. <https://doi.org/10.1111/j.1540-8159.2010.02841.x>
411. <https://doi.org/10.1109/bibm49941.2020.9313361>
412. <https://doi.org/10.1016/j.jelectrocard.2023.03.013>
413. <https://doi.org/10.3390/s22207995>
414. <https://doi.org/10.1007/s10484-023-09603-4>
415. <https://doi.org/10.3390/s23239496>
416. <https://doi.org/10.1093/oxfordjournals.eurheartj.a014868>
417. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/8737210/>
418. <https://doi.org/10.3389/fpsyg.2014.01040>
419. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4179748/>
420. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25324790/>
421. <https://doi.org/10.1007/s10286-022-00884-z>
422. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/35999422/>
423. [https://doi.org/10.1016/s2589-7500\(20\)30246-6](https://doi.org/10.1016/s2589-7500(20)30246-6)
424. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/33328029/>
425. <https://doi.org/10.1080/02699052.2023.2208880>
426. <https://doi.org/10.1109/EMBC.2015.7319747>
428. <https://doi.org/10.1152/ajpheart.00405.2000>
428. [https://doi.org/10.1016/S0973-1097\(97\)00554-8](https://doi.org/10.1016/S0973-1097(97)00554-8)
429. <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0735109797005548>
430. <https://doi.org/10.1186/s12906-024-04413-5>
431. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/30732832/>
432. <https://doi.org/10.1016/j.concog.2010.01.007>
433. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/20167507/>
434. <https://doi.org/10.1126/science.1161958>
435. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc2643344/>
437. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/19023074/>
437. <https://doi.org/10.1186/1743-0003-11-87>
438. <https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4060143/>
439. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/24939519/>
440. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc3988787/>
441. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/24748422/>
442. <https://doi.org/10.1016/j.ibror.2020.10.006>
443. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc7649620/>
444. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/33204893/>
445. <https://doi.org/10.1016/j.jpsycho.2008.09.007>
446. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/18854202/>
447. <https://doi.org/10.1016/j.ijcard.2007.06.103>
448. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/17764770/>
449. <https://doi.org/10.1177/1741826711414625>
450. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/21693507/>
451. <https://doi.org/10.3389/fcvm.2019.00062>
452. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc6527777/>
453. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/31139634/>
454. <https://doi.org/10.1155/2015/598496>
455. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4302970/>
456. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25632397/>
457. https://doi.org/10.21014/acta_imeko.v10i4.1183
458. <https://doi.org/10.1111/j.1469-8986.1997.tb02140.x>
459. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/9401419/>
460. <https://doi.org/10.1007/s11517-006-0119-0>
461. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/1711118/>
462. <https://doi.org/10.1016/j.mehy.2010.02.025>
463. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/20227193/>
464. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-62392-2>
465. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc7096392/>
466. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/3221473/>
467. <https://doi.org/10.1007/s10339-009-0352-1>
468. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc2812711/>
469. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/20013298/>

- Biomarkers of mental flexibility in healthy aging: a computational psychometric study. *Sensors (Basel)* 2023;23(15):6983. doi: 10.3390/s23156983. - DOI⁴⁷⁰ - PMC⁴⁷¹ - PubMed⁴⁷²
- Fang, S., & Zhang, W. (2024). Heart-Brain Axis: A Narrative Review of the Interaction between Depression and Arrhythmia. *Biomedicines*, 12 (8), 1719. [Crossref⁴⁷³](#)
- Gullett N., Zajkowska Z., Walsh A., Harper R., Mondelli V. Heart rate variability (HRV) as a way to understand associations between the autonomic nervous system (ANS) and affective states: A critical review of the literature. *Int. J. Psychophysiol.* 2023;192:35–42. doi: 10.1016/j.ijpsycho.2023.08.001. - DOI⁴⁷⁴ - PubMed⁴⁷⁵
- Bassett D. A literature review of heart rate variability in depressive and bipolar disorders. *Aust. New Zealand J. Psychiatry.* 2015;50:511–519. doi: 10.1177/0004867415622689. - DOI⁴⁷⁶ - PubMed⁴⁷⁷
- Zhu J, Ji L., Liu C. Heart rate variability monitoring for emotion and disorders of emotion. *Physiol. Meas.* 2019;40:064004. doi: 10.1088/1361-6579/ab1887. - DOI⁴⁷⁸ - PubMed⁴⁷⁹
- Chalmers J.A., Quintana D.S., Abbott M.J., Kemp A.H. Anxiety Disorders are Associated with Reduced Heart Rate Variability: A Meta-Analysis. *Front. Psychiatry.* 2014;5:80. doi: 10.3389/fpsy.2014.00080. - DOI⁴⁸⁰ - PMC⁴⁸¹ - PubMed⁴⁸²
- Chang H.A., Chang C.C., Chen C.L., Kuo T.B., Lu R.B., Huang S.Y. Major depression is associated with cardiac autonomic dysregulation. *Acta Neuropsychiatr.* 2012;24:318–327. doi: 10.1111/j.1601-5215.2011.00647.x. - DOI⁴⁸³ - PubMed⁴⁸⁴
- Burke J.H., Goldberger J.J., Ehler F.A., Kruse J.T., Parker M.A., Kadish A.H. Gender differences in heart rate before and after autonomic blockade: Evidence against an intrinsic gender effect. *Am. J. Med.* 1996;100:537–543. doi: 10.1016/S0002-9343(96)00018-6. - DOI⁴⁸⁵ - PubMed⁴⁸⁶
- Kittnar O. Sex Related Differences in Electrocardiography. *Physiol. Res.* 2023;72:S127–S135. doi: 10.33549/physiolres.934952. - DOI⁴⁸⁷ - PMC⁴⁸⁸ - PubMed⁴⁸⁹
- Kotov R., Gamez W., Schmidt F., Watson D. Linking “big” personality traits to anxiety, depressive, and substance use disorders: A meta-analysis. *Psychol. Bull.* 2010;136:768–821. doi: 10.1037/a0020327. - DOI⁴⁹⁰ - PubMed⁴⁹¹
- Godin P.J., Buchman T.G. Uncoupling of biological oscillators: A complementary hypothesis concerning the pathogenesis of multiple organ dysfunction syndrome. *Crit. Care Med.* 1996;24:1107–1116. doi: 10.1097/00003246-199607000-00008. - DOI⁴⁹² - PubMed⁴⁹³
- Wang, L., Hao, J., & Zhou, T. H. (2023). ECG Multi-Emotion Recognition Based on Heart Rate Variability Signal Features Mining. *Sensors (Basel, Switzerland)*, 23 (20), 8636. [Crossref⁴⁹⁴](#)
- Cai Y., Li X., Li J. Emotion Recognition Using Different Sensors, Emotion Models, Methods and Datasets: A Comprehensive Review. *Sensors.* 2023;23:2455. doi: 10.3390/s23052455. - DOI⁴⁹⁵ - PMC⁴⁹⁶ - PubMed⁴⁹⁷
- Xiefeng, C., Wang, Y., Dai, S., Zhao, P., & Liu, Q. (2019). Heart sound signals can be used for emotion recognition. *Scientific reports*, 9 (1), 6486. [Crossref⁴⁹⁸](#)
- Hasnul, M. A., Ab Aziz, N. A., & Abd Aziz, A. (2023). Augmenting ECG Data with Multiple Filters for a Better Emotion Recognition System. *Arabian journal for science and engineering* 470. <https://doi.org/10.3390/s23156983>
471. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc10422551/>
472. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/37571766/>
473. <https://doi.org/10.3390/biomedicines12081719>
474. <https://doi.org/10.1016/j.ijpsycho.2023.08.001>
475. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/37543289/>
476. <https://doi.org/10.1177/0004867415622689>
477. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26698824/>
478. <https://doi.org/10.1088/1361-6579/ab1887>
479. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/30974428/>
480. <https://doi.org/10.3389/fpsy.2014.00080>
481. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc4092363/>
482. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25071612/>
483. <https://doi.org/10.1111/j.1601-5215.2011.00647.x>
484. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/25287173/>
485. [https://doi.org/10.1016/s0002-9343\(96\)00018-6](https://doi.org/10.1016/s0002-9343(96)00018-6)
486. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/8644766/>
487. <https://doi.org/10.33549/physiolres.934952>
488. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc10660582/>
489. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/37565417/>
490. <https://doi.org/10.1037/a0020327>
491. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/20804236/>
492. <https://doi.org/10.1097/00003246-199607000-00008>
493. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/8674321/>
494. <https://doi.org/10.3390/s23052455>
495. <https://doi.org/10.3390/s23052455>
496. <http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/pmc10007272/>
497. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/36904659/>
498. <https://doi.org/10.1038/s41598-019-42826-2>
499. <https://doi.org/10.1007/s13369-022-07585-9>
500. <https://doi.org/10.3390/s21155015>
501. <https://doi.org/10.1109/JBHI.2024.3403188>
502. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/32119483/>
503. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/10474985/>
504. <https://doi.org/10.2466/pr0.103.2.588-590>
505. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/8458560/>
506. <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/14998709/>
507. <https://doi.org/10.3109/09533002.2011.538130>
508. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-30453-2>
509. <https://doi.org/10.1038/s41598-023-36801-1>
510. <https://www.researchgate.net/publication/326972894>
511. <https://www.researchgate.net/publication/330217977>
512. <https://www.researchgate.net/publication/228926241>
513. <https://www.molbiocell.org/doi/full/10.1091/mbc.E23-08-0312>
514. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.122.084501>
- , 1–22. Advance online publication. [Crossref⁴⁹⁹](#)
- Hasnul, M. A., Aziz, N. A. A., Alelyani, S., Mohana, M., & Aziz, A. A. (2021). Electrocardiogram-Based Emotion Recognition Systems and Their Applications in Healthcare-A Review. *Sensors (Basel, Switzerland)*, 21 (15), 5015. [Crossref⁵⁰⁰](#)
- Li, Y., Tan, R., Lin, T., Liu, Q., Wang, C. D., & Chen, M. (2024). ER-GET: Emotion Recognition Based on Global ECG Trajectory. *IEEE journal of biomedical and health informatics*, 28 (9), 5201–5213. [Crossref⁵⁰¹](#)
- Woods, R. A., & Hill, P. B. (2022). Myers Brigg. In *StatPearls*. StatPearls Publishing. [PubMed⁵⁰²](#)
- Wallick, M. M., & Cambre, K. M. (1999). Personality types in academic medicine. *The Journal of the Louisiana State Medical Society : official organ of the Louisiana State Medical Society*, 151 (7), 378–383. [PubMed⁵⁰³](#)
- Tobacyk, J. J., Livingston, M. M., & Robbins, J. E. (2008). Relationships between Myers-Briggs type indicator measure of psychological type and neo measure of big five personality factors in Polish University students: a preliminary cross-cultural comparison. *Psychological reports*, 103 (2), 588–590. [Crossref⁵⁰⁴](#)
- Eicke, F. J., Blake, G., & Replogle, W. (1993). A comparative view of the Myers-Briggs type indicator. *Family medicine*, 25 (3), 186–190. [PubMed⁵⁰⁵](#)
- Ranganathan VK, Siemionow V, Liu JZ, Sahgal V, Yue GH. From mental power to muscle power—gaining strength by using the mind. *Neuropsychologia.* 2004;42(7):944-56. doi: 10.1016/j.neuropsychologia.2003.11.018. PMID: 14998709. [PubMed⁵⁰⁶](#)

Electromagnetism

- Blank, Martin; Goodman, Reba . (2011). DNA is a fractal antenna in electromagnetic fields. *International Journal of Radiation Biology*, 87(4), 409–415. [Crossref⁵⁰⁷](#)
- Cantero, M.d.R., Villa Etchegoyen, C., Perez, P.L. et al. Bundles of Brain Microtubules Generate Electrical Oscillations. *Sci Rep* 8, 11899 (2018). [Crossref⁵⁰⁸](#)
- Gutierrez, B.C., Cantiello, H.F. & Cantero, M. The electrical properties of isolated microtubules. *Sci Rep* 13, 10165 (2023). [Crossref⁵⁰⁹](#)
- Meijer, Dirk. (2018). Processes of Science and Art Modeled as a Holoflux of Information Using Toroidal Geometry. *Open Journal of Philosophy.* 8. 365-400. [10.4236/ojpp.2018.84026](https://doi.org/10.4236/ojpp.2018.84026)⁵¹⁰
- Kuman, Maria. (2018). Our Weak Nonlinear Electromagnetic Field (Nemf) that Rules Everything in the Body is Emotionally Sensitive. *Journal of Complementary Medicine & Alternative Healthcare.* 8. [10.19080/JCMAH.2018.08.55573](https://doi.org/10.19080/JCMAH.2018.08.55573)⁵¹¹
- Leonova-Gariaeva, & Gariaev, Peter & Friedman, Mark & Leonova-Gariaeva, Ekaterina. (2011). Principles of Linguistic-Wave Genetics. *DNA Decipher Journal.* 1. [ResearchGate⁵¹²](#)
- GuangJun Zhang and Michael Levin (2025) Bioelectricity is a universal multifaceted signaling cue in living organisms. [10.1091/mbc.E23-08-0312](https://doi.org/10.1091/mbc.E23-08-0312)⁵¹³
- Angelo Esposito, Rafael Krichevsky, and Alberto Nicolis (2019) Gravitational Mass Carried by Sound Waves [Crossref⁵¹⁴](#)

परशिष्ट 3 |

संदर्भ सूची

1. "प्रोलॉन्जी: अपने जीवन परियोजना को पूरा करें - पुस्तक 1: बीमारी, उपचार, रूपांतरण: संसाधनों का मार्ग" क्रिस्टिन डेगोय द्वारा
यह एक अभिनव मार्गदर्शिका है जो स्वास्थ्य और कल्याण को एक प्रणालीगत दृष्टिकोण के माध्यम से पतु: अनुबंधण करती है, जिसमें आप अपने अस्तित्व को फिर से परिभाषित कर सकते हैं और अपने जीवन परियोजना की गहरी समझ प्राप्त कर सकते हैं। यह पुस्तक आपको आंतरिक संचार को विकसित करने, वास्तविकता की अपनी धारणा को बदलने और अपने होने के कारण को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए आवश्यक उपकरण देती है।
2. "प्रोलॉन्जी: जीवन के अर्थ को फिर से खोजें - पुस्तक 2: शरीर में जीवन परियोजना: समझें, अनलॉक करें, रूपांतरित करें" क्रिस्टिन डेगोय द्वारा
प्रोलॉन्जिकल ऑर्गन इन्फिडिगि में गोता लगाए ताकि यह जान सकें कि आपका शरीर का प्रत्येक भाग आपके अस्तित्व के गहरे आयामों को कैसे प्रतबिंबित करता है। यह पुस्तक आपके जीवन के अनुभवों और आपके शारीरिक स्वास्थ्य के बीच के संबंधों का पता लगाती है, ऊर्जा अवरोधों को समझने, अनलॉक करने और रूपांतरित करने की क्लिपियाँ प्रदान करती है। आंतरिक संसाधनों और छुपि हुई संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करके, यह पुस्तक आपको एक समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से अपने जीवन परियोजना को अपनाने के लिए आमंत्रित करती है, जिसमें आप अपने शरीर और मन को एक पूरे संतोषजनक जीवन के लिए सामंजस्य स्थापित कर सकें।
3. "द बांडी इलेक्ट्रिक: इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म और जीवन की नींव" द्वारा रॉबर्ट बेकर और गरी सेल्डन
यह क्रांतिकारी पुस्तक मानव शरीर के विद्युत्चुंबकीय क्षेत्र और इसके उपचार, ऊर्जा प्रवाह और स्वास्थ्य पर गहन प्रभावों की खोज करती है। बेकर का बायोइलेक्ट्रिसिटी पर शोध शरीर के ऊर्जा प्रणालियों के पीछे के विज्ञान को समझने के लिए आवश्यक अंतरदृष्टि प्रदान करता है।
4. "द स्पायरक इन द मशीन: कैसे एक्यूपंक्चर का विज्ञान पश्चिमी चिकित्सा के रहस्यों की व्याख्या करता है" द्वारा डॉ. डेनियल कीओन
डॉ. कीओन का काम पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान और प्राचीन एक्यूपंक्चर प्रथा के बीच की खाई को पाटता है, यह बताता है कि शरीर में ऊर्जा कैसे प्रवाहित होती है और इसे उपचार के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है।
5. "ऊर्जा चिकित्सा: वैज्ञानिक आधार" द्वारा जेम्स एल. ओगमन
यह पुस्तक ऊर्जा चिकित्सा के पीछे के विज्ञान की पूरी खोज प्रस्तुत करती है, यह प्रमाण प्रस्तुत करती है कि कैसे विद्युत्चुंबकीय क्षेत्र, मैग्नेटिज्म और अन्य ऊर्जा प्रणालियाँ स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। ओगमन भौतिकी और जीवविज्ञान से खींचकर शरीर के ऊर्जा प्रणालियों को समझने का प्रयास करते हैं, जो पारंपरिक और वैकल्पिक उपचार प्रथाओं को पूरक बनाता है।
6. "वाइब्रेशनल मेडिसिन: सूक्ष्म-ऊर्जा चिकित्सा का #1 हैडबुक" द्वारा रिचर्ड गेरेवर
गेरेवर का क्लासिक पाठ सूक्ष्म ऊर्जा चिकित्सा के क्षेत्र को समझने के लिए एक आवश्यक संसाधन है। यह ऊर्जा क्षेत्रों, चक्रों और यह बताता है कि कैसे वाइब्रेशनल चिकित्सा शरीर और मन को ठीक करने के लिए काम करती है।
7. "क्रॉस करंट्स: इलेक्ट्रोपॉल्यूशन के खतरों, इलेक्ट्रोमेडिसिन का वावा" द्वारा रॉबर्ट ओ. बेकर
बेकर का द बांडी इलेक्ट्रिक का अनुवर्ती, यह पुस्तक आधुनिक इलेक्ट्रिकल तकनीक के स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच करती है, जबकि यह भी अनुबंधण करती है कि कैसे विद्युत्चुंबकीय चिकित्सा उपचार में मदद कर सकती है।
8. "बायोलॉजी ऑफ बल्लिफ: चेतना, पदार्थ और चमत्कारों की शक्ति को मुक्त करना" द्वारा ब्रूस एच. लपिटन
यह पुस्तक जीवविज्ञान और विश्वास के चौराहे में गहराई से जाती है, यह दिखाता है कि कैसे मन कोशिका स्तर पर शरीर को प्रभावित करता है। लपिटन बताते हैं कि कैसे ऊर्जा क्षेत्र और चेतना जबकि प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं।
9. "द फील्ड: ब्रह्मांड की गूढ़ शक्ति की खोज" द्वारा लिन मैकटैगर्ट
मैकटैगर्ट शून्य-बिंदु क्षेत्र के बारे में अत्याधुनिक विज्ञान की खोज करती है, जो एक सार्वभौमिक ऊर्जा क्षेत्र है जो सभी पदार्थों को जोड़ता है। यह पुस्तक जीवन की ऊर्जा प्रकृति के बारे में अंतरदृष्टि प्रदान करती है और कैसे हम इस ऊर्जा को उपचार के लिए उपयोग कर सकते हैं।
10. "हीलिंग इज बोलेज: द हैडबुक" द्वारा जेरी टेनेट
डॉ. टेनेट बताते हैं कि शरीर में बोलेज, वशिष्ठ रूप से कोशिका स्तर पर, स्वास्थ्य के लिए कतिना महत्वपूर्ण है। वह यह बताते हैं कि एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करते हैं कि कैसे उचित विद्युत् संभावनाओं को बनाए रखना उपचार और कल्याण के लिए मौलिक है।
11. "माई बगि टो (हर चीज का सद्घात)" थॉमस कैपबेल द्वारा
एक व्यापक त्रयी जो वास्तविकता, चेतना, और भौतिक और पारभौतिक के बीच संबंध की प्रकृति की खोज करती है। कैपबेल, एक भौतिकीविद और चेतना शोधकर्ता, विज्ञान और आध्यात्मिकता को मिलाकर एक अस्तित्व का मॉडल प्रस्तुत करते हैं जो ध्यान, परिवर्तित चेतना की अवस्थाओं, और ब्रह्मांड में ऊर्जा की समझ का समर्थन करता है।
12. "द माइंड इल्युमिनेटेड: एक संपूर्ण ध्यान गाइड जो बौद्ध विज्ञान और मस्तपिक् विज्ञान को बड़ा ध्यान देने के लिए एकीकृत करता है" जॉन गेट्स (कुलदासा) द्वारा
कुलदासा का गाइड ध्यान अभ्यास का एक thorough, चरण-दर-चरण व्याख्या है, जो प्राचीन बौद्ध शक्तियों और समकालीन न्यूरोसाइंस में नहिती है। यह पारंपरिक ध्यान तकनीकों और मस्तपिक् की आधुनिक विज्ञानिक समझ के बीच की खाई को पाटता है।
13. "अल्टरड ड्रेड्स: विज्ञान यह दिखाता है कि ध्यान आपके मन, मस्तपिक् और शरीर को कैसे बदलता है" डेनियल गोल्लेमैन और रिचर्ड जे. डेविसन द्वारा
यह पुस्तक ध्यान के चारों ओर वैज्ञानिक अनुसंधान में गोता लगाती है, इसके गहरे प्रभावों की खोज करती है जो मस्तपिक् और शरीर पर पड़ते हैं। गोल्लेमैन और डेविसन दशकों के अनुसंधान से खींचते हैं ताकि यह समझा सकें कि ध्यान कैसे स्थायी मनोवैज्ञानिक और शारीरिक परिवर्तनों की ओर ले जाता है।
14. "बेकिंग अप: बनि धर्म के आध्यात्मिकता के लिए एक गाइड" सैम हैरिस द्वारा
सैम हैरिस, एक न्यूरोसाइंटिस्ट और दार्शनिक, आध्यात्मिकता और ध्यान के लिए एक तरकसंगत दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, जो विज्ञान और व्यक्तित्व अनुभव दोनों पर आधारित है। उनकी पुस्तक वशिष्ठ रूप से इस पर केंद्रित है कि ध्यान कैसे धारणा और चेतना की समझ में गहन बदलाव ला सकता है, बनि धार्मिक ढांचे की आवश्यकता को।
15. "द पॉवर ऑफ नाउ: आध्यात्मिक प्रबोधन के लिए एक गाइड" एकहार्ट टोले द्वारा
टोले की व्यापक रूप से पढ़ी गई पुस्तक ध्यान और वर्तमान क्षण में रहने के महत्व पर जोर देती है। उनकी शक्तिपूर्ण यह बताती है कि अधिक प्रणता और ध्यान के साथ कैसे जीना है, जो सिंग द बांडी इलेक्ट्रिक में चर्चा की गई ऊर्जा और मानसिक कल्याण के पहलुओं के साथ मेल खाती है।

16. "रीयल मैजिक: प्राचीन ज्ञान, आधुनिक विज्ञान, और ब्रह्मांड की गूढ़ शक्ति के लिए एक गाइड" डीन रेडनि द्वारा
रेडनि, पैराबायोलाजी के क्षेत्र में एक प्रमुख शोधकर्ता, टेलीपैथी, पूरवज्ञान, और मनोचालन जैसे घटनाओं के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य की खोज करते हैं, चेतना, ऊर्जा, और वास्तविकता की व्यापक संरचना के बीच संबंध बनाते हैं। यह पुस्तक भौतिक संघर्ष अन्य वास्तविकताओं को समझने के लिए एक आधार प्रदान करती है।
17. "द फजिक्स ऑफ कॉन्शियसनेस: क्वांटम माइंड और जीवन का अर्थ" इवान हेरिसि वॉकर द्वारा
यह पुस्तक क्वांटम भौतिकी और इसकी चेतना के साथ संबंध में जाती है। वॉकर क्वांटम यांत्रिकी में पर्यवेक्षक की भूमिका का अनुवेषण करते हैं और एक सदिधात प्रस्तुत करते हैं कि चेतना ब्रह्मांड के लिए मौलिक है, ऊर्जा और अस्तित्व की एक व्यापक समझ में योगदान करती है।
18. "द सीक्रेट डॉक्ट्रिन" एच.पी. ब्लावात्स्की द्वारा
यह थियोसोफी का आधारभूत पाठ ब्रह्मांड, चेतना, और आध्यात्मिक विकास की प्रकृति की खोज करता है।
19. "द पेरिनियल फ्लिक्स" एल्डस हक्सले द्वारा
हक्सले विभिन्न धर्मों के बीच आध्यात्मिकता के सामान्य धारों की जांच करते हैं, सार्वभौमिक सत्य पर जोर देते हैं।
20. "हूप्सन डेस्टिनी" पयिरे लोकोम्टे डू नोय द्वारा
यह पुस्तक विज्ञान, दर्शन और धर्म के बीच के चौराहे की खोज करती है, यह तर्क करते हुए कि मानव विकास एक दृश्य उद्देश्य द्वारा मार्गदर्शित होता है। यह मानवता की आध्यात्मिक क्षमता और मानव चेतना के साथ आने वाली नैतिक ज़िम्मेदारियों पर चर्चा करता है।
21. "द रोड टू रीजन" पयिरे लोकोम्टे डू नोय द्वारा
इस दार्शनिक काम में, लोकोम्टे डू नोय ब्रह्मांड को समझने में कारण और वैज्ञानिक विचार के महत्व पर चर्चा करते हैं। वह यह भी बताते हैं कि वैज्ञानिक प्रगतियों की नैतिक और आध्यात्मिक विकास के साथ कैसे एकीकृत किया जाना चाहिए।
22. "डिजिटल सग्नल प्रोसेसिंग को समझना" रचिड जी. लयिन्स द्वारा
यह पुस्तक डिजिटल सग्नल प्रोसेसिंग (DSP) का स्पष्ट और सुलभ परिचय प्रदान करती है, जिसमें जटिल अवधारणाएं भी शुरुआती लोगों के लिए समझना आसान हो जाती है। यह फिल्टरिंग, फूरियर विश्लेषण और नमूना सदिधात जैसे विषयों को व्यावहारिक और आसान तरीके से कवर करती है, जो ऑडियो विश्लेषण के लिए सग्नल प्रोसेसिंग के मूल सदिधातों में रूचि रखने वालों के लिए आदर्श है।
23. "वैज्ञानिक और इंजीनियर के लिए डिजिटल सग्नल प्रोसेसिंग गाइड" स्टीवन डब्ल्यू. स्मथि द्वारा
एक लोकप्रिय, पढ़ने में आसान पुस्तक जो व्यावहारिक उदाहरणों और अनुप्रयोगों के साथ DSP अवधारणाओं का परिचय देती है। यह एक मुफ्त ऑनलाइन संसाधन है जो चरण-दर-चरण मार्गदर्शिकाएँ और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के साथ सग्नल प्रोसेसिंग कैसे काम करता है, यह समझाता है, जिसमें यह विषय रूप से ऑडियो और संगीत सग्नल विश्लेषण में रूचि रखने वाले शुरुआती लोगों के लिए अत्यधिक सुलभ है।
24. "डिजिटल ऑडियो सग्नल प्रोसेसिंग" उडो जोल्ज़र द्वारा
यह पुस्तक डिजिटल ऑडियो सग्नल प्रोसेसिंग के सदिधातों और अनुप्रयोगों का परिचय देती है, जो डिजिटल फिल्टर, ऑडियो प्रभाव, और समय-आवृत्त विश्लेषण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है। जबकि तकनीकी है, सामग्री को उन पाठकों के लिए समझने योग्य तरीके से प्रस्तुत किया गया है जिनके पास DSP का बुनियादी ज्ञान है।
25. "ऑडियो सामग्री विश्लेषण का परिचय: सग्नल प्रोसेसिंग और संगीत सूचना विज्ञान में अनुप्रयोग" अलेक्जेंडर लर्च द्वारा
यह पाठ विशिष्ट रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है जो ऑडियो और संगीत सग्नल प्रोसेसिंग में रुचि रखते हैं। यह ऑडियो सामग्री का विश्लेषण करने के लिए तकनीकों का परिचय देता है जैसे कि संगीत संरचना, ताल, और सामंजस्य का उपयोग सग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम। यह पुस्तक छात्रों और पेशेवरों दोनों के लिए व्यावहारिक और सुलभ है।

26. "C में ऑडियो इफेक्ट प्लग-इन डिजाइन करना: डिजिटल ऑडियो सग्नल प्रोसेसिंग सदिधात के साथ" बिल परकल द्वारा
जो लोग ऑडियो सग्नल प्रोसेसिंग के अनुप्रयोग पक्ष में गीता लगाना चाहते हैं, उनके लिए यह पुस्तक C प्रोग्रामिंग का उपयोग करके ऑडियो प्रभावों को कोडिंग और डिजाइन करने के लिए एक उपयोगकर्ता-अनुकूल परिचय है। यह उन शुरुआती लोगों के लिए आदर्श है जो समझना चाहते हैं कि DSP को वास्तविक समय में ऑडियो प्रभाव बनाने के लिए कैसे लागू किया जा सकता है।

जुग और अचेतन

27. "स्मृति, सपने, परावर्तन" कार्ल जी. जुग द्वारा
यह एक अर्थ-आत्मकथात्मक कार्य है, यह पुस्तक जुग के जीवन और मुख्य विचारों को कवर करती है, जिसमें सामूहिक अचेतन, आर्कटाइप और छाया जैसे सदिधातों का विकास शामिल है। यह उनके मनोवैज्ञानिक सदिधातों में व्यक्तित्व अंतरदृष्टियों प्रदान करती है।
28. "आर्कटाइप और सामूहिक अचेतन" कार्ल जी. जुग द्वारा
यह पुस्तक जुगियन मनोवैज्ञान में एक केंद्रीय पाठ है, जहां वह अचेतन मन के सदिधातों को, विशेष रूप से सामूहिक अचेतन और इसके आर्कटाइप छवियों को रेखांकित करते हैं। यह जुग के व्यक्तित्व और मन की अवधारणाओं को समझने के लिए मौलिक पढ़ाई है।
29. "मनोवैज्ञानिक प्रकार" कार्ल जी. जुग द्वारा
इस कार्य में, जुग अपने मनोवैज्ञानिक प्रकारों के सदिधातों को पेश करते हैं, जिसमें बाद में मायर्स-ब्रिग्स प्रकार संकेतक (MBTI) के विकास को प्रभावित किया। वह अंतरमुखता और बहुरिमुखता की दृष्टता के साथ-साथ अन्य मनोवैज्ञानिक कार्यों पर चर्चा करते हैं जो व्यक्तित्व को आकार देते हैं।
30. "मनुष्य और उसके परतीक" कार्ल जी. जुग द्वारा
जुगियन विचारों का एक सुलभ परिचय के रूप में लिखी गई, यह पुस्तक सपनों और कला में परतीकों के उपयोग में अचेतन प्रक्रियाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए गहराई से जाती है। यह व्यापक दर्शकों के लिए डिजाइन की गई है और मानव मन में अंतरदृष्टियों प्रदान करती है।
31. "अविकसित आत्म" कार्ल जी. जुग द्वारा
जुग व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता और आधुनिक समाज के देवों के बीच संघर्ष की जांच करते हैं। यह व्यक्तित्व के अचेतन और छाया पहलुओं को नेवगिट करने में आत्म-जागरूकता के महत्व पर जोर देता है।
32. "अपने खुद के छाया का स्वामित्व: मन की अंधेरी तरफ को समझना" रॉबर्ट ए. जॉनसन द्वारा
जुग के छाया के सदिधातों को समझने के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका, यह पुस्तक मनोवैज्ञानिक संतुलन और व्यक्तित्व विकास के लिए छाया आत्म को पहचानने और एकीकृत करने के तरीकों को समझाती है।
33. "जुग का आत्म का मानचित्र: एक परिचय" मरेस्टीन द्वारा
यह पुस्तक जुग के व्यक्तित्व के सदिधातों का एक परिचय प्रदान करती है, जिसमें छाया, अचेतन और व्यक्तित्व के विचार शामिल हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा संसाधन है जो जुगियन मनोवैज्ञान में नए हैं।
34. "भक्ति उपहार: व्यक्तित्व प्रकार को समझना" इसाबेल ब्रिग्स मायर्स और पीटर वी. मायर्स द्वारा
यह पुस्तक व्यक्तित्व प्रकारों के MBTI प्रणाली को समझाती है, जो जुग के मनोवैज्ञानिक प्रकारों पर आधारित है। यह बताती है कि विभिन्न व्यक्तित्व प्रकार कैसे इंटरैक्ट करते हैं और वे व्यक्तित्व और व्यावसायिक जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं।
35. "ध्वनियों के साथ उपचार" कार्ल जी. जुग द्वारा
यह पुस्तक जुग के व्यक्तित्व के सदिधातों का एक परिचय प्रदान करती है, जिसमें छाया, अचेतन और व्यक्तित्व के विचार शामिल हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा संसाधन है जो जुगियन मनोवैज्ञान में नए हैं।
36. "ध्वनि की उपचार शक्ति: ध्वनि, आवाज, और संगीत का उपयोग करके जीवन-खतरों वाली बीमारी से उबरना" द्वारा मशिल एल. गेयर
यह पुस्तक उपचार के लिए ध्वनि चिकित्सा के उपयोग में गहराई से उतरती है, यह बताते हुए कि कैसे कंपन और आवृत्तियों बीमारी से उबरने का समर्थन करने के लिए उपयोग की जा सकती है। गेयर, एक ऑन्कोलॉजिस्ट, चिकित्सा अंतरदृष्टियों को ध्वनि चिकित्सा प्रथाओं के साथ जोड़ते हैं।
37. "मानव बायोफील्ड का दृष्टि: कंपन ध्वनि चिकित्सा के साथ उपचार" द्वारा ऐलीन डे मॅककुसिक
मॅककुसिक बायोफील्ड एनालॉमी का अध्ययन करती हैं, यह चर्चा करते हुए कि कैसे ध्वनि, आवृत्तियों, और कंपन मानव ऊर्जा क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। पुस्तक में बताया गया है कि कैसे दृष्टि फोर्क और अन्य ध्वनि उपकरण उपचार को बढ़ावा दे सकते हैं।

37. **"उपचार ध्वनयि: हार्मोनिक्स की शक्ति"** द्वारा जोनाथन गोलडमैन
यह पुस्तक शरीर और मन को ठीक करने के लिए ध्वनि और हार्मोनिक्स के उपयोग की अवधारणा को स्पष्ट करती है। इसमें ध्वनि चिकित्सा के लिए व्यावहारिक तकनीकें शामिल हैं, जैसे आवाज का टोनलि और ओवरटोन के साथ काम करना।
38. **"ध्वनि चिकित्सा: शरीर और मन को ठीक करने के लिए ध्वनि के प्राचीन वैज्ञानिक उपयोग कैसे करें"** द्वारा क्लारीस चौधरी
यह पुस्तक प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा को आधुनिक ध्वनि चिकित्सा प्रथाओं के साथ जोड़ती है। चौधरी यह बताते हैं कि कैसे ध्वनि आवृत्तियाँ और कंपन उपचार और कल्याण के लिए, मंत्रों से लेकर आधुनिक ध्वनि प्रौद्योगिकियाँ तक, उपयोग किए जा सकते हैं।
52. **"अल्टीमेट जर्नी"** द्वारा रॉबर्ट ए. मॉनरो
त्रयी की इस अंतिम पुस्तक में, मॉनरो altered states of consciousness में अपने अनुभवों से अंतरदृष्टियाँ साझा करते हैं, जैसे कि जीवन के बाद, अस्तित्व की प्रकृति, और मानव उद्देश्य।
53. **"कॉस्मिक चेतना"** द्वारा रचिर्ड एम. बके
बके अपने कॉस्मिक चेतना के अनुभव का वर्णन करते हैं और आध्यात्मिक विकास के लिए इसके प्रभावों का अन्वेषण करते हैं।
54. **"ज्ञान का एक यात्री तरीका"** द्वारा कार्लोस कास्टानेडा
यह पुस्तक शमनिक प्रथाओं और वास्तविकता की प्रकृति में गहराई से जाती है। कास्टानेडा के एक यात्री शमन के साथ शक्तिधारिता के माध्यम से।

चेतना, ऊर्जा, और वास्तविकता

39. **"पानी का चौथा चरण: ठोस, तरल, और भाप से परे"** द्वारा जेरोल्ड पोलक
पोलक पानी के गुणों और जैविकी और ऊर्जा चिकित्सा पर इसके प्रभावों पर groundbreaking अनुसंधान प्रस्तुत करते हैं।
40. **"LSD और ब्रह्मांड का मन"** द्वारा क्रिस्टोफर बेंच
बेंच मनोवैज्ञानिक, चेतना, और वास्तविकता की प्रकृति के चौराहे का अन्वेषण व्यक्तिगत अनुभवों और वैज्ञानिक अंतरदृष्टियों के माध्यम से करते हैं।
41. **"जीवन के परे चेतना: नजदीकी मृत्यु के अनुभव का वैज्ञानिक"** द्वारा पमि वैन लोमेल
वैन लोमेल नजदीकी मृत्यु के अनुभवों, उनकी चेतना पर प्रभाव, और भौतिक अस्तित्व के परे आत्मा की नरितरता का व्यापक अध्ययन प्रस्तुत करते हैं।
42. **"वह आदमी जो चमत्कारों में विश्वास नहीं करता"** द्वारा डेविड वैन काउबेलाट
यह उपन्यास चेतना और क्वांटम भौतिकी के विषयों को आपस में जोड़ता है, वास्तविकता और विश्वास की प्रकृति का अन्वेषण करता है एक आकर्षक कथा के माध्यम से।
43. **"उद्देश्य से स्वस्थ: आत्म-उपचार के लिए प्रेरणाएं"** द्वारा फोल्कर मेइसनर
मेइसनर ऊर्जा चिकित्सा के पीछे के वैज्ञानिक सिद्धांतों की जांच करते हैं, इसके चिकित्सीय संभावनाओं और तंत्रों के बारे में अंतरदृष्टियाँ प्रदान करते हैं।
44. **"जुड़े हुए: वैश्विक चेतना का उदय"** द्वारा रोजर नेल्सन
नेल्सन मानव चेतना की आपसी जुड़ाव और सामूहिक अनुभवों और वैश्विक चेतना को समझने पर इसके प्रभावों का अध्ययन करते हैं।
45. **"मॉर्फोजेनेसिक पानी - स्वास्थ - जानकारी और चेतना के क्षेत्र"** द्वारा मार्क हेनरी
हेनरी जीववैज्ञानिक प्रणालियों में पानी के महत्व और ऊर्जा संचरण और चेतना के लिए एक माध्यम के रूप में इसकी भूमिका पर चर्चा करते हैं।
46. **"जीवन के बाद जीवन"** द्वारा स्टेफेन मूडी
मूडी का groundbreaking कार्य नजदीकी मृत्यु के अनुभव की अवधारणा प्रस्तुत करता है और उन लोगों द्वारा रिपोर्ट किए गए सामान्य तत्वों को उजागर करने वाले कई कसे स्टडीज पेश करता है जिन्होंने ऐसे अनुभव किए हैं।
47. **"रोशनी में गले लगाना"** द्वारा बेट्टी जे. ईडी
यह सम्मरण ईडी के नजदीकी मृत्यु के अनुभव का वर्णन करता है, उनकी अंतरदृष्टियों और उनके यात्रा के दौरान उन्होंने जो गहन आध्यात्मिक रहस्योद्घाटन किए साझा करता है।
48. **"स्वरा का प्रमाण: एक न्यूरोसर्जन की यात्रा पर जीवन के बाद"** द्वारा एबेन अलकजेंडर
अलकजेंडर, एक न्यूरोसर्जन, अपने नजदीकी मृत्यु के अनुभव को साझा करते हैं और चेतना और जीवन के बाद के संबंध में पारंपरिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण को चुनौती देने वाला एक आकर्षक खाता प्रस्तुत करते हैं।
49. **"मैं होने के लिए मर रहा हूँ: कैसर से, नजदीकी मृत्यु से, सच्चे उपचार की ओर मेरी यात्रा"** द्वारा अनिता मूरजानी
मूरजानी कैसर की लड़ाई के दौरान अपने परिवर्तनकारी नजदीकी मृत्यु के अनुभव को साझा करती हैं और आत्म-स्वीकृति और उपचार के बारे में उन्होंने जो शक्तिशाली सबक सीखे।
50. **"शरीर से बाहर की यात्राएं"** द्वारा रॉबर्ट ए. मॉनरो
यह क्लासिक पुस्तक मॉनरो के शरीर से बाहर यात्रा करने के व्यक्तिगत अनुभवों का दस्तावेजीकरण करती है और भौतिक शरीर के परे मानव चेतना की संभावनाओं का अन्वेषण करती है। इस चेतना अध्ययन में एक मौलिक पाठ के रूप में व्यापक रूप से माना जाता है।
51. **"दूर की यात्राएं"** द्वारा रॉबर्ट ए. मॉनरो
"शरीर से बाहर की यात्राओं" के इस अगली कड़ी में, मॉनरो भौतिक स्तर के परे अपने यात्रा में गहराई से जाते हैं, जहाँ वह अस्तित्व के विभिन्न आयामों का अन्वेषण करते हैं और चेतना की अपनी समझ का विस्तार करते हैं।

जीवनीतकी और चिकित्सा

55. **"जीवनीतकी: सिद्धांत, मूड, और मामले"** लुईस वॉन द्वारा
वॉन चिकित्सा प्रथा में प्रमुख नैतिक सिद्धांतों और मूडों को प्रस्तुत करते हैं, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिए कैसे स्टडीज प्रदान करते हैं।
56. **"चेतना और ब्रह्मांड: क्वांटम भौतिकी, विकास, मस्तिष्क और मन"** सर रोजर पेनरोज और स्टुअर्ट हेमरोफ द्वारा
इस नविष्ठ संग्रह में चेतना के क्वांटम मूलों का अन्वेषण किया गया है, जो भौतिकी, तंत्रिका विज्ञान और दर्शन से अंतरदृष्टियों को जोड़ते हुए। यह जांचते हैं कि कैसे मस्तिष्क में क्वांटम प्रक्रियाएँ चेतन अनुभव को समझ सकती हैं।
57. **"चेतना स्पष्ट की गई"** डैनियल डेनेट द्वारा
डेनेट चेतना का एक व्यापक सिद्धांत प्रस्तुत करते हैं, पारंपरिक दृष्टिकोणों के खिलाफ तर्क करते हुए और मन के कार्यों पर अंतरदृष्टियाँ प्रदान करते हैं।
58. **"जागना: धर्म के बनि आध्यात्मिकता के लिए एक मार्गदर्शिका"** सैम हेरिस द्वारा
हेरिस चेतना, ध्यान और आध्यात्मिकता की प्रकृति पर चर्चा करते हैं, मन को समझने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण की वकालत करते हैं।

क्वांटम भौतिकी और आध्यात्मिकता

59. **"क्वांटम और कमल: एक यात्रा जहाँ वैज्ञानिक और बौद्ध धर्म मिलते हैं"** मधुसूदर रिकार्ड और त्रिनिद ज्ञान थुआन द्वारा
यह पुस्तक क्वांटम भौतिकी और बौद्ध दर्शन के बीच समानांतर का अन्वेषण करती है, दोनों क्षेत्रों में अंतरदृष्टियों पर चर्चा करती है।
60. **"होलोग्राफिक यूनियर्स"** माइकल तालबोट द्वारा
तालबोट इस विचार को प्रस्तुत करते हैं कि ब्रह्मांड एक होलोग्राम की तरह काम करता है, जो क्वांटम भौतिकी से अंतरदृष्टियों को आध्यात्मिक नहिंतिरथों के साथ मिलाता है।

मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सा

61. **"मनसुख का अर्थ की खोज"** वकिटर ई. फ्रैकल द्वारा
फ्रैकल सबसे गंभीर परिस्थितियों में भी उद्देश्य खोजने की मनोवैज्ञानिक यात्रा का अन्वेषण करते हैं, अस्तित्ववादी दर्शन और मनोवैज्ञानिक को एकीकृत करते हैं।
62. **"शरीर स्कोर रखता है: मस्तिष्क, मन, और शरीर में आघात का उपचार"** बेंसल वैन डेरे कोल्क द्वारा
यह पुस्तक शरीर और मन पर आघात के प्रभाव पर चर्चा करती है, उपचार के लिए नवोन्मेषी दृष्टिकोण को उजागर करती है।
63. **"कोर एनर्जेटिक्स"** जॉन सी. पयिराकांस द्वारा
यह पुस्तक पयिराकांस के कोर एनर्जेटिक्स के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है, जो एक शरीर-केंद्रित चिकित्सीय पद्धति है। वह इस पर गहराई से विचार करते हैं कि शरीर में ऊर्जा को अवशोषित करने से भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक उपचार कैसे हो सकता है, आध्यात्मिकता को मनोचिकित्सा के साथ एकीकृत करते हैं।

64. **"स्व-परिवर्तन का मार्गकार्य"** ईवा पयिराकॉस द्वारा
जॉन पयिराकॉस की पत्नी ईवा पयिराकॉस द्वारा लिखित, यह पुस्तक कोर एनर्जेटिक्स की आध्यात्मिक और ऊर्जा के आधरो को समझने में महत्वपूर्ण है। यह पाथवरक गाइड से शक्तिपाओ का एक संग्रह प्रस्तुत करती है, जसिन पयिराकॉस के अपन चिकित्सीय काम पर गहरा प्रभाव डाला।
65. **"मेरा स्वर तुम्हारे साथ जाएगा: मल्टिन एच. एरक्सिन की शक्तिषण कहानियाँ"** मल्टिन एच. एरक्सिन द्वारा, संपादित मडिनी रोसेन द्वारा
यह पुस्तक एरक्सिन की चिकित्सीय कहानियाँ और शक्तिषण कहानियाँ का एक संग्रह है। यह उनकी अप्रत्यक्ष तकनीकों और गहन मनोवैज्ञानिक परिवर्तन को सूत्रधिजनक बनाने के लिए उपमा के उपयोग को उजागर करती है, यह बताते हुए कि एरक्सिन ने अपने मरीजों को उपचार की ओर कैसे सूक्ष्म रूप से मार्गदर्शन किया।
66. **"असामान्य चिकित्सा: मल्टिन एच. एरक्सिन, एम.डी. की मानसिक तकनीकें"** जे हेली द्वारा
हेली एरक्सिन की संक्षेपित चिकित्सा में नवोन्मेषी तकनीकों पर वस्तुतः दृष्टि प्रदान करते हैं। यह पुस्तक एरक्सिन की गैर-पारंपरिक और अक्सर आश्चर्यजनक विधियों को उजागर करती है, जसिमें उनके मरीजों को कुछ ही सत्रों में तजी से चिकित्सीय breakthroughs की ओर मार्गदर्शन करने की क्षमता शामिल है।
67. **"सामान्य प्रणाली सिद्धांत: नीचे, विकास, अनुप्रयोग"** द्वारा लडुवगि वॉन बर्टालान्फी
सिस्टम सोच में एक क्लासिक, बर्टालान्फी का काम सामान्य प्रणाली सिद्धांत के मूलभूत सिद्धांतों को प्रस्तुत करता है, जो विज्ञानों में अंतःविषय अध्ययन के लिए एक बुनियादी स्तंभ बन गया। उनके विचार जीवविज्ञान से लेकर सामाजिक विज्ञानों तक में प्रभावशाली रहे हैं।
68. **"मन की पारस्थितिकी के लिए कदम"** द्वारा ग्रैगोरी बेटसन
पैलो अल्टो समूह में एक प्रमुख व्यक्ति, बेटसन के विधियों का संग्रह संचार, मनोवैज्ञान, और पारस्थितिकी जैसे विषयों को कवर करता है। उनका काम मानव संचार और इंटरएक्शन में सिस्टम सोच के लिए आधार तैयार करता है।
69. **"मन और प्रकृति: एक आवश्यक एकता"** द्वारा ग्रैगोरी बेटसन
बेटसन का एक और आवश्यक पाठ, जो यह जांचता है कि मन और पर्यावरण कैसे आपस में जुड़े हुए हैं। उनके विचार मानव इंटरएक्शन, सीखने, और पारस्थितिकी के संदर्भ में प्रणाली सिद्धांत को समझने के लिए बुनियादी हैं।
70. **"वास्तविकता का सामाजिक निर्माण: ज्ञान के समाजशास्त्र में एक शोध पत्र"** द्वारा पीटर एल. बर्गर और थॉमस लुक्रमन
यह पुस्तक सिस्टम सोच से संबंधित है क्योंकि यह सामाजिक प्रणालियों और वास्तविकताओं के निर्माण और रखरखाव की जांच करती है।
71. **"जीवन का प्रणाली दृश्य: एक एकीकृत दृष्टि"** द्वारा फ्रिड्रिजॉफ कपरा और पयिर लडुगी लडुगी
सिस्टम सोच में एक प्रमुख व्यक्ति कपरा जीवित प्रणालियों की समकालीन और एकीकृत समझ प्रस्तुत करते हैं। यह पुस्तक प्रणाली सिद्धांत को जीवविज्ञान, पारस्थितिकी, और चेतना से जोड़ती है।
72. **"परिवर्तन: समस्या निर्माण और समस्या समाधान के सिद्धांत"** द्वारा पॉल वत्जलावकि, जॉन वीकलैंड, और रचिर्ड फशि
पैलो अल्टो समूह का एक और आवश्यक कार्य, यह मानव प्रणालियों में, विशेष रूप से परिवारों और संगठनों में, परिवर्तन कैसे होता है, इसका अन्वेषण करता है।
73. **"ज्ञान का वृक्ष: मानव समझ की जैविक जड़ें"** द्वारा हबर्टो आ. मातरुआ और फ्रांसिस्को जे. बरेला
यह पुस्तक जीवविज्ञान, संज्ञान, और सिस्टम सोच को एक साथ जोड़ती है, स्व-संरजन (स्वयं-निर्माण प्रणाली) पर ध्यान केंद्रित करती है, जो जीवित प्रणालियों को समझने में एक केंद्रीय अवधारणा है।
74. **"साइबरनेटिक्स, या जानवर और मशीन में नियंत्रण और संचार"** द्वारा नॉर्बर्ट वीनर
साइबरनेटिक्स का यह बुनियादी पाठ संचार और नियंत्रण प्रक्रियाओं के संचालन की जांच करता है, दोनों मशीनों और जीवित प्राणियों में।
75. **"पाँचवाँ अनुमान: शक्तिषण संगठन की कला और अभ्यास"** द्वारा पीटर एम. सेंजे
सेंजे का काम संगठनात्मक विकास में प्रणाली सोच को लागू करता है। इसे व्यापार और शक्तिषा में एक प्रमुख पाठ के रूप में व्यापक रूप से माना जाता है, जो यह बताता है कि जटिल संगठनों को सीखने और अनुकूलन के लिए कैसे संरचित किया जा सकता है।

सिस्टम सिद्धांत और सिस्टम सोच